



लिखु पिके गाउँपालिका  
गाउँ कार्यपालिकाको कार्यालय  
चौलाखर्क, सोलुखुम्बु, कोशी प्रदेश, नेपाल

गाउँपालिका पार्श्वचित्र

मस्यौदा प्रतिवेदन  
२०८१

# विषयसूची

|  |           |
|--|-----------|
| <b>परिच्छेद - १: परिचय</b>                                 | <b>१</b>  |
| १.१ पृष्ठभूमि  | १         |
| १.२ उद्देश्य   | १         |
| १.३ कानूनी तथा नीतिगत आधारहरू                              | २         |
| १.४ तयारीका चरणहरू   | २         |
| १.४.१ वस्तुस्थिति विवरण ढाँचा, औजार तथा कार्यविधि तयारी    | ३         |
| १.४.२ वस्तुस्थिति विवरण तयारी कार्यशाला                    | ३         |
| १.४.३ सहजकर्ता तथा स्वयंसेवी गणक छनौट अभिमुखीकरण र परिचालन | ४         |
| १.४.४ तथ्याङ्क संकलन                                       | ४         |
| १.४.५ तथ्याङ्क प्रशोधन तथा विश्लेषण र स्रोत नक्सा तयारी    | ४         |
| १.४.६ वस्तुस्थिति विवरणको मस्यौदा तयारी                    | ४         |
| १.४.७ वस्तुस्थिति विवरण सुझाव संकलन                        | ५         |
| १.४.८ गाउँ वस्तुस्थिति विवरण अन्तिम प्रतिवेदन तयारी        | ५         |
| १.५ वस्तुस्थिति विवरणको सीमा                               | ५         |
| <b>परिच्छेद - २ : गाउँपालिकाको चिनारी</b>                  | <b>६</b>  |
| २.१ भौगोलिक अवस्थिति                                       | ६         |
| २.२ ऐतिहासिक पृष्ठभूमि तथा नामाकरण                         | ६         |
| २.३ राजनैतिक अवस्थिति                                      | ६         |
| २.५ प्राकृतिक सम्पदा                                       | १०        |
| २.६ साँस्कृतिक उत्कृष्टता                                  | ११        |
| २.७ विकासका मुख्य सम्भावनाहरू                              | १२        |
| २.८. ग्राहस्थ उत्पादन                                      | १३        |
| २.९. मानव विकास सुचकाङ्क                                   | १४        |
| <b>परिच्छेद - ३ : पारिवारिक तथा जनसांख्यिक विवरण</b>       | <b>१५</b> |
| ३.१ मुख्य बस्ती र घरपरिवारको विवरण                         | १५        |
| ३.१.१ मुख्य बस्ती  | १५        |
| ३.१.२ घरपरिवारको विवरण                                     | १५        |
| ३.२ जनसंख्या वितरणको अवस्था                                | १६        |
| ३.३ उमेर समूह तथा लिंग अनुसार जनसंख्याको विवरण             | १८        |
| ३.४ मातृभाषाको आधारमा जनसंख्याको विवरण                     | २०        |
| ३.५ धर्म अनुसार जनसंख्याको वडागत विवरण                     | २२        |
| ३.६ जातजातीको आधारमा वडागत जनसंख्याको विवरण                | २३        |
| ३.७ महिलाको स्वामित्व अनुसार सम्पत्तीको विवरण              | २४        |
| ३.८ पेशाको आधारमा जनसंख्याको विवरण                         | २५        |
| ३.९ आर्थिक रूपले सक्रिय जनसंख्याको विवरण                   | २६        |
| ३.१० अपाङ्गताका आधारमा जनसंख्याको विवरण                    | २७        |

|                                     |   |           |
|-------------------------------------|---|-----------|
| ३.११                                | बसाइँसराई सम्बन्धी विवरण                              | २८        |
| ३.१२                                | व्यक्तिगत घटना दर्ता सम्बन्धी विवरण                   | २९        |
| ३.१३                                | सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रमबाट लाभान्वित विवरण          | ३३        |
| <b>परिच्छेद - ४ : आर्थिक अवस्था</b> |   | <b>३५</b> |
| <b>४.१</b>                          | <b>प्रमुख आर्थिक विवरण</b>                            | <b>३५</b> |
| ४.१.१                               | आवास संरचना विवरण                                     | ३५        |
| ४.१.२                               | आयात तथा निर्यातको अवस्था                             | ३७        |
| ४.१.३                               | औद्योगिक कच्चा पदार्थ उत्पादनको अवस्था                | ३७        |
| ४.१.४                               | वैदेशिक रोजगारीमा गएकाहरूको विवरण                     | ३७        |
| ४.१.५                               | सुकुम्बासी सम्बन्धी विवरण                             | ३९        |
| <b>४.२</b>                          | <b>भू-उपयोग तथा स्वामित्व</b>                         | <b>३९</b> |
| ४.२.१                               | भू-उपयोगको विवरण                                      | ३९        |
| ४.२.२                               | भू-स्वामित्व  | ४०        |
| ४.२.३                               | खेतीयोग्य जमिन सम्बन्धि विवरण                         | ४१        |
| ४.२.४                               | बाँझो जमिन सम्बन्धी विवरण                             | ४१        |
| <b>४.३</b>                          | <b>कृषि तथा पशु विकास</b>                             | <b>४२</b> |
| ४.३.१                               | सिंचाई सुविधाको उपलब्धता सम्बन्धी विवरण               | ४२        |
| ४.३.२                               | सिंचाईको स्रोत सम्बन्धी विवरण                         | ४२        |
| ४.३.३                               | कृषि उत्पादन सम्बन्धी विवरण                           | ४३        |
| ४.३.४                               | पशुपन्छीजन्य उत्पादन सम्बन्धी विवरण                   | ४५        |
| ४.३.५                               | खाद्यान्न बालीमा लाग्ने रोग तथा कीरा                  | ४५        |
| ४.३.६                               | तरकारी तथा फलफूलमा लाग्ने रोग तथा कीरा                | ४६        |
| ४.३.७                               | पशुपन्छीमा लाग्ने रोग तथा कीरा                        | ४६        |
| ४.३.८                               | व्यवसायिक कृषि तथा पशुपालन फर्महरूको विवरण            | ४६        |
| ४.३.९                               | कृषि तथा पशु सेवासँग सम्बन्धित मानव संसाधन            | ४८        |
| ४.३.१०                              | संकलन केन्द्र तथा चिस्यान केन्द्र                     | ४९        |
| ४.३.११                              | कृषि बजार तथा हाटबजार सम्बन्धी विवरण                  | ५०        |
| <b>४.४</b>                          | <b>पर्यटन विकास</b>                                   | <b>५०</b> |
| ४.४.१                               | धार्मिक तथा पर्यटकीय स्थलहरूको विवरण                  | ५०        |
| ४.४.२                               | होटल, रिसोर्ट, रेष्टुरेन्ट तथा होमस्टे सम्बन्धी विवरण | ५१        |
| ४.४.३                               | उपलब्ध पर्यटकीय सेवा तथा सुविधा सम्बन्धी विवरण        | ५२        |
| ४.४.४                               | स्रोत नक्सा   | ५२        |
| <b>४.५</b>                          | <b>उद्योग, व्यापार तथा बैङ्किङ</b>                    | <b>५२</b> |
| ४.५.१                               | खनिज तथा खानी सम्बन्धी विवरण                          | ५३        |
| ४.५.२                               | स्थानीय बजार तथा व्यापारिक केन्द्रहरूको विवरण         | ५३        |
| ४.५.३                               | बैङ्क तथा वित्तीय संस्था सम्बन्धी विवरण               | ५३        |
| ४.५.४                               | सहकारी संस्थाहरूको विवरण                              | ५५        |
| ४.५.५                               | स्रोत नक्शा   | ५६        |

## परिच्छेद - ५: सामाजिक अवस्था

५७

|            |   |           |
|------------|---|-----------|
| <b>५.१</b> | <b>शैक्षिक तथा मानव संसाधन विकास</b>  | <b>५७</b> |
| ५.१.१      | पाँच वर्ष माथिको जनसंख्याको साक्षरता विवरण  | ५८        |
| ५.१.२      | तहगत रूपमा शैक्षिक संस्था/विद्यालय र विद्यार्थी विवरण                             | ५८        |
| ५.१.३      | विद्यालयमा अध्ययन गरिरहेका तहगत छात्रछात्राको विवरण                               | ६०        |
| ५.१.४      | हाल विद्यालय गइरहेका र विद्यालय बाहिर रहेका तथा विद्यालय छाडेका बालबालिकाको विवरण | ६१        |
| ५.१.५      | शिक्षक तथा शैक्षिक जनशक्ति सम्बन्धी विवरण   | ६२        |
| ५.१.६      | शैक्षिक संस्थामा उपलब्ध भौतिक पूर्वाधार तथा सुविधा                                | ६४        |
| ५.१.७      | नमूना तथा इन्टरनेट सुविधा उपलब्ध विद्यालय विवरण                                   | ६४        |
| ५.१.८      | अपाङ्गता तथा विशेष सिपयुक्त मानव संसाधन   | ६५        |
| ५.१.९      | शैक्षिक गुणस्तर सम्बन्धी विवरण  | ६५        |
| ५.१.१०     | बालमैत्री शिक्षा सम्बन्धी विवरण   | ६५        |
| ५.१.११     | स्रोत नक्शा   | ६५        |
| <b>५.२</b> | <b>स्वास्थ्य तथा पोषण</b>   | <b>६६</b> |
| ५.२.१      | स्वास्थ्य संस्थाको विवरण  | ६६        |
| ५.२.२      | स्वास्थ्य संस्थासम्म पुग्न लाग्ने समयको विवरण                                     | ६६        |
| ५.२.३      | उपलब्ध स्वास्थ्य सेवा तथा सुविधाहरू   | ६७        |
| ५.२.४      | खोप सेवा तथा सुरक्षित मातृत्व सम्बन्धी विवरण                                      | ६७        |
| ५.२.५      | बालस्वास्थ्य तथा पोषणको अवस्था  | ७०        |
| ५.२.६      | सुरक्षित मातृत्व  | ७१        |
| ५.२.७      | स्रोत नक्सा   | ७३        |
| <b>५.३</b> | <b>खानेपानी तथा सरसफाई</b>  | <b>७४</b> |
| ५.३.१      | खानेपानीको स्रोतको विवरण  | ७४        |
| ५.३.२      | शौचालयको प्रयोगको अवस्था  | ७६        |
| ५.३.३      | सार्वजनिक शौचालयको विवरण  | ७७        |
| ५.३.४      | फोहोर व्यवस्थापन सम्बन्धी घरपरिवारको विवरण  | ७७        |
| ५.३.५      | ढल निकासको तथा ल्याण्डफिल साइटको अवस्था   | ७९        |
| ५.३.६      | स्रोत नक्शा   | ७९        |
| <b>५.४</b> | <b>महिला, बालबालिका तथा सामाजिक समावेशीकरण</b>                                    | <b>८०</b> |
| ५.४.१      | लिङ्ग अनुसार बाल विवाह  | ८०        |
| ५.४.२      | बालक्लव तथा संजालको विवरण   | ८१        |
| ५.४.३      | घरपरिवार विहिन बालबालिकाको अवस्था   | ८१        |
| ५.४.४      | अपाङ्गताका आधारमा जनसंख्या  | ८२        |
| ५.४.५      | जेष्ठ नागरिक तथा एकल महिला  | ८२        |
| <b>५.५</b> | <b>युवा, खेलकुद तथा मनोरञ्जन</b>  | <b>८३</b> |
| ५.५.१      | खेलमैदान, पार्क, पिकनिक स्थल तथा मनोरञ्जनस्थल सम्बन्धी विवरण                      | ८३        |
| ५.५.२      | युवा क्लव सम्बन्धी विवरण  | ८४        |

|  |  |           |
|--|--|-----------|
| ५.६  | भाषा, कला तथा संस्कृति   | ८४        |
| ५.६.१  | सार्वजनिक स्थल, पाटी, पौवा र चौतारा  | ८४        |
| ५.६.२  | स्थानीय चाडपर्व तथा जात्रा र मेलाहरूको विवरण   | ८४        |
| ५.७  | शान्ति तथा सुरक्षाको विवरण   | ८५        |
| ५.७.१  | सुरक्षा निकाय सम्बन्धी विवरण   | ८५        |
| <b>परिच्छेद - ६: वन तथा वातावरणीय स्थिति</b> |  | <b>८६</b> |
| ६.१  | वन क्षेत्रको अवस्था  | ८६        |
| ६.१.१  | वन व्यवस्थापन सम्बन्धी विवरण (सरकारद्वारा व्यवस्थित, सामुदायिक, कबुलियती, धार्मिक र निजी वन) | ८६        |
| ६.१.२  | वृक्षारोपणका लागि खाली स्थान सम्बन्धी विवरण  | ८८        |
| ६.१.३  | जडिवुटी उत्पादन, संकलन तथा निकासी सम्बन्धी विवरण   | ८८        |
| ६.१.४  | गाउँपालिका क्षेत्रबाट निकासी हुने वन पैदावरको विवरण  | ८९        |
| ६.२  | जलश्रोत तथा जलाधार क्षेत्र   | ८९        |
| ६.२.१  | प्रमुख नदी तथा खोलाहरू   | ८९        |
| ६.२.२  | ताल, तलैया, पोखरी र सिमसार सम्बन्धी विवरण  | ९०        |
| ६.३  | जैविक विविधता र वातावरणीय सेवा   | ९०        |
| ६.३.१  | बासस्थानका आधारमा महत्वपूर्ण जनावर र चराचुरुङ्गीको विवरण                                     | ९०        |
| ६.३.२  | महत्वपूर्ण वनस्पती विवरण   | ९०        |
| ६.४  | विपद् जोखिम व्यवस्थापन   | ९१        |
| ६.४.१  | जोखिमयुक्त (संवेदनशील स्थानमा बसोबास गरेका परिवार) विवरण                                     | ९१        |
| ६.४.२  | विपद्को किसिम अनुसार जोखिमको समय   | ९२        |
| <b>परिच्छेद - ७ : भौतिक विकासको अवस्था</b>   |  | <b>९३</b> |
| ७.१  | यातायात पूर्वाधार  | ९३        |
| ७.१.१  | सडक संजालको विद्यमान अवस्था  | ९३        |
| ७.१.२  | गाउँपालिका क्षेत्रभित्र चल्ने सवारी साधन   | ९४        |
| ७.१.३  | आफु बसोबास गरेको स्थानबाट नजिकका बजारकेन्द्र पुग्न लाग्ने अनुमानित समय                       | ९४        |
| ७.१.४  | बसपार्क तथा बस बिसौनी सम्बन्धी विवरण   | ९५        |
| ७.१.५  | स्रोत नक्सा  | ९५        |
| ७.२  | विद्युत् तथा वैकल्पिक उर्जा  | ९५        |
| ७.२.१  | इन्धन उपयोग विवरण (खाना पकाउने इन्धनको आधारमा घरपरिवार)                                      | ९६        |
| ७.२.२  | बत्ती बाल्ने इन्धनको प्रयोगको आधारमा घरपरिवार  | ९७        |
| ७.२.३  | जलविद्युत, सौर्य उर्जा, वायु उर्जाबाट विद्युत उत्पादन विवरण                                  | ९८        |
| ७.२.४  | वैकल्पिक ऊर्जा (लघु जलविद्युत, सोलार, बायोग्याँस, सुधारिएको चुल्हो) प्रयोग गर्ने परिवार      | ९८        |
| ७.२.५  | स्रोत नक्शा  | ९९        |
| ७.३  | सञ्चार तथा प्रविधि   | ९९        |
| ७.३.१  | आधुनिक सुविधामा पहुँच सम्बन्धी विवरण   | ९९        |
| ७.४  | आवास तथा भवन   | १००       |
| ७.४.१  | घरको किसिमको आधारमा घरधुरी विवरण   | १००       |

|       |   |     |
|-------|---|-----|
| ७.४.२ | गाउँपालिका अन्तर्गतका सरकारी भवन सम्बन्धी विवरण         | १०४ |
| ७.४.३ | गाउँपालिका कार्यालयदेखि प्रत्येक वडा केन्द्रसम्मको दुरी | १०५ |
| ७.४.४ | पशु वधशालाको विवरण                                      | १०५ |
| ७.४.५ | शवदाहस्थल सम्बन्धी विवरण                                | १०५ |

## **परिच्छेद - ८: संस्थागत तथा सुशासनको स्थिति १०६**

### **८.१ संगठनात्मक तथा मानव संसाधनको अवस्था १०६**

|       |   |     |
|-------|---|-----|
| ८.१.१ | गाउँपालिकाको संगठनात्मक ढाँचा: संगठनात्मक सर्वेक्षणमा रहेको प्रस्तावित संगठन तालिका | १०६ |
|-------|---|-----|

### **८.२ सेवा सुविधा सञ्चालन र व्यवस्थापन १०७**

|       |                                   |     |
|-------|-----------------------------------|-----|
| ८.२.१ | उपलब्ध सेवा सुविधाको प्रकार       | १०७ |
| ८.२.२ | सेवा प्रवाह प्रक्रिया र पृष्ठपोषण | १०७ |

### **८.३ संस्थागत सम्बन्ध र नागरिक संगठन ११०**

|       |   |     |
|-------|---|-----|
| ८.३.१ | गाउँपालिकाभित्रका नागरिक सचेतना केन्द्र, नागरिक मंच र टोल विकास संस्था सम्बन्धी विवरण | ११० |
|-------|---|-----|

### **८.४ ऐन, नीति नियम र कार्यप्रणाली ११०**

|       |  |     |
|-------|--|-----|
| ८.४.१ | गाउँपालिकाका स्वीकृत ऐन, नीति, नियम, निर्देशिका तथा मापदण्डहरु | ११० |
|-------|--|-----|

## **अनुसूचीहरू १११**

|               |   |     |
|---------------|---|-----|
| अनुसूची - १:  | लिखु पिके गाउँपालिकाका जनप्रतिनिधीहरू             | १११ |
| अनुसूची - २:  | कार्यपालिकाको कार्यालयमा कार्यरत कर्मचारीको विवरण | ११२ |
| अनुसूची - ३ : | गाउँपालिकामा संचालित कार्यक्रमका तस्वीरहरु        | ११४ |
| अनुसूची - ४:  | माइन्सूटसहरु                                      | ११५ |

## तालिका सूची

|  |    |
|--|----|
| तालिका नं. १ : लिखु पिके गाउँपालिकाको वडा विभाजन   | ६  |
| तालिका नं. २ : गाउँपालिकाको भिरालोपनको विवरण   | ९  |
| तालिका नं. ३ : जमिनको मोहडाको विवरण  | १० |
| तालिका नं. ४ : खोलाहरुको विवरण   | ११ |
| तालिका नं. ५ : गाउँपालिकाका मुख्य बस्तीहरुको विवरण   | १५ |
| तालिका नं. ६ : वडागत क्षेत्रफल, जनसंख्या तथा घरधुरी विवरण                                      | १५ |
| तालिका नं. ७ : जनसंख्याको विवरण  | १७ |
| तालिका नं. ८ : उमेर र लिंगानुसार वडागत जनसंख्याको विवरण  | १८ |
| तालिका नं. ९ : मातृभाषाअनुसार जनसंख्याको विवरण   | २० |
| तालिका नं. १० : धर्म अनुसार जनसंख्याको वडागत विवरण   | २२ |
| तालिका नं. ११ : जातजातीको आधारमा वडागत जनसंख्याको विवरण  | २३ |
| तालिका नं. १२ : महिलाको नाममा भएको घरजग्गाको विवरण   | २४ |
| तालिका नं. १३ : पेशाको आधारमा जनसंख्याको विवरण   | २५ |
| तालिका नं. १४ : आर्थिक रूपले सक्रिय तथा आश्रित जनसंख्याको विवरण                                | २६ |
| तालिका नं. १५ : अपाङ्गताको कारण अनुसार जनसंख्या विवरण  | २७ |
| तालिका नं. १६ : जन्म स्थानको आधारमा जनसंख्या विवरण   | ३३ |
| तालिका नं. १७ : लिंग र उमेर अनुसार विगत १२ महिनामा मृत्यु भएकाको विवरण                         | ३० |
| तालिका नं. १८ : मृत्युको कारण अनुसार मृतकको जनसंख्याको विवरण                                   | ३१ |
| तालिका नं. १९ : सामाजिक सुरक्षा भत्ता प्राप्त गर्ने लाभग्राहीहरुको संख्यात्मक विवरण            | ३३ |
| तालिका नं. २० : घरको स्वामित्वको आधारमा घरपरिवारको विवरण                                       | ३५ |
| तालिका नं. २१ : जग्गाको आधारमा घरधुरीको विवरण  | ३६ |
| तालिका नं. २२ : बाहिरी गारोको आधारमा घरधुरीको विवरण  | ३६ |
| तालिका नं. २३ : गाउँपालिकाबाट वैदेशिक रोजगारीमा गएका जनसंख्याको विवरण                          | ३८ |
| तालिका नं. २४ : विगत १२ महिनामा वैदेशिक रोजगारीमा गएका मध्येबाट आम्दानी गरी रकम पठाउनेको विवरण | ३९ |
| तालिका नं. २५ : गाउँपालिकाको भू-उपयोग सम्बन्धी विवरण   | ३९ |

|                 |   |    |
|-----------------|---|----|
| तालिका नं. २६ : | बसोबास गरिरहेको घर भएको जग्गाको स्वामित्वको आधारमा घरपरिवारको विवरण   | ४० |
| तालिका नं. २७ : | सिंचाईको स्रोतको आधारमा सिंचित जमिनको क्षेत्रफलको विवरण (हेक्टरमा)    | ४२ |
| तालिका नं. २८ : | अन्नबाली उत्पादन सम्बन्धी विवरण (बहुउत्तरमा आधारित)                   | ४३ |
| तालिका नं. २९ : | दलहनबाली उत्पादन सम्बन्धी विवरण                                       | ४३ |
| तालिका नं. ३० : | तेलबाली उत्पादन सम्बन्धी विवरण  | ४४ |
| तालिका नं. ३१ : | फलफूलबाली उत्पादन सम्बन्धी विवरण                                      | ४४ |
| तालिका नं. ३२ : | नगदेबाली उत्पादन सम्बन्धी विवरण                                       | ४४ |
| तालिका नं. ३३ : | पशुपन्छीजन्य वस्तुको उत्पादन सम्बन्धी विवरण (बहुउत्तरमा आधारित)       | ४५ |
| तालिका नं. ३४ : | खाद्यान्न बालीमा लाग्ने रोग विवरण                                     | ४५ |
| तालिका नं. ३५ : | तरकारी तथा फलफूलमा लाग्ने रोग तथा कीरा                                | ४६ |
| तालिका नं. ३६ : | व्यवसायिक कृषि/पशुपालन फर्महरू  | ४७ |
| तालिका नं. ३७ : | कृषिसँग सम्बन्धित समूहको विवरण  | ४८ |
| तालिका नं. ३८ : | कृषि तथा पशु सेवासँग सम्बन्धित जनशक्तिको विवरण                        | ४८ |
| तालिका नं. ३९ : | कृषि वा पशुपालन उत्पादनमा आबद्ध घरपरिवारको विवरण                      | ४९ |
| तालिका नं. ४० : | धार्मिक तथा पर्यटकीय स्थलहरूको विवरण                                  | ५० |
| तालिका नं. ४१ : | गाउँपालिकामा रहेका केही होटल, रिसोर्ट तथा रेष्टुरेन्ट सम्बन्धी विवरण  | ५१ |
| तालिका नं. ४२ : | स्थानीय बजार तथा व्यापारिक केन्द्र सम्बन्धी विवरण                     | ५३ |
| तालिका नं. ४३ : | गाउँपालिकामा रहेका बैङ्क तथा वित्तीय संस्थाहरूको विवरण                | ५३ |
| तालिका नं. ४४ : | नजिकको बैङ्कसम्म पुग्न लाग्ने समयको विवरण                             | ५४ |
| तालिका नं. ४५ : | बैङ्क खाता भएको घर परिवारको विवरण (बहुउत्तरमा आधारित)                 | ५४ |
| तालिका नं. ४६ : | गाउँपालिकामा रहेका सहकारी संस्थाहरू सम्बन्धी विवरण                    | ५५ |
| तालिका नं. ४७ : | ५ वर्ष वा सो भन्दा माथिका जनसंख्याको साक्षरता विवरण                   | ५८ |
| तालिका नं. ४८ : | शैक्षिक सत्र २०८० अनुसार विद्यार्थी विवरण                             | ५९ |
| तालिका नं. ४९ : | ५ वा सो भन्दा माथिका साक्षर जनसंख्याले उत्तीर्ण गरेको तह अनुसार विवरण | ६० |
| तालिका नं. ५० : | विद्यालय तथा कलेज गइरहेका विद्यार्थीहरूको विवरण                       | ६१ |
| तालिका नं. ५१ : | विद्यालय तथा कलेज नजानुको कारणका आधारमा बालबालिकाहरूको विवरण          | ६१ |
| तालिका नं. ५२ : | शिक्षक तथा शैक्षिक जनशक्ति सम्बन्धी विवरण                             | ६२ |
| तालिका नं. ५३ : | शैक्षिक संस्थामा उपलब्ध भौतिक पूर्वाधार तथा सुविधा सम्बन्धी विवरण     | ६४ |
| तालिका नं. ५४ : | अपाङ्गता तथा विशेष सिपयुक्त मानव संसाधन सम्बन्धी विवरण                | ६५ |



|                 |  |    |
|-----------------|--|----|
| तालिका नं. ५५ : | गाउँपालिकामा रहेका स्वास्थ्य संस्थाको विवरण                                  | ६६ |
|                 |  | ६६ |
|                 |  | ६६ |
|                 |  | ६६ |
| तालिका नं. ५६ : | नजिकको स्वास्थ्य संस्थासम्म पुग्न लाग्ने समयको आधारमा परिवारको विवरण         | ६६ |
| तालिका नं. ५७ : | खोप सम्बन्धी विवरण   | ६८ |
| तालिका नं. ५८ : | सुरक्षित मातृत्वको अवस्थाको विवरण  | ७० |
| तालिका नं. ५९ : | सुत्केरी भएको स्थान सम्बन्धी वडागत विवरण                                     | ७१ |
| तालिका नं. ६० : | १५ देखि ४९ वर्ष उमेर समूहका महिलाले शिशुलाई जन्म दिएको विवरण                 | ७२ |
| तालिका नं. ६१ : | १५-४९ वर्षका विवाहित महिलाहरूले पहिलो बच्चा जन्म दिँदाको उमेर सम्बन्धी विवरण | ७३ |
|                 |  | ७३ |
| तालिका नं. ६२ : | गाउँपालिकामा भएका प्रमुख १० रोगहरूको विवरण                                   | ७३ |
| तालिका नं. ६३ : | खानेपानीको मुख्य श्रोतको आधारमा घरपरिवारको विवरण                             | ७४ |
| तालिका नं. ६४ : | खानेपानी शुद्ध बनाउने तरिकाको आधारमा वर्गीकरण (बहुउत्तरमा आधारित)            | ७५ |
| तालिका नं. ६५ : | परिवारले प्रयोग गर्ने चर्पीको प्रकारका आधारमा परिवारको विवरण                 | ७६ |
| तालिका नं. ६६ : | फोहोरमैला व्यवस्थापन गर्ने स्थानको आधारमा विवरण                              | ७७ |
| तालिका नं. ६७ : | १० वर्षभन्दा माथिका जनसंख्याको पहिलो विवाह गर्दाको उमेर सम्बन्धी विवरण       | ८० |
| तालिका नं. ६८ : | अपाङ्गताका आधारमा जनसंख्याको वडागत विवरण                                     | ८२ |
| तालिका नं. ६९ : | ज्येष्ठ नागरिक तथा एकल महिलाको वडागत विवरण                                   | ८२ |
| तालिका नं. ७० : | गाउँपालिकामा रहेका युवा क्लबको विवरण   | ८४ |
| तालिका नं. ७१ : | स्थानीय चाडपर्व तथा जात्रा र मेलाहरूको विवरण                                 | ८५ |
| तालिका नं. ७२ : | गाउँपालिकामा रहेका प्रमुख सुरक्षा निकायहरूको विवरण                           | ८५ |
| तालिका नं. ७३ : | गाउँपालिकामा रहेका सामुदायिक वनको विवरण                                      | ८७ |
| तालिका नं. ७४ : | गाउँपालिकामा भएका खोला र नालाहरूको विवरण                                     | ८९ |
| तालिका नं. ७५ : | ताल, तलैया, पोखरी, सिमसार क्षेत्र सम्बन्धी विवरण                             | ९० |
| तालिका नं. ७६ : | प्राकृतिक प्रकोपको जोखिममा रहेको परिवारको विवरण (बहुउत्तरमा आधारित)          | ९१ |
| तालिका नं. ७७ : | गाउँपालिकामा हुन सक्ने सम्भावित प्रकोपको विवरण                               | ९२ |
| तालिका नं. ७८ : | गाउँपालिकामा सार्वजनिक यातायातको पहुँचसम्म पुग्न लाग्ने समयको विवरण          | ९३ |
| तालिका नं. ७९ : | आफु बसोबास गरेको स्थानबाट नजिकका बजार केन्द्रसम्म लाग्ने अनुमानित समय        | ९५ |
| तालिका नं. ८० : | खाना पकाउने मुख्य इन्धनको आधारमा घरपरिवारको विवरण                            | ९६ |

|                 |   |     |
|-----------------|---|-----|
| तालिका नं. ८१ : | दैनिक बत्ती बाल्न प्रयोग गरिने इन्धनको विवरण              | ९७  |
| तालिका नं. ८२ : | परिवारमा भएको साधन तथा सुविधाको विवरण (बहुउत्तरमा आधारित) | ९९  |
| तालिका नं. ८३ : | जगको आधारमा घरधुरीको विवरण                                | १०० |
| तालिका नं. ८४ : | बाहिरी गारोको आधारमा घरधुरीको विवरण                       | १०१ |
| तालिका नं. ८५ : | छानोको आधारमा घरधुरीको विवरण                              | १०२ |
| तालिका नं. ८६ : | भुइँको किसिमको आधारमा घरधुरीको विवरण                      | १०३ |
| तालिका नं. ८७ : | गाउँपालिकामा रहेका सामुदायिक भवनहरु तथा सभाहलको विवरण     | १०४ |

## परिच्छेद - १: परिचय

### १.१ पृष्ठभूमि

नेपाली जनताको बलिदानपूर्ण लामो संघर्षपछि, नेपालमा संघीय लोकतान्त्रिक गणतन्त्रात्मक राज्य व्यवस्था कायम भएको छ। विश्वभर विभिन्न देशहरूमा सफल अभ्यासमा आएको यो व्यवस्था नेपालमा नौलो भएकाले यसमा अभ्यस्त हुन केही समय अवश्य लाग्नेछ। संघीय शासन प्रणालीको सबल पक्ष भनेको जनता केन्द्रीत शासन हो। नेपालको संघीय शासन प्रणाली अर्न्तगत राज्यको संरचनालाई तीन तहमा विभाजन गरिएको छ। संघीय अर्थात केन्द्रीय शासन, प्रादेशिक शासन विचमा र तल्लो तहमा स्थानीय सरकार सरह नेपालको संविधानले स्थानीय तहहरूलाई स्थानीय स्वायत्त सरकारको रूपमा स्थापित गरेको छ। संविधानको अनुसूची ८ को क्र.सं. ६ मा स्थानीय तथ्याङ्क र अभिलेख संकलन सम्बन्धी सम्पूर्ण अधिकार स्थानीय सरकारलाई भएको उल्लेख छ भने स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन, २०७४ को दफा ११ (२) को च मा माथि उल्लेखित विषयलाई थप विस्तार गरिएको छ।

तसर्थ नेपालको संविधान तथा स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन, २०७४ ले प्रदान गरेको अधिकार प्रयोग गरी संघीय मामिला तथा सामान्य प्रशासन मन्त्रालयले तयार पारेको गाउँ/नगर वस्तुगत विवरण तयारी कार्यविधि, २०७५, (संशोधन २०७९) अनुरूप स्थानीय स्तरका विकासको योजना निर्माण, नीति निर्माण तथा स्थानीय सूचनाको प्रमुख श्रोतको रूपमा रहने यो वस्तुगत विवरणले गाउँपालिकालाई विकास र समृद्धिको समुचित दिशातर्फ उन्मुख हुन सहयोग गर्ने विश्वासका साथ यो प्रतिवेदन तयार भएको छ।

### १.२ उद्देश्य

पार्श्वचित्र निर्माणको प्रमुख उद्देश्य भनेकै गाउँपालिकाको समग्र वस्तुगत अवस्थाको जानकारीहरूलाई सुव्यवस्थित ढङ्गले अभिलेखीकरण गर्ने र ती तथ्याङ्क र सूचनाहरूलाई अद्यावधिक गर्दै आवश्यक पर्दा सरोकारवालाहरूलाई सूचना उपलब्ध गराउनु हो। पार्श्वचित्रका अन्य विशिष्ट उद्देश्यहरू निम्नानुसार रहेका छन् :-

- क) गाउँपालिकाको समग्र भौतिक पूर्वाधार, आर्थिक पक्ष, सामाजिक पक्ष, प्राकृतिक सम्पदा तथा विपद् व्यवस्थापन सम्बद्ध पक्षहरूको सूचना तथा तथ्याङ्कको अभिलेख तयार पार्ने।
- ख) गाउँपालिकाको सेवाप्रवाह तथा संस्थागत संयन्त्रहरू बारेका सूचना तथा तथ्याङ्कहरूको अभिलेख तयार गर्ने।
- ग) गाउँपालिकाका सबल पक्षहरू, दुर्बल पक्षहरू, अवसरहरू, चुनौतीहरू तथा सम्भावनाहरूको विश्लेषण गर्ने।
- घ) गाउँपालिकाको विभिन्न विषयगत आधार नक्सा तयार गर्ने।
- ङ) गाउँपालिकाको समग्र जनसांख्यिक, आर्थिक, सामाजिक, भौतिक, प्राकृतिक, ऐतिहासिक, धार्मिक, सांस्कृतिक तथ्याङ्कहरूको व्याख्या र विश्लेषण गर्ने।
- च) प्राप्त सूचनाहरूको वर्गीकरण गरी सुव्यवस्थित र सरल ढंगले सर्वसाधारणले बुझ्न सक्ने गरी विभिन्न खण्डमा विभाजन गरी प्रस्तुत गर्ने।
- छ) माथि उल्लेखित सम्पूर्ण विषयसँग सम्बन्धित एकमुष्ट तथ्याङ्कीय आधार तयार पार्ने।

## १.३ कानूनी तथा नीतिगत आधारहरू

पृष्ठभूमिमा उल्लेख भएजस्तै गाउँपालिकाको वस्तुगत विवरण तयारीका निम्न आधारहरू रहेका छन् ।

### (क) वैधानिक आधार

नेपालको संविधानको अनुसूची ८ र ९ लाई व्याख्या गर्न बनेको स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन, २०७४ ले स्थानीय तथ्याङ्कहरूको अभिलेख तयार गरी अद्यावधिक गर्ने अधिकार र जिम्मेवारी स्थानीय तहलाई नै प्रदान गरेकाले गाउँपालिकालाई पार्श्वचित्र तयार पार्ने आधार बनेको छ ।

### (ख) नीतिगत आधारहरू

नीतिगत आधारहरू अन्तर्गत नेपाल सरकारले तयार पारेको समग्र योजनाहरू, नीतिहरू, प्रादेशिक नीतिहरू र यी नीतिहरूका आधारमा तयार भएका स्थानीय तहका नीतिहरूलाई कार्यान्वयन गर्न आधारभूत रूपमा आवश्यक तथ्याङ्कहरूको अनिवार्यता हुने भएकाले गाउँपालिकाको समग्र सूचनाहरू तयार पार्नुपर्ने नीतिगत आवश्यकता रहेको र सूचना व्यवस्थापनको नीतिगत व्यवस्था समेत रहेकाले सोको आधारमा यो वस्तुगत विवरण तयार पारिएको हो ।

### (ग) स्थानीय आवश्यकता

स्थानीय सरकार सञ्चालन गर्न तथा स्थानीय आवश्यकताहरूको पहिचान गर्न वस्तुगत सूचनाहरूको आवश्यकता पर्दछ । स्थानीय आवश्यकताहरूको पहिचान पश्चात् विकास निर्माण नीति, योजना तथा कार्यक्रमहरू तय गर्न सकिन्छ । तसर्थ समग्र विकास प्रक्रियालाई अगाडि बढाउँदै स्थानीय सरकार सञ्चालन गर्न आवश्यक सूचना तथा तथ्याङ्कहरूको संगालोको टड्कारो आवश्यकता रहने हुँदा यो नै वस्तुगत विवरण तयारीको अर्को महत्वपूर्ण आधार हो ।

यी बाहेक नेपालले पक्षराष्ट्र भई हस्ताक्षर गरेका अन्तराष्ट्रिय सन्धी तथा सम्झौताहरूलाई कार्यान्वयन गर्न समेत वस्तुगत सूचनाहरूको आवश्यकता पर्दछ । दिगो विकास लक्ष्य हासल गर्न जलवायु परिवर्तनका असरहरू न्यूनीकरण गर्न, मानवअधिकारको सुनिश्चितता गर्न, पर्यावरणीय सन्तुलन कायम गरी दिगो विकास गर्न तथ्यपरक सूचनाहरूको आवश्यकता पर्ने भएकाले यी आवश्यकताका आधारमा यो विवरण तयार पारिएको हो ।

## १.४ तयारीका चरणहरू

यस गाउँपालिकाको पार्श्वचित्रको तयारी गर्दा प्रयोग गरिएका विधिहरू निम्नानुसार छन् :

- ✓ विशिष्टीकृत प्रश्नावली निर्माण गरी एन्ड्रोइड एप्स (Android Apps) द्वारा प्रत्येक घरपरिवारको जनसांख्यिक, आर्थिक, सामाजिक र भौतिक पक्षहरूको विवरण संकलन गर्न गणकहरू परिचालन गरी आवश्यक तथ्याङ्क संकलन गरिएको ।
- ✓ यसमा गाउँपालिकाको विभिन्न विषयगत शाखा, विषयगत कार्यालय तथा विभिन्न संघसंस्थाहरूबाट उपलब्ध तथ्याङ्कहरू समावेश गरिएको ।
- ✓ सबै वडाका अध्यक्ष तथा अन्य पदाधिकारीसँग प्रत्यक्ष अन्तर्वार्ता विधि प्रयोग गरी तथ्याङ्क संकलन गरिएको ।

- ✓ घरधुरी तथ्याङ्क संकलन, २०८१ र अन्य विभिन्न सर्वेक्षण आदिका नतिजाहरू समावेश गरिएको ।
- ✓ यस अध्ययन प्रतिवेदनमा तथ्याङ्कको विश्लेषणका क्रममा विभिन्न तालिकाहरू, चित्रहरू तथा नक्साको प्रयोग गरी वर्णनात्मक तथा तुलनात्मक रूपमा विश्लेषण गरिएको ।

पार्श्वचित्र तयार गर्ने कार्य प्राथमिक (Primary) तथा द्वितीय (Secondary) सूचना संकलन पद्धती प्रयोग गरी गरिएको छ । भू-उपयोग, सडकहरू र सोको गुणस्तर तथा वातावरणीय समस्याहरू जस्ता प्राथमिक तथ्याङ्कहरू, भौगोलिक सूचना प्रणाली तथ्याङ्क (GIS Data), स्थलस्वरूप नक्सा, हवाई नक्सा, नापी नक्सा, स्थलगत निरीक्षण तथा अन्तर्वार्ता विधि प्रयोग गरी संकलन गरिएको छ । यसका साथै गाउँपालिका स्थित विभिन्न सरकारी एवं गैरसरकारी निकायहरूका पदाधिकारीहरू, बुद्धिजीवीहरू उपलब्ध प्रतिष्ठित व्यक्तित्वहरूसँग छलफल एवं अन्तर्वार्ता गरी गाउँपालिकाका प्रमुख समस्या एवं विकासका सम्भावनाहरू बारे जानकारी लिइएको छ । गाउँपालिकाका समग्र तथ्याङ्कहरू जस्तै : भौतिक, वातावरणीय, सामाजिक, आर्थिक, वित्तीय एवं संस्थागत तथ्याङ्कहरू गाउँपालिका कार्यालय लगायत गाउँपालिका स्थित सरकारी एवं गैरसरकारी कार्यालयहरूको रेकर्डबाट र केही तथ्याङ्कहरू सम्बन्धित विभाग तथा अन्य निकायहरूबाट प्रकाशित प्रतिवेदन एवं पुस्तकहरू अध्ययन गरी संकलन गरिएको छ ।

### १.४.१ वस्तुस्थिति विवरण ढाँचा, औजार तथा कार्यविधि तयारी

यस तयारीको पहिलो चरणमा देहाय बमोजिम गतिविधिहरू संचालन गरिएका छन् :-

- लिखु पिके गाउँपालिका क्षेत्रको भौगोलिक अवस्था, जनसंख्या, सामाजिक, आर्थिक, प्राकृतिक, भौतिक, वातावरणीय र संस्थागत वस्तुस्थिति भल्कने र भौगोलिक तथा सामाजिक रूपमा खण्डीकृत विवरण खुल्ने गरी वस्तुस्थिति विवरण तयारी कार्य प्रारम्भ गर्न कार्यपालिका बैठकबाट निर्णय गरियो ।
- वस्तुस्थिति विवरणको स्तरीय ढाँचा अनुसार घरधुरी सर्वेक्षण, संस्थागत सर्वेक्षण एवं सहभागितामूलक लेखाजोखा सर्वेक्षणका लागि विज्ञहरूको समेत संलग्नतामा प्रश्नावलीलाई अन्तिम रूप दिइयो ।
- पारिवारिक विवरण संकलनका लागि विद्युतीय माध्यम (Smart Phone) मा आधारित उपयुक्त कम्प्युटर सफ्टवेयर प्रणाली तथा मोबाईल एप्लीकेशन निर्माण गरियो ।

### १.४.२. वस्तुस्थिति विवरण तयारी कार्यशाला

वस्तुस्थिति विवरण तयारीको लागि लिखु पिके गाउँपालिकाले कार्यपालिकाका पदाधिकारी, कर्मचारी र सरोकारवालाहरूबिच वस्तुस्थिति विवरणको स्तरीय ढाँचा, तथ्याङ्कको स्रोत तथा संकलन एवं विश्लेषण तयारी विधिबारे साझा धारणा, बुझाई र अपनत्व कायम गर्न छलफलबाट कार्ययोजना तयार गर्नका लागि तथा वस्तुस्थिति विवरण तयार गर्ने कार्यको जिम्मेवारी र कार्ययोजना निर्धारण गर्नका लागि गाउँपालिका प्रमुख, उप-प्रमुख, कार्यपालिकाका सदस्यहरू, प्रमुख प्रशासकीय अधिकृत, वडा सचिवहरू, विषयगत शाखा/उपशाखा/इकाई प्रमुखहरू, गाउँपालिकाबाट छनौट गरिएका स्थानीयस्तरको जानकार विशेषज्ञ वा स्थानीय विज्ञहरूको सहभागितामा एक दिनको वस्तुस्थिति विवरण तयारी कार्यशाला गोष्ठी सञ्चालन गरियो ।

### १.४.३ सहजकर्ता तथा स्वयंसेवी गणक छनौट अभिमुखीकरण र परिचालन

तयारीको यो तेस्रो चरणमा वडा समिति तथा वडा कार्यालयहरूले गाउँपालिकाको समन्वयमा गणकहरू छनौट गरी अन्तिम नाम सार्वजनिक गर्नका लागि गाउँपालिकामा पठाउने कार्य भयो । गणकहरूको छनौट प्रक्रियामा निश्चित मापदण्डहरू तय गरिएका थिए भने वडागत आवश्यकताका आधारमा गणकहरूको छनौट गरिएको थियो । यसरी छनौट भएका गणक तथा सहजकर्ताहरूलाई मोबाइल प्रविधिको प्रयोग एवम् प्रश्नावली सम्बन्धी बुझाई तथा सर्वेक्षण विधि, प्रक्रिया आदिका लागि तालिम प्रदान गरियो । यसरी संचालन गरिएको तालिममा प्रयोगात्मक विधिको समेत अभ्यास गरी गणकहरूलाई परिचालनको तयारी गरियो ।

### १.४.४ तथ्याङ्क संकलन

गाउँपालिकाको वस्तुस्थिति विवरण तयारीका लागि दुई किसिमका तथ्याङ्कहरू संकलन गरिएको थियो । संस्थागत विवरण संकलन तथा घरधुरी सर्वेक्षण । संस्थागत विवरण संकलन अन्तर्गत प्रश्नावलीहरूको माध्यमबाट हरेक वडा कार्यालय तथा गाउँ कार्यपालिकाको विभिन्न शाखाहरूको समेत सहयोग र समन्वयमा विवरणहरू संकलन गर्ने कार्य गरियो । यसरी संस्थागत विवरणहरू संकलन गर्ने सन्दर्भमा स्रोत नक्सा एवं GIS Mapping लाई व्यवस्थित गर्नका लागि GIS Coordinates लिइएको थियो । यसैगरी घरधुरी सर्वेक्षण अन्तर्गत तालिम प्राप्त गणकहरूले मोबाइल एप्स सहितको प्रविधिको प्रयोग गरी प्रत्येक घरधुरीमा पुगेर GIS Coordinates सहितको तथ्यांक संकलन गर्ने कार्य गरियो । यसरी संकलन गरिएको तथ्यांकहरूलाई सर्भरमा एकत्रित गरी प्रत्येक दिन प्राप्त तथ्यांकहरूलाई केलाएर गुणस्तर निर्धारण सहित आवश्यकता अनुसार गणकहरूलाई पृष्ठपोषण दिने कार्य गरियो ।

### १.४.५ तथ्याङ्क प्रशोधन तथा विश्लेषण र स्रोत नक्सा तयारी

पारिवारिक विवरणबाट प्राप्त तथ्याङ्कलाई व्यवस्थित तथा विश्लेषणका लागि कम्प्युटर सफ्टवेयरको डिजाइन तथा विकास गरी आवश्यकता अनुसारका तालिकाहरू तयार गरिनुका साथै थप विश्लेषणका लागि MS Excel को पनि प्रयोग गरियो भने संस्थागत तथ्याङ्कहरूलाई MS Excel को प्रयोग गरी विश्लेषण गर्ने कार्य संचालन भयो । स्रोत नक्सा तयारीका लागि पनि दुबै तरिकाहरू जस्तै GIS Database लाई आधार मानी सफ्टवेयरको प्रयोग गरी GIS मा आधारित स्रोत नक्सा बनाउने, तथ्यांक व्यवस्थापनका लागि विकास गरिएको सफ्टवेयरमा पनि GIS Coordinates राखेर Google Map को प्रयोगबाट Mapping गर्ने विधिको प्रयोग गरियो ।

### १.४.६ वस्तुस्थिति विवरणको मस्यौदा तयारी

तथ्याङ्क प्रशोधन तथा विश्लेषण र स्रोत नक्सा तयारीबाट प्राप्त प्रतिवेदनहरूलाई व्यवस्थित गर्दै तथा वस्तुस्थिति विवरण तयारी कार्यविधि २०७८, ले निर्देश गरे बमोजिम लिखु पिके गाउँपालिकाका प्रमुख प्रशासकीय अधिकृतको नेतृत्वमा साभेदार संस्था लगायत विज्ञहरूद्वारा वस्तुस्थिति विवरणको मस्यौदा प्रतिवेदन तयारी गरी तोकिएको समयावधिमा लिखु पिके गाउँपालिकामा पेश गरियो ।

### १.४.७ वस्तुस्थिति विवरण सुभावा संकलन

निर्धारित ढाँचामा गाउँ वस्तुस्थिति विवरणको पहिलो मस्यौदा तयार भए पश्चात् वस्तुस्थिति विवरणको मस्यौदामा छलफल गर्न लिखु पिके गाउँपालिकामा एक दिने प्रमाणीकरण कार्यशालाको आयोजना गरियो । प्रमाणीकरण कार्यशालामा प्रस्तुत भएका सूचना तथा विवरणको शुद्धता र तथ्य यकिन गरी सुधारको लागि सुभावा संकलन गर्ने, वस्तुस्थिति विवरणको मस्यौदाले समेट्न नसकेका विषय क्षेत्र वा परिमार्जन गर्नुपर्ने पक्षहरू अध्ययन गरी समावेश गर्न सुभावा आदान प्रदान गर्ने, वस्तुस्थिति विवरणमा समावेश तथ्याङ्क, सूचना तथा विवरणहरूको अन्तर सम्बन्ध र तुलनात्मक पक्षहरू यकिन गर्ने, वस्तुस्थिति विवरण प्रकाशन पश्चात् यसका विवरणहरू योजना तर्जुमा, विकास निर्माण, सेवाप्रवाह, कार्यसम्पादन र नतिजा अनुगमनमा उपयोग गर्ने प्रतिबद्धता जाहेर गर्ने आदि कार्यहरू गरिएको थियो ।

### १.४.८ गाउँ वस्तुस्थिति विवरण अन्तिम प्रतिवेदन तयारी

कार्यशालाबाट प्राप्त भएका सुभावहरूलाई समावेश गरी तथा मस्यौदा प्रतिवेदनमा परिमार्जन गर्नुपर्ने विषयहरू, कार्यशालाबाट प्रस्तुत सुभावहरू बारे सम्बन्धित सरोकारवालासँग आवश्यकता अनुसार पुनःपरामर्श गरी एवं वस्तुस्थिति विवरणको स्तरीयता र गुणस्तर सुनिश्चितताका लागि विज्ञहरूका सुभावहरूलाई समेत ध्यान दिई वस्तुस्थिति विवरणलाई अन्तिम रूप दिइएको हो ।

### १.५ वस्तुस्थिति विवरणको सीमा

राष्ट्रिय योजना आयोग र संघीय मामिला तथा सामान्य प्रशासन मन्त्रालयले निर्धारण गरे बमोजिम गाउँपालिका पार्श्वचित्र तयार गर्दा प्रयोग गरिएका तथ्यांकहरूको स्रोत र आधार वर्ष खुलाइएको छ । गाउँपालिकाका विभिन्न सरकारी तथा गैरसरकारी कार्यालय, अन्य संघ संस्थाले उपलब्ध गराएका तथ्याङ्क, विभिन्न मन्त्रालय, विभागहरू, सम्बन्धित गाउँपालिका आदि स्रोतहरूबाट उपलब्ध तथ्याङ्कको आधारमा यो वस्तुगत विवरण तयार गरिएको छ । पार्श्वचित्रको अवधारणा अनुसार यसले लिखु पिके गाउँपालिकाको सम्पूर्ण पक्षको यथार्थ जानकारी सरल एवं स्पष्ट रूपमा दिन्छ । अध्ययनलाई यथाशक्य वस्तुगत बनाउने प्रयास गरिएको छ । तैपनि स्रोत, साधन तथा सूचना व्यवस्थापनका सिमितताका कारण अपेक्षित सम्पूर्ण सूचनाहरू प्राप्त हुन सकेको छैन । तथापी, अध्ययनमा निर्धारित उद्देश्यका आधारमा आवश्यकता अनुसारका तथ्याङ्क भने समावेश गरिएको छ ।

## परिच्छेद - २ : गाउँपालिकाको चिनारी

### २.१ भौगोलिक अवस्थिति

नेपालको पछिल्लो प्रशासनिक विभाजन अनुसार लिखु पिके गाउँपालिका कोशी प्रदेशको सोलुखुम्बु जिल्लामा पर्दछ। कुल १२४.३८ वर्ग किलोमिटर क्षेत्रफलमा फैलिएको यो गाउँपालिका भौगोलिक रूपमा समुन्द्र सतहबाट १,२९८ मि. देखि ४,२९८ मिटर सम्मको उचाईसम्म फैलिएको छ। भौगोलिक अवस्थितिका आधारमा २७ डिग्री ४८ मिनेट उत्तरी अक्षांश देखि २७ डिग्री ६९ मिनेट उत्तरी सम्म र ८६ डिग्री ३५ मिनेट पूर्वी देशान्तर देखि ८६ डिग्री देखि ५९ मिनेट पूर्वी देशान्तर सम्म फैलिएको यस गाउँपालिकाको पूर्वमा सोलुखुम्बु जिल्लाको सोलुदुधकुण्ड नगरपालिका, पश्चिममा रामेछाप जिल्लाको उमाकुण्ड गाउँपालिका, उत्तरमा सोलुदुधकुण्ड नगरपालिका/उमाकुण्ड गाउँपालिका र दक्षिणमा ओखलढुङ्गा जिल्लाको खिजीदेम्बा गाउँपालिका रहेको छ। कुल ५ वटा वडामा विभाजित यस गाउँपालिकाको सम्पूर्ण भू-भाग मुख्य हिमाली खण्डमा पर्दछ। सोलुखुम्बु जिल्लालाई नेपालकै सबैभन्दा बढी जाडो हुने जिल्लाको रूपमा चिनिन्छ। यो क्षेत्र उच्च पहाडी तथा हिमाली क्षेत्र अन्तरगत पर्ने भएकाले यहाँ चट्टानयुक्त तथा बलौटे माटो र पाँगो माटो पाइने हुँदा बालीनालीका लागि पशुपालनका लागि उपयुक्त क्षेत्रको रूपमा रहेको छ।

यस क्षेत्रमा मुख्यतया उष्ण प्रदेशिय हावापानी, समशितोष्ण हावापानी र लेकाली हावापानी गरी ३ प्रकारको हावापानी रहेको पाईन्छ। गर्मी समयमा यहाँको तामक्रम बढेर ३३ डिग्री सेन्टीग्रेट भन्दा माथि र जाडो मौसममा तापक्रम झरेर माइनस नौ डिग्री सेन्टीग्रेट सम्म हुने गर्दछ।

### २.२ ऐतिहासिक पृष्ठभूमि तथा नामाकरण

लिखु पिके गाउँपालिका कोशी प्रदेश अन्तर्गत सोलुखुम्बु जिल्लाको दक्षिण-पश्चिम दिशामा पर्ने एक हिमाली गाउँपालिका हो। यहाँ अवस्थित प्रसिद्ध लिखु नदी र पिके चुचुराको नामबाट यस पालिकाको नामाकरण गरिएको हो। यसको सिमाना भएर बग्ने लिखु नदी सप्तकोशी नदीको एक सहायक नदी पनि हो भने यस क्षेत्रका विभिन्न अग्ला चुचुराहरु मध्ये पर्यटकिय हिसाबले अत्यन्त महत्व बोकेको पिके डाँडा हिमाली दृश्य अवलोकनका लागि निकै मनोरम र रमणीय स्थान हो।

नेपालको संविधान २०७२ ले अङ्गीकृत गरेको तीन तहको राज्य संरचना बमोजिम स्थानीय तह बर्गिकृत हुँदा सोलुखुम्बु जिल्लाका साविकका गोली, चौलाखर्क र भकाञ्जेलाई गाउँ विकास समितिहरूलाई समेटेर वि.सं. २०७३ फाल्गुण २७ गते लिखु पिके गाउँपालिका निर्माण गरिएको हो।

### २.३ राजनैतिक अवस्थिति

तालिका नं. १ : लिखु पिके गाउँपालिकाको वडा विभाजन

| वडा नं. | समावेश गाविस   | २०६८ को जनसंख्या | २०७८ को जनसंख्या | २०८१ को जनसंख्या | क्षेत्रफल (वर्ग कि.मी.) |
|---------|----------------|------------------|------------------|------------------|-------------------------|
| १       | गोली (६-९)     | ८२१              | ६०१              | ५५८              | ३५.९                    |
| २       | गोली (१-५)     | १४०७             | १२६३             | १६४५             | २७.६२                   |
| ३       | चौलाखर्क (५-९) | १०३८             | ११७९             | ११९७             | १०.०३                   |



| वडा नं. | समावेश गाविस   | २०६८ को जनसंख्या | २०७८ को जनसंख्या | २०८१ को जनसंख्या | क्षेत्रफल (वर्ग कि.मी.) |
|---------|----------------|------------------|------------------|------------------|-------------------------|
| ४       | चौलाखर्क (१-४) | ९७४              | ९६६              | १३३४             | ५.५३                    |
| ५       | भकाञ्जे (१-९)  | १२९४             | १३२५             | १११७             | ४५.३१                   |
|         | जम्मा          | ५५३४             | ५३३४             | ५८५१             | १२४.३९                  |

स्रोत : भू-सूचना प्रणालीमा आधारित स्थलगत तथ्याङ्क, राष्ट्रिय जनगणना तथा स्थलगत घरधुरी तथ्याङ्क संकलन २०८१ गाउँपालिकाको भौतिक अवस्थाको विवरण तयार पार्दा यहाँको धरातलीय अवस्थाका बारेमा उल्लेख गर्नु अनिवार्य हुन्छ। क्षेत्रफलका हिसाबले सानो भए तापनि नेपाल धरातलीय विविधताका हिसाबले विश्वमै सम्पन्न मानिन्छ। विशेषतः भौगर्भिक प्रक्रियाका दौरान पछिल्लो समयमा निर्माण भएको महालङ्गुर हिमश्रृंखला निर्माण हुँदा तिब्बतीयन भू-खण्ड र भारतीय उपमहाद्वीपको एक आपसमा टकराव हुँदा यी दुई भू-खण्डका बिचमा रहेको टेथिस सागरको अस्तित्व समाप्त भई उच्च हिमालय पर्वत, मध्यम महाभारत पर्वत श्रृंखला तथा होचा चुरे पर्वत श्रृंखला र सबैभन्दा दक्षिण भेगमा फैलिएको विशाल गंगाको मैदानको अंशको रूपमा रहेको तराई भू-भाग मिलेर समग्र देशको भू-सतह निर्माण भएको छ। यो भू-धरातलको वस्तुगत चरित्रहरू मध्ये एक वा अर्को प्रकारको भू-धरातलको प्रधानता नेपालका गाउँपालिका वा नगरपालिकामा रहेको पाइन्छ। यस अनुसार लिखु पिके गाउँपालिकाको सम्पूर्ण भू-भाग उच्च पहाडी तथा हिमाली खण्डमा अवस्थित छ।

भू-धरातलीय स्वरूपले विकास निर्माणमा अहम् भूमिका खेल्दछ। भू-धरातलको विवरण अन्तर्गत विशेषतः भिरालोपन, मोहडा, उचाई, भू-आवरण, माटोको बनावट जस्ता आधारभूत पक्षहरू पर्दछन्। गाउँपालिकामा कृषि उत्पादनका सम्भावना हुनुका साथै दोलखाको जिरी बजार, रामेछापको मन्थली बजार, जिल्ला सदरमुकार सहित केन्द्रिय राजधानीका उपभोक्ता बजारमा समेत पहुँच रहेको यो गाउँपालिका विकासको प्रचुर सम्भावनायुक्त गाउँपालिका हो।

### क) माटोको बनावट

लिखु पिके गाउँपालिकाको भौगर्भिक संरचना भारतीय उपमहाद्वीप (Indian Plate) र तिब्बतीयन प्लेट (Tibetan Plate) को एकआपसको टकरावबाट उत्पत्ति भएको महाभारत पर्वत श्रृंखला निर्माण हुँदाको बखत भएको हो। यो विशाल गंगा नदीको निरन्तर बहावको परिमाण स्वरूप बनेको गंगाको विशाल समथर फाँटको एक अति निम्न अंशको रूपमा यो गाउँपालिकाको सम्पूर्ण भू-भाग रहेको छ। यसरी गंगाको फाँटको रूपमा रहेको यहाँको माटो मुख्यतया पाँगो मिश्रित मलिलो रहेको छ। खोला नालाको प्रत्यक्ष प्रभाव क्षेत्रमा रहेको माटोमा बालुवाको मात्रा बढी छ भने केही भित्री भागमा चिम्टाइलो र दोमट माटोमा प्राङ्गारिक पदार्थको मात्रा पाइन्छ। यसरी प्राङ्गारिक पदार्थको मात्रा भने निरन्तर खेती भैरहेको क्षेत्रमा केही बढी छ भने बाँभो क्षेत्रमा क्रमशः घटिरहेको पाइन्छ। समग्रमा यो गाउँपालिकाको माटो बेसी तथा समथर फाँट रेहका स्थानहरूमा उर्वर र खेतीयोग्य माटोमा पर्दछ भने पहाड तथा हिमाली क्षेत्र अन्तरगतका स्थानमा चट्टान मिश्रित र चिम्ट्याइलो माटो अन्तरगत पर्दछ।

### ख) भिरालोपनाको विवरण

पालिकाको भूमिलाई भू-बनोट, प्रणाली, तथा भू-स्खलन जस्ता प्रवृत्तिका आधारमा अध्ययन गर्दा भूमिको वर्गीकरणलाई त्यसको उपयोगको सम्भाव्यता र सघनता घट्दै जाने (Degradation) क्रममा राखिएको छ। अर्को शब्दमा, भू-स्खलन वा भू-क्षयीकरणको प्रवृत्ति भू-बनोट अनुसार फरक पर्दै जान्छ। त्यसै क्रमले भूमिको

स्थायित्वलाई मजबुत बनाउने उपायको भौतिक लक्षण (Physical characteristics) का आधारमा माटोको अवस्था र भिरालोपन विश्लेषण गरिएको छ। गाउँपालिकामा भूमिलाई भू-बनोट, पारिस्थितिक प्रणाली, तथा भू-स्खलन जस्ता तत्वका आधारमा भूमिको वर्गीकरणलाई हेर्दा गाउँपालिकाको जमिनमा ० डिग्रि देखि ७२ डिग्रि सम्मको भिरालोपन देखिन्छ। जसलाई तल उल्लेख गरिएको छ।

### अ) Slope १°-५° (माटोको गहिराई पर्याप्त भएको, पानीको निकास राम्रो हुने कान्छा बनाई खेती गर्न सकिने)

यस्तो जमिनमा माटोको गहिराई पर्याप्त हुन्छ र पानी सतहमा तथा अर्ध भूमिगत अवस्थामा समेत सजिलै निकास हुन्छ। मनसुनी खेती गर्नका लागि यस्तो भूमिमा गह्राहरू बनाउनु पर्दछ। सतहगत जलप्रवाह एवं अर्धभूमिगत पानीको निकासलाई भू-क्षय हुन नपाओस् भनी नियन्त्रणका उपायहरू अपनाउनु पर्दछ। माटोका भौतिक गुणहरू तथा जमिनको भिरालोपनका कारण वर्षाको पानीबाट नयाँ खोल्सीहरू बन्ने र ती खोल्सीहरू प्रकारान्तरमा चौडा हुँदै गएर भू-क्षयको प्रवृत्ति बढ्ने हुनाले यस वर्गको जमिनको संरक्षण गर्न विशेष ध्यान दिनु पर्दछ।

यस वर्गको जमिनमा परम्परागत माध्यम वा आधुनिक विधिबाट खेती गर्न सकिन्छ। मनसुनको समयमा हुने वर्षाका कारण चरन तथा वनस्पतिलाई पनि मनग्गे फाईदा पुग्दछ। यस्तो जमिनमा धान खेती गर्न सकिन्छ। सिंचाई सुविधा उपलब्ध भएको छ। माटो दानादार भएको अवस्थामा समेत धानबाली लगाउन सकिन्छ। सिंचाई भएमा हिउँदै एवं वर्षे बाली पनि लगाउन सकिन्छ।

### आ) Slope ५°-३०° | (माटोको गहिराई ५०-१०० से.मी. भएको, पानीको निकास राम्रो हुने, कान्छा बनाएर मात्र खेती गर्न सकिने)

५°-३०° भिरालो रहेको, पानीको निकास राम्रो हुने गरेको तथा माटोको पत्रको गहिराई ५० से.मी. देखि १०० से.मि. सम्म रहेको जग्गा यस वर्गमा पर्दछ। गाउँपालिकामा १५-३० डिग्रि भिरालोपन भएको जमिन ५३.५२ प्रतिशत रहेको छ। यस वर्गको जमिनमा पहिरो जाने, जमिन भासिने जस्ता भू-क्षयीकरणका प्रवृत्तिहरू सामान्य रूपमा देखा परिरहन्छन्। त्यसैले जमिनलाई सामान्य रूपमा व्यवस्थापन नगरिएमा यस्ता प्रवृत्तिमा भन् वृद्धि हुने हुन्छ। वन, वनस्पतीका लागि यो जमिन त्यति सहज हुँदैन। गाईवस्तुको आवत-जावतबाट भू-क्षयीकरणमा वृद्धि हुने हुनाले चरन विकासलाई यस प्रकारको जमिनमा प्रश्रय दिन ठीक हुँदैन। तर, पालैपालो निश्चित स्थानहरूमा गाईवस्तु थुनेर चराउने हो भने त्यसले जमिनको उत्पादकत्वमा सघाउ पनि पुऱ्याउन सक्दछ।

यस प्रकारको जमिनमा विशेष गरी मनसुन खेतीका लागि भू-क्षय रोक्न गह्राहरू बनाउन अनिवार्य हुन्छ। यसमा खेतीका परम्परागत र मध्यमस्तरीय प्रविधि नै अपनाउनुपर्ने हुन्छ। यस प्रकारको भिरालोपन भएको जमिनमा खेती गर्दा माटोको भौतिक गुणहरूसँग व्यवस्थापन सिपको सम्मिश्रणले मुख्य भूमिका खेलेको हुन्छ। सिंचाईको प्रयोग नियमित रूपमा पहिलेदेखि नै भइरहेको खण्डमा सिंचाई गर्दा भू-क्षयको समस्या आउदैन, तर नयाँ सिंचाई प्रणाली शुरु गर्ने हो भने शुरुमा सावधानी अपनाउनु पर्दछ। एक्कासी बढी सिंचाई भएको खण्डमा भू-क्षयीकरणको प्रवृत्ति तुरुन्त शुरु हुन सक्दछ।

तालिका नं. २ : गाउँपालिकाको भिरालोपनको विवरण

| क्र.स. | भिरालोपन (डिग्रीमा) | जमिनको क्षेत्रफल | प्रतिशत |
|--------|---------------------|------------------|---------|
| १      | ० देखि १५           | ६.८८             | ५.५४    |
| २      | १५ देखि ३०          | ६६.४३            | ५३.५२   |
| ३      | ३० देखि ४५          | ४५.४९            | ३६.६४   |
| ४      | ४५ देखि ६०          | ५.११             | ४.११    |
| ५      | ६० देखि ७२          | ०.२३             | ०.१८    |
|        | जम्मा               | १२४.१४           | १००     |

स्रोत : भू-सूचना प्रणालीमा आधारित स्थलगत तथ्याङ्क, २०८१

यो गाउँपालिका हिमाली क्षेत्रमा अवस्थित भएकाले यहाँको जमिनमा भिरालो पन प्रशस्त रहेको छ। यस गाउँपालिकाको भिरालोपनलाई केलाउँदा गाउँपालिकामा ०° देखि १५° सम्मको भिरालोपन ६.८८ वर्ग कि.मि. अर्थात् ५.५४ प्रतिशत रहेको छ भने १५-३०° सम्मको भिरालोपन भएको जग्गा सबैभन्दा धेरै ६६.४३ कि.मि. अर्थात् ५३.५२ प्रतिशत रहेको छ।

**इ) Slope ३०°-४०° माटोको गहिराई २० से.मी. मात्र भएको, पानीको निकास सहज भएको तथा जमिनको भिरालोपन ३०° (१.७ मिटरमा १ मी.) भन्दा बढी भएको, काठ दाउरा उत्पादन गर्न उपयुक्त।**

माटोको पत्र २० से.मि. मात्र गहिराई भएको पानीको निकास सहज भएको तथा जमिनको भिरालोपन ३०° (१.७ मिटरमा १ मि.) भन्दा बढी भएको जमिन यस वर्गमा पर्दछ। यस प्रकारको ज्यादा भिरालोपन भएको जग्गामा गह्रा बनाएर खेती गर्नु फाइदाजनक देखिँदैन। यस प्रकारको जमिनमा वर्षाको पानीबाट छिटो खोल्सीहरू बग्ने वा बाढीले क्षति पुऱ्याउने ठूलो सम्भावना रहन्छ। गाउँपालिकामा ३०° देखि माथि भिरालोपन भएको जमिन ४०.९४ प्रतिशत रहेको छ। यस प्रकारको जमिनमा वनस्पतीहरू लगाउन उपयुक्त देखिन्छ। यहाँ काठ र इन्धनका लागि वन पैदावारको उत्पादन वृद्धि गर्नु उपयुक्त हुन्छ। पहिरो जाने वा बाढीबाट क्षति हुने प्रवृत्ति यस प्रकारको जमिनका सामान्य लक्षण हुन्।

यस्तो क्षेत्रमा जङ्गलको विकास गरी इन्धन, पशु आहार तथा काठ उत्पादन गर्न सकिन्छ। जंगल फडानी भएको छ भने पनि यस्तो क्षेत्रमा या त बोटबिरूवालाई पुनः हुर्काउन सकिन्छ या त वृक्षारोपण गर्न सकिन्छ। यस वर्गमा पर्ने जमिनहरूमा गाईवस्तुलाई चराउने चलन कडाईका साथ नियन्त्रण गर्नुपर्छ। यदि इन्धन, पशु, आहार तथा चरनको लागि उपयोग गर्ने हो भने पनि वार्षिक उपयोगले भविष्यको उत्पादकत्वलाई जोखिममा पार्ने खालको हुनु हुँदैन। यस प्रकारको क्षेत्रमा यस्तो वन पैदावार उपयोग गर्ने तरिका, स्थान र पहुँचको लागि सडक विस्तारका र सुरक्षित योजना बनाउनुपर्दछ। यस्तो जमिन खेतीको लागि उपयुक्त हुँदैन।

## ई) Slope > ४०° माटोको गहिराई २० से.मी. भन्दा कम भएको, भू-क्षय भइरहने पुनरुत्पादनको संभावना कम भएको

ज्यादै भिरालो भएको, मध्यम भिरालोपन भए पनि माटो पत्र (तह) २० से.मि. भन्दा कम भएको वा जस्तो सुकै भिरालोपन भए पनि वर्षे पानीबाट क्षति भएको, धेरै खोल्सीहरू सिर्जना भएको जमिन यस वर्गमा पर्दछ। यस प्रकारको जमिनलाई घाँस वा बोट-विरुवा लगाएर हराभरा बनाइराख्नु पर्छ, किनभने माथि उल्लेख गरिए भैं एकातिर यस्तो जमिनमा भू-क्षयीकरणको प्रवृत्ति तीव्र रहेको हुन्छ भने अर्कातिर एक पटक भू-स्खलन भइसकेको क्षेत्रलाई पुनःअधिग्रहण (reclaim) गर्न असम्भव हुन्छ। उच्च भू-भागमा माटोको तापक्रम कम रहने भएको तथा भिरालोपन भएकाले माटो सजिलैसँग बग्दछ।

## ग) जमिनको मोहडाको विवरण (Aspect)

जमिनको भिरालोपन र मोहडा सामान्यतया एक अर्काका परिपूरक हुन्छन्। अर्थात् भिरालोपन विषम हुँदा मोहडामा पनि विषमता हुन्छ। समथर क्षेत्रमा मोहडामा विषमता नभए तापनि गाउँपालिकामा निम्नानुसारको मोहडाको विवरण रहेको छ।

तालिका नं. ३ : जमिनको मोहडाको विवरण

| क्र.सं. | जमिनको मोहडा         | क्षेत्रफल (वर्ग कि.मी.) | क्षेत्रफल (प्रतिशत) |
|---------|----------------------|-------------------------|---------------------|
| १       | समथर मोहडा           | ०.७१                    | ०.५८                |
| २       | उत्तरी मोहडा         | २४.५९                   | १९.८१               |
| ३       | उत्तर पूर्वी मोहडा   | १०.१२                   | ८.१६                |
| ४       | पूर्वी मोहडा         | ३.२५                    | २.६२                |
| ५       | दक्षिण पूर्वी मोहडा  | ५.८२                    | ४.६९                |
| ६       | दक्षिण मोहडा         | १२.८०                   | १०.३१               |
| ७       | दक्षिण पश्चिमी मोहडा | २५.७१                   | २०.७१               |
| ८       | पश्चिमी मोहडा        | १४.७४                   | ११.८७               |
| ९       | उत्तर पश्चिम मोहडा   | २६.३८                   | २१.२५               |
| जम्मा   |                      | १२४.१४                  | १००                 |

स्रोत: GIS तथ्याङ्कमा आधारित

## २.५ प्राकृतिक सम्पदा

हरेक क्षेत्रको विकासको प्रमुख आधार नै त्यहाँ उपलब्ध प्राकृतिक श्रोतहरू हुन्। प्राकृतिक सम्पदा अन्तर्गत स्थानीयस्तरमा उपलब्ध जमिन, वन, वनस्पती, वन्यजन्तु, जडिबुटी, खानी तथा खनिज, नदी, खोला, ताल, हिमाल, भरना, जलाधार क्षेत्र, सिमसार, निकुञ्ज, आरक्ष तथा संरक्षित क्षेत्र आदि पर्दछन्। यी प्राकृतिक सम्पदाहरूको दिगो र विवेकपूर्ण सदुपयोग गरेर मात्र हामी सम्बृद्ध बन्न सक्छौं। गाउँपालिकामा रहेका प्रमुख नदी, खोलाहरूको विवरण तालिकामा दिइएको छ।

तालिका नं. ४ : खोलाहरुको विवरण

| क्र.स | खोलानालाहरुको विवरण                         | ठेगाना           |
|-------|---|------------------|
| १.    | लिखु खोला                                   | गाउँपालिका भित्र |
| २.    | किञ्जा खोला                                 | लिखु पिके ५      |
| ३.    | बुकु काप्ती खोला                            | लिखु पिके १ र २  |
| ४.    | मार्वु खोला                                 |                  |
| ५.    | थेमजोड खोला                                 |                  |
| ६.    | ढाडे खोला                                   |                  |
| ७.    | घट्टे खोला                                  |                  |
| ८.    | कोरेशी खोला                                 |                  |
| ९.    | कढ्डाबु खोला                                |                  |
| १०.   | ओइमु खोला                                   |                  |
| ११.   | चो सम्बा पोखरी, चो नक्पू पोखरी, दक्चु पोखरी |                  |

स्रोत: गाउँकार्यपालिकाको कार्यालय, २०८१

## २.६ साँस्कृतिक उत्कृष्टता

मानवीय चालचलन, भाषा, व्यवहार तथा जनजीवन निश्चित परम्पराबाट अमूर्त हिसाबले निर्देशित हुन्छ । दैनिक व्यवहारहरू सञ्चालन गर्न मानिस, परिवार र समाजको स्वरूपमा बाँधिएको हुन्छ । विवाह, परम्पराले नाता सम्बन्ध स्थापित गर्दछ र यसले परिवारको सिर्जना हुन्छ । जन्म, मृत्यु, विवाह, खानपान, भेषभुषा, चाडपर्व, भाषा, रहनसहन आदि सबै साँस्कृतिक विशेषताहरू भित्र पर्दछन् । यी सभ्यता र संस्कृतिका आयामहरू मानिसको पहिचानका प्रमुख पक्षहरू हुन् । साँस्कृतिक गतिविधिहरूले मानिसलाई परिस्कृत जीवन जिउन मद्दत पुर्याउँछ । यसले समाजलाई संगठित र गतिशील तुल्याउँछ । विभिन्न जातजातिहरूको बसोबास रहेको यस गाउँपालिकामा हिन्दु र बौद्ध धर्मावलम्बीहरूको बाहुल्यता रहेको छ । दशैं, तिहार, तिज, ल्होसार, डुम्जी पर्व, उधौली पर्व, बुद्ध जयन्ती, आदि यहाँका बासिन्दाहरूले मनाउने मुख्य पर्वहरू हुन् ।

गाउँपालिकामा क्षेत्री, शेर्पा, तामाङ, घर्ती/भुजेल, थामी, विश्वकर्मा, नेवार, बाह्रमण-पहाड, सुनुवार तथा परियार लगायतका जातजातिहरूको बसोबास रहेको छ । पालिकाबासीले दशैं, तिहार, तिज, ल्होसार, माघे संक्रान्ति, फागु पूर्णिमा, चण्डी पूर्णिमा, जनैपूर्णिमा, उधौली, बुद्ध जयन्ती, तामाङ सेलो, धान नाच, क्रिसमस लगायतका चाडपर्व मनाउँदै आएका छन् ।

यहाँका स्थानीय समुदायले आ-आफ्नो धर्म संस्कृति अनुसारका परम्परागत नाचगान, जात्रा, उत्सव, चाडपर्वहरु मनाउने गर्दछन् । विशेषगरी ब्राह्मण क्षेत्रीको भजन किर्तन, तामाङ जातिको तामाङ सेलो, सुनुवार जातीको चण्डी नाँच, शेर्पा समुदायको स्याब्रु नाँच विशेष प्रचलनमा रहेका छन् । यहाँ बसोबास गर्ने जातजातिहरु मध्ये सबैभन्दा धेरै अर्थात भण्डै ५०.४ प्रतिशत क्षेत्रीहरु रहेका छन् । सबै जातजाति र सम्प्रदायका आ-आफ्नै खाले धर्म संस्कृति र चालचलनहरु छन् । यहाँका बासिन्दाहरुले दौरा सुरुवाल, कोट, टोपी, बख्खु, लुङ्गी, दोचो, आंगी, किआ (टोव) जस्ता जातजाती अनुसारका भेषभुषा लगाउने गर्दछन् ।

## २.७ विकासका मुख्य सम्भावनाहरू

हरेक स्थानको आफ्नै विशेषता हुन्छ । कुनै स्थानमा जंगलको भू-भाग अत्याधिक हुन्छ । कुनै स्थानमा पर्याप्त मात्रामा जलश्रोतको उपलब्धता हुन्छ भने कुनै स्थानमा सुख्खा क्षेत्रको रूपमा रहेका हुन्छन् । तसर्थ कृषियोग्य क्षेत्रमा कृषिको व्यवसायीकरण गरेर माथि उठ्न सकिन्छ भने वैज्ञानिक वन व्यवस्थापन मार्फत् वनक्षेत्र अत्याधिक भएको स्थानीय तहलाई समृद्ध बनाउन सकिन्छ । उपलब्ध श्रोत र साधनका आधारमा गाउँपालिकाको सम्भावनाहरू उजागर गर्न सकिन्छ । यस गाउँपालिकामा वन तथा भाँडी बुट्यानको क्षेत्रफल मा ६१.५२ प्रतिशत रहेको छ । यहाँ उपलब्ध श्रोत र साधनका आधारमा गाउँपालिकाको सम्भावनाहरू उजागर गर्न सकिन्छ । तसर्थ वैज्ञानिक वन व्यवस्थापन मार्फत यहाँको सम्बृद्धि हासिल गर्न सकिन्छ । गाउँपालिका क्षेत्रमा रहेका सम्भाव्यता र अवसर अन्तर्गत परम्परागत तथा आधुनिक कृषि, जडिबुटी, पर्यटन, पशुपालन तथा साना तथा मझौला उद्योगहरूको विकासका सम्भाव्यताका क्षेत्रहरू रहेका छन् । साथै गाउँपालिकाको विभिन्न स्थानमा पार्क, उद्यान तथा पर्यटकीय क्षेत्रको रूपमा विकास गर्न पर्याप्त अवसर रहेको छ ।

समग्रमा यस गाउँपालिका क्षेत्रमा हेर्दा कृषि पेशा अंगाल्ने घर परिवारको संख्या उच्च रहेको छ । गाउँपालिकामा रहेको खेती योग्य जमिनमा खाद्यान्नको साथै अन्य नगदे तरकारी बाली, फलफूल, तरकारी मसला तथा जडीबुटी र पशुजन्य उत्पादन वृद्धि गर्न सकिने प्रशस्त सम्भावनाहरू रहेका छन् । आधुनिक कृषि प्रविधि, मल तथा औजारको अभाव हुनुको साथै अधिकतम लागत मूल्यले गर्दा प्रयोगमा कमी हुन गई कृषि उत्पादनमा आवश्यकता अनुसार वृद्धि हुन सकेको छैन । जनचेतना, सीप तथा व्यवसायीकरण, आधुनिकीकरणको अभिवृद्धि, प्रविधि हस्तान्तरणको साथै आवश्यक प्रविधि, मल, कर्जा बीउ विजनको उपलब्धतामा सरलीकरण गरेर कृषि तथा पशुजन्य उत्पादनमा वृद्धि ल्याई आर्थिक स्थितिमा सुधार ल्याउन सकिने प्रशस्त सम्भावनाहरू रहेको छ ।

यहाँ रहेको उर्वर भूमिमा आधुनिक कृषि प्रणालीको अभावले गर्दा खेतीयोग्य भूमिको पूर्ण सदुपयोग हुन सकेको छैन भने अर्कोतर्फ माटोको उर्वराशक्ति क्रमशः क्षीण हुँदै उत्पादन र उत्पादकत्वमा ह्रास आएको देखिन्छ । जथाभावी हुने गरेको बस्ती विकासलाई व्यवस्थित गर्नुको साथै पुराना परम्परागत कुलोहरूको मर्मत सुधार गरी माटोको उर्वराशक्ति बढाई सिंचाईको व्यवस्था मार्फत दिगो विकासको धारणा अनुरूप काम गर्न सकेमा भावी पुस्ताको लागि यस क्षेत्रलाई बासस्थानका लागि उपयुक्त ठाउँको रूपमा विकसित गर्न सकिन्छ ।

यहाँको ग्रामीण क्षेत्रमा दुग्ध उत्पादन तथा पशुपंक्षी उत्पादनको प्रशस्त सम्भावना रहेको हुँदा यो व्यवसायलाई विस्तार गर्नुका साथै यातायात सेवालालाई सर्वसुलभ तरिकाले उनीहरूको पहुँचसम्म विस्तार गर्न सकेको खण्डमा धेरै स्थानहरूमा दुग्ध चिस्यान केन्द्र, कृषि उत्पादनको संकलन केन्द्र/कोल्ड स्टोर, मासुजन्य उद्योग आदि विकास गर्न सकिनेछ । जसबाट रोजगार सिर्जना गरी समग्र गाउँपालिकाको आयमा वृद्धि गर्न सकिने प्रशस्त सम्भावना देखिन्छ । पालिकामा मासु, अण्डा तथा दुग्धमा आत्मनिर्भर बनाउन व्यवसायिक चौरी पालन,

दाना उद्योग, सुँगुर/बंगुर, कुखुरापालन गरी स्वस्थ मासुको उत्पादनमा वृद्धि गरी निर्यात समेत गर्न सकिने सम्भावना रहेको छ। यहाँका सामुदायिक वन उपभोक्ता समूहहरूलाई संगठित र संस्थागत गरी वन क्षेत्रमा गैर काष्ठजन्य उत्पादनहरू जडिबुटी खेतीलाई प्रवर्द्धन गरी बजारीकरण गर्न सकेमा आर्थिक उन्नति गर्न थप टेवा पुग्ने देखिन्छ।

पालिकामा रहेको खेतीयोग्य जमिनमा खाद्यान्नको साथै अन्य नगदेबाली तरकारीबाली, फलफूल, मसला तथा जडीबुटी र पशुजन्य उत्पादन वृद्धि गर्न सकिने प्रशस्त सम्भावनाहरू रहेको छ। व्यावसायिक रूपले उत्पादन गर्न सकिने र बजारमा माग भएका बालीहरूमा फलफूलतर्फ नास्पाती, आल्चा, किवि, मौसमी तथा बेमौसमी तरकारी बालीहरूमा आलु, काउली, बन्दा, साग, सिमी, बोडी र नगदेबालीहरूमा अलैंची, मह तथा चिया रहेका छन्।

देशमा बेरोजगारी बढ्दै गइरहेको र सरकारी तथा गैरसरकारी क्षेत्रमा रोजगारीको प्रशस्त अवसरहरू नभएकाले वैदेशिक रोजगारीमा आकर्षण बढेको देखिन्छ। यहाँका युवाहरूलाई सिपमूलक तालिम प्रदान गरी स्थानीय स्तरमै रोजगारी श्रृजना गर्ने व्यवस्था भएमा पालिकाको आर्थिक विकासमा ठुलो योगदान पुऱ्याउने प्रशस्त सम्भावना देखिन्छ। यसका अतिरिक्त यहाँको विकासका लागि विभिन्न सम्भावनामूलक उपायहरूलाई निम्नानुसार उल्लेख गर्न सकिन्छ।

- पालिका क्षेत्रभित्र वा बाहिर रहेका पानीको श्रोत तथा नालाहरूबाट आधुनिक कुलो तथा नहर मार्फत् पानी सिंचाई गरी व्यवसायिक रूपमा खेती गर्न सके कृषि उत्पादनमा उल्लेखनीय वृद्धि हुन सक्छ।
- यहाँ रहेका पानीको मुहानबाट मेगा खानेपानी आयोजना मार्फत **‘एक घर एक धारा’** नीति अनुरूप खानेपानी ल्याउन सके हाल गाउँपालिकामा देखिएको खानेपानीको समस्यामा न्यूनीकरण हुनुका साथै सिंचाईको पनि सुविधा हुन्छ।
- स्थानीय कच्ची सडकको स्तर वृद्धि गरी कालोपत्रे गर्न सके स्थानीय वासिन्दाले भरपुर सुविधा लिनुका साथै जीवनस्तरको स्तरोन्नति र समग्र गाउँपालिकाको सुन्दरतामा वृद्धि हुन सक्छ।
- तरकारी, पशुपालन तथा अन्य कृषि उत्पादनको बजारको लागि स्थानिय किञ्जा र काफ्लेचौर र छिमेकी उपभोक्ता बजारहरू मन्थली, चरीकोट लगायत देशको विभिन्न स्थानमा पठाउन सहज भए संगै व्यवसायिक कृषि उत्पादनलाई नै जोड दिनु सहज तथा उचित देखिन्छ।
- यस गाउँपालिका क्षेत्रमा थप औद्योगिक विस्तार गर्न सके स्थानीय स्तरमा रोजगारी वृद्धि गर्नसक्ने प्रशस्त सम्भावना देखिन्छ।
- सरकारी, गैरसरकारी तथा निजी संघसंस्थाहरू यस क्षेत्रमा क्रियाशिल रहेकाले गाउँपालिकाको विकासमा साभेदार हुन सक्ने देखिन्छ।
- गाउँपालिका क्षेत्रमा उपभोक्ताहरूको वृद्धि भैरहेको सन्दर्भमा उद्योग, व्यापार र वाणिज्यको विकास हुन सक्ने सम्भावना देखिन्छ।

## २.८. ग्राहस्थ उत्पादन

ग्राहस्थ उत्पादन (जिडिपी) भनेको एक प्रकारको मापदण्ड हो जसले कुनै एक मुलुकको समग्र अर्थतन्त्र प्रतिविम्बित गर्दछ। यसले कुनै एक निश्चित अवधिमा मुलुकभित्र वा ठाउँभित्र भएको वस्तु तथा सेवाको अन्तिम कारोबार मूल्यको योगफल जनाउँछ। सबै निजी तथा सार्वजनिक खपत, सरकारको खर्च, लगानी,

मौज्दात सामग्री, निर्माणका क्रममा भएका खर्च, आयात तथा निर्यातमा भएको खर्च तथा आम्दानी सबै पर्दछन् । नेपालमा यसको वार्षिक रूपमा नै गणना गर्ने गरिएको देखिन्छ । ट्रेडिङ्ग इकोनोमिक्सका अनुसार सन् २०२३ मा नेपालको जिडिपी करिब ४० खर्ब हाराहारीमा रहेको छ भने प्रतिव्यक्ति आय एक हजार तीन सय ९९ अमेरिकी डलर रहेको छ ।

## २.९. मानव विकास सूचकाङ्क

संयुक्त राष्ट्रसंघीय विकास कार्यक्रम (UNDP) को २०२१ को प्रतिवेदन अनुसार नेपालको मानव विकास सूचकाङ्क ०.६०२ रहेको र यसका आधारमा विश्वका १९१ देशहरू मध्ये नेपाल १४३ श्रेणीमा रहेको छ । नेपालको यो सूचकाङ्क मध्यम मानव विकास सूचकाङ्क भएका देशहरूको औसत ०.६३६ भन्दा पनि कम रहेको छ । सन् १९९० मा नेपालको यो सूचकाङ्क ०.३७८ थियो भने २०२१ को प्रतिवेदन अनुसार लुम्बिनी प्रदेशको मानव विकास सूचकाङ्क ०.५६३ रहेको छ ।



## परिच्छेद - ३ : पारिवारिक तथा जनसांख्यिक विवरण

### ३.१ मुख्य बस्ती र घरपरिवारको विवरण

#### ३.१.१ मुख्य बस्ती

यस गाउँपालिकामा उच्च पहाडी तथा हिमाली क्षेत्र अन्तरगतका साना र ठूला बस्ती गरी १५० भन्दा बढी मुख्य बस्तीहरू रहेका छन् । बाह्रै महिनामा चिसो हुने भएतापनि यहाँ आर्थिक रूपमा पशुपालन, चियाखेती र पर्यटनमा राम्रो सम्भावना रहेका कारण बसोबासका लागि मानिसहरूको रोजाइको क्षेत्र पर्दछ । तथापी सेवा, सुविधा तथा अवसरको उपलब्धताका कारण विकटमा रहेका गाउँवाट र अन्य जिल्लाहरूका बजार क्षेत्रमा बसाइँसराई गरेको पाइन्छ ।

गाउँपालिकाका विभिन्न क्षेत्रहरूको व्यवस्थित तवरले विकास गर्न प्रत्येक बस्तीहरूमा आवत जावत गर्न मोटर बाटो, खुल्ला क्षेत्रको प्रावधान, लगायत भौतिक तथा पूर्वाधारको निर्माण सहितको व्यवस्थित बस्तीको विकास गर्न जग्गा एकीकरण वा सेवा सुविधा जस्ता कार्यक्रमहरू संचालन गर्नुपर्दछ । यसरी जग्गा विकास कार्यक्रम संचालन गर्दा शहरी क्षेत्र विस्तार प्रस्तावना गरिएका क्षेत्रहरूलाई टेवा पुऱ्याउने हिसाबले प्राथमिकता दिनुपर्दछ ।

तालिका नं. ५ : गाउँपालिकाका मुख्य बस्तीहरूको विवरण

| वडा नं. | मुख्य बस्तीहरूको विवरण   |
|---------|--|
| १       | नउर, पैरे, सेतोपानी, खहरे, मैदान, डोरछिरे, डल्लेमाने, किशिनासा, लाममाने, गुम्बा, नागथान, चडगागाँउ, सिङ्गिबरे गाउँ, पानजुम, मंडली गाउँ, घुर्मिसे गाउँ, गेचुका |
| २       | मेस्की, बुडदेल, पोखरी, डाँडाघर, बाहुनीकाठ, चेनास्लु, कृषि डाँडा, तामदोङ्ग, यारमार्तु, चेपार्लिन  |
| ३       | जयदालु, कोरेशी, निगाली, नामखेली, चौरीखर्क, चिहानडाँडा, डोर्मा, चमार गाउँ, माभु गाउँ, सिरुवा, रिस्ति, लेलेपु  |
| ४       | डुँडा, दोछिम, रिनडाँडा, मानेमुनी, छुटाप, कुँडर, तादिङ्ग, रिनठेली, थल्मा, घडेरी, बुलडाँडा, राप्ते, छुसा, किञ्जा   |
| ५       | किञ्जा, चिम्बु, अराड, भकाञ्जे, सागरडाँडा, चिरिङ्खर्क, लोले, मभुवा, तेमजेड, णिमार, सेथे, सेक, गुराँसे, दकचु, काठ विसौना, गयाम, लामजुरा भञ्ज्याड               |

स्रोत: गाउँकार्यपालिकाको कार्यालय, २०८१

#### ३.१.२ घरपरिवारको विवरण

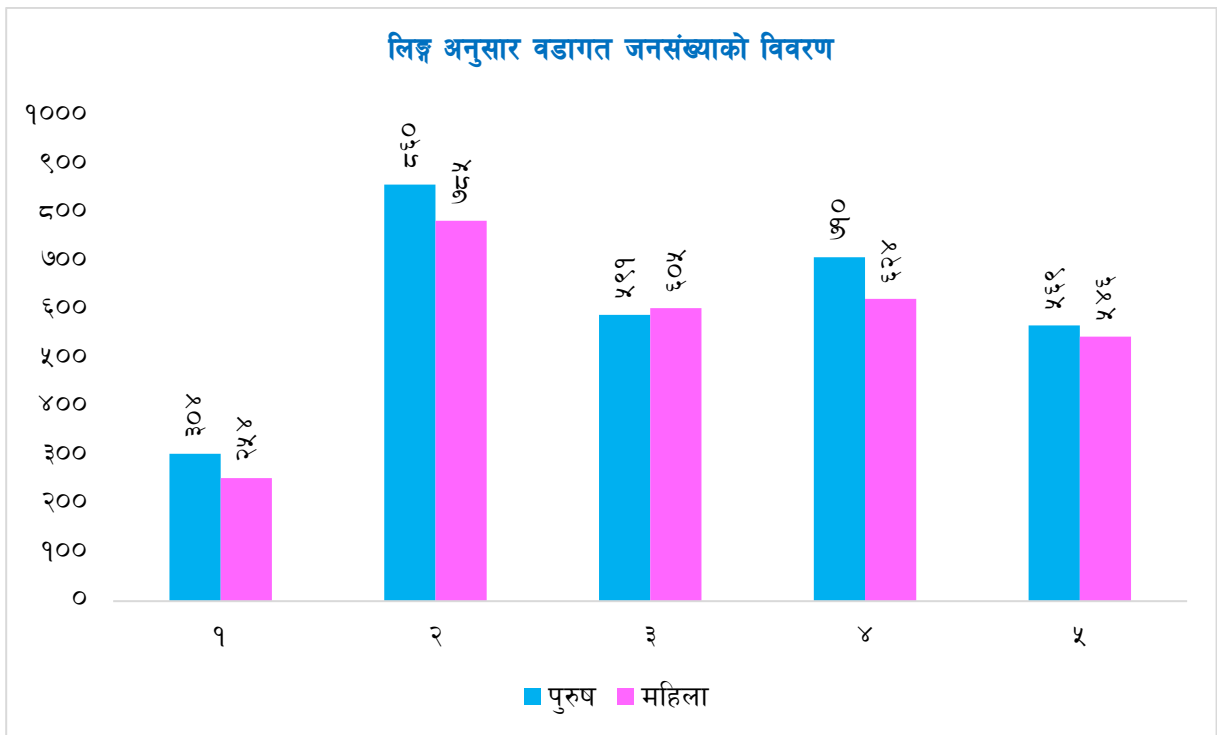
तालिका नं. ६ : वडागत क्षेत्रफल, जनसंख्या तथा घरधुरी विवरण

| वडा | घरधुरी संख्या | २०६८ को जनसंख्या | २०७८ को जनसंख्या | २०८१ को जनसंख्या |       |      |                | जनसंख्या वृद्धिदर | क्षेत्रफल (वर्ग कि.मी.) | जनघनत्व | औषत परिवार आकार | लैङ्गिक अनुपात |
|-----|---------------|------------------|------------------|------------------|-------|------|----------------|-------------------|-------------------------|---------|-----------------|----------------|
|     |               |                  |                  | पुरुष            | महिला | अन्य | जम्मा जनसंख्या |                   |                         |         |                 |                |
| १   | १५२           | ८२१              | ६०१              | ३०४              | २५४   |      | ५५८            | -२.४६             | ३५.९                    | १५.५४   | ४               | ११९.६९         |
| २   | ३८८           | १४०७             | १२६३             | ८६०              | ७८५   |      | १६४५           | १.३०              | २७.६२                   | ५९.५६   | ४               | १०९.५५         |
| ३   | २३३           | १०३८             | ११७९             | ५९१              | ६०५   | १    | ११९७           | १.१८              | १०.०३                   | ११९.३४  | ५               | ९७.६९          |
| ४   | २४६           | ९७४              | ९६६              | ७१०              | ६२४   |      | १३३४           | २.८४              | ५.५३                    | २४१.२३  | ५               | ११३.७८         |

| वडा          | घरधुरी संख्या | २०६८ को जनसंख्या | २०७८ को जनसंख्या | २०८१ को जनसंख्या |             |          |                | जनसंख्या वृद्धिदर | क्षेत्रफल (वर्ग कि.मी.) | जनघनत्व      | औषत परिवार आकार | लैङ्गिक अनुपात |
|--------------|---------------|------------------|------------------|------------------|-------------|----------|----------------|-------------------|-------------------------|--------------|-----------------|----------------|
|              |               |                  |                  | पुरुष            | महिला       | अन्य     | जम्मा जनसंख्या |                   |                         |              |                 |                |
| ५            | २४९           | १२९४             | १३२५             | ५६९              | ५४६         | २        | १११७           | -१.०५             | ४५.३१                   | २४.६५        | ४               | १०४.२१         |
| <b>जम्मा</b> | <b>१२६८</b>   | <b>५५३४</b>      | <b>५३३४</b>      | <b>३०३४</b>      | <b>२८१४</b> | <b>३</b> | <b>५८५१</b>    | <b>०.४४</b>       | <b>१२४.३९</b>           | <b>४७.०४</b> | <b>५</b>        | <b>१०७.८२</b>  |

स्रोत : घरधुरी तथ्याङ्क संकलन, २०८१

गाउँपालिकाको वडागत जनसंख्याको तुलनात्मक विश्लेषण गर्दा सबैभन्दा धेरै जनसंख्या वडा नं २ मा रहेको छ जसमा जम्मा जनसंख्या १,६४५ मध्ये (पुरुष ८६० जना र महिला ७८५ जना) रहेका छन् । यस वडाको औषत परिवारको आकार ४ र घरधुरी संख्या ३८८ रहेको छ । त्यस्तै सबैभन्दा थोरै जनसंख्या वडा नं. १ मा रहेको छ जसको जनसंख्या ५५८ (पुरुष ३०४ जना र महिला २५४ जना) रहेका छन् भने घरधुरी संख्या १५२ र औषत परिवार संख्या ४ रहेको छ । सबैभन्दा बढी जनघनत्व वडा नं ४ मा रहेको छ जसको जनघनत्व २४१.२३ व्यक्ति प्रति वर्ग कि.मि. रहेको छ भने सबैभन्दा कम जनघनत्व वडा नं. १ रहेको छ जसको जनघनत्व १५.५४ व्यक्ति प्रति वर्ग कि.मि. रहेको छ । जसको विस्तृत विवरण माथिको तालिकामा उल्लेख गरिएको छ भने तालिकालाई तल स्तम्भ चित्रमा देखाईएको छ ।



### ३.२ जनसंख्या वितरणको अवस्था

कुनै पनि स्थानको जनसंख्या, विकासको साधन र साध्य दुवैको रूपमा रहेको हुन्छ । विकासको लागि आवश्यक अन्य आर्थिक, भौतिक साधनहरूको परिचालन मानव श्रोतबाट नै हुने भएकाले विकास योजना तर्जुमा गर्दा यसको बनावटको विविध पक्षहरूको अध्ययन र विश्लेषण हुनु आवश्यक हुन्छ । नेपालमा जनसंख्याको विविध पक्षको तथ्याङ्क प्रत्येक १० वर्षमा हुने राष्ट्रिय जनगणनाको साथै गाउँपालिका स्तरमा घरधुरी सर्वेक्षण मार्फत् समेत प्राप्त हुने गरेको छ । यहाँ गाउँपालिकाको घरधुरी तथ्याङ्क संकलन, २०८१ बाट प्राप्त नतिजाको आधारमा जनसंख्याका विविध पक्षहरूको विश्लेषण गरिएको छ ।

तालिका नं. ७ : जनसंख्याको विवरण

| विवरण  | वि.सं. २०८१           |
|--|-----------------------|
| अक्सर बसोबास गर्ने जम्मा जनसंख्या                                  | ५,८५१                 |
| अक्सर बसोबास गर्ने पुरुष   | ३,०३४                 |
| अक्सर बसोबास गर्ने महिला   | २,८१४                 |
| अक्सर बसोबास गर्ने अन्य जनसंख्या                                   | ३                     |
| अनुपस्थित जम्मा जनसंख्या   | १५५                   |
| कुल अक्सर बसोबास गर्ने र अनुपस्थित जनसंख्या                        | ६,००६                 |
| लैंगिक दर (पुरुष प्रति १०० महिला)                                  | १०७.८२                |
| जम्मा घरधुरी   | १२०६                  |
| औषत परिवार आकार  | ५                     |
| जनघनत्व (प्रतिवर्ग कि.मी.)   | ४७.०४                 |
| ०-१४ वर्ष उमेरसमूहका जनसंख्या (आर्थिकरूपले आश्रित जनसंख्या)        | १,२७० (२१.७१ प्रतिशत) |
| १५-५९ वर्ष उमेरसमूहका जनसंख्या (आर्थिकरूपले सक्रिय जनसंख्या)       | ३,८१० (६५.१२ प्रतिशत) |
| ६० वर्षभन्दा बढी उमेरसमूहका जनसंख्या (आर्थिकरूपले आश्रित जनसंख्या) | ७७१ (१३.१८ प्रतिशत)   |
| वार्षिक जनसंख्या वृद्धिदर (प्रतिशत)                                | ०.४४                  |
| साक्षरता दर (५ वर्ष र सोभन्दा बढी उमेरसमूह)                        | ७१.५० प्रतिशत         |

स्रोत: गाउँपालिका घरधुरी तथ्याङ्क संकलन, २०८१

माथिको तालिकामा पालिकाको जनसंख्याको विवरण प्रस्तुत गरिएको छ । घरधुरी तथ्याङ्क संकलन, २०८१ अनुसार यहाँको जम्मा जनसंख्या मध्ये अक्सर बसोबास गर्ने जनसंख्या ५,८५१ रहेको छ जस मध्ये पुरुष ३,०३४ अर्थात ५१.८५ प्रतिशत र महिला २,८१४ अर्थात ४८.०९ प्रतिशत रहेका छन् । सोही अनुसार लैङ्गिक अनुपात (sex ratio) १०७.८२ रहेको छ । जनघनत्व (प्रति वर्ग किलोमिटरमा रहको जनसंख्या) ४७.०४ जना प्रति वर्ग किलोमिटर रहेको छ । पछिल्लो तथ्याङ्क बमोजिम यस यहाँको कुल जनसंख्या मध्ये २.५० प्रतिशत (१४६ जना) अपाङ्गता भएकाहरू रहेका छन् । कुल १,२०६ घरपरिवार रहेको यस गाउँपालिकामा प्रति परिवार औषत ५ जना सदस्य रहेको देखिन्छ ।

### ३.३ उमेर समूह तथा लिङ्ग अनुसार जनसंख्याको विवरण

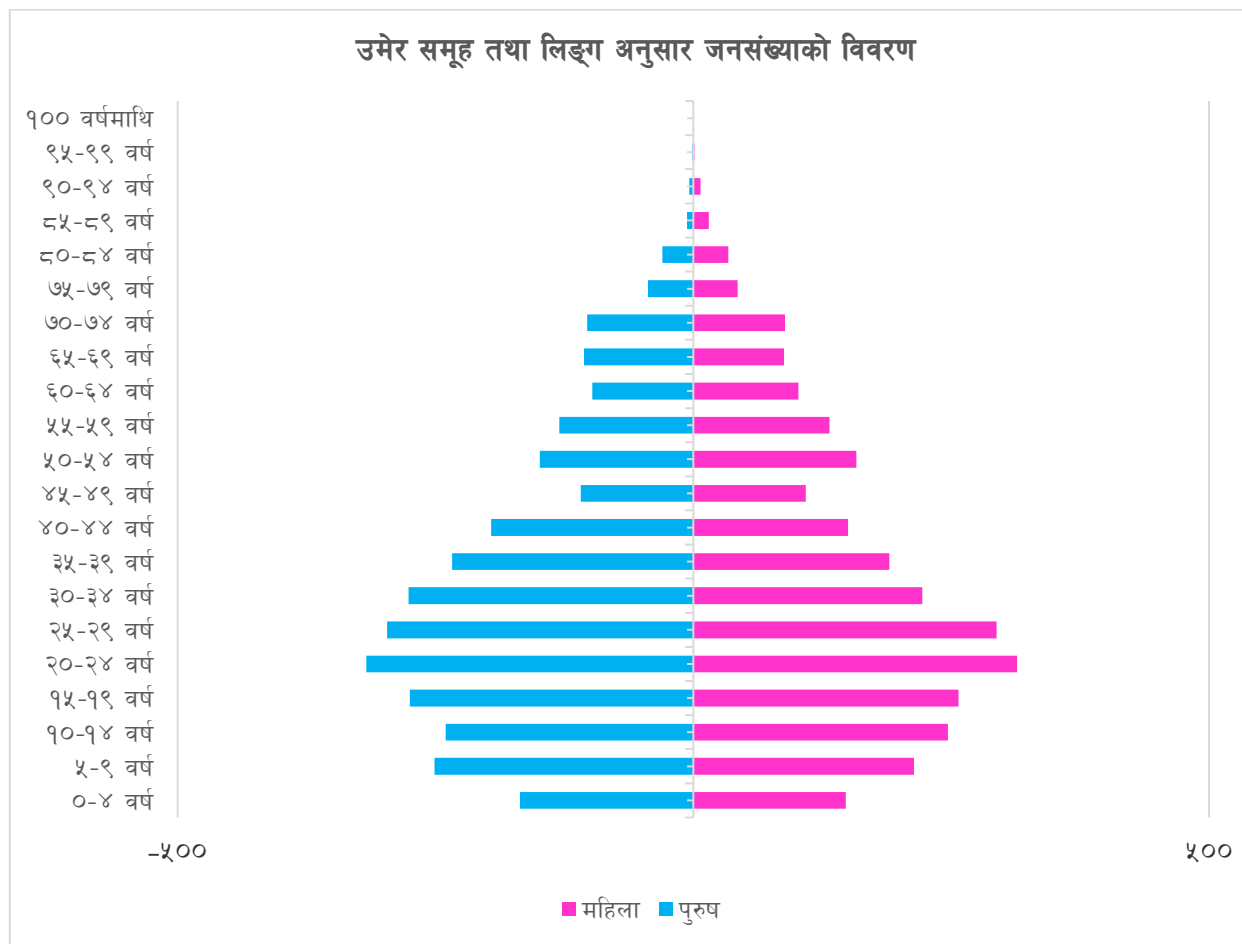
तालिका नं. ८ : उमेर र लिङ्गानुसार वडागत जनसंख्याको विवरण

| वडा         | विवरण       | ०-४ वर्ष | ५-९ वर्ष | १०-१४ वर्ष | १५-१९ वर्ष | २०-२४ वर्ष | २५-२९ वर्ष | ३०-३४ वर्ष | ३५-३९ वर्ष | ४०-४४ वर्ष | ४५-४९ वर्ष | ५०-५४ वर्ष | ५५-५९ वर्ष | ६०-६४ वर्ष | ६५-६९ वर्ष | ७०-७४ वर्ष | ७५-७९ वर्ष | ८०-८४ वर्ष | ८५-८९ वर्ष | ९०-९४ वर्ष | ९५-९९ वर्ष | १०० वर्षमाथि | जम्मा जनसंख्या |
|-------------|-------------|----------|----------|------------|------------|------------|------------|------------|------------|------------|------------|------------|------------|------------|------------|------------|------------|------------|------------|------------|------------|--------------|----------------|
| १           | पु          | ४        | १६       | १७         | ३६         | ४२         | ३३         | २७         | १८         | २१         | १०         | १७         | १८         | १२         | १४         | ६          | ७          | ५          | १          | ०          | ०          | ०            | ३०४            |
|             | म           | ५        | १५       | २१         | २२         | २४         | २१         | १५         | १६         | २०         | ११         | १६         | १४         | ९          | २०         | ११         | ८          | ३          | २          | १          | ०          | ०            | २५४            |
|             | जम्मा       | ९        | ३१       | ३८         | ५८         | ६६         | ५४         | ४२         | ३४         | ४१         | २१         | ३३         | ३२         | २१         | ३४         | १७         | १५         | ८          | ३          | १          | ०          | ०            | ५५८            |
| २           | पु          | ५७       | ७५       | ६५         | ८७         | ८५         | ७७         | ७३         | ६६         | ४७         | ३४         | ३२         | ४४         | २३         | ३६         | ३६         | १२         | ७          | २          | २          | ०          | ०            | ८६०            |
|             | म           | ४६       | ६४       | ६६         | ७०         | ८९         | ७७         | ६३         | ५१         | ३६         | ३१         | ४२         | ३७         | २९         | २५         | ३३         | १३         | ६          | ६          | १          | ०          | ०            | ७८५            |
|             | जम्मा       | १०३      | १३९      | १३१        | १५७        | १७४        | १५४        | १३६        | ११७        | ८३         | ६५         | ७४         | ८१         | ५२         | ६१         | ६९         | २५         | १३         | ८          | ३          | ०          | ०            | १६४५           |
| ३           | पु          | ४४       | ६५       | ४८         | ४८         | ५८         | ५७         | ४३         | ३७         | ४३         | २१         | २८         | २६         | १६         | २१         | २०         | ६          | ८          | ०          | २          | ०          | ०            | ५९१            |
|             | म           | ४६       | ४६       | ५५         | ५१         | ६९         | ६३         | ४५         | ४१         | ३६         | २०         | ३२         | ३२         | १९         | १३         | २१         | ४          | ११         | १          | ०          | ०          | ०            | ६०५            |
|             | अन्य        | १        | ०        | ०          | ०          | ०          | ०          | ०          | ०          | ०          | ०          | ०          | ०          | ०          | ०          | ०          | ०          | ०          | ०          | ०          | ०          | ०            | १              |
|             | जम्मा       | ९१       | १११      | १०३        | ९९         | १२७        | १२०        | ८८         | ७८         | ७९         | ४१         | ६०         | ५८         | ३५         | ३४         | ४१         | १०         | १९         | १          | २          | ०          | ०            | ११९७           |
| ४           | पु          | ३९       | ५६       | ६८         | ५५         | ८१         | ६२         | ६५         | ६२         | ५३         | २५         | ३४         | २३         | २६         | १७         | २७         | १०         | ५          | २          | ०          | ०          | ०            | ७१०            |
|             | म           | २७       | ५७       | ५९         | ५९         | ५६         | ६८         | ६०         | ४४         | ३१         | ३२         | २३         | २६         | २८         | १६         | १३         | ११         | ७          | ३          | ४          | ०          | ०            | ६२४            |
|             | जम्मा       | ६६       | ११३      | १२७        | ११४        | १३७        | १३०        | १२५        | १०६        | ८४         | ५७         | ५७         | ४९         | ५४         | ३३         | ४०         | २१         | १२         | ५          | ४          | ०          | ०            | १३३४           |
| ५           | पु          | २४       | ३९       | ४२         | ४९         | ५१         | ६८         | ६८         | ५१         | ३२         | १९         | ३८         | १९         | २१         | १८         | १४         | ९          | ५          | १          | ०          | १          | ०            | ५६९            |
|             | म           | २४       | ३२       | ४६         | ५५         | ७६         | ६५         | ३९         | ३८         | २७         | १५         | ४५         | २३         | १७         | १४         | ११         | ७          | ७          | ३          | १          | १          | ०            | ५४६            |
|             | अन्य        | ०        | १        | ०          | ०          | १          | ०          | ०          | ०          | ०          | ०          | ०          | ०          | ०          | ०          | ०          | ०          | ०          | ०          | ०          | ०          | ०            | २              |
|             | जम्मा       | ४८       | ७२       | ८८         | १०४        | १२८        | १३३        | १०७        | ८९         | ५९         | ३४         | ८३         | ४२         | ३८         | ३२         | २५         | १६         | १२         | ४          | १          | २          | ०            | १११७           |
|             | जम्मा पुरुष | १६८      | २५१      | २४०        | २७५        | ३१७        | २९७        | २७६        | २३४        | १९६        | १०९        | १४९        | १३०        | ९८         | १०६        | १०३        | ४४         | ३०         | ६          | ४          | १          | ०            | ३०३४           |
| जम्मा महिला | १४८         | २१४      | २४७      | २५७        | ३१४        | २९४        | २२२        | १९०        | १५०        | १०९        | १५८        | १३२        | १०२        | ८८         | ८९         | ४३         | ३४         | १५         | ७          | १          | ०          | २८१४         |                |
| जम्मा अन्य  | १           | १        | ०        | ०          | १          | ०          | ०          | ०          | ०          | ०          | ०          | ०          | ०          | ०          | ०          | ०          | ०          | ०          | ०          | ०          | ०          | ३            |                |
| जम्मा       | ३१७         | ४६६      | ४८७      | ५३२        | ६३२        | ५९१        | ४९८        | ४२४        | ३४६        | २१८        | ३०७        | २६२        | २००        | १९४        | १९२        | ८७         | ६४         | २१         | ११         | २          | ०          | ५८५१         |                |

स्रोत : घरघुरी तथ्याङ्क संकलन, २०८१

गाउँपालिकामा रहेका कूल ५,८५१ जनसंख्या मध्ये ३,०३४ पुरुष, २,८१४ जना महिला र ३ जना अन्य जनसंख्या रहेका छन् । ०-१९ वर्ष उमेर समूहमा पुरुषको बाहुल्यता रहेको छ, भने बाँकी उमेर समूहमा महिलाको बाहुल्यता रहेको छ । उमेर समूह अनुसार हेर्दा १५ देखि ३९ वर्ष उमेर समूह भित्रका किशोरी र महिलाहरूको

जनसंख्यामा र उमेर पुगेका महिलाहरूको शारिरिक, मानसिक, सामाजिक तथा आर्थिक मूद्दाहरूलाई सम्बोधन गर्ने प्रकारको योजनाहरू निर्माण गर्नु जरुरी छ । प्रजनन स्वास्थ्य, यौन स्वास्थ्य, रजस्वला सम्बन्धी समस्याहरू, महिला मैत्री शौचालय, परामर्श केन्द्रहरू, महिला हिंसा, चेलीबेटी बेचबिखन, घरेलु लैङ्गिक हिंसा, पाठेघर खस्ने समस्या, दाइजो प्रथा, बाल विवाह महिला शसक्तिकरण तथा अधिकार जस्ता विषयहरू आम महिलाका लागि प्रमुख तथा संवेदनशील विषय भएकाले गाउँपालिकाले यी विषयहरूको प्रभावकारी योजना निर्माण गरी कार्यान्वयन गर्नुपर्ने संकेत समग्र तथ्याङ्कले गर्दछ । वडागत विवरण तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ ।



युवा उमेरको (१५ बर्ष देखि ३९ बर्ष) जनसंख्या बढी हुनु राम्रो भए तापनि उनीहरूको शिक्षा, स्वास्थ्य तथा मानव संसाधन विकासमा राज्यले व्यापक लगानी गर्नुपर्ने हुन्छ। युवा उमेर समूह धेरै हुनुलाई जनसंख्याको लाभांश भनिन्छ। अर्कोतर्फ युवाहरूलाई सही दिशातर्फ उन्मुख बनाउन र रोजगारीका अवसरहरू सिर्जनागरी राष्ट्र निर्माणमा सरिक बनाउनु समाज र राज्यको दायित्व हुन आउँछ। बालबालिका तथा शिशुहरूको संख्या कम हुनुले क्रमशः प्रजनन दर घट्दै गएको संकेत गर्दछ भने वृद्धवृद्धाहरूको तथा प्रौढहरूको संख्या कम हुनुले औषत आयु अन्य देशहरूको तुलनामा कम हुनु र प्रौढ अवस्थामा लाग्ने रोगका कारण पाका उमेरको जनसंख्याको मृत्युदर बढी हुनु भन्ने जनाउँछ। यद्यपि बढ्दो उमेरको संख्या कम हुनु स्वभाविक हो। उमेरानुसारको जनसंख्याको विश्लेषण गर्दा प्रत्येक उमेर समूहका आवश्यकताहरू सम्बोधन गरी उनीहरूको उचित व्यवस्थापन गर्नु नै चुनौतीपूर्ण हुन्छ। बालबालिकाको पोषण र स्याहार तथा शिक्षा, युवालाई उचित रोजगारी र वृद्धहरूलाई आवश्यक सामाजिक सुरक्षा तथा स्वास्थ्य सेवा र स्याहार राज्यले निर्वाह गर्नुपर्ने दायित्वहरू भित्र आउँछन्। गाउँपालिकाले यसतर्फ ध्यान पुऱ्याउन आवश्यक छ।

### ३.४ मातृभाषाको आधारमा जनसंख्याको विवरण

नेपाल एक बहु-जाति, बहु-भाषा र बहु-साँस्कृतिक विशेषता बोकेको राष्ट्र हो। यस गाउँपालिकामा पनि भाषिक विविधता रहेको देखिन्छ। गाउँपालिकामा रहेका कुल ५,३३४ जनसंख्या मध्ये सबैभन्दा बढी ३,७०४ अर्थात् ६९.४ प्रतिशतले नेपाली भाषा बोल्छन् भने १,२०१ अर्थात् २२.५ प्रतिशतले शेर्पा भाषा, २७६ अर्थात् ५.२ प्रतिशतले तामाङ भाषा र बाँकीले सुनुवार, थामी, नेवार, मगर लगायतका भाषा बोल्ने गर्दछन्।

संविधानको धारा ३२ मा भाषा तथा संस्कृतिको हकलाई मौलिक हकको रूपमा स्थापित गरेको र धारा ३१ को शिक्षा सम्बन्धी हकको उपधारा ५ बमोजिम “नेपालमा बसोबास गर्ने प्रत्येक नेपाली समुदायलाई कानून बमोजिम आफ्नो मातृभाषामा शिक्षा पाउने र त्यसका लागि विद्यालय तथा शैक्षिक संस्था खोल्ने र संचालन गर्ने हक हुनेछ” भनी स्पष्ट किटान गरेको छ। आफ्नो मातृभाषामा पढ्न चाहने विद्यार्थीहरूलाई गाउँपालिकाले विशेष व्यवस्था गर्न सक्ने प्रावधान रहेको छ। वडा अनुसार मातृभाषाको विस्तृत विवरण तालिकामा उल्लेख गरिएको छ।

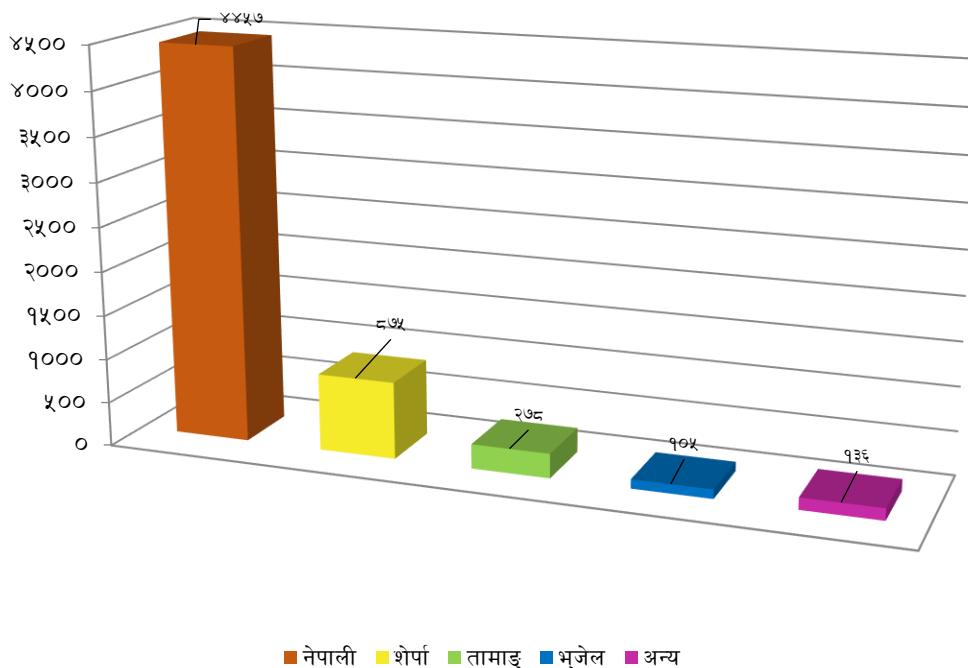
**तालिका नं. ९ : मातृभाषाअनुसार जनसंख्याको विवरण**

| वडा     | नेपाली | शेर्पा | तामाङ | भुजेल | अन्य (खुलाउने) | जम्मा जनसंख्या |
|---------|--------|--------|-------|-------|----------------|----------------|
| १       | २७२    | २८६    |       |       | ०              | ५५८            |
| २       | १३१७   | ८३     | १८०   |       | ६५             | १६४५           |
| ३       | ११२७   | ७०     |       |       | ०              | ११९७           |
| ४       | ११२१   | ६७     |       | १०५   | ४१             | १३३४           |
| ५       | ६२०    | ३६९    | ९८    |       | ३०             | १११७           |
| जम्मा   | ४४५७   | ८७५    | २७८   | १०५   | १३६            | ५८५१           |
| प्रतिशत | ७६.१८  | १४.९५  | ४.७५  | १.७९  | २.३२           | १००            |

स्रोत : घरघुरी तथ्याङ्क संकलन, २०८१

**नोट:** अन्यमा सुनुवार, नेवारी, थामी, राई लगायतका भाषाहरू पर्दछन्।

### गाउँपालिकामा बोलिने भाषाको आधारमा जनसंख्याको विवरण



#### (क) आदिवासी

आदिवासी/जनजाती उत्थान राष्ट्रिय प्रतिष्ठान ऐन, २०५८ अनुसार आदिवासी जनजाती भन्नाले आफ्नो मातृभाषा र परम्परागत रीतिरिवाज, छुट्टै साँस्कृतिक पहिचान, छुट्टै सामाजिक संरचना र लिखित वा अलिखित इतिहास भएका ५८ जाति वा समुदायलाई बुझिन्छ। यस गाउँपालिकाको कुल जनसंख्या ५,८५१ मध्ये, १,०८१ अर्थात १८.४८ प्रतिशत शेर्पा समुदायका व्यक्तिहरु बसोबास गर्दछन्। यसैगरी २८९ अर्थात ४.९४ प्रतिशत तामाङ, २६७ अर्थात ४.५६ प्रतिशत घर्ती/भुजेल, २२४ अर्थात ३.८३ प्रतिशत थामी समुदायका व्यक्तिहरु रहेका छन्। यी समुदायद्वारा यहाँको मौलिक संस्कृतिलाई जीवन्त राख्न सहयोग पुगेको छ। गाउँपालिकाको विकासका लागि यो समुदायलाई अहिलेको अवस्थाबाट माथि उठाउन क्षमता विकास, सशक्तिकरण जस्ता विशेष कार्यक्रमहरु सञ्चालन गर्नुपर्ने देखिन्छ।

#### (ख) उत्पीडित तथा सिमान्तकृत समुदाय

नेपालको संविधानको भाग ३४ अन्तर्गत धारा ३०६ को (ड) मा सीमान्तकृत समुदाय भन्नाले राजनितिक, आर्थिक र सामाजिक रूपले पछाडि पारिएका विभेद र उत्पीडन तथा भौगोलिक विकटताको कारणले सेवा सुविधाको उपभोग गर्न नसकेका वा त्यसबाट बञ्चित रहेका संघीय कानून बमोजिमको मानव विकासको स्तर भन्दा न्यून स्थितिमा रहेका समुदाय सम्झनुपर्दछ भनी उल्लेख गरेको छ। सामाजिक विभेदका रूपमा छुवाछुत जस्तो अमानवीय भेदभाव भोगिरहेको यो समुदायले राजनैतिक, आर्थिक र सामाजिक क्षेत्रमा समेत उपेक्षाको अनुभूत गर्नु परेको छ। परम्परागत सिपको धनी यो समुदायले आफ्नो सिपलाई आर्थिक विपन्नता र सामाजिक उपेक्षाका कारण पनि अधि बढाउन नसकेको पाइन्छ। निजामती सेवा र गैरसरकारी सेवामा पनि यो समुदायको उपस्थिति अत्यन्तै न्यून छ। त्यसैगरी राजनितिक क्षेत्रमा २०४६, साल यता यो समुदायले आफ्ना सामुदायिक संगठनहरु समेत निर्माण गरेको पाइन्छ। राजनितिक नेतृत्वमा भने सिमित व्यक्तिहरुले

मात्र यस समुदायको प्रतिनिधित्व गरिरहेका छन्। यस समुदायका अधिकांश व्यक्तिहरू अदक्ष र अर्धदक्ष जनशक्ति कै रूपमा ज्याला, मजदुरी गरेर जीवनयापन गरिरहेको पाइन्छ। यस पालिकाको विकासका लागि यो समुदायलाई अहिलेको अवस्थाबाट माथि उठाउन विशेष अभियानको थालनी गर्नुपर्ने अवस्था देखिन्छ।

### ३.५ धर्म अनुसार जनसंख्याको वडागत विवरण

नेपालमा धार्मिक स्वतन्त्रता र विविधता रहेको छ। अभै विधिवत रूपमा नेपालको अन्तरिम संविधान २०६३, ले मिति २०६३ जेठ ४ मा पुर्नस्थापित संसदको ऐतिहासिक घोषणाले नेपाललाई एक धर्म निरपेक्ष राष्ट्रको रूपमा घोषणा गर्‍यो। त्यस्तै नेपालको संविधान, २०७२ को प्रस्तावनामा नेपाललाई एक बहुजातीय, बहुभाषिक, बहुधार्मिक, बहुसांस्कृतिक तथा भौगोलिक विविधतायुक्त विशेषतालाई आत्मसात् गरी विविधता विचको एकता, सामाजिक सांस्कृतिक ऐक्यबद्धता, सहिष्णुता र सद्भावलाई संरक्षण एवं प्रवर्द्धन गर्दै, वर्गीय, जातीय, क्षेत्रीय, भाषिक, धार्मिक, लैङ्गिक विभेद र सबै प्रकारका जातीय छुवाछूतको अन्त्य गरी आर्थिक समानता, समृद्धि र सामाजिक न्याय सुनिश्चित गर्न समानुपातिक समावेशी र सहभागितामूलक सिद्धान्तका आधारमा समतामूलक समाजको निर्माण गर्ने संकल्प उल्लेख गरिएको छ। फलस्वरूप नेपालमा धार्मिक स्वतन्त्रता र सौहार्दता रहेको पाईन्छ।

यहाँ विभिन्न समुदायका मानिसहरूको बसोबास रहेको हुनाले उनीहरूका आ-आफ्नै चाडपर्वहरू छन्। पालिकाबासीले दशैं, तिहार, तिज, ल्होसार, माघे संक्रान्ति, फागु पूर्णिमा, चण्डी पूर्णिमा, जनैपूर्णिमा, उधौली, बुद्ध जयन्ती, क्रिसमस पर्व आदि मनाउने गर्दछन्।

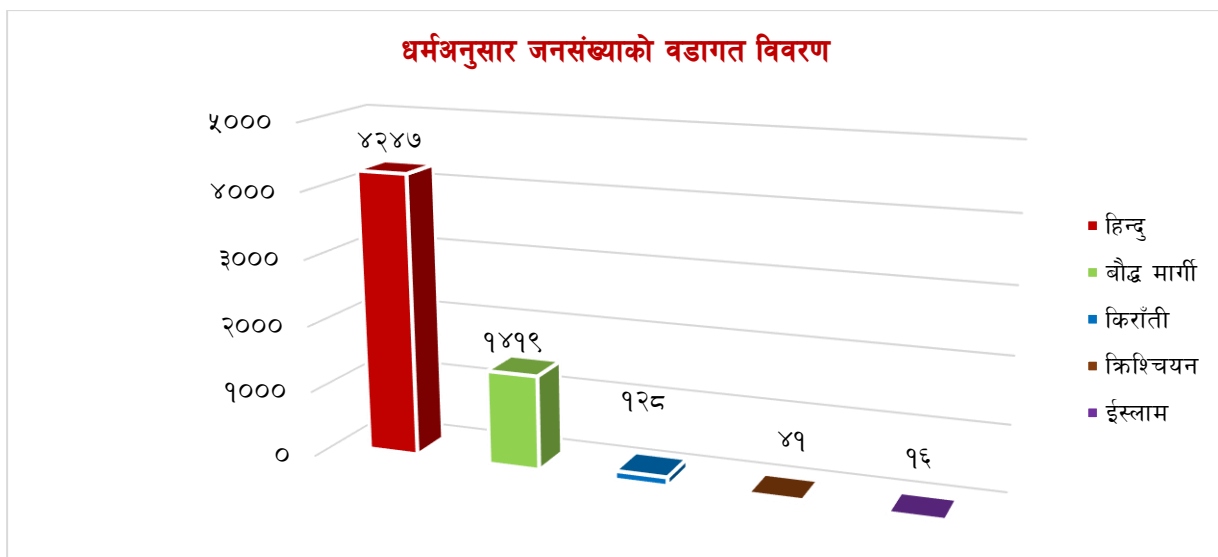
तालिका नं. १० : धर्म अनुसार जनसंख्याको वडागत विवरण

| वडा            | हिन्दु       | बौद्ध मार्गी | किराँत      | क्रिश्चियन | ईस्लाम      | जम्मा जनसंख्या |
|----------------|--------------|--------------|-------------|------------|-------------|----------------|
| १              | ६१           | ४९७          |             |            |             | ५५८            |
| २              | १३६२         | २६८          |             | १५         |             | १६४५           |
| ३              | ११०७         | ९०           |             |            |             | ११९७           |
| ४              | १२२४         | ८४           |             | २६         |             | १३३४           |
| ५              | ४९३          | ४८०          | १२८         |            | १६          | १११७           |
| <b>जम्मा</b>   | <b>४२४७</b>  | <b>१४१९</b>  | <b>१२८</b>  | <b>४१</b>  | <b>१६</b>   | <b>५८५१</b>    |
| <b>प्रतिशत</b> | <b>७२.५९</b> | <b>२४.२५</b> | <b>२.१९</b> | <b>०.७</b> | <b>०.२७</b> | <b>१००</b>     |

स्रोत : घरधुरी तथ्याङ्क संकलन, २०८१

गाउँपालिकामा रहेका कुल ५,८५१ जनसंख्या मध्ये ४,२४७ अर्थात ७२.५९ प्रतिशत जनसंख्याले हिन्दु धर्म मान्दछन् भने दोस्रोमा बौद्ध धर्म मान्नेको संख्या १,४१९ अर्थात २४.२५ प्रतिशत रहेका छन्। त्यसैगरी १२८ अर्थात २.१९ प्रतिशत किराँत रहेका छन् भने क्रिश्चियन ०.७ प्रतिशत रहेका छन्। गाउँपालिकामा धार्मिक विविधता रहेता पनि हिन्दु र बौद्ध धर्मावलम्बीहरूको प्रधानता रहेको तथ्याङ्कले देखाउँछ। नेपालमा सदियौँदेखि रहि आएको धार्मिक सहिष्णुता यस गाउँपालिकामा पनि कायमै रहेको देखिन्छ। वडागत रूपमा विभिन्न धर्मावलम्बीहरूको विस्तृत विवरण तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ।





### ३.६ जातजातीको आधारमा वडागत जनसंख्याको विवरण

गाउँपालिकामा जातजातिका आधारमा जनसंख्याको विवरणलाई हेर्दा सबैभन्दा धेरै ३,४८३ अर्थात ५९.५३ प्रतिशत क्षेत्री, दोस्रोमा १,०८१ अर्थात १८.४८ प्रतिशत शेर्पा, तेस्रोमा तामाङ २८९ अर्थात ४.९४ प्रतिशत रहेका छन् भने चौथो र पाचौंमा क्र.म.श. ४.५६ प्रतिशत घर्ती र ३.८३ प्रतिशत थामी रहेका छन् । त्यसैगरी यहाँ ब्राहमण पहाडी, सुनुवार, नेवार, कामी, राई, दमाई, ढोली, जिरेल लगायतका जातजातिहरूको बसोबास रहेको छ । यसरी जातीय हिसाबले विविधतायुक्त समाजमा स्थानीयहरू सामाजिक सहिष्णुताका साथ बसेको पाइन्छ । आफ्नो छुट्टै भाषा, संस्कृति र रहनसहन भएका नेपालको सिमान्तकृत जाति लगायत गाउँपालिकामा बसोबास गर्ने विभिन्न जातजातिको मौलिक संस्कृति, परम्परा, भाषा र रहनसहनलाई संरक्षण गरी उनीहरूको पहिचान कायम राख्ने कार्यक्रमहरूको निर्माण गर्नु आवश्यक छ । विस्तृत विवरण वडागत रूपमा तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ ।

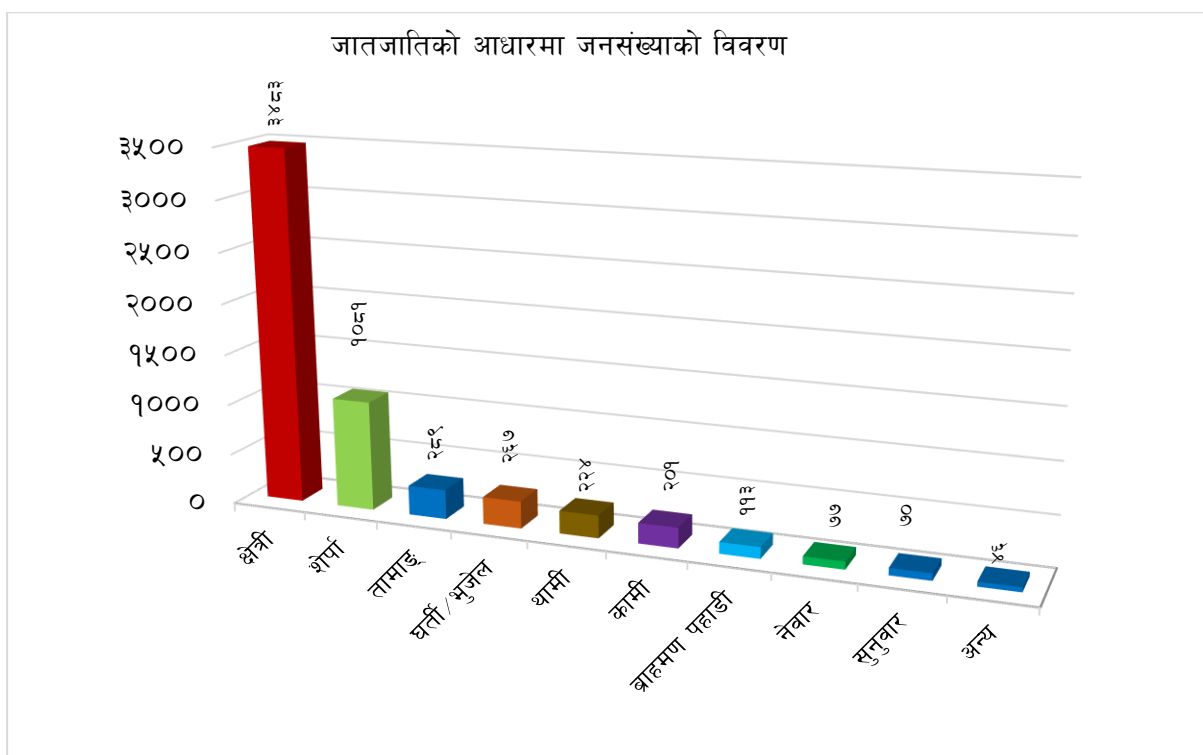
**तालिका नं. ११ :** जातजातीको आधारमा वडागत जनसंख्याको विवरण

| वडा            | क्षेत्री     | शेर्पा       | तामाङ       | घर्ती/शुजेल | थामी        | कामी        | ब्राहमण पहाडी | नेवार       | सुनुवार    | अन्य        | जम्मा       |
|----------------|--------------|--------------|-------------|-------------|-------------|-------------|---------------|-------------|------------|-------------|-------------|
| १              | ६९           | ४६३          | ३           | १२          |             | ४           |               | ७           |            | ०           | ५५८         |
| २              | ११५५         | ८४           | १८५         |             |             | ६६          | ६८            | ५           | ६५         | १७          | १६४५        |
| ३              | ८९३          | ८६           |             | ८०          |             | ७५          | ३४            | १६          |            | १३          | ११९७        |
| ४              | १०२५         | ७२           |             | १५२         | ६           | १६          | ११            | ४१          | ५          | ६           | १३३४        |
| ५              | ३४१          | ३७६          | १०१         | २३          | २१८         | ४०          |               | ८           |            | १०          | १११७        |
| <b>जम्मा</b>   | <b>३४८३</b>  | <b>१०८१</b>  | <b>२८९</b>  | <b>२६७</b>  | <b>२२४</b>  | <b>२०१</b>  | <b>११३</b>    | <b>७७</b>   | <b>७०</b>  | <b>४६</b>   | <b>५८५१</b> |
| <b>प्रतिशत</b> | <b>५९.५३</b> | <b>१८.४८</b> | <b>४.९४</b> | <b>४.५६</b> | <b>३.८३</b> | <b>३.४४</b> | <b>१.९३</b>   | <b>१.३२</b> | <b>१.२</b> | <b>०.७८</b> | <b>१००</b>  |

स्रोत : घरघुरी तथ्याङ्क संकलन, २०८१

अन्यमा: दमाई/ढोली, जिरेल, राई, कामी, नेवार, सुनुवार, जिरेल लगायतका जातजातिहरू आदि पर्दछन् ।

जातजातिको विवरणलाई स्तम्भ चित्रमा समेत प्रस्तुत गरिएको छ ।



### ३.७ महिलाको स्वामित्व अनुसार सम्पत्तिको विवरण

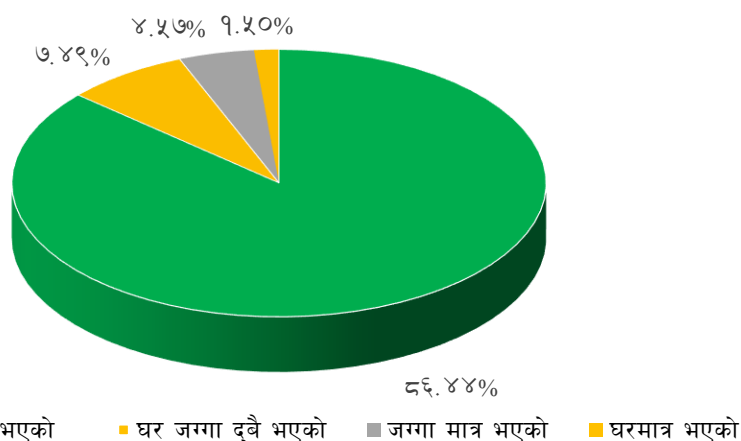
तालिका नं. १२ : महिलाको नाममा भएको घरजग्गाको विवरण

| वडा            | घर जग्गा दुबै नभएको | घर जग्गा दुबै भएको | जग्गा मात्र भएको | घरमात्र भएको | जम्मा घरधुरी |
|----------------|---------------------|--------------------|------------------|--------------|--------------|
| १              | ११५                 | २४                 | १०               | ३            | १५२          |
| २              | ३३०                 | ३५                 | २०               | ३            | ३८८          |
| ३              | १८८                 | २३                 | १९               | ३            | २३३          |
| ४              | २२९                 | १२                 | ३                | २            | २४६          |
| ५              | २३४                 | १                  | ६                | ८            | २४९          |
| <b>जम्मा</b>   | <b>१०९६</b>         | <b>९५</b>          | <b>५८</b>        | <b>१९</b>    | <b>१२६८</b>  |
| <b>प्रतिशत</b> | <b>८६.४४</b>        | <b>७.४९</b>        | <b>४.५७</b>      | <b>१.५</b>   | <b>१००</b>   |

स्रोत : घरधुरी तथ्याङ्क संकलन, २०८१

गाउँपालिकामा रहेको कुल घरपरिवार संख्या १२६८ मध्ये महिलाको नाममा घर,जग्गा भएको परिवार संख्या ९५ अर्थात ७.४९ प्रतिशत रहेका छन् भने १,०९६ अर्थात ८६.४४ प्रतिशत महिलाको नाममा घर,जग्गा दुबै नभएको परिवार संख्या रहेको छ, त्यसैगरी जग्गा मात्र महिलाको नाममा भएको परिवार संख्या ५८ अर्थात ४.५७ प्रतिशत रहेका छन् भने घर मात्र महिलाको नाममा भएको परिवार संख्या १९ यर्थात १.५ प्रतिशत रहेका छन् । विस्तृत विवरण तालिकामा उल्लेख गरिएको छ :-

### महिलाको स्वामित्व अनुसार सम्पत्तीको विवरण

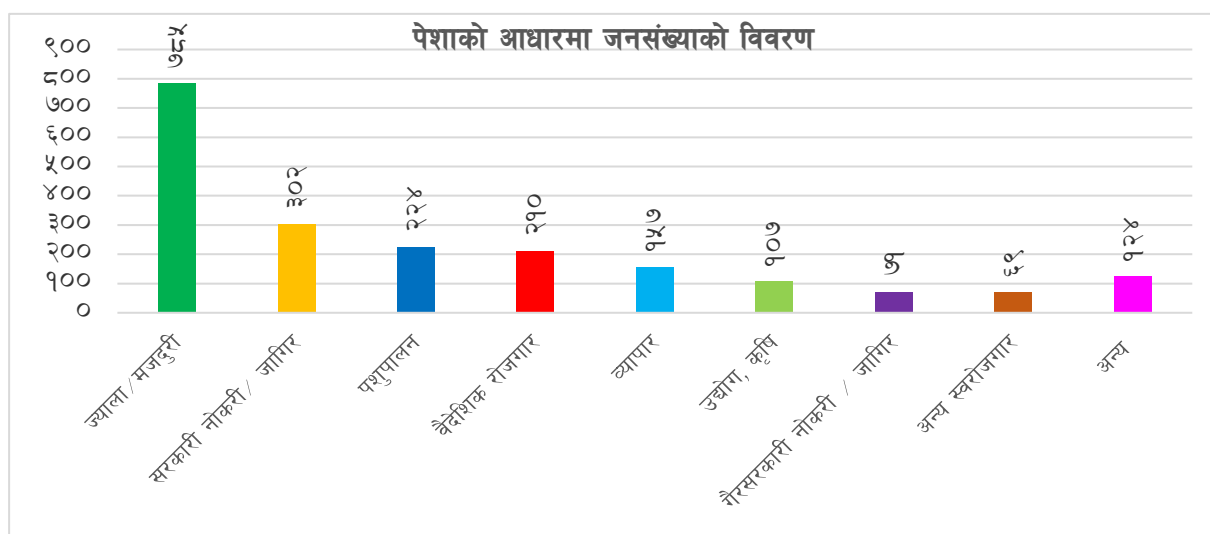


### ३.८ पेशाको आधारमा जनसंख्याको विवरण

तालिका नं. १३ : पेशाको आधारमा जनसंख्याको विवरण

| वडा            | ज्याला/मजदुरी | सरकारी नोकरी/जागिर | पशुपालन      | वैदेशिक रोजगार | व्यापार     | उद्योग, कृषि | गैरसरकारी नोकरी / जागिर | अन्य स्वरोजगार | अन्य        | जम्मा       |
|----------------|---------------|--------------------|--------------|----------------|-------------|--------------|-------------------------|----------------|-------------|-------------|
| १              | ८२            | १८                 | १०           | २१             | १३          | ५७           | १५                      | २५             | ५४          | २९५         |
| २              | ११३           | ८४                 | २            | ७६             | १२          | ३            | ४८                      | ७              | ३           | ३४८         |
| ३              | ३११           | ७२                 | १            | ३              | ३९          | ३३           |                         | १५             | ६           | ४८०         |
| ४              | ५९            | ६३                 | २५           | २९             | ३२          | १३           | ८                       | २१             | ५७          | ३०७         |
| ५              | २२०           | ६५                 | १८६          | ८१             | ६१          | १            |                         | १              | ४           | ६१९         |
| <b>जम्मा</b>   | <b>७८५</b>    | <b>३०२</b>         | <b>२२४</b>   | <b>२१०</b>     | <b>१५७</b>  | <b>१०७</b>   | <b>७१</b>               | <b>६९</b>      | <b>१२४</b>  | <b>२०४९</b> |
| <b>प्रतिशत</b> | <b>३८.३१</b>  | <b>१४.७४</b>       | <b>१०.९३</b> | <b>१०.२५</b>   | <b>७.६६</b> | <b>५.२२</b>  | <b>३.४७</b>             | <b>३.३७</b>    | <b>६.०५</b> | <b>१००</b>  |

स्रोत : घरघुरी तथ्याङ्क संकलन, २०८१



गाउँपालिकामा रहेका काम गर्न सक्ने उमेर समूहको जम्मा जनसंख्या मध्ये वैदेशिक रोजगारीलाई मुख्य पेशा बनाएका सबैभन्दा बढी अर्थात ७८५ जना (३८.३१ प्रतिशत) रहेका छन् । दोस्रोमा सरकारी नोकरीलाई पेशाको रूपमा लिनेहरूको संख्या ३०२ अर्थात १४.७४ प्रतिशत रहेको छ । तेस्रोमा पशुपालन गर्नेहरू २२४ अर्थात १०.९३ प्रतिशत रहेका छन् । जसको वडागत विस्तृत विवरण तालिकामा उल्लेख गरिएको छ ।

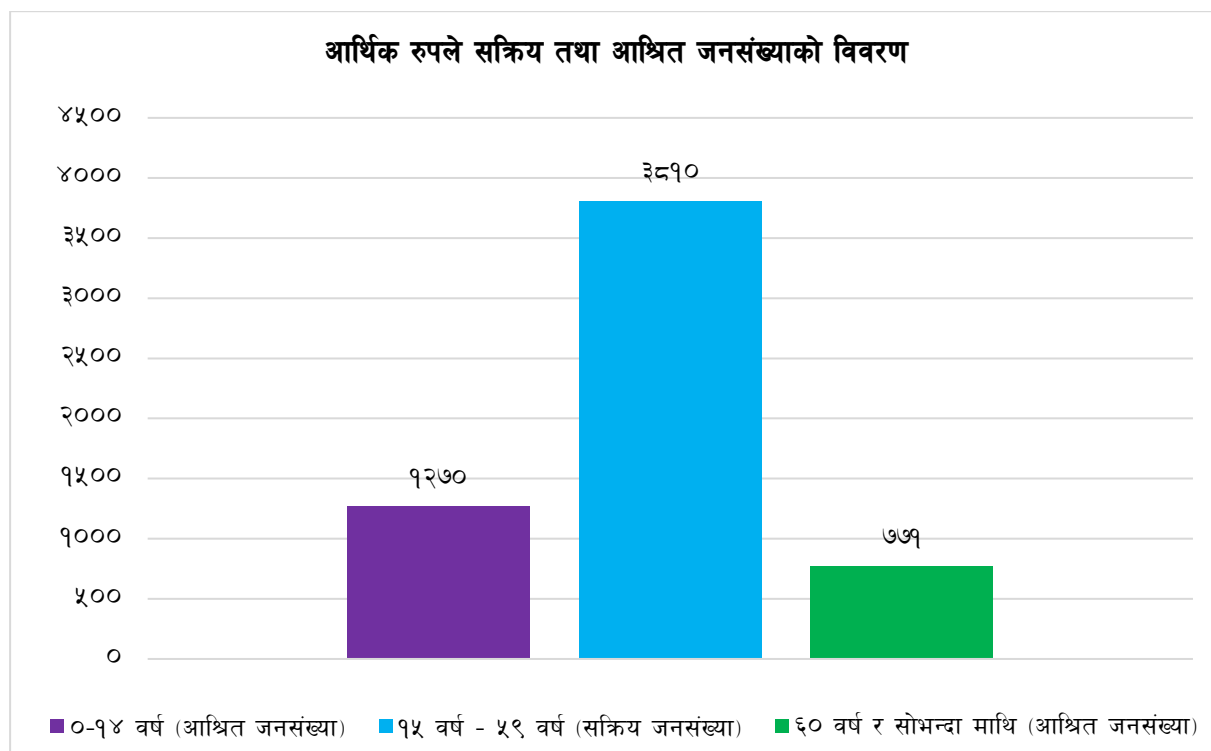
### ३.९ आर्थिक रूपले सक्रिय जनसंख्याको विवरण

तालिका नं. १४ : आर्थिक रूपले सक्रिय तथा आश्रित जनसंख्याको विवरण

| वडा     | ०-१४ वर्ष<br>(आश्रित जनसंख्या) | १५ वर्ष - ५९ वर्ष (सक्रिय<br>जनसंख्या) | ६० वर्ष र सोभन्दा माथि<br>(आश्रित जनसंख्या) | जम्मा जनसंख्या |
|---------|--------------------------------|--|---|----------------|
| १       | ७८                             | ३८१                                    | ९९  | ५५८            |
| २       | ३७३                            | १०४१                                   | २३१   | १६४५           |
| ३       | ३०५                            | ७५०                                    | १४२   | ११९७           |
| ४       | ३०६                            | ८५९                                    | १६९   | १३३४           |
| ५       | २०८                            | ७७९                                    | १३०   | १११७           |
| जम्मा   | १२७०                           | ३८१०                                   | ७७१   | ५८५१           |
| प्रतिशत | २१.७१                          | ६५.१२                                  | १३.१८                                       | १००            |

स्रोत : घरघुरी तथ्याङ्क संकलन, २०८१

गाउँपालिकामा रहेको कुल जनसंख्यामध्ये आर्थिक रूपले सक्रिय जनसंख्या ३,८१० जनसंख्या अर्थात ६५.१२ प्रतिशत, ६० वर्ष भन्दा माथिको आश्रित जनसंख्या ७७१ अर्थात् १३.१८ र १४ वर्ष मुनीको आश्रित जनसंख्या १,२७० जना अर्थात २१.७१ प्रतिशत गरी जम्मा ५,८५१ रहेका छन् । विस्तृत वडागत विवरण माथि तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ ।



### ३.१० अपाङ्गताका आधारमा जनसंख्याको विवरण

शरीरका अङ्गहरू र शारीरिक प्रणालीमा भएको समस्याका कारण भौतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक वातावरणका साथै सञ्चार समेतबाट सिर्जना भएको अवरोध समेतले दैनिक क्रियाकलाप सामान्य रूपमा सञ्चालन गर्न एवं सामाजिक जीवनमा पूर्ण सहभागी हुन कठिनाई हुने अवस्थालाई अपाङ्गता भनिन्छ। विशेषगरी व्यक्तिहरूमा अपाङ्गता हुने कारण जन्मजात, दुर्घटना, रोगको कारण, द्वन्द्वको कारण, कुपोषण आदि देखिएका छन्। जसलाई घटाउन प्रतिरोधात्मक र उपचारात्मक दुवै कार्यहरू गरिनुपर्दछ। गाउँपालिकाले अपाङ्गता सञ्जाल गठन निर्देशिका २०७८, अनुसार अपाङ्गता भएका व्यक्तिको परिचय पत्र वितरण कार्यविधि तयार गरी कार्यान्वयनमा ल्याएको छ।

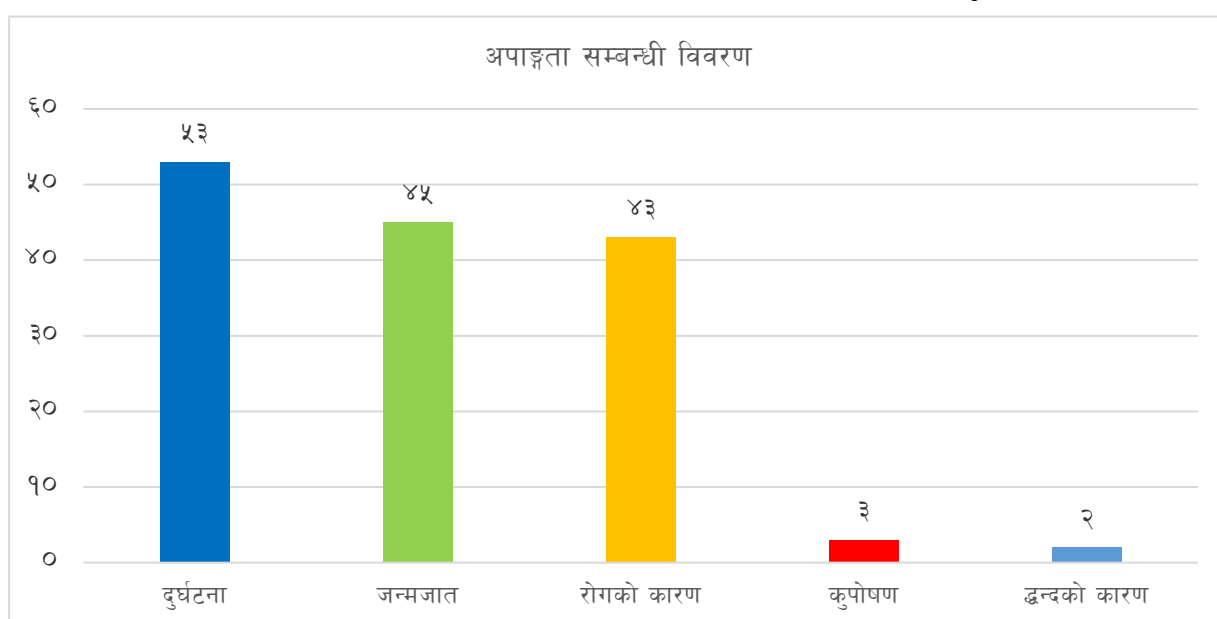
#### क) अपाङ्गता कारणका आधारमा जनसंख्याको विवरण

घरधुरी तथ्याङ्क संकलन, २०८१ को तथ्याङ्क अनुसार गाउँपालिकामा रहेको कूल ५,८५१ जनसंख्या मध्ये ५३ अर्थात ३६.३ प्रतिशत दुर्घटना अपाङ्गता रहेका छन्। जसमध्ये जन्मजात अपाङ्गता भएका ४५ जना अर्थात ३०.८२ प्रतिशत, रोगका कारण अपाङ्गता भएका ४३ जना अर्थात २९.४५ प्रतिशत, कुपोषणका कारण अपाङ्गता भएका ३ अर्थात २.०५ प्रतिशत रहेको छ जसको विस्तृत विवरण तालिकामा उल्लेख गरिएको छ।

तालिका नं. १५ : अपाङ्गताको कारण अनुसार जनसंख्या विवरण

| वडा            | दुर्घटना    | जन्मजात      | रोगको कारण   | कुपोषण      | द्वन्द्वको कारण | अपाङ्गताको जम्मा संख्या |
|----------------|-------------|--------------|--------------|-------------|-----------------|-------------------------|
| १              | ९           | ९            | ३            | १           |                 | २२                      |
| २              | १७          | २२           | ३०           |             | २               | ७१                      |
| ३              | ८           | ८            | २            | १           |                 | १९                      |
| ४              | १३          | १            | ५            | १           |                 | २०                      |
| ५              | ६           | ५            | ३            |             |                 | १४                      |
| <b>जम्मा</b>   | <b>५३</b>   | <b>४५</b>    | <b>४३</b>    | <b>३</b>    | <b>२</b>        | <b>१४६</b>              |
| <b>प्रतिशत</b> | <b>३६.३</b> | <b>३०.८२</b> | <b>२९.४५</b> | <b>२.०५</b> | <b>१.३७</b>     | <b>१००</b>              |

स्रोत : घरधुरी तथ्याङ्क संकलन, २०८१



### ३.११ बसाइँसराई सम्बन्धी विवरण

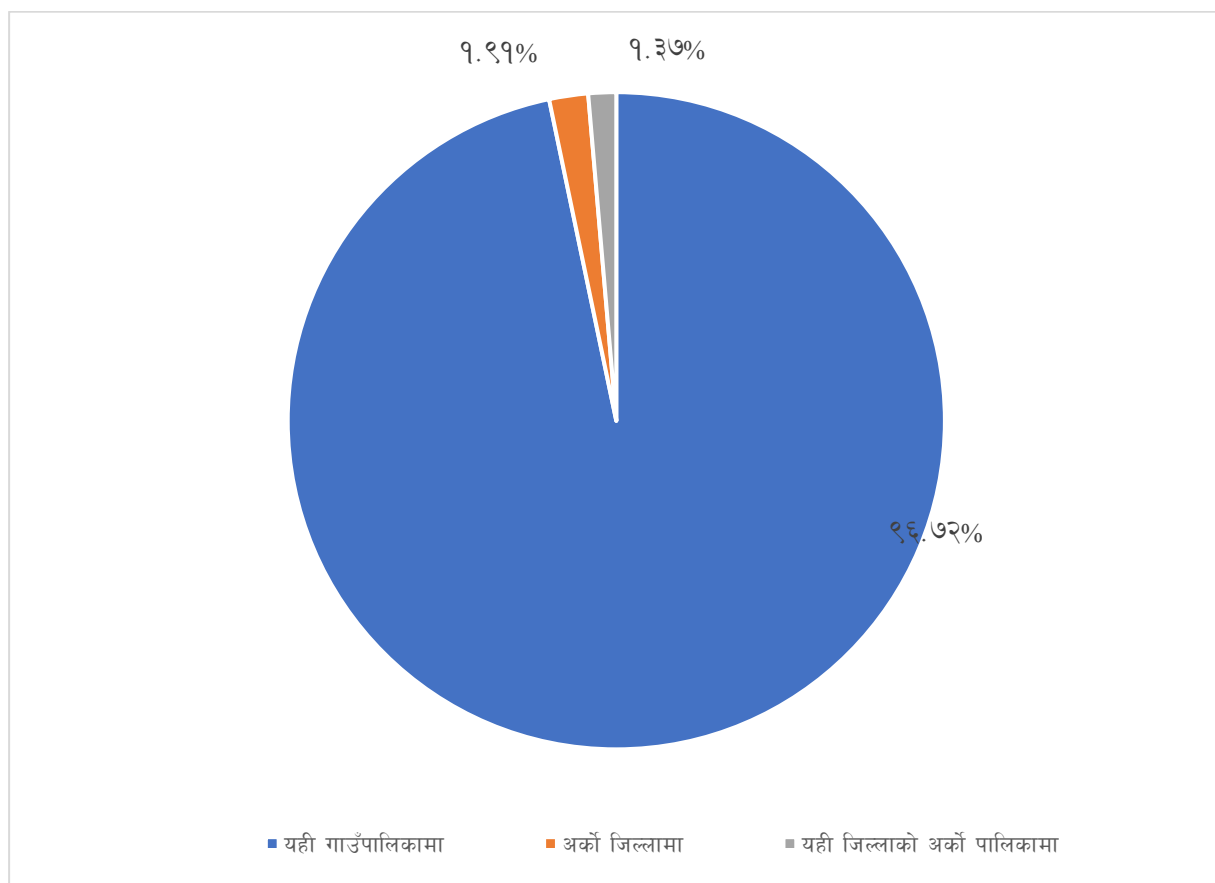
#### क) जन्म स्थानको आधारमा जनसंख्या विवरण

तालिका नं. १६ : जन्म स्थानको आधारमा जनसंख्या विवरण

| वडा            | यही गाउँपालिकामा | अर्को जिल्ला | यहि जिल्लाको अर्को पालिका | जम्मा जनसंख्या |
|----------------|------------------|--------------|---------------------------|----------------|
| १              | ५२४              | २४           | १०                        | ५५८            |
| २              | १५४५             | ८७           | १३                        | १६४५           |
| ३              | ११८२             | १            | १४                        | ११९७           |
| ४              | १३३४             |              |                           | १३३४           |
| ५              | १०७४             |              | ४३                        | १११७           |
| <b>जम्मा</b>   | <b>५६५९</b>      | <b>११२</b>   | <b>८०</b>                 | <b>५८५१</b>    |
| <b>प्रतिशत</b> | <b>९६.७२</b>     | <b>१.९१</b>  | <b>१.३७</b>               | <b>१००</b>     |

स्रोत : घरघुरी तथ्याङ्क संकलन, २०८१

गाउँपालिकाको कुल जनसंख्या ५,८५१ मध्ये यही गाउँपालिकामा जन्म भई यही पालिकामा बसोवास गर्ने घरघुरीहरूको संख्या सबैभन्दा बढी रहेका छन् । यसैगरी अर्को जिल्लामा जन्मेर यस गाउँपालिकामा बसोवास गर्नेको संख्या दोस्रोमा र यहि जिल्लाको अर्को पालिकामा बसोवास गर्नेहरू रहेका छन् । जसको विस्तृत विवरण तालिकामा समावेश गरिएको छ ।



### ३.१२ व्यक्तिगत घटना दर्ता सम्बन्धी विवरण

नागरिकले आफ्नो व्यक्तिगत अधिकार उपयोग गर्न कानुनी प्रक्रियाहरू पालना गर्नुपर्ने हुन्छ। नागरिकले नागरिकता, राहदानी, वा अन्य परिचयपत्र लिन, रोजगारी वा उद्यम गर्न, विदेश जान निश्चित कानुनी प्रक्रिया पुरा गर्नुपर्ने हुन्छ। यसका लागि सरकारले आधिकारिक प्रमाणपत्र उपलब्ध गराउँछ। जन्म, मृत्यु, बसाइँसराई, विवाह र सम्बन्ध विच्छेद जस्ता घटना समयमा नै दर्ता गर्नुपर्ने हुन्छ। संविधानले नागरिकलाई विभिन्न अधिकारको प्रत्याभूत गरेको छ। त्यसको प्रथम विन्दु भनेकै व्यक्तिगत घटना दर्ता हो। ती व्यक्तिगत घटना दर्ताका आधारमा राष्ट्रिय तथ्याङ्क बनाउने यसको विश्वव्यापी मान्यता हो। कहाँ ? कति जन्मे ? कतिको मृत्यु भयो ? कतिले बसाइँसराई गरे ? कतिको सम्बन्ध विच्छेद भयो ? जस्ता कुराको जानकारी राज्यले पाउनुपर्छ। यसको आधारमा सरकारले सेवा प्रवाह सम्बन्धी नीति बनाउने हुँदा व्यक्तिगत घटनादर्ता समयमा नै गर्न जनचेतना अभिवृद्धि गर्नुपर्ने देखिन्छ।

#### ख) विगत १२ महिनाको मृत्यु सम्बन्धी विवरण

यस गाउँपालिकामा रहेका कूल ५,८५१ जनसंख्या मध्ये विगत १२ महिनामा २५ जनाको मृत्यु भएको छ। जसमध्ये १३ जना अर्थात ५२ प्रतिशत पुरुष र १२ अर्थात ४८ प्रतिशत महिलाको मृत्यु भएको देखिन्छ। सबैभन्दा धेरै मृत्युको अभिलेख भएको वडा २ मा १० जना रहेको छ भने वडा नं. ५ मा १२ महिनामा मृत्यु नभएको देखिन्छ।

$$\text{कोरा मृत्युदर} = \frac{\text{विगत १२ महिनामा भएको मृत्यु संख्या}}{\text{मध्य वर्षको जनसंख्या}} \times १०००$$

अर्थात प्रतिहजार जनसंख्यामा प्रतिवर्ष ४.२७ जनाको मृत्यु हुने तथ्याङ्कले देखाउँछ। यद्यपी, कोरा मृत्युदरले मृत्युको अवस्थाबारे यथार्थ चित्रण गर्न भने सक्दैन।

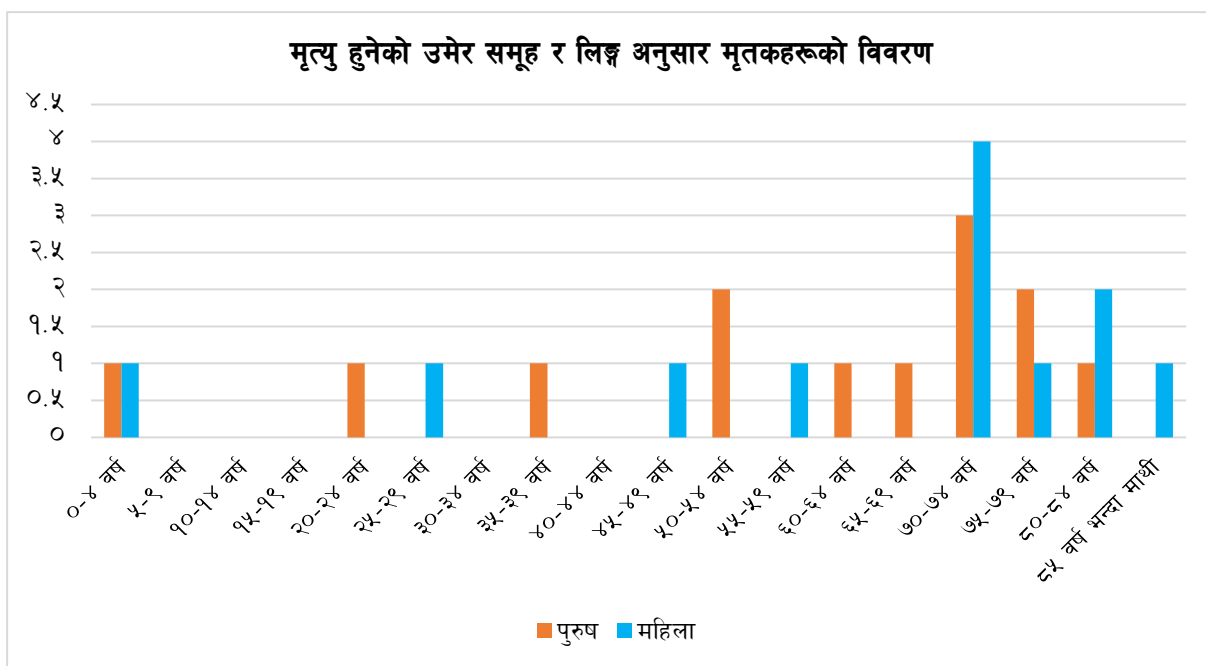
ग) लिङ्ग र उमेर समूह अनुसार विगत १२ महिनामा मृत्यु भएकाको विवरण

तालिका नं. १७ : लिङ्ग र उमेर अनुसार विगत १२ महिनामा मृत्यु भएकाको विवरण

| वडा | विवरण   | ०-४ वर्ष | ५-९ वर्ष | १०-१४ वर्ष | १५-१९ वर्ष | २०-२४ वर्ष | २५-२९ वर्ष | ३०-३४ वर्ष | ३५-३९ वर्ष | ४०-४४ वर्ष | ४५-४९ वर्ष | ५०-५४ वर्ष | ५५-५९ वर्ष | ६०-६४ वर्ष | ६५-६९ वर्ष | ७०-७४ वर्ष | ७५-७९ वर्ष | ८०-८४ वर्ष | ८५ वर्ष माथी | जम्मा मृतक संख्या |
|-----|---------|----------|----------|------------|------------|------------|------------|------------|------------|------------|------------|------------|------------|------------|------------|------------|------------|------------|--------------|-------------------|
| १   | पुरुष   | ०        | ०        | ०          | ०          | ०          | ०          | ०          | ०          | ०          | ०          | ०          | ०          | ०          | ०          | १          | ०          | ०          | ०            | १                 |
|     | महिला   | ०        | ०        | ०          | ०          | ०          | १          | ०          | ०          | ०          | १          | ०          | ०          | ०          | ०          | ०          | ०          | १          | ०            | ३                 |
|     | जम्मा   | ०        | ०        | ०          | ०          | ०          | १          | ०          | ०          | ०          | १          | ०          | ०          | ०          | ०          | १          | ०          | १          | ०            | ४                 |
| २   | पुरुष   | ०        | ०        | ०          | ०          | ०          | ०          | ०          | ०          | ०          | ०          | २          | ०          | ०          | ०          | ०          | १          | १          | ०            | ४                 |
|     | महिला   | १        | ०        | ०          | ०          | ०          | ०          | ०          | ०          | ०          | ०          | ०          | १          | ०          | ०          | १          | १          | १          | १            | ६                 |
|     | जम्मा   | १        | ०        | ०          | ०          | ०          | ०          | ०          | ०          | ०          | ०          | २          | १          | ०          | ०          | १          | २          | २          | १            | १०                |
| ३   | पुरुष   | ०        | ०        | ०          | ०          | १          | ०          | ०          | १          | ०          | ०          | ०          | ०          | ०          | ०          | १          | ०          | ०          | ०            | ३                 |
|     | महिला   | ०        | ०        | ०          | ०          | ०          | ०          | ०          | ०          | ०          | ०          | ०          | ०          | ०          | ०          | २          | ०          | ०          | ०            | २                 |
|     | जम्मा   | ०        | ०        | ०          | ०          | १          | ०          | ०          | १          | ०          | ०          | ०          | ०          | ०          | ०          | ३          | ०          | ०          | ०            | ५                 |
| ४   | पुरुष   | १        | ०        | ०          | ०          | ०          | ०          | ०          | ०          | ०          | ०          | ०          | ०          | १          | १          | १          | १          | ०          | ०            | ५                 |
|     | महिला   | ०        | ०        | ०          | ०          | ०          | ०          | ०          | ०          | ०          | ०          | ०          | ०          | ०          | ०          | १          | ०          | ०          | ०            | १                 |
|     | जम्मा   | १        | ०        | ०          | ०          | ०          | ०          | ०          | ०          | ०          | ०          | ०          | ०          | १          | १          | २          | १          | ०          | ०            | ६                 |
|     | जम्मा   | २        | ०        | ०          | ०          | १          | १          | ०          | १          | ०          | १          | २          | १          | १          | १          | ७          | ३          | ३          | १            | २५                |
|     | प्रतिशत | ८        | ०        | ०          | ०          | ४          | ४          | ०          | ४          | ०          | ४          | ८          | ४          | ४          | ४          | २८         | १२         | १२         | ४            | १००               |

स्रोत : घरघुरी तथ्याङ्क संकलन, २०८१





गाउँपालिकामा विगत १२ महिनामा मृत्यु हुनेहरूको संख्यालाई हेर्दा सबैभन्दा बढी ७० वर्ष र सो भन्दा माथि उमेर समूहका ६ जना पुरुष, सोही उमेर समूहका ८ जना महिला रहेका छन् । उमेर समूह अनुसारको विवरण तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ । राष्ट्रिय तथ्याङ्क कार्यालय को तथ्याङ्क अनुसार नेपालीको औषत आयु ७१.३ वर्ष उल्लेख गरिएको छ । सामान्यतया उमेर पुगेर हुने प्राकृतिक मृत्युलाई स्वाभाविक मान्न सकिन्छ तसर्थ यस गाउँपालिकामा बढी मृत्यु हुने उमेर समूह हेर्दा ६० वर्ष माथिको नै देखिन्छ ।

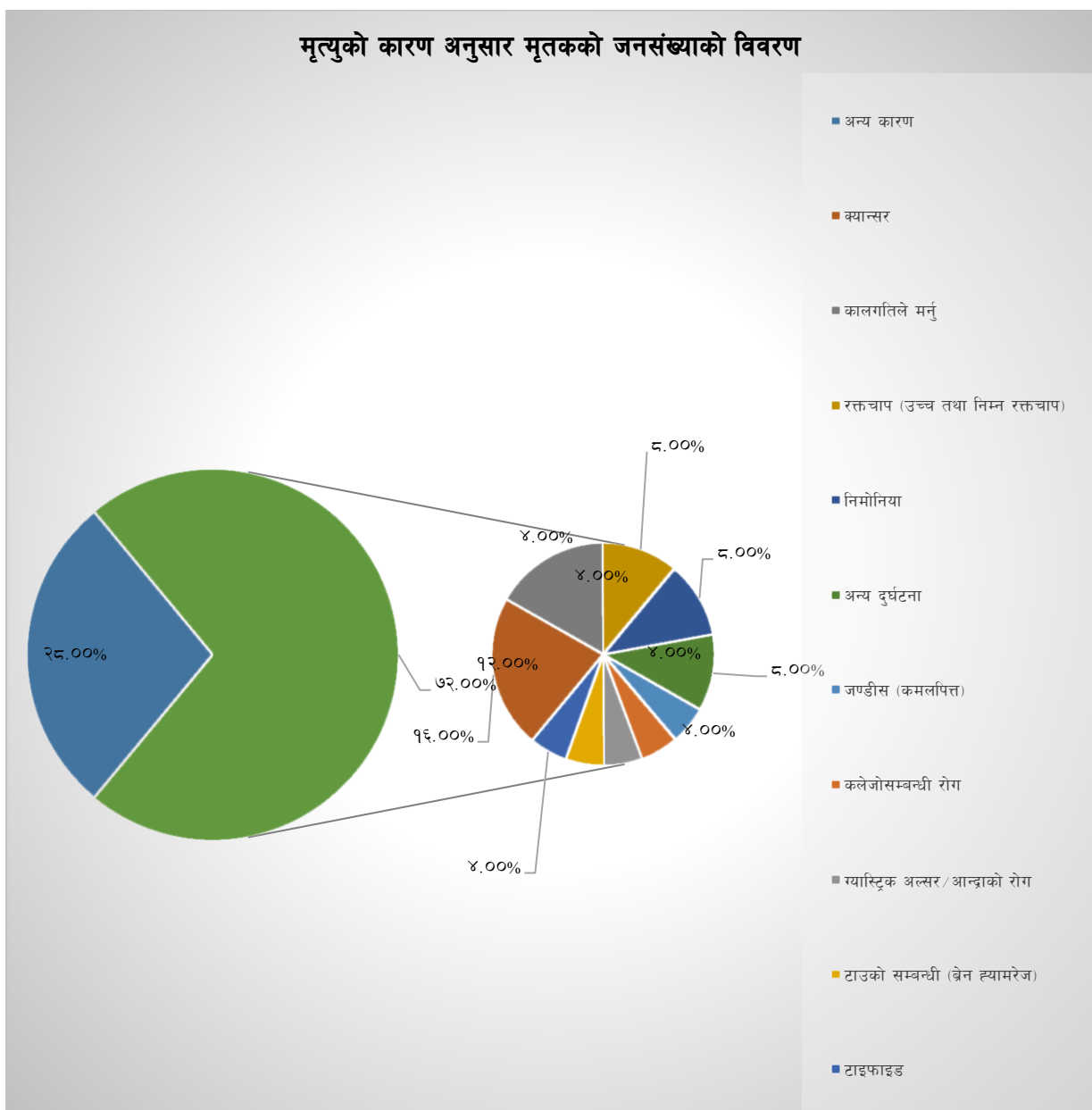
### घ) मृत्युको कारण अनुसार मृतकको संख्या

तालिका नं. १८ : मृत्युको कारण अनुसार मृतकको जनसंख्याको विवरण

| मृत्युको कारण                    | वडा |    |   |   | जम्मा मृतक संख्या | प्रतिशत |
|----------------------------------|-----|----|---|---|-------------------|---------|
|                                  | १   | २  | ३ | ४ |                   |         |
| अन्य कारण                        | २   | १  | २ | २ | ७                 | २८      |
| क्यान्सर                         |     | १  |   | ३ | ४                 | १६      |
| कालगतिले मर्नु                   |     | ३  |   |   | ३                 | १२      |
| रक्तचाप (उच्च तथा निम्न रक्तचाप) |     | २  |   |   | २                 | ८       |
| निमोनिया                         |     | १  |   | १ | २                 | ८       |
| अन्य दुर्घटना                    |     |    | २ |   | २                 | ८       |
| जण्डीस (कमलपित्त)                | १   |    |   |   | १                 | ४       |
| कलेजोसम्बन्धी रोग                | १   |    |   |   | १                 | ४       |
| ग्यास्ट्रिक अल्सर/आन्द्राको रोग  |     | १  |   |   | १                 | ४       |
| टाउको सम्बन्धी (ब्रेन ट्यामरेज)  |     | १  |   |   | १                 | ४       |
| टाइफाईड                          |     |    | १ |   | १                 | ४       |
| जम्मा                            | ४   | १० | ५ | ६ | २५                | १००     |

स्रोत : घरघुरी तथ्याङ्क संकलन, २०८१

गाउँपालिकामा विगत १२ महिनामा मृत्यु भएका परिवारका सदस्यहरूको विवरणलाई हेर्दा २५ जनाको मृत्यु भएको छ। यसमध्ये सबैभन्दा बढी अर्थात् ७ जनाका कालगतिले मृत्यु भएको देखिन्छ, भने क्यान्सर र उच्च रक्तचापको कारणले ४/३ र दमको कारणले मृत्यु हुनेको संख्या २ जना रहेको छ। साथै अन्य रोगहरूमा निमोनिया, जण्डीस, कलेजोसम्बन्धी को रोग वा प्रसूती जन्य कारणहरू, टाईफाइड, ब्रेज ह्यामरेज बाट मृत्यु भएको देखिन्छ। समग्र तथ्याङ्कको विश्लेषण गर्दा उमेर र दीर्घरोगका कारण मर्नेको संख्या उच्च देखिन्छ। यसको प्रमुख कारणहरूमा अस्वस्थकर जीवनशैली, खानपानको असन्तुलन, नियमित व्यायामको अभाव, मानसिक स्वास्थ्यमा सजगताको कमी, वंशाणुगत कारण तथा समयमै स्वास्थ्य जाँच नगराउने परिपाटी आदि हुन्। सरुवा रोगका कारण बालबालिका मर्नु भनेको व्यक्तिगत, पारिवारिक तथा सामुदायीक स्वास्थ्य र सरसफाई तथा प्राथमिक स्वास्थ्य जस्तै पोषण, खोप र नियमित स्वास्थ्य जाँचको बारेमा जनचेतनामा कमी, उपचार पहुँच र स्वास्थ्य सेवाको उपलब्धतामा कमी हुनाले हो। मृत्युको कारण सम्बन्धी विस्तृत विवरण तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ।



### ३.१३ सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रमबाट लाभान्वित विवरण

तालिका नं. १९ : सामाजिक सुरक्षा भत्ता प्राप्त गर्ने लाभग्राहीहरूको संख्यात्मक विवरण

| वडा नं.      | अन्य ज्येष्ठ नागरिक भत्ता | ज्येष्ठ नागरिक भत्ता (दलित) | ज्येष्ठ नागरिक भत्ता (एकल महिला) | विधवा     | पूर्ण अपाङ्गता भत्ता | अति अशक्त अपाङ्गता भत्ता | दलित बालबालिका | जम्मा      |
|--------------|---------------------------|-----------------------------|----------------------------------|-----------|----------------------|--------------------------|----------------|------------|
| १            | ७७                        | २                           | १०                               | १०        | २                    | ८                        | ३              | ११२        |
| २            | १३२                       | ४                           | ३                                | २१        | ८                    | २४                       | ७              | १९९        |
| ३            | ११०                       | ६                           | ८                                | १७        | ४                    | १८                       | १४             | १७७        |
| ४            | १०२                       | २                           | ५                                | १८        | ४                    | ५                        | २              | १३८        |
| ५            | ९०                        | ४                           | ७                                | २४        | ५                    | १९                       | २              | १५१        |
| <b>जम्मा</b> | <b>५११</b>                | <b>१८</b>                   | <b>३३</b>                        | <b>९०</b> | <b>२३</b>            | <b>७४</b>                | <b>२८</b>      | <b>७७७</b> |

स्रोत : गाउँ कार्यपालिकाको कार्यालय, २०८१

यस गाउँपालिकामा चालु आ. व. २०८०/०८१ मा अन्य ज्येष्ठ नागरिक भत्ता प्राप्त गर्नेको संख्या ५११ जना, दलित समुदायबाट ज्येष्ठ नागरिक भत्ता प्राप्त गर्नेको संख्या १८ जना, एकल महिला भत्ता प्राप्त गर्ने महिलाको संख्या ३३ जना रहका छन् । यसैगरी यहाँ विधवा भत्ता प्राप्त गर्ने महिलाको संख्या ९० जना, पूर्ण अपाङ्गता भत्ता प्राप्त गर्ने (क वर्गका) २३ जना, अति अशक्त अपाङ्गता भत्ता प्राप्त गर्ने (ख वर्गका) ७४ जना, दलित बालबालिका भत्ता प्राप्त गर्ने २८ जना गरी जम्मा ७७७ जनाले सामाजिक सुरक्षा भत्ता प्राप्त गरेका छन् जसको वडागत विवरण तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ । समाजमा पछाडि पारिएका तथा परेका ज्येष्ठ नागरिक, एकल महिला, अपाङ्गता भएका व्यक्तिहरूलाई सामाजिक सुरक्षा भत्ताको नाममा राज्य कोषबाट सहयोग गर्ने अवधारणा कल्याणकारी राज्यको अवधारणा हो । वि.सं. २०५१ देखि ज्येष्ठ नागरिकलाई मासिक १०० रूपैयाँ भत्ता दिने नारा सहित शुरु गरिएको सामाजिक सुरक्षा भत्ता अहिले ज्येष्ठ नागरिकका साथसाथै एकल महिला, अपाङ्गता भएका र दलित ज्येष्ठ नागरिकलाई समेत प्रदान गरिदै आएको छ । यसले समाजमा पछाडि परेका अशक्तहरूलाई सम्मानपूर्वक बाँच्न प्रोत्साहन हुने विश्वास गरिएको छ ।

सामाजिक सुरक्षा ऐन, २०७५ अनुसार देहाय बमोजिमका नेपाली नागरिकलाई सामाजिक सुरक्षा भत्ता पाउने उल्लेख गरिएको छ :-

(क) ज्येष्ठ नागरिक, (ख) आर्थिक रूपले विपन्न, (ग) अशक्त र असहाय अवस्थामा रहेका व्यक्ति, (घ) असहाय एकल महिला (ङ) अपाङ्गता भएका, (च) बालबालिका (छ) आफ्नो हेरचाह आफैँ गर्न नसक्ने (ज) लोपोन्मुख जाति आदि ।

**ज्येष्ठ नागरिक भत्ता:** (१) दलित र एकल महिला ज्येष्ठ नागरिकले साठी वर्ष उमेर पूरा गरेपछि र अन्य ज्येष्ठ नागरिकले अठ्ठसठ्ठी वर्ष उमेर पूरा गरेपछि सामाजिक सुरक्षा भत्ताको रूपमा नेपाल सरकारले तोके बमोजिमको ज्येष्ठ नागरिक भत्ता पाउँछन् ।

**विपन्न नागरिक भत्ता:** आर्थिक रूपले विपन्न नागरिकले तोकिए बमोजिम सामाजिक सुरक्षा भत्ताको रूपमा नेपाल सरकारले तोकेको रकम विपन्न नागरिक भत्ता पाउँछन् ।

**अशक्त र असहाय भत्ता:** अशक्त र असहाय अवस्थामा रहेका नागरिकले तोकिए बमोजिम सामाजिक सुरक्षा भत्ताको रूपमा नेपाल सरकारले तोकेको रकम अशक्त र असहाय भत्ता पाउँछन् ।

**असहाय एकल महिला भत्ता:** विधवा महिलाहरू र नेपाल सरकारले राजपत्रमा सूचना प्रकाशन गरी तोकेको भन्दा न्यून आय भएका र पालन पोषण तथा हेरचाह गर्ने परिवारको कुनै सदस्य नभएका वा त्यस्तो सदस्य भएपनि आर्थिक रूपले विपन्न अवस्थामा रहेका वा त्यस्तो सदस्यले पालनपोषण नगरेका अन्य एकल महिलाले समेत यस्तो भत्ता पाउँछन् ।

**अपाङ्गता भत्ता:** पूर्ण रूपमा अशक्त अपाङ्गता र अति असक्त अपाङ्गता भएका नागरिकले सामाजिक सुरक्षा भत्ताको रूपमा नेपाल सरकारले तोकेको रकम अपाङ्गता भत्ता पाउँछन् ।

**बाल पोषण भत्ता:** अति विपन्न, लोपोन्मुख र नेपाल सरकारले तोकेका पाँच वर्ष उमेर पूरा नगरेका बालबालिकाले सामाजिक सुरक्षा भत्ताको रूपमा नेपाल सरकारले तोकेको रकम बालपोषण भत्ता पाउँछन् ।

**लोपोन्मुख जाति भत्ता:** लोपोन्मुख जातिका नागरिकले नेपाल सरकारले तोकेको सामाजिक सुरक्षा भत्ता पाउँछन् ।

**आफ्नो हेरचाह आफैँ गर्न नसक्नेलाई स्याहार भत्ता:** आफ्नो हेरचाह आफैँ गर्न नसक्ने नागरिकले नेपाल सरकारले तोकेको सामाजिक सुरक्षा भत्ता पाउँछन् ।

## परिच्छेद - ४ : आर्थिक अवस्था

### ४.१ प्रमुख आर्थिक विवरण

आर्थिक समृद्धिका आधारहरू गाउँपालिकामा हुने मुख्य आर्थिक क्रियाकलापहरू नै हुन् । जति आर्थिक क्रियाकलापहरूमा तीव्रता आउँछ त्यति नै गाउँपालिकाको अर्थतन्त्र चलायमान र सुदृढ हुँदै जान्छ । मुख्यतया: नेपाली अर्थतन्त्र कृषि, पर्यटन, साना तथा घरेलु उद्योग, वैदेशिक रोजगार, बैङ्किङ, व्यापार, सेवा क्षेत्र आदिमा केन्द्रीत रहेको छ । उच्च प्रविधिमा आधारित अन्तर्राष्ट्रिय स्तरका उद्योगहरूको विकास भइनसकेको अवस्थामा धेरैजसो आर्थिक क्रियाकलापहरू निर्वाहमुखी नै रहेका छन् ।

#### ४.१.१ आवास संरचना विवरण

##### क) घरको स्वामित्वको आधारमा घरधुरीको विवरण

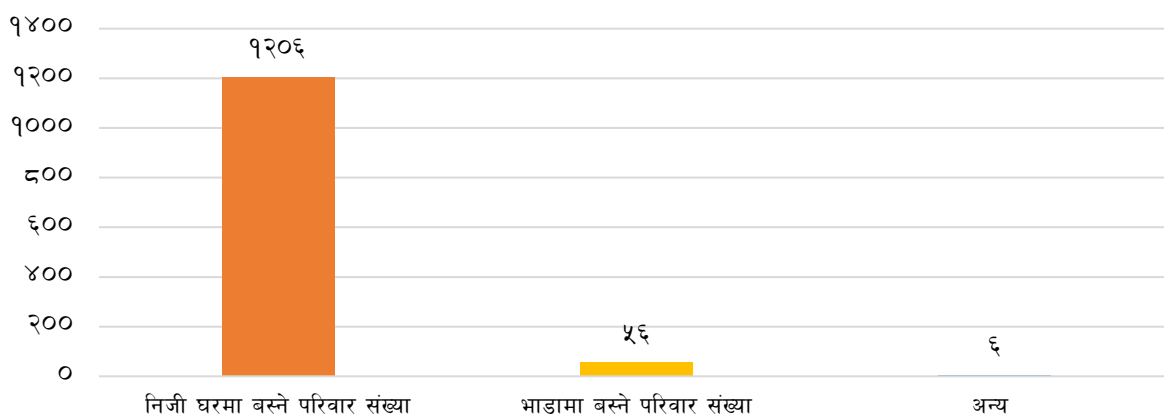
यस गाउँपालिकामा घरको स्वामित्वको आधारमा ४ प्रकारका आवास संरचनाहरूको प्रयोग गरेको पाउन सकिन्छ । निजी स्वामित्वको घरमा बसोबास गरिरहेका घरधुरीको संख्या १,२०६ अर्थात ९५.११ प्रतिशत रहेको छ । त्यसैगरी भाडामा बसोबास गर्नेको संख्या ५६ अर्थात ४.४२ प्रतिशत रहेको छ । भूकम्पीय दृष्टिकोणले सवेदनशील रहेको नेपालमा घरहरू निर्माण गर्दा भूकम्प प्रतिरोधात्मक बनाउन आवश्यक रहेको छ । अति विपन्न परिवारका लागि एकीकृत बस्ती निर्माण गरी सरकारले उनीहरूको आवास सुरक्षाको अधिकार सुनिश्चित गर्न सकेको खण्डमा राज्यको लोककल्याणकारी भूमिका पुष्टी हुन जान्छ ।

तालिका नं. २० : घरको स्वामित्वको आधारमा घरपरिवारको विवरण

| वडा     | निजी घरमा बस्ने परिवार संख्या | भाडामा बस्ने परिवार संख्या | अन्य (स्रोत उल्लेख नभएको) | जम्मा परिवार संख्या |
|---------|-------------------------------|----------------------------|---------------------------|---------------------|
| १       | १२७                           | २४                         | १                         | १५२                 |
| २       | ३६५                           | १८                         | ५                         | ३८८                 |
| ३       | २२५                           | ८                          | ०                         | २३३                 |
| ४       | २४३                           | ३                          | ०                         | २४६                 |
| ५       | २४६                           | ३                          | ०                         | २४९                 |
| जम्मा   | १२०६                          | ५६                         | ६                         | १२६८                |
| प्रतिशत | ९५.११                         | ४.४२                       | ०.४७                      | १००                 |

स्रोत : घरधुरी तथ्याङ्क संकलन, २०८१

##### घरको स्वामित्वको आधारमा घरपरिवार विवरण

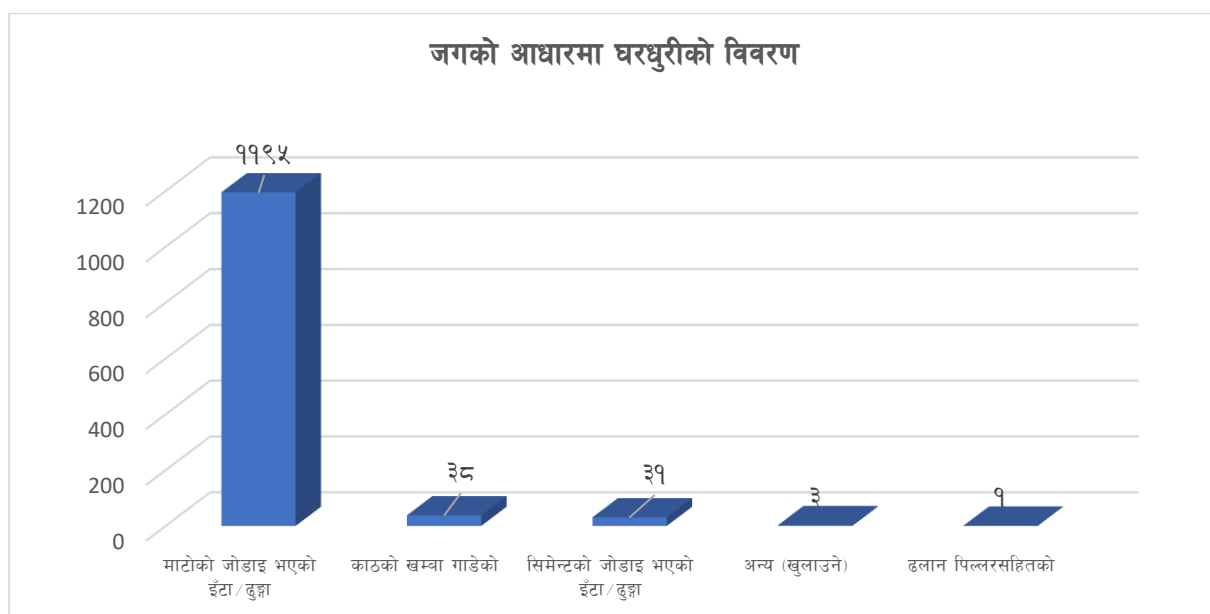


## ख) जगको आधारमा घरधुरीको विवरण

तालिका नं. २१ : जगको आधारमा घरधुरीको विवरण

| वडा     | माटोको जोडाइ भएको ईँटा/दुङ्गा | काठको खम्बा गाडेको | सिमेन्टको जोडाइ भएको ईँटा/दुङ्गा | अन्य (खुलाउने) | ढलान पिल्लरसहितको | जम्मा परिवार संख्या |
|---------|-------------------------------|--------------------|----------------------------------|----------------|-------------------|---------------------|
| १       | १२७                           | ११                 | १४                               |                |                   | १५२                 |
| २       | ३७३                           | १०                 | १                                | ३              | १                 | ३८८                 |
| ३       | २२७                           | ५                  | १                                |                |                   | २३३                 |
| ४       | २३६                           |                    | १०                               |                |                   | २४६                 |
| ५       | २३२                           | १२                 | ५                                |                |                   | २४९                 |
| जम्मा   | ११९५                          | ३८                 | ३१                               | ३              | १                 | १२६८                |
| प्रतिशत | ९४.२४                         | ३                  | २.४४                             | ०.२४           | ०.०८              | १००                 |

स्रोत : घरधुरी तथ्याङ्क संकलन, २०८१



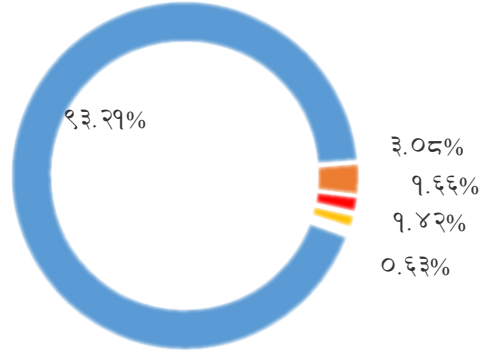
## ग) बाहिरी गारोको आधारमा घरधुरीको विवरण

तालिका नं. २२ : बाहिरी गारोको आधारमा घरधुरीको विवरण

| वडा     | माटोको जोडाइ भएको ईँटा/दुङ्गा | सिमेन्टको जोडाइ भएको ईँटा/दुङ्गा | जस्ता/टिन/च्यावर | काठ/फल्याक | बाँसजन्य सामग्री | जम्मा परिवार संख्या |
|---------|-------------------------------|----------------------------------|------------------|------------|------------------|---------------------|
| १       | १२०                           | २०                               | ७                | ४          | १                | १५२                 |
| २       | ३६८                           | ४                                | ६                | ४          | ६                | ३८८                 |
| ३       | २२५                           | २                                | ४                | २          |                  | २३३                 |
| ४       | २३७                           | ९                                |                  |            |                  | २४६                 |
| ५       | २३२                           | ४                                | ४                | ८          | १                | २४९                 |
| जम्मा   | ११८२                          | ३९                               | २१               | १८         | ८                | १२६८                |
| प्रतिशत | ९३.२२                         | ३.०८                             | १.६६             | १.४२       | ०.६३             | १००                 |

स्रोत : घरधुरी तथ्याङ्क संकलन, २०८१

### बाहिरी गाएको आधारमा घुसघुरीको विवरण



■ माटोको जोडाइ भएको ईटा/ढुङ्गा ■ सिमेन्टको जोडाइ भएको ईटा/ढुङ्गा ■ जस्ता/टिन/च्यादर ■ काठ/फल्याक ■ बाँसजन्य सामग्री

### ४.१.२ आयात तथा निर्यातको अवस्था

कुनै पनि स्थानीय तह आर्थिक रूपले सबल हुनका लागि आयात भन्दा निर्यात बढी हुनु अनिवार्य छ। आयात भन्दा निर्यातको क्षेत्र ठूलो हुँदा यसले व्यापार नाफा वृद्धि भई आर्थिकस्तर माथि उठ्न मद्दत गर्दछ। गाउँपालिकाभित्र उत्पादन हुने उपजहरूलाई प्रवर्द्धन गरी स्थानीयस्तरमा उत्पादन हुने उपजमा आत्मनिर्भर भई निर्यात बढाउन सकेमात्र गाउँपालिकाको आर्थिक हैसियत वृद्धि हुन सक्छ।

गाउँपालिकाबाट चिया, चिज, किवी, अलैंची, नेपाली कागज, परम्परागत सामाग्रीहरू लगायतका उत्पादन निर्यात गर्ने गरिन्छ, भने अतिरिक्त खाद्य सामाग्री लत्ता कपडा, घरायसी विद्युतीय उपकरण, निर्माण सामाग्रीहरू, शिक्षण सामाग्री, रसायनिक मल, खाद्यान्न, स्वास्थ्य औषधी तथा उपकरण जस्ता वस्तुहरूको आयात हुने गरेको छ। निर्यात भन्दा आयात बढी हुनुले गाउँपालिकाको व्यापार घाटा स्पष्ट अनुमान गर्न सकिन्छ। यद्यपि यकिन तथ्याङ्कका लागि भने गाउँपालिकाले विशेष पहल कदमी लिन जरुरी छ।

### ४.१.३ औद्योगिक कच्चा पदार्थ उत्पादनको अवस्था

स्थानीय श्रोतमा आधारित कच्चा पदार्थको प्रचुरताका हिसाबले नेपाल सम्पन्न रहे तापनि यसको दिगो सदुपयोगमा भने निकै पछाडि परेको यथार्थ हामी सामु नै छ। हामी कहाँ उपलब्ध श्रोतहरूमा काठ, जडिबुटी, फलफूल, खाद्यान्न, तरकारी तथा दलहन, आदि पर्दछन्। यस प्रकारका कच्चा पदार्थहरूको व्यवसायिक उत्पादन र दिगो सदुपयोग गर्दा गाउँपालिकाको अर्थतन्त्रमा प्रत्यक्ष सकारात्मक योगदान पुग्दछ। गाउँपालिकामा पर्यटनका गतिविधि संचालन हुने हुनाले स्थानीय प्रजातीका कृषि उत्पादन, परम्परागत सिप प्रयोग गरी बन्ने हस्तकलाका सामाग्रीहरू, वन क्षेत्र भएकाले वन पैदावरमा आधारित उद्योगहरू सञ्चालन गर्न सकिन्छ। साथै व्यवसायिक पशुपालनबाट पनि प्रशस्त लाभ उठाउन सकिन्छ।

### ४.१.४ वैदेशिक रोजगारीमा गएकाहरूको विवरण

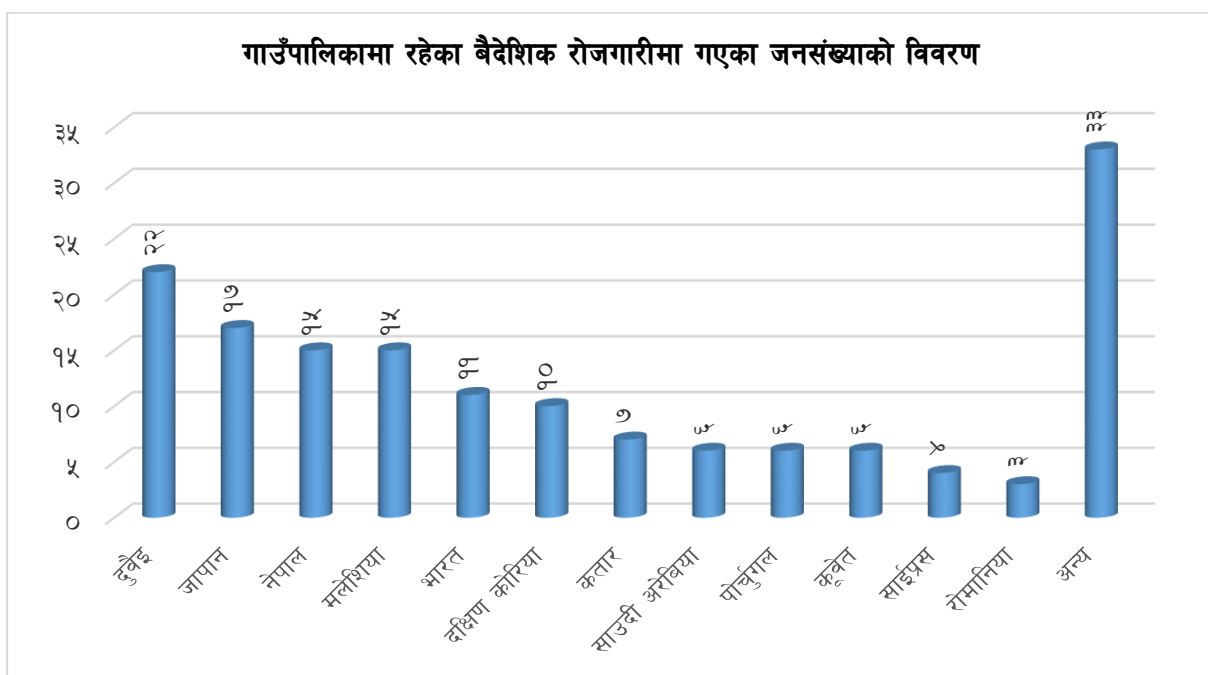
यस गाउँपालिकामा काम गर्ने उमेर अर्थात १५ देखि ५९ वर्ष समूहका जम्मा जनसंख्या ३,८१० मध्ये वैदेशिक रोजगारीमा जानेहरू १५५ अर्थात ४.०७ प्रतिशत रहेका छन्। जसमध्ये सबैभन्दा बढी २,०९३ अर्थात ३८.४१ प्रतिशत मानिसहरू भारत गएका छन्। यसैगरी २२ अर्थात १४.१९ प्रतिशत दुबै, १७ अर्थात १०.९७ प्रतिशत

जापान गएका छन् । यसका अलावा मलेसिया, कतार, कुवेत, भारत, दक्षिण कोरिया तथा अन्य युरोपियन देशहरु जानेहरु रहेका छन् । जसको विस्तृत विवरण तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ ।

**तालिका नं. २३ :** गाउँपालिकाबाट बैदेशिक रोजगारीमा गएका जनसंख्याको विवरण

| बैदेशिक रोजगारीमा गएको देश | वडा |     |   |    | जम्मा | प्रतिशत |
|----------------------------|-----|-----|---|----|-------|---------|
|                            | १   | २   | ४ | ५  |       |         |
| दुबइ                       | ८   | १२  | १ | १  | २२    | १४.१९   |
| जापान                      |     | १२  |   | ५  | १७    | १०.९७   |
| नेपाल                      | ३   | १२  |   |    | १५    | ९.६८    |
| मलेसिया                    | २   | १०  |   | ३  | १५    | ९.६८    |
| भारत                       |     | ११  |   |    | ११    | ७.१     |
| दक्षिण कोरिया              | १   | ९   |   |    | १०    | ६.४५    |
| कतार                       |     | ६   |   | १  | ७     | ४.५२    |
| साउदी अरेबिया              |     | ४   | १ | १  | ६     | ३.८७    |
| पोर्चुगल                   |     | ३   | १ | २  | ६     | ३.८७    |
| कूवेत                      |     | ६   |   |    | ६     | ३.८७    |
| साईप्रस                    | २   | १   | १ |    | ४     | २.५८    |
| रोमानिया                   | १   | २   |   |    | ३     | १.९४    |
| अन्य                       | ६   | १४  | ४ | ९  | ३३    | २१.३८   |
| जम्मा                      | २३  | १०२ | ८ | २२ | १५५   | १००     |

स्रोत : घरघुरी तथ्याङ्क संकलन, २०८१





**तालिका नं. २४ :** विगत १२ महिनामा वैदेशिक रोजगारीमा गएका मध्येबाट आम्दानी गरी रकम पठाउनेको विवरण

| वडा            | ० देखि ९९९९ रुपैयाँ भन्दा कम | १०००० देखि १९९९९ रुपैयाँ सम्म | २०००० देखि २९९९९ रुपैयाँ सम्म | ३०००० देखि ३९९९९ रुपैयाँ सम्म | ४०००० देखि ४९९९९ रुपैयाँ सम्म | ५०००० देखि ५९९९९ रुपैयाँ सम्म | ६०००० देखि ६९९९९ रुपैयाँ सम्म | ७०००० देखि ७९९९९ रुपैयाँ सम्म | ८०००० देखि ८९९९९ रुपैयाँ सम्म | ९०००० देखि १००००० रुपैयाँ सम्म | १००००० रुपैयाँ भन्दा माथि | जम्मा      |
|----------------|------------------------------|-------------------------------|-------------------------------|-------------------------------|-------------------------------|-------------------------------|-------------------------------|-------------------------------|-------------------------------|--------------------------------|---------------------------|------------|
| १              | ०                            | ०                             | १                             | ०                             | ०                             | ०                             | ०                             | ०                             | ०                             | ०                              | ०                         | १          |
| २              | १                            | ४                             | ६                             | ६                             | ०                             | ११                            | ०                             | १                             | १                             | ०                              | २७                        | ५७         |
| ४              | २                            | ५                             | ३                             | ०                             | ०                             | १                             | ०                             | ०                             | ०                             | ०                              | २                         | १३         |
| ५              | ०                            | ०                             | ०                             | ०                             | ०                             | ०                             | ०                             | ०                             | १                             | ०                              | ०                         | १          |
| <b>जम्मा</b>   | <b>३</b>                     | <b>९</b>                      | <b>१०</b>                     | <b>६</b>                      | <b>०</b>                      | <b>१२</b>                     | <b>०</b>                      | <b>१</b>                      | <b>२</b>                      | <b>०</b>                       | <b>२९</b>                 | <b>७२</b>  |
| <b>प्रतिशत</b> | <b>४.१७</b>                  | <b>१२.५</b>                   | <b>१३.८९</b>                  | <b>८.३३</b>                   | <b>०</b>                      | <b>१६.६७</b>                  | <b>०</b>                      | <b>१.३९</b>                   | <b>२.७८</b>                   | <b>०</b>                       | <b>४०.२८</b>              | <b>१००</b> |

स्रोत: घरघुरी तथ्याङ्क संकलन, २०८१

### ४.१.५ सुकुम्बासी सम्बन्धी विवरण

नेपालमा परिवारको जमिन माथिको स्वामित्वको विषयलाई आर्थिक हैसियतसँग गाँसेर हेरिन्छ। नेपालको अर्थतन्त्र कृषिमा आधारित हुँदा जमिनमाथिको स्वामित्वलाई आर्थिक हैसियतसँग गाँसेर हेर्नु स्वाभाविक भए तापनि पछिल्लो समय वैदेशिक रोजगार लगायत अन्य सेवा क्षेत्रमा मानिसहरूको पहुँच वृद्धि हुँदा गैह्र कृषि क्षेत्रबाट आफ्नो आर्थिक हैसियत निर्माण गर्ने परिपाटी सुरु भएको पाइन्छ। अर्कोतर्फ जमिनमाथिको स्वामित्वलाई आफ्नो थातथलो वा आवास स्थलका रूपमा समेत हेरिन्छ। यसर्थ हरेक नागरिकको जमिनमाथिको स्वामित्वलाई सदियौंदेखि एक प्रमुख आर्थिक सामाजिक तथा राजनैतिक मुद्दाको रूपमा हेरिँदै आएको छ। त्यस्तै नेपालमा जमिनको वितरण अवैज्ञानिक रहेको छ।

### ४.२ भू-उपयोग तथा स्वामित्व

#### ४.२.१ भू-उपयोगको विवरण

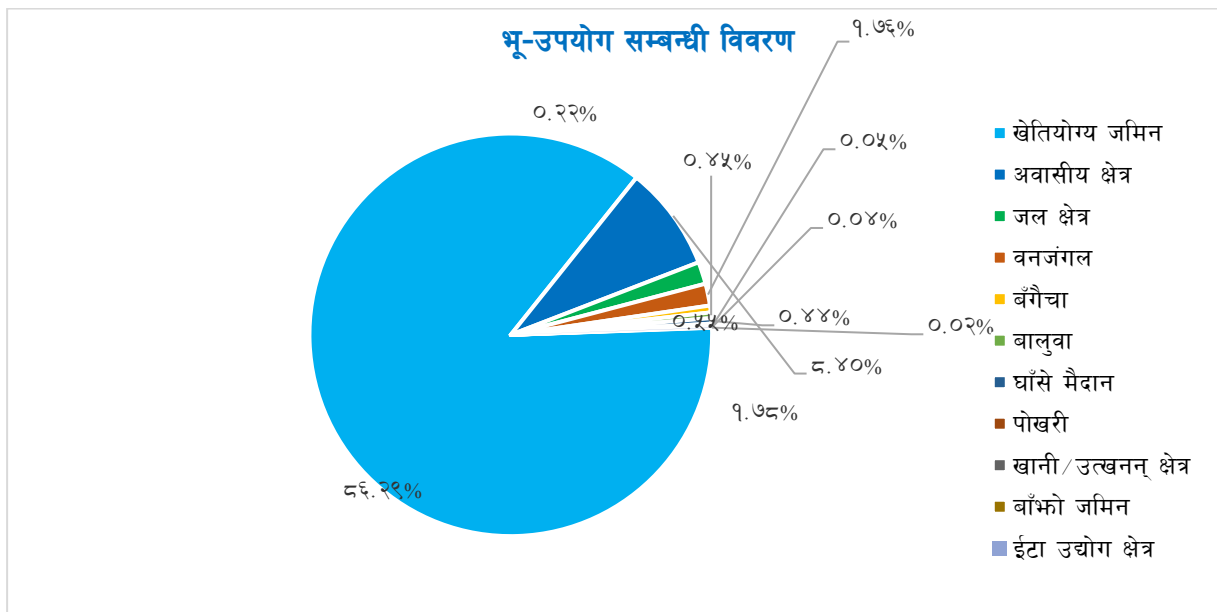
मानव जातिको सृष्टि र जनजीवन भू-धरातलमा उपलब्ध प्राकृतिक स्रोतहरूको उपयोगका आधारमा अडेको छ। मानवीय अस्तित्व भित्रका समग्र मानवीय गतिविधिहरू उसले उपयोग गर्ने जमिन तथा जमिनमा उपलब्ध स्रोतहरूमा पूर्णतः निर्भर गर्दछ। तसर्थ भू-आवरण अन्तर्गत मानिसले उपयोगमा ल्याउने वन क्षेत्र, खेतीयोग्य जमिन, जल, बालुवा, हिमाल, पहाड आदिको तथ्याङ्कलाई भू-उपयोग अन्तर्गत उल्लेख गरिएको छ। गाउँपालिकाको भू-उपयोग सम्बन्धी विवरण निम्नअनुसार उल्लेख गरिएको छ।

**तालिका नं. २५ :** गाउँपालिकाको भू-उपयोग सम्बन्धी विवरण

| भू-उपयोगका क्षेत्र | गाउँपालिकाको भू-उपयोगको विवरण क्षेत्रफल (वर्ग कि.मि.) | क्षेत्रफल प्रतिशतमा |
|--------------------|---|---------------------|
| खेतीयोग्य जमिन     | ४३.००   | ३४.०७               |
| आवासीय क्षेत्र     | ०.२३  | ०.७५                |
| जल क्षेत्र         | ०.०४  | ०.०३                |
| वनजंगल             | ८०.०८   | ६४.५१               |
| <b>जम्मा</b>       | <b>१२३.३५</b>   | <b>१००.००</b>       |

स्रोत: भू-सूचना प्रणालीमा आधारित स्थलगत तथ्याङ्क, २०८१

यस गाउँपालिकाको वर्तमान भू-उपयोगलाई हेर्दा ६४.५१ प्रतिशत अर्थात् सबैभन्दा धेरै जंगलले ओगटेको छ भने दोस्रोमा खेतीयोग्य जमीनले ओगटेको रहेको छ । यहाँको सम्पूर्ण खेतीयोग्य जमिनमा वैज्ञानिक कृषि प्रणाली अवलम्बन गर्न सके उत्पादनको राम्रो सम्भावना देखिन्छ । यहाँको अन्य भू-उपयोगको विस्तृत विवरण तालिकामा उल्लेख गरिएको छ :-



## ४.२.२ भू-स्वामित्व

### क) घर भएको जग्गाको स्वामित्वको आधारमा घरपरिवारको विवरण

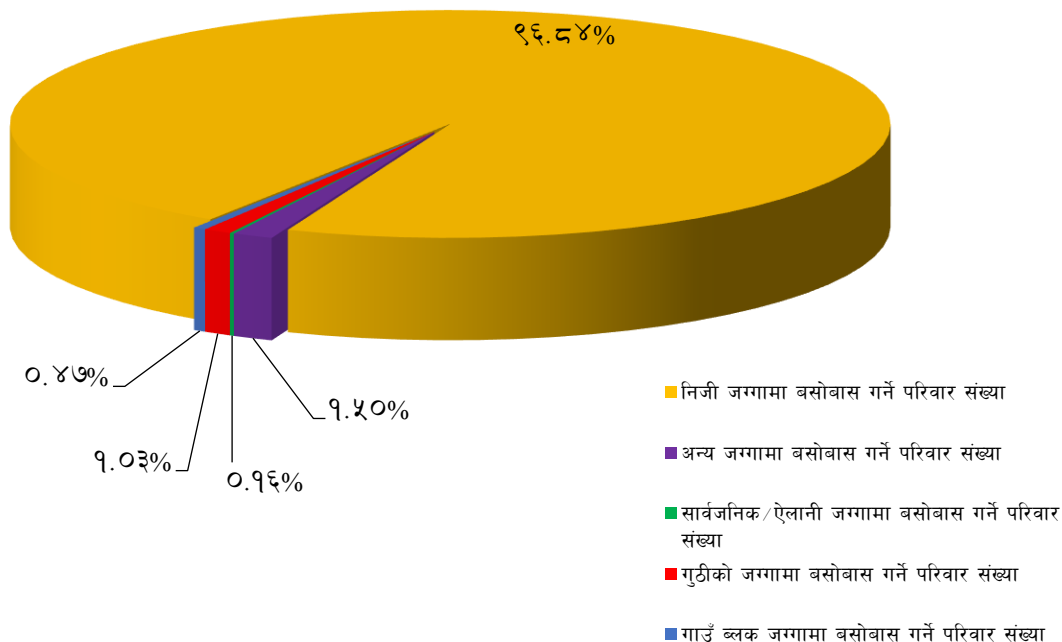
यस गाउँपालिकामा रहेका कुल १,२६८ घरपरिवारहरू मध्ये १,२२८ अर्थात् ९६.८५ प्रतिशत घरपरिवारहरू बसोबास गर्ने घर निजी स्वामित्वको जमिनमा निर्माण भएको, १३ अर्थात् १.०३ प्रतिशत घरपरिवारहरू बसोबास गर्ने घरको जमिन गुठी जग्गामा रहेको छ । त्यसैगरी १९ घरपरिवार अर्थात् ०.३० प्रतिशत अन्य जमिनमा रहेको छ । घर भएको जग्गाको स्वामित्व सम्बन्धी वडागत विस्तृत विवरण तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ ।

**तालिका नं. २६ :** बसोबास गरिरहेको घर भएको जग्गाको स्वामित्वको आधारमा घरपरिवारको विवरण

| वडा            | निजी जग्गामा बसोबास गर्ने परिवार संख्या | अन्य जग्गामा बसोबास गर्ने परिवार संख्या | सार्वजनिक/ऐलानी जग्गामा बसोबास गर्ने परिवार संख्या | गुठीको जग्गामा बसोबास गर्ने परिवार संख्या | गाउँ ब्लक जग्गामा बसोबास गर्ने परिवार संख्या | जम्मा परिवार संख्या |
|----------------|---|---|--|---|--|---------------------|
| १              | १३०                                     | १३                                      | २  | ६   | १  | १५२                 |
| २              | ३८२                                     | ६                                       |  |   |  | ३८८                 |
| ३              | २२६                                     |   |  | ३   | ४  | २३३                 |
| ४              | २४५                                     |   |  |   | १  | २४६                 |
| ५              | २४५                                     |   |  | ४   |  | २४९                 |
| <b>जम्मा</b>   | <b>१२२८</b>                             | <b>१९</b>                               | <b>२</b>   | <b>१३</b>                                 | <b>६</b>                                     | <b>१२६८</b>         |
| <b>प्रतिशत</b> | <b>९६.८५</b>                            | <b>१.५</b>                              | <b>०.१६</b>  | <b>१.०३</b>                               | <b>०.४७</b>                                  | <b>१००</b>          |

स्रोत : घरधुरी तथ्याङ्क संकलन, २०८१

## परिवारले प्रयोग गरेको घर भएको जग्गाको स्वामित्व विवरण



### ४.२.३ खेतीयोग्य जमिन सम्बन्धि विवरण

वैज्ञानिक र व्यवसायिक ढङ्गले भू-उपयोग नहुँदा कृषि क्षेत्रमा ठुलो घाटा व्यहोर्नु परेको अवस्था छ। गाउँमा उपलब्ध सम्पूर्ण खेतीयोग्य जमिनको वैज्ञानिक र व्यवसायिक ढङ्गले सदुपयोग हुन सकेको पाइँदैन। खेतीयोग्य जमिनको उपलब्धता भएपनि पूर्ण सदुपयोग नहुँदा एकातर्फ जमिन बाँझो हुँदै जाने त अर्कोतर्फ कृषि उत्पादनमा कमी भई आयात गर्नुपर्ने अवस्था सिर्जना हुन सक्छ। भू-सूचना प्रणालीबाट प्राप्त तथ्याङ्क अनुसार गाउँपालिकामा ४३.०० वर्ग कि.मि. अर्थात ३४.०७ प्रतिशत जमिन खेतीयोग्य रहेको छ। जमिन खेतीयोग्य भएर मात्र हुँदैन् त्यसमा सिंचाईको सुविधा हुनुपर्दछ। खेतीयोग्य जमिनमा खेतीपाती गरी पूर्ण सदुपयोग गर्न त्यसमा सिंचाईको सुविधा पुऱ्याउनु अनिवार्य हुन्छ। तसर्थ स्थानीय तहहरूले आफ्नो क्षेत्रमा रहेको खेतीयोग्य जमिनको यथार्थ विवरण तयार पारी त्यसमध्ये सिंचाई पुगेको र नपुगेको जमिनको समेत सही तथ्याङ्क हुनुपर्दछ। यसपश्चात् सिंचाई नपुगेको जमिनमा एक वा बैकल्पिक उपायले सिंचाई पुऱ्याउन प्राथमिकता केन्द्रीत गर्नु आवश्यक हुन्छ।

### ४.२.४ बाँझो जमिन सम्बन्धी विवरण

गाउँघरमा कतिपय क्षेत्रहरू प्रयोगविहीन अवस्थामा बाँझो रहेका हुन्छन्। सबै प्रकारका जमिनहरूको एक वा अर्को प्रकारले सदुपयोग गर्न सकिन्छ। जमिन आफैमा एक अमूल्य प्राकृतिक सम्पदा हो। खेती नहुने क्षेत्रमा डालेघाँस वा जडिबुटी लगाउन सकिन्छ, भने उपयुक्त स्थानहरू भए खुल्ला क्षेत्र, मनोरञ्जन स्थल, पार्क वा बगैँचाको रूपमा समेत विकास गर्न सकिन्छ। खेती नहुने अवस्थामा आवास विकासका लागि समेत यस्तो जमिनको सदुपयोग गर्न सकिन्छ।

### ४.३ कृषि तथा पशु विकास

आज उच्चतम विकास हासिल गरेका औद्योगिक राष्ट्रहरूको विकासको मेरुदण्ड कृषि नै रहेको इतिहासले देखाउँछ। यूरोप, अमेरिका तथा एसियाली महाशक्तिशाली राष्ट्रहरूको सम्पन्नताको आधारशिला समेत कृषि क्रान्तिमा आधारित भएको पाईन्छ। तसर्थ तत्कालका लागि कृषि बाहेकका अन्य विकल्पहरू न्यून रहेको र कृषिमा पर्याप्त सम्भावना रहेको हाम्रो देशमा विकासका अन्य महत्वकांक्षी योजना कार्यान्वयन गर्नुपूर्व खाद्यान्न, फलफूल तरकारीका साथै समग्र कृषि उपजहरूमा आत्मनिर्भर बनी निर्यात समेत वृद्धि गर्न कृषि क्षेत्रमा क्रान्ति नै गर्नुपर्ने पहिलो अनिवार्य आवश्यकता रहेको छ। उच्च प्रविधिहरू विकास भईसकेको आजको युगमा समेत हाम्रो निर्वाहमुखी परम्परागत खेती प्रणालीमा सिमित रहिरहनु विडम्बना नै हो। तसर्थ स्थानीय सरकारले सम्भाव्यता अध्ययन गरी व्यवसायिक र वैज्ञानिक कृषिका लागि आवश्यक सम्पूर्ण कृषि पूर्वाधारहरूको विकासमार्फत् कृषि उत्पादन र विकासमा क्रान्ति गर्नुपर्ने आवश्यकता रहेको छ।

#### ४.३.१ सिंचाई सुविधाको उपलब्धता सम्बन्धी विवरण

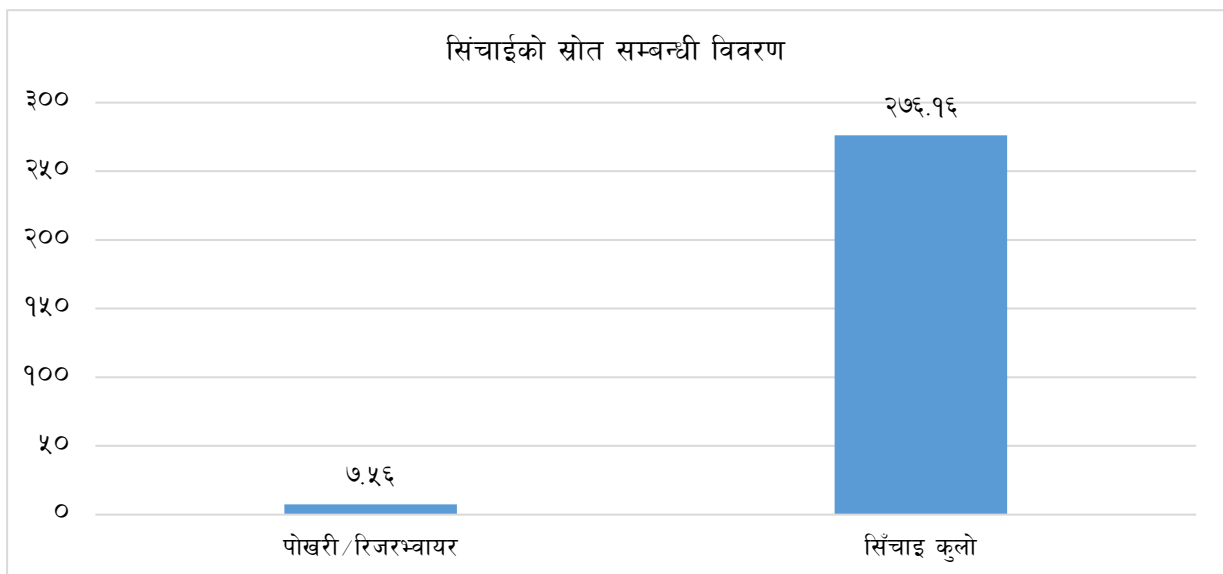
जमिन खेतीयोग्य भएर मात्र हुँदैन त्यसमा सिंचाईको सुविधा अनिवार्य पुगेको हुनपर्दछ। खेतीयोग्य जमिनमा खेतीपाती गरी पूर्ण सदुपयोग गर्न त्यसमा सिंचाईको सुविधा पुऱ्याउनु अनिवार्य हुन्छ। तसर्थ स्थानीय तहहरूले आफ्नो क्षेत्रमा रहेको खेतीयोग्य जमिनको यथार्थ विवरण तयार पारी त्यसमध्ये सिंचाई सुविधा पुगेको र नपुगेको जमिनको समेत सही तथ्याङ्क अध्यावधिक गर्नुपर्दछ। यसपश्चात सिंचाई नपुगेको जमिनमा एक वा अर्को प्रकारले सिंचाई पुऱ्याउन प्राथमिकता केन्द्रीत गर्नु आवश्यक हुन्छ।

#### ४.३.२ सिंचाईको स्रोत सम्बन्धी विवरण

तालिका नं. २७ : सिंचाईको स्रोतको आधारमा सिंचित जमिनको क्षेत्रफलको विवरण (हेक्टरमा)

| क्र.सं. | सिंचाईको स्रोत   | सिंचित क्षेत्रफल (हेक्टर) |
|---------|------------------|---------------------------|
| १       | पोखरी/रिजरभ्वायर | ७.५६                      |
| २       | सिंचाई कुलो      | २७६.१६                    |
|         | जम्मा            | २८३.७२                    |

स्रोत: घरघुरी तथ्याङ्क सङ्कलन, २०८१



### ४.३.३ कृषि उत्पादन सम्बन्धी विवरण

तालिका नं. २८ : अन्नबाली उत्पादन सम्बन्धी विवरण (बहुउत्तरमा आधारित)

| अन्नबालीको नाम     | अन्नबाली उत्पादन गरिएको मात्रा<br>(मेट्रिक टनमा) |
|--------------------|--|
| मकै                | ५०३.३  |
| धान                | १७८.१४   |
| कोदो               | १६१.५१   |
| गहुँ               | १५३.८४   |
| जौ                 | ४.४५   |
| फापर               | ३.४७   |
| अन्य खाद्यान्नबाली | ०.२६   |

स्रोत: घरधुरी तथ्याङ्क सङ्कलन, २०८१

कृषि बालीहरु मध्ये सबैभन्दा बढी मात्रामा उत्पादन हुने अन्नबाली आहाराको आधारभुत आवश्यकता हो । यस गाउँपालिकामा सबैभन्दा बढी मात्रामा उत्पादन हुने अन्नबाली धान रहेको छ । विगत १२ महिनामा १७८.१४ मेट्रिक टन धान उत्पादन भएको छ भने दोस्रोमा कोदो बाली को उत्पादन हुने गरेको छ । यहाँ १६१.५१ मेट्रिक टन कोदो उत्पादन भएको छ । यसका अलावा यहाँ मकै, गहुँ, जौ, फापर लगायतका अन्न बालीहरुको उत्पादन र विक्रिवितरण हुने गर्दछ ।

तालिका नं. २९ : दलहनबाली उत्पादन सम्बन्धी विवरण

| दलहन बाली                       | उत्पादन (मेट्रिक टन) |
|---------------------------------|----------------------|
| सिमी                            | ८.७२                 |
| भटमास                           | ७.४७                 |
| बोडी                            | २.३५                 |
| मास                             | १.१७                 |
| अन्य दलहनबाली (मस्याङ्ग, खेसरी) | ०.४७                 |
| केराउ                           | ०.२५                 |
| मसुरो                           | ०.१४                 |
| गहत                             | ०.०३                 |
| जम्मा                           | २०.६                 |

स्रोत: घरधुरी तथ्याङ्क सङ्कलन, २०८१

**तालिका नं. ३० : तेलबाली उत्पादन सम्बन्धी विवरण**

| तेहलन बाली | उत्पादन<br>(मेट्रिक टन) |
|------------|-------------------------|
| तोरी/सरसो  | ३६.७१                   |
| आलस        | ०.०४                    |
| जम्मा      | ३६.७५                   |

स्रोत: घरधुरी तथ्याङ्क सङ्कलन, २०८१

**तालिका नं. ३१ : फलफूलबाली उत्पादन सम्बन्धी विवरण**

| फलफूल बाली | उत्पादन<br>(मेट्रिक टन) |
|------------|-------------------------|
| किवी       | १६.५४                   |
| हलुवावेद   | १.९४                    |
| केरा       | १.८२                    |
| कागती      | १.४३                    |
| सुन्तला    | १.२६                    |
| आरु        | ०.५२                    |
| नासपाती    | ०.४७                    |
| जुनार      | ०.३१                    |
| आरुबखडा    | ०.०९                    |
| ओखर        | ०.०७                    |
| ज्यामिर    | ०.०७                    |
| अम्बा      | ०.०५                    |
| निबुवा     | ०.०४                    |
| अनार       | ०.०३                    |
| जम्मा      | २४.६४                   |

स्रोत: घरधुरी तथ्याङ्क सङ्कलन, २०८१

**तालिका नं. ३२ : नगदेबाली उत्पादन सम्बन्धी विवरण**

| नगदेबाली | उत्पादन<br>(मेट्रिक टन) |
|----------|-------------------------|
| अलैंची   | ६३.६५                   |
| चिया     | १.३२                    |
| उखु      | ०.१८                    |
| जम्मा    | ६५.१५                   |

स्रोत: घरधुरी तथ्याङ्क सङ्कलन, २०८१

### ४.३.४ पशुपन्ध्रीजन्य उत्पादन सम्बन्धी विवरण

तालिका नं. ३३ : पशुपन्ध्रीजन्य वस्तुको उत्पादन सम्बन्धी विवरण (बहुउत्तरमा आधारित)

| पशुपन्ध्रीजन्य वस्तुको नाम         | पशुपन्ध्रीजन्य वस्तुको उत्पादन | इकाई  |
|------------------------------------|--------------------------------|-------|
| दुध                                | ३७३००००                        | लिटर  |
| अण्डा                              | १३४६०२९                        | गोटा  |
| मासु                               | ३११९९                          | के.जी |
| दुधजन्य वस्तु (घ्यू, चिज, मखन आदी) | ३६०४                           | के.जी |

स्रोत: घरधुरी तथ्याङ्क सङ्कलन, २०६१

### ४.३.५ खाद्यान्न बालीमा लाग्ने रोग तथा कीरा

कृषि बालीबाट अपेक्षित उत्पादन लिनका लागि बालीनालीको उचित स्याहार सम्भार आवश्यक छ। विशेषत बालीनालीलाई रोग तथा कीराले आक्रमण गर्ने हुँदा रोग तथा कीराबाट बच्न समयमै उच्च सतर्कता अपनाउने र रोकथामबारे जानकारी हासिल गर्नु अति आवश्यक छ। अर्कोतर्फ बालीनालीमा लाग्ने र लाग्न सक्ने रोग तथा कीराको सही ढङ्गले पहिचान हुन समेत जरुरी छ। रोग तथा कीराको सही पहिचान हुन सके समयमै त्यसको रोकथाम हुन गई उत्पादनलाई सुरक्षित तथा वृद्धि गर्न सकिन्छ।

तालिका नं. ३४ : खाद्यान्न बालीमा लाग्ने रोग विवरण

| क्र.सं. | बाली | प्रमुख शत्रु जीव   | प्रमुख रोग  |
|---------|------|--|---|
| १       | धान  | फड्के, फट्याङ्गा, गवारो, हिस्पा                                    | मरुवा, डडुवा, खैरे रोग  |
| २       | गहुँ | कीटकिटे, धमिरा, लाही   | कालो पोके, पहेलो सिन्दुरे, खैरो सिन्दुरे, डडुवा, गन्हाउने कालो पोके आदि।                |
| ३       | मकै  | ऋमेरिकी फौजी कीरा, खुर्मे कीरा, गवारो, फेदकटुवा आदि                | ध्वाँसे थोप्ले रोग, उत्तरी पाते डडुवा, दक्षिणी पाते डडुवा, डाँठ कुहिने रोग आदि।         |
| ४       | कोदो | खुमे कीरा, फड्के कीरा, लाही कीरा, भुसिल कीरा                       | सिथ व्लाष्ट, रुट नट, गवारो, दुसी, जरा कुहिने, डाँठ सुक्ने, मरुवा, थोप्ले रोग, डडुवा रोग |
| ५       | जौ   | लाही कीरा, गुलाबी गवारो, पतेरो, रातो कमिला, फेद कटुवा, धमिरा, मुसा | कालो पोके, पहेलो सिन्दुरे, गुलाबी गवारो, सेतो दुसी, थोप्ले, भुल ब्लोच, मोल्या           |
| ६       | फापर | फट्याङ्गा, भुसिल कीरा, थ्रिप्स, फौजी कीरा, खुमे कीरा               | घुन रपात डडुवा, जरा कुहिने, फेद कुहिने  |

स्रोत : लिखु पिके गाउँपालिका, २०६१

### ४.३.६ तरकारी तथा फलफूलमा लाग्ने रोग तथा कीरा

तालिका नं. ३५ : तरकारी तथा फलफूलमा लाग्ने रोग तथा कीरा

| क्र.सं. | बाली         | प्रमुख शत्रु जीव  | प्रमुख रोग   |
|---------|--------------|---|--|
| १.      | गोलभेडा      | टुटायप्सूलूटा, सेतो भिङ्गा, लाही, फलको गवारो, पतेरो आदि ।   | उडुवा- अगौटे, पछौटे आईलाउने, ममाजाईक आदि ।               |
| २.      | काउली, बन्दा | डाईमण्ड ब्याक मोथ, टोवाको क्याटरपिलर, लाही, उफने फडके आदि । | सफ्टरट , ब्लाक रट, अल्टरवेरिया, क्लव रट डेम्पीड अफ आदि । |
| ३.      | आलु          | फेदकटुवा, आलुको पुतली, रातो कमिला, लाही आदि                 | डुटुवा , मोजाइफ खैरो पिप, चक्के आदि ।                    |
| ४.      | रायो         | डाईमण्ड ब्याक मोथ, टोवाको क्याटरपिलर, लाही, उफने फडके आदि । | सफ्ट रट, ब्लाक रट, अल्टरवेरिया, क्लव रट डेम्पीड अफ आदि । |
| ५       | सून्तला      | पतेरो, लाही, फूट फ्लाई , स्केल लिफ, भाईनर, लेमन डग आदि ।    | क्याकर, फूट रट , रुटरघ , स्वीटीमोल्ड आदि ।               |
| ६       | अलैचि        | भुसिलकीरा वा पातखाने कीरा, गवारो कीरा, लाहीकीरा, थ्रिप्स,   | पातको सडन, गानो कुईने रोग, फुर्के रोग, छिर्के रोग        |

स्रोत : लिखु पिके गाउँपालिका, २०८१

### ४.३.७ पशुपन्छीमा लाग्ने रोग तथा कीरा

कृषकहरूको मुख्य आमदानीको स्रोतको रूपमा रहेको पशुपन्छीहरूको पालन यस गाउँपालिकाको प्रमुख पेशा मध्ये एक हो । गाउँपालिकामा देखिने पशु रोगहरूमा रेबिज, खोरेत, पिपिआर, स्वाइन फिवर, भ्यागुते, चरचरे, नाम्ले, माटे, थुनेलो, प्रजनन सम्बन्धी समस्या र जुका पर्दछन् । गाउँपालिकाको वन जंगलसँग जोडिएका वडाहरूमा एन्टी रेबिज खोप लगाउनुपर्ने देखिन्छ भने खोरेत, पिपिआर, स्वाइन फिवर जस्ता अत्यन्त संक्रामक रोगको प्रकोप पनि यस गाउँपालिकामा एदाकदा देखिने गरेको छ । यी कारणहरूलाई हेर्दा पशुको अवैध आवत जावत, दयनीय व्यवस्थापन, खोप लगाउनुपर्छ भन्ने चेतनाको कमी आदि मान्न सकिन्छ । यी रोगको नियन्त्रणका लागि गाउँपालिकाबाट निरन्तर प्रयास भैरहेको देखिन्छ ।

जिवाणुबाट हुने रोगहरू मध्ये भ्यागुते, चरचरे विरुद्ध यस गाउँपालिकाका किसानहरूले खोप लगाउने गरेको भएतापनि यी रोगहरू फाटफुट रूपमा देखिने गरेका छन् । गाउँपालिकामा स्वाइन फिवर, खोरेत, रेबिज विरुद्धको खोपकार्य विभिन्न वडाहरूमा सञ्चालन गर्न सकेमा धेरै हदसम्म रोग नियन्त्रण गर्न सफल हुने देखिन्छ । सामान्यतया पशुपंक्षीमा ठूलो माहामारी फैलिएको पाइँदैन ।

### ४.३.८ व्यवसायिक कृषि तथा पशुपालन फर्महरूको विवरण

नेपालका अधिकांश क्षेत्रमा निर्वाहमुखी, परम्परागत र असंगठित खेती गर्ने प्रणाली विद्यमान छ । कृषि व्यवसायलाई सम्मानित, प्रतिफलमुखी र वैज्ञानिक बनाउन यसलाई संगठित र संस्थागत ढङ्गले विकास गर्न जरुरी छ । हाल देशका विभिन्न स्थानहरूमा व्यवसायिक कृषि फर्महरू दर्ता भई संगठित र संस्थागत हिसाबले खेतीपाती गर्ने अभ्यासको सुरुवात भएको छ । यसरी वैज्ञानिक हिसाबले फर्म दर्ता गरी कृषि व्यवसाय सञ्चालन गर्दा राज्यद्वारा दिइने अनुदान र प्रविधिहरूको सहयोग प्रदान गर्न समेत सहयोग पुग्दछ । यसले कृषि व्यवसायलाई संगठित र व्यवसायिक बनाउन पनि मद्दत पुऱ्याउँछ । परम्परागत कृषिको व्यवसायिकरण तथा आधुनिकीकरण गर्न अहिले विभिन्न कृषि समूहहरू सञ्चालित छन् । कृषक समूहको विवरणले कुनै पनि



गाउँपालिका कृषि क्षेत्रमा रहेको कृषकको संलग्नता र कृषि क्रियाकलापको अवस्थाको जानकारी गराउनुको साथै आगामी दिनहरूमा के कस्ता कार्यक्रमहरू ल्याउन आवश्यक छ भन्ने कुरालाई सहज बनाउने देखिन्छ । लिखु पिके गाउँपालिकामा वि.सं. २०८० को अन्त्य सम्ममा नवीकरण भएका कृषक समूहहरूको विवरण देहाय बमोजिम रहेको छ ।

**तालिका नं. ३६ : व्यवसायिक कृषि/पशुपालन फर्महरू**

| क्र.स. | सेवा/व्यवसाय नाम                                    | ठेगाना        | कारोबारको किसिम         |
|--------|---|---------------|-------------------------|
| १      | श्री पिके तरकारी फर्म                               | लिखु पिके : १ | बाखा पालन               |
| २      | श्री सिसा कृषि फर्म                                 | लिखु पिके : २ | -                       |
| ३      | श्री इन्द्रेणी बहुउद्देश्य कृषि फर्म                | लिखु पिके : २ | माछा पालन               |
| ४      | सौरभी एग्रो फर्म                                    | लिखु पिके : २ | बाखा पालन               |
| ५      | आयुशा एग्रोभेट                                      | लिखु पिके : २ | पशुपालन                 |
| ६      | रिसिडाँडा कृषक समूह                                 | लिखु पिके : २ | तरकारी खेती             |
| ७      | बोजिनी कृषि तथा पशुपालन फर्म                        | लिखु पिके : २ | अलैंची खेती             |
| ८      | लिखु पिके फलफुल फर्म                                | लिखु पिके : २ | फलफुल खेती              |
| ९      | संजय एग्रो एण्ड बायो फार्मिङ                        | लिखु पिके : २ | किवी खेती               |
| १०     | गोलीएग्रो फर्म प्रा.लि.                             | लिखु पिके : २ | पशुपालन                 |
| ११     | राम लक्ष्मण बाखाफर्म                                | लिखु पिके : २ | बाखापालन                |
| १२     | हरियाली तरकारी खेती कृषक समूह                       | लिखु पिके : ३ | तरकारी खेती             |
| १३     | श्री प्रोग्रेसिभ नेपाल कृषि तथा पशु फर्म            | लिखु पिके : ४ | तरकारी खेती             |
| १४     | डिमानिजी तरकारी विउ बेर्ना उत्पादन तथा प्रशोधन फर्म | लिखु पिके : ३ | तरकार खेती              |
| १५     | डि.एस कृषि कृषिफर्म                                 | लिखु पिके : ४ | फलफुल तथा चिया उत्पादन  |
| १६     | बस्नेत ब्रोदर कृषि तथा पशुपालन फर्म                 | लिखु पिके : ४ | बाखा पालन               |
| १७     | श्री चोमोलोडमा कृषि तथा पशुपालन फर्म                | लिखु पिके : १ | चौरी पालन               |
| १८     | रिगेल्म बाखाफर्म                                    | लिखु पिके : १ | बाखापालन                |
| १९     | रिगेल्म पशु तथा कृषि फर्म                           | लिखु पिके : १ | चौरी पालन               |
| २०     | श्री बंगुर पालन फर्म                                | लिखु पिके : ३ | बंगुर पालन              |
| २१     | पुजा बाखा फर्म                                      | लिखु पिके : ३ | बाखापालन                |
| २२     | अनुशा कृषि तथा पशु फर्म                             | लिखु पिके : ४ | बाखापालन                |
| २३     | किचाड बाखा फर्म                                     | लिखु पिके : ४ | बाखापालन                |
| २४     | सामान पोल्टि फर्म                                   | लिखु पिके : ५ | कुखुरा पालन             |
| २५     | लिखु पिके कृषि तथा पशुपंक्षी फर्म                   | लिखु पिके : ३ | बाखा तथा कुखुरा पालन    |
| २६     | कामना बाखा फर्म                                     | लिखु पिके : २ | बाखा पालन               |
| २७     | सुविना एण्ड सुमन पशुपालन फर्म                       | लिखु पिके : २ | बाखा पालन               |
| २८     | देवेन्द्र कुखुरा फर्म                               | लिखु पिके : ३ | कुखुरा पालन             |
| २९     | सौगात कृषि तथा पशुपंक्षी फर्म                       | लिखु पिके : ४ | बाखा पालन               |
| ३०     | फलाटे बाखा फर्म                                     | लिखु पिके : ५ | बाखा पालन               |
| ३१     | लामजुरा पशु फर्म                                    | लिखु पिके : ५ | बाखा पालन               |
| ३२     | गोलि एग्रो फर्म                                     | लिखु पिके : २ | बाखा तथा भैसी पालन      |
| ३३     | श्री किचाड बाखा फर्म                                | लिखु पिके : ४ | बाखा पालन               |
| ३४     | पाथिभरा पशुपंक्षी फर्म                              | लिखु पिके : ३ | कुखुरा पालन तथा पशुपालन |

स्रोत: गाउँ कार्यपालिकाको कार्यालय, २०८१

**तालिका नं. ३७ : कृषिसँग सम्बन्धित समूहको विवरण**

| क्र.स. | कृषि समूहको नाम                  | ठेगाना       | कारोबारको किसिम |
|--------|----------------------------------|--------------|-----------------|
| १      | श्री प्रभावकारी अलैंची कृषक समूह | लिखु पिके :४ | बाखा पालन       |
| २      | श्री जनसेवा महिला कृषि समूह      | लिखु पिके :४ | तरकारी खेती     |
| ३      | श्री आकर्षक महिला समूह           | तादिड        | पशुपालन         |
| ४      | श्री हरियाली महिला कृषक समूह     | डुडा         |                 |
| ५      | श्री फुलबारी महिला कृषि समूह     | लेलपु        |                 |
| ६      | श्री सयपत्री आमा समूह            | लिखु पिके :४ |                 |
| ७      | श्री प्रगतिशील आमा समूह          | लिखु पिके :४ |                 |
| ८      | श्री सगरमाथा आमा समूह            | लिखु पिके :४ |                 |
| ९      | श्री फुलबारी आमा समूह            | लिखु पिके :४ |                 |
| १०     | श्री पारिजात आमा समूह            | लिखु पिके :४ |                 |
| ११     | हरियाली चिया कृषि समूह           | लिखु पिके :४ |                 |
| १२     | श्री पारिजात आमा समूह            | लिखु पिके :४ |                 |
| १३     | हरियाली चिया कृषि समूह           | लिखु पिके :४ |                 |
| १४     | श्री सुवेदी कृषक समूह            | लिखु पिके :४ | तरकारी खेती     |

स्रोत: गाउँ कार्यपालिकाको कार्यालय, २०८१

**४.३.९ कृषि तथा पशु सेवासँग सम्बन्धित मानव संसाधन**

**तालिका नं. ३८ : कृषि तथा पशु सेवासँग सम्बन्धित जनशक्तिको विवरण**

| क्र.सं. | कर्मचारीको नाम     | पद                   | सम्पर्क नं. | शाखा      |
|---------|--------------------|----------------------|-------------|-----------|
| १.      | बन्दना भट्टराई     | कृषि स्नातक (अधिकृत) | ९८४७८८७२७८  | कृषि सेवा |
| २.      | रमेश कुमार कार्की  | अधिकृत               | ९८६९३८४६२७  | पशु सेवा  |
| ३.      | सहदेव बस्नेत       | ना.प्रा.स            | ९८६२९९६९०५  | कृषि सेवा |
| ४.      | सुमन कार्की बस्नेत | ना.प्रा.स            | ९८६५४५५२३१  | कृषि सेवा |
| ५.      | उषा बस्नेत         | प्रा.स               | ९७४९२९४९७५  | पशु सेवा  |
| ६.      | लक्ष्मण बस्नेत     | ना.प्रा.स            | ९८४०९८९४७६  | पशु सेवा  |
| ७.      | चण्डिका बस्नेत     | ना.प्रा.स            | ९८६३००६२५१  | पशु सेवा  |

स्रोत : गाउँ कार्यपालिकाको कार्यालय, २०८१

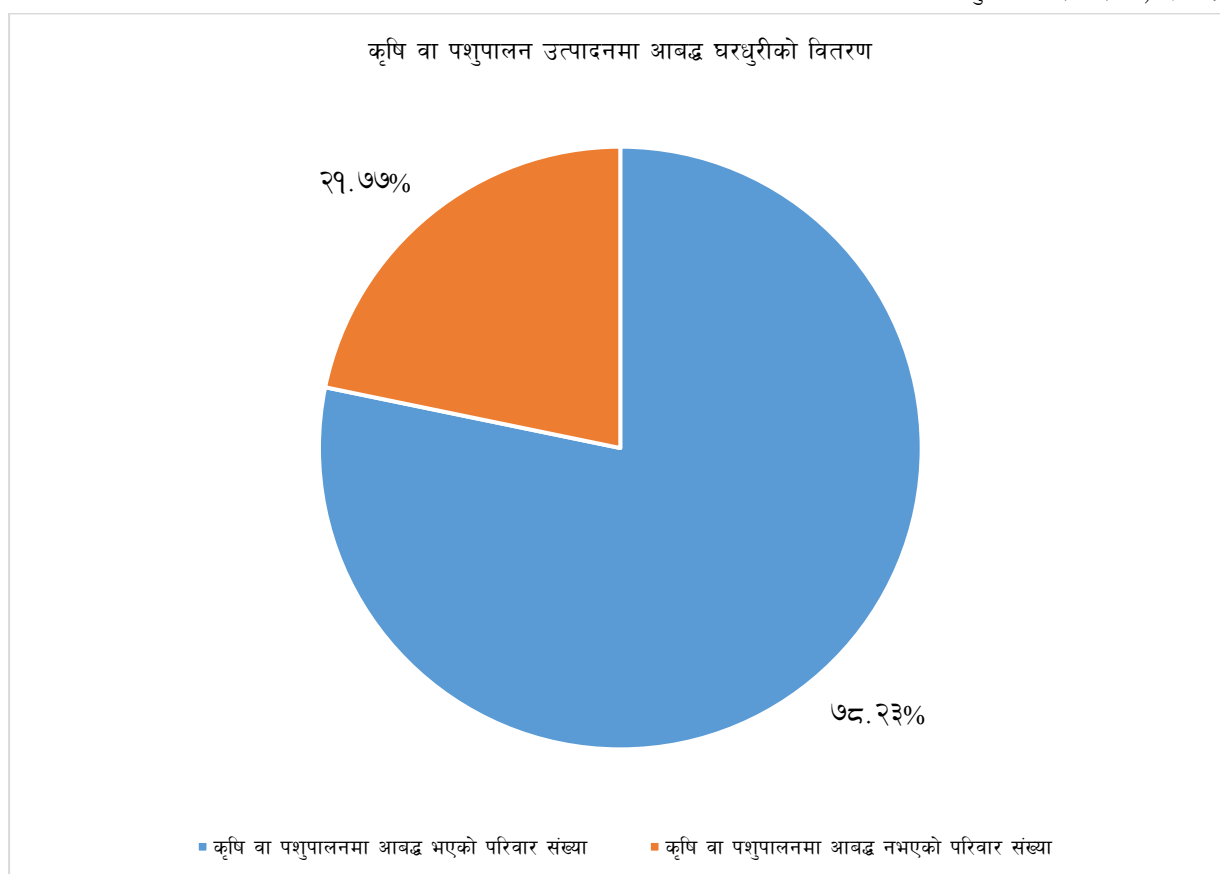
**क) कृषि वा पशुपालन उत्पादनमा आबद्ध घरपरिवारको विवरण**

आफ्नै स्वामित्वको जमिनमा होस् वा अर्काको जमिन, खेतीपातीमा संलग्न कुल घरपरिवारको संख्या ९९२ अर्थात् ७८.२३ प्रतिशत र असंलग्न घरपरिवारको संख्या २७६ अर्थात् २९.७७ प्रतिशत रहेको छ। यस मध्ये तुलनात्मक रूपमा वडा नं. २ मा सबैभन्दा बढी परिवारहरू खेतीपातीमा संलग्न रहेका छन् भने वडा नं. १ मा सबैभन्दा कम परिवार संख्या खेतीपातीमा आबद्ध रहेका छन्। जसको वडाअनुसार विस्तृत विवरण निम्न तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ :-

**तालिका नं. ३९ :** कृषि वा पशुपालन उत्पादनमा आबद्ध घरपरिवारको विवरण

| वडा     | कृषि वा पशुपालनमा आबद्ध नभएको परिवार संख्या | कृषि वा पशुपालनमा आबद्ध भएको परिवार संख्या | जम्मा परिवार संख्या |
|---------|---|--|---------------------|
| १       | २५  | १२७  | १५२                 |
| २       | ९२  | २९६  | ३८८                 |
| ३       | १०  | २२३  | २३३                 |
| ४       | ११२   | १३४  | २४६                 |
| ५       | ३७  | २१२  | २४९                 |
| जम्मा   | २७६   | ९९२  | १२६८                |
| प्रतिशत | २१.७७                                       | ७८.२३                                      | १००                 |

स्रोत: घरघुरी तथ्याङ्क सङ्कलन, २०८१



### ४.३.१० संकलन केन्द्र तथा चिस्यान केन्द्र

ठुलोस्तरको कृषि उत्पादन तथा संकलन केन्द्रको व्यवस्था नभएको ग्रामीण परिवेशमा सानो परिमाणमा उत्पादन हुने उपजहरूलाई विभिन्न पायक पर्ने स्थानहरूमा संकलन केन्द्रको रूपमा विकास गर्दा बजारीकरण गर्न सहयोग पुग्दछ। यसरी विभिन्न स्थानमा संकलन केन्द्रको विकास गर्दा व्यापारिहरूलाई निश्चित स्थानबाट निश्चित परिमाणमा उपजहरू खरिद गर्न सहयोग पुग्ने हुँदा यसले बजार प्रणालीको विकास गर्न सहयोग पुग्दछ।

कृषि उत्पादन वृद्धि गर्नु जति जरुरी छ त्यति नै उत्पादित सामग्रीहरूको सुरक्षित भण्डारण गर्नु जरुरी हुन्छ । उचित ढङ्गले भण्डारण गर्दा कृषि उपजमा रहेको पोषक तत्वलाई कायम राख्न समेत मद्दत पुग्दछ । भण्डारण वैज्ञानिक नहुँदा एकातर्फ उत्पादित उपजको गुणस्तर कमजोर हुने र नष्ट समेत हुन जान्छ । तसर्थ कृषि उपजलाई वैज्ञानिक तवरले भण्डारण गरी बेमौसममा समेत बजारमा उपलब्धता भए बजार मूल्य सन्तुलनमा राख्न सहयोग पुग्दछ । यसका लागि आवश्यकताका आधारमा विभिन्न स्थानमा चिस्यान केन्द्र, भण्डारण केन्द्र र डेरीहरू स्थापना गर्नु आवश्यक छ ।

### ४.३.११ कृषि बजार तथा हाटबजार सम्बन्धी विवरण

गाउँपालिकाको वडा नं. ५ मा एक कृषि हाटबजार लाग्ने गर्दछ । प्रत्येक हप्ताको आइतबार लाग्ने हाटबजारमा स्थानीयले पालिकाभित्र उत्पादन हुने जडीबुटी, फलफुल, तरकारी लगायतका वस्तुहरू बिक्री गर्नुका साथै खाद्यान्न, लत्ताकपडा लगायतका सामग्रीहरूको किनमेल गर्ने गर्दछन् ।

### ४.४ पर्यटन विकास

एउटा विशिष्ट भौगोलिक संरचनाले सिर्जना गरेको हावापानी, जनजीवन, वन, वनस्पति र वन्यजन्तु तथा सांस्कृतिक विविधताको कारण नेपाल विश्वमा नै एउटा चित्ताकर्षक पर्यटकीय गन्तव्य स्थलको रूपमा परिचित छ । पर्यटन हाम्रा लागि प्रकृतिले प्रदान गरेको वरदान हो । यी सम्पूर्ण पर्यटकीय सम्पतिको पूर्ण सदुपयोग गरेमा देशको आर्थिक समृद्धिमा उल्लेखनीय योगदान पुऱ्याई देशको अर्थतन्त्रलाई सबल बनाउन सकिने निश्चित छ । तसर्थ पर्यटन नीति, २०६५ ले मुलभूत रूपमा पर्यटन मार्फत् स्वरोजगार सिर्जना, गरिबी निवारण, मूर्त तथा अमूर्त सम्पदाको खोज अनुसन्धान, हवाई तथा स्थलमार्गको थप विकास र विस्तार गर्ने र पर्यटन पूर्वाधारलाई दिगो विकासको अवधारणा अनुरूप अगाडि बढाउने उद्देश्य लिएको छ । यस गाउँपालिकामा पनि पर्यटन विकासका प्रचुर सम्भावनाहरू रहेका छन् ।

#### ४.४.१ धार्मिक तथा पर्यटकीय स्थलहरूको विवरण

प्राकृतिक सौन्दर्य, प्रचुर जैविक विविधता, बहुजातीय, बहुभाषीय, बहुधर्म र सामाजिक विविधताका साथै गाउँपालिकामा उच्च हरियाली नदी, खोला, ताल, पोखरी, पर्यटकीय तथा धार्मिक स्थलहरूको दृश्यावलोकन गर्न सकिन्छ यसका साथै लिखु नदी, किञ्जा खोला, घट्टे खोला, खिम्जा खोला, पामु डाँडा, लामजुरा, कलाडाँडा, मेञ्जो डाँडा लगायतका रमणीय पर्यटकीय स्थलहरू रहेका छन् । यहाँ रहेका विभिन्न पर्यटकीय तथा धार्मिक स्थलहरूको वडागत विस्तृत विवरण तालिकामा उल्लेख गरिएको छ ।

तालिका नं. ४० : धार्मिक तथा पर्यटकीय स्थलहरूको विवरण

| वडा नं. | पर्यटकीय तथा धार्मिक स्थल  | महत्व                |
|---------|--|----------------------|
| १.      | पिके डाँडा, पिके भरना, ओगर गुफा, माने साम्सिड भञ्ज्याङ, उर्गेन साड छोलिङ गुम्बा, डग्युर थक्छेक छोलिङ गुम्बा, गुरु रिम्पुछे गुम्बा, पेमा छोलिङ आनी गुम्बा, गेप्चुका गुम्बा, मुत्तुम्जे थान, रिगेल्गो क्वीन हिल, गेठचुका बौद्ध, सार्प थान, कप्नी भुमेथान, यार्माखो देवीथान, लुमुकमा थान, यामरिक देखी पिके सम्मको बाटो आसपासमा रहेका मानेहरू असंख्य | पर्यटकीय तथा धार्मिक |

| वडा नं. | पर्यटकीय तथा धार्मिक स्थल  | महत्व                |
|---------|--|----------------------|
| २.      | बुकु दोभान, कुपाड भरना, चण्डीथान, देवीथान, धाउखाजी महादेव स्थान, मैतीदोभान कमलामाई, जिलुपाल्ने सेती देवी थान, टाकम देवी, महादेवथान, गैरा पोखरी, रञ्जनादेवी यर्माख, गोली बाध २ वटा, कुल मन्दिर यर्माख, मैती तामाड गुम्बा, शिव मन्दिर यर्माख, विश्वकर्मा मन्दिर दामाले, बस्नेत कुल मन्दिर दामाले, शिव मन्दिर | पर्यटकीय तथा धार्मिक |
| ३.      | बौद्ध स्तुपा, कोरेसी खोला भरना, ज्वालामाई मन्दिर, सेती देवी मन्दिर, पहेली देवी, चण्डी माता देवी, ज्वाला माई देवी, काली देवीस्थान, महादेवस्थान  | पर्यटकीय तथा धार्मिक |
| ४.      | चेर्तिन बौद्ध, श्रेती देवीस्थान, काली देवीथान, पहेलीदेवी थान, भुमेथान, शिव पार्वती मन्दिर, कृष्ण मन्दिर, उपल्लो खर्क, चौरी खर्क, किटिलि खर्क, कुल मन्दिर   | पर्यटकीय तथा धार्मिक |
| ५.      | साडछोलिङ्ग गुम्बा, कामरिड छोलिङ्ग गुम्बा, टासी छोलिङ्ग गुम्बा, सेते गुम्बा, सेते गुम्बा, शिव पार्वती मन्दिर, देवीस्थान   | पर्यटकीय तथा धार्मिक |

स्रोत : गाउँकार्यपालिकाको कार्यालय, २०८१

#### ४.४.२ होटल, रिसोर्ट, रेष्टुरेन्ट तथा होमस्टे सम्बन्धी विवरण

कुनै पनि क्षेत्रको विकासका लागि सो क्षेत्रसँग सम्बन्धित सम्पूर्ण पूर्वाधारहरूको समुचित विकास गर्नु अनिवार्य हुन्छ । नेपालमा पर्यटनको प्रचुर सम्भावना भएतापनि पर्यटन पूर्वाधारको अभावका कारण पर्यटन क्षेत्रको व्यापक विकासमा बाधा सिर्जना भएको छ । पर्यटन पूर्वाधार अन्तर्गत सहज यातायात सुविधा, होटल, लज तथा रेष्टुरेन्ट, पर्यटन गाईड, सूचना केन्द्रहरू, उद्धार संयन्त्र, सञ्चार, सुरक्षा तथा पर्यटकीय गतिविधिहरू नै प्रमुख हुन् । पर्यटनको सम्भावना हेरी यी पूर्वाधारहरूको आवश्यकताका आधारमा क्रमशः विकास गर्नु पर्यटन विकासका लागि अपरिहार्य छ । हाल यस गाउँपालिकामा रहेका प्रमुख होटल, रिसोर्ट तथा रेष्टुरेन्ट सम्बन्धी विवरण तलको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ ।

**तालिका नं. ४१ :** गाउँपालिकामा रहेका केही होटल, रिसोर्ट तथा रेष्टुरेन्ट सम्बन्धी विवरण

| होटल, रिसोर्ट तथा रेष्टुरेन्टको नाम | सम्पर्क नं. | ठेगाना |
|-------------------------------------|-------------|--------|
| गोली शेर्पा होटल                    |             |        |
| शेर्पा लज एण्ड शप                   |             |        |
| शेर्पा गाईड लज गोली गुम्बा          |             |        |
| सनराईज लज एण्ड रेष्टुरेन्ट          |             |        |
| पिके साङ्ग्रीला लज एण्ड रेष्टुरेन्ट |             |        |
| ल्हामु लज                           |             |        |
| टासी देलेक लज एण्ड रेष्टुरेन्ट      |             |        |
| सोनाम गेष्ट हाउस                    |             |        |
| रिभरसाईड गेष्ट हाउस                 | ९८६१२९०१७५  |        |

| होटल, रिसोर्ट तथा रेष्टुरेन्टको नाम        | सम्पर्क नं. | ठेगाना |
|--|-------------|--------|
| भ्यू हिमालयन होटल एण्ड रेष्टुरेन्ट         | ९७४१४२०८९२  |        |
| लिखु ल्याण्ड लज एण्ड रेष्टुरेन्ट           | ४९६९३४९०    |        |
| पाथिभरा होटल एण्ड लज ककोज                  | ९८६३९९१४२७  |        |
| पेरिस होटल                                 | ९८६४०२७४९६  |        |
| होटल नम्बर भ्यू लज एण्ड शेर्पा रेष्टुरेन्ट | ९७४११०९७९६  |        |

स्रोत: घरधुरी तथ्याङ्क संकलन, २०८१

### ४.४.३ उपलब्ध पर्यटकीय सेवा तथा सुविधा सम्बन्धी विवरण

यो गाउँपालिका पर्यटकीय दृष्टिकोणले असाध्यै सम्भावना बोकेको क्षेत्रको रूपमा रहेको छ। यहाँ आउने पर्यटकहरू विशेष गरी हिमालहरूको अवलोकन गर्न, पदयात्रा गर्न धार्मिकस्थलहरूको अवलोकन गर्न, सामुदायिक वन क्षेत्रमा रहेका प्राकृतिक सुन्दरताले भरिपूर्ण स्थलहरूको अवलोकन गर्न, लगायत विभिन्न तवरले मनोरञ्जन लिनका लागि आउने गर्दछन्। तथापि यहाँ पर्यटन पूर्वाधार अन्तर्गतका सडक पूर्वाधार, संचार सुविधा विस्तार तथा विकास हुन नसकेको कारण पर्यटन प्रवर्द्धनमा भने कठिनाई रहेको छ।

### ४.४.४ स्रोत नक्सा

### ४.५ उद्योग, व्यापार तथा बैङ्किङ

कृषिको विकास पश्चात् कुनै पनि देशको आर्थिक क्रान्तिका लागि आवश्यक क्षेत्र भनेको उद्योग नै हो। औद्योगिक विकासका लागि राणाशासन कालदेखि नै विभिन्न प्रयासहरू हुँदै आए तापनि औद्योगिक क्रान्ति नै हुने प्रकारका ठूला स्तरका उद्योगहरू नेपालमा खुल्न सकेका छैनन्। भएका उद्योगहरू समेत रुग्ण हुँदै बन्द हुनु अर्को दुर्भाग्यपूर्ण अवस्था छ। कृषिको विकास सँगसँगै कृषि र स्थानीय कच्चा पदार्थमा आधारित उद्योगहरूको स्थापना गरी नेपालका उत्पादनहरूको उपभोग विश्व बजारमा पुऱ्याउन सकेमात्र नेपाल अतिकम विकसित राष्ट्रबाट माथि उठ्ने आधार तयार हुन्छ। उद्योगलाई प्रवर्द्धन गर्न स्थानीय श्रोतमा आधारित साना तथा मझौला उद्योगहरूलाई उत्तिकै प्राथमिकता र प्रोत्साहन गर्न जरुरी हुन्छ।

साना उद्योग, कृषिमा आधारित सबै प्रकारका उद्योगहरू, घरेलु उद्योग, मझौला उद्योग, ठूला उद्योग, सेवामूलक उद्योग, सरकारी उद्योग, समुदायमा आधारित उद्योग, संकलन तथा प्रशोधन सम्बन्धी उद्योग, ठूला उद्योगहरू गाउँपालिकामा सञ्चालनमा आउन नसके पनि यहाँ उपलब्ध स्थानीय स्रोत र साधनको उपयोग गरी विभिन्न साना तथा घरेलु, कृषिजन्य उद्योगहरू सञ्चालनमा रहेका छन्। यहाको वडा न. ५ मा रहको भकाञ्जे टि स्टेट, नीजि क्षेत्रको तवर बाट संचालित २ वटा जडिबुटी प्रसोधन केन्द्रहरु, नेपाली कागज उत्पादन गर्ने उद्योग, चौरीको दुधवाट चिज तथा छर्पी तयार गर्ने उद्योग लगायतका उद्योगहरूनै यहाँका मुख्य उद्योगहरु हुन। जसले गाउँपालिकाको आर्थिक विकासमा टेवा पुऱ्याएको छ।

कृषि र उद्योग क्षेत्रको विकाससँग अन्योन्याश्रित सम्बन्ध भएको क्षेत्र हो व्यापार। कृषि र उद्योगमार्फत उत्पादित सामाग्रीहरूलाई राष्ट्रिय र अन्तर्राष्ट्रिय बजारमा पुऱ्याउने माध्यम व्यापार भएकाले व्यापार र बाणिज्यको विकास अत्यन्त महत्वपूर्ण हुन्छ। स्थानीय तहहरू आर्थिक रूपले सवल भई स्थानीय उत्पादन निर्यात गर्न सक्ने अवस्थामा पुगनु पर्दछ। आफ्नो क्षेत्रभन्दा बाहिर उत्पादित सामाग्रीहरूको व्यापार गरेर अर्थतन्त्र माथि उठ्न सक्दैन। यसका लागि कुनै न कुनै प्रकारले स्थानीय उत्पादनमा केन्द्रीत भई यस्ता उत्पादनहरूलाई निर्यातमुखी बनाउन सक्नुपर्दछ।

### ४.५.१ खनिज तथा खानी सम्बन्धी विवरण

खनिज तथा खानीको अध्ययन र उत्खननका साथै प्रशोधनका क्षेत्रमा नेपाल अत्यन्त पछाडि रहेको छ । प्रविधि, जनशक्ति र ठोस योजनाको अभावका कारण नेपालको खानी तथा खनिज क्षेत्र जिर्ण अवस्थामा रहेको छ । यस क्षेत्रबाट लाभ लिन स्थानीय तहहरूले आफ्नो क्षेत्रमा खानी तथा खनिज सम्बन्धी अध्ययन तथा अनुसन्धान गर्न जरुरी रहेको छ । यस गाउँपालिका भई बग्ने नदी तथा खोलाबाट उपलब्ध हुने कच्चा पदार्थमा रोडा, ढुंगा, बालुवा आदि प्रशस्त मात्रामा पाइन्छ । त्यसैले गाउँपालिकामा रहेको सम्भावना पहिल्याएर विभिन्न प्राकृतिक साधनको प्रशोधन गरी उद्योगको विकास तथा अर्थतन्त्रको बलियो सम्भावना देखिन्छ ।

### ४.५.२ स्थानीय बजार तथा व्यापारिक केन्द्रहरूको विवरण

गाउँपालिकाका शहरी केन्द्र बाहेक ग्रामीण इलाकाहरूमा सघन बस्तीहरू भएका क्षेत्रमा मानवीय गतिविधिहरू जस्तै: शिक्षा, स्वास्थ्य, अन्य सेवा, व्यापार तथा वाणिज्य केन्द्रीत भएको पाइन्छ । शहरी विकास र सुविधाका दृष्टिकोणले पूर्णरूपमा विकास हुन नसकेता पनि भविष्यमा विकसित हुन सक्ने क्षेत्रका रूपमा यस्ता केन्द्रहरूमा मानवीय गतिविधिहरू केन्द्रित र विकसित भइरहेको पाईन्छ । उपयुक्तता हेरी नयाँ क्षेत्रमा बजारको विकास गर्न नसकिने होइन् । तथापि केही मात्रामा विकसित भईसकेका यस्ता क्षेत्रहरूमा थप विकास गर्न सहज भने हुन्छ ।

तालिका नं. ४२ : स्थानीय बजार तथा व्यापारिक केन्द्र सम्बन्धी विवरण

| क्र.स. | स्थानीय बजार   | ठेगाना       |
|--------|----------------|--------------|
| १      | किञ्जा बजार    | लिखु पिके -५ |
| २      | काप्लेचौर बजार | लिखु पिके -३ |

स्रोत: गाउँकार्यपालिकाको कार्यालय, २०८१

### ४.५.३ बैङ्क तथा वित्तीय संस्था सम्बन्धी विवरण

आधुनिक अर्थव्यवस्थामा आर्थिक कारोबार बैङ्कबाट हुँदा त्यो व्यवस्थित र सहज हुन जान्छ । बैङ्किङ प्रणालीहरूमा व्यापक विकास भइरहँदा उनीहरूले प्रदान गर्ने सेवाहरू समेत विस्तार हुँदै गइरहेका छन् । हाल विभिन्न बैङ्कहरूले ए.टि.एम. सेवा, भिसा कार्ड सेवा महशुल भुक्तानी सेवा लगायत बीमाहरूको समेत व्यवस्था गरेका छन् । यसर्थ आधुनिक आर्थिक प्रणालीमा ग्रामीण जनताहरूको समेत बैङ्किङ सेवामा पहुँच पुऱ्याउनु अपरिहार्य जस्तै भइसकेको छ । यस गाउँपालिकामा रहेका बैङ्क तथा वित्तीय संस्थाको विस्तृत विवरण तालिकामा उल्लेख गरिएको छ ।

तालिका नं. ४३ : गाउँपालिकामा रहेका बैङ्क तथा वित्तीय संस्थाहरूको विवरण

| क्र.स. | बैंक तथा वित्तीय संस्था           | वर्ग     | ठेगाना                 |
|--------|-----------------------------------|----------|------------------------|
| १      | सिटिजन्स बैङ्क इन्टरनेशनल लिमिटेड | “क वर्ग” | लिखु पिके -३, चौलाखर्क |
| २      | लक्ष्मी सनराईज बैङ्क              | “क वर्ग” | लिखु पिके -५ किञ्जा    |

स्रोत: गाउँ कार्यपालिकाको कार्यालय, २०८१

## क) बैङ्क तथा वित्तीय संस्था सम्म पुग्न लाग्ने समयको विवरण

तालिका नं. ४४ : नजिकको बैङ्कसम्म पुग्न लाग्ने समयको विवरण

| वडा     | १५ मिनेटभित्र पुग्न सक्ने परिवार संख्या | ३० मिनेटभित्र पुग्न सक्ने परिवार संख्या | १ घण्टाभित्र पुग्न सक्ने परिवार संख्या | १ घण्टाभन्दा बढी समयमा पुग्न सक्ने परिवार संख्या | जम्मा परिवार संख्या |
|---------|---|---|--|--|---------------------|
| १       | ७                                       | ६                                       | ५०                                     | ८९   | १५२                 |
| २       | ११९                                     | १५१                                     | ३५                                     | ८३   | ३८८                 |
| ३       | ११४                                     | ८१                                      | २४                                     | १४   | २३३                 |
| ४       | २०                                      | ७२                                      | ४०                                     | ११४  | २४६                 |
| ५       | २०                                      | ९                                       | १५५                                    | ६५   | २४९                 |
| जम्मा   | २८०                                     | ३१९                                     | ३०४                                    | ३६५  | १२६८                |
| प्रतिशत | २२.०८                                   | २५.१६                                   | २३.९७                                  | २८.७९  | १००                 |

स्रोत: घरधुरी तथ्याङ्क सङ्कलन, २०८१

## ख) बैङ्क खाता भएका परिवारको संख्याको आधारमा घरधुरीको विवरण

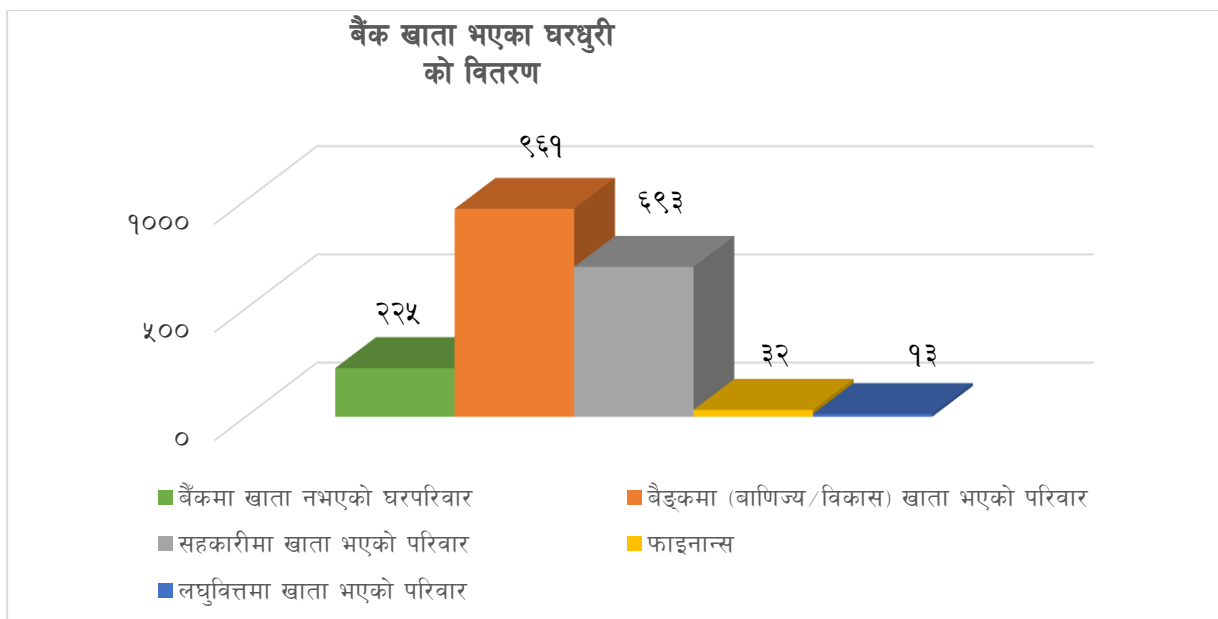
तालिका नं. ४५ : बैङ्क खाता भएको घर परिवारको विवरण (बहुउत्तरमा आधारित)

| वडा     | बैङ्कमा खाता नभएको घरपरिवार | बैङ्कमा (बाणिज्य/विकास) खाता भएको परिवार | सहकारीमा खाता भएको परिवार | फाइनेन्स | लघुवित्तमा खाता भएको परिवार | जम्मा |
|---------|-----------------------------|--|---------------------------|----------|-----------------------------|-------|
| १       | ५०                          | ९०                                       | ४०                        | २        |                             | १८२   |
| २       | २९                          | ३४२                                      | १६५                       | ३        | ५                           | ५४४   |
| ३       | १८                          | १९९                                      | १६३                       |          |                             | ३८०   |
| ४       | १०८                         | ११२                                      | १०६                       | २४       | ५                           | ३५५   |
| ५       | २०                          | २१८                                      | २१९                       | ३        | ३                           | ४६३   |
| जम्मा   | २२५                         | ९६१                                      | ६९३                       | ३२       | १३                          | १९२४  |
| प्रतिशत | ११.६९                       | ४९.९५                                    | ३६.०२                     | १.६६     | ०.६८                        | १००   |

स्रोत: घरधुरी तथ्याङ्क सङ्कलन, २०८१

यस गाउँपालिकामा रहेका कुल घरपरिवारमध्ये ११.६९ प्रतिशत घरपरिवारको बैङ्क तथा वित्तीय संस्थामा खाता नरहेको देखिन्छ। यस गाउँपालिकाका ग्रामीण जनतालाई आधुनिक बैङ्किङ सुविधा प्रदान गर्न थप काम गर्नुपर्ने देखिन्छ। यसो गर्दा नागरिकले गर्ने सबै आर्थिक कारोबारको पूर्ण अभिलेख रहन्छ र राज्यद्वारा प्राप्त हुने विभिन्न सुविधाहरू बैङ्किङ प्रणालीबाट गर्दा त्यो लक्षित वर्गमा पुग्ने सुनिश्चितता समेत हुन जान्छ। राज्यलाई वित्तीय व्यवस्थापन गरी सम्पूर्ण जनसाधारणहरूमा बैङ्किङ प्रणालीप्रति सकारात्मक धारणा विकास गर्न सहयोग पुऱ्याउनुपर्ने देखिन्छ। वडागत विस्तृत विवरण तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ।





#### ४.५.४ सहकारी संस्थाहरूको विवरण

गाउँपालिकाको आर्थिक तथा सामाजिक विकासमा यहाँका सहकारी संस्थाको भूमिका महत्वपूर्ण रहेको छ। सहकारी संस्थाले स्थानीयस्तरको बचतलाई गाउँपालिका बाहिर जानबाट रोकी स्थानीय क्षेत्रमा विभिन्न आयमुलक कार्यमा लगानी गरिरहेका छन्। सहकारी संस्थाप्रति जनताको अपनत्व बढी र प्रशासनिक भ्रष्टाचारको कमी हुने हुँदा वित्तीय क्षेत्रमा यहाँका जनताको पहुँच समेत बढेको छ। गाउँको उद्योग व्यापार क्षेत्रमा लगानी गर्ने उद्देश्यका साथ बचत तथा ऋण, कृषि, उपभोक्ता र बहुदेशीय आदि प्रकृतिका सहकारी संस्थाहरूबाट कर्जा लगानी हुने गरेको छ। यसका साथै यी संस्थाहरूले नियमित रूपमा सदस्यहरूबाट बचत संकलन पनि गर्दै आएको देखिन्छ। यी सहकारी संस्थाहरूबाट कृषि, उद्योग व्यापार क्षेत्रमा लगानी हुने गरेको छ। यस गाउँपालिकामा रहेका सहकारी संस्थाहरूको विस्तृत विवरण तालिकामा उल्लेख गरिएको छ।

**तालिका नं. ४६ :** गाउँपालिकामा रहेका सहकारी संस्थाहरू सम्बन्धी विवरण

| क्र.सं. | सेवा/व्यवसायको नाम   | ठेगाना               | कारोबारको किसिम                 |
|---------|--|----------------------|---------------------------------|
| १       | जन्म भूमि बचत तथा ऋण सहकारी संस्था लिमिटेड                 | लिखु पिके-२, यर्माखु | बचत तथा ऋण सहकारी संस्था        |
| २       | सगरमाथा अर्गानिक चिया सहकारी प्रशोधन सहकारी संस्था लिमिटेड | लिखु पिके-५          | चिया सहकारी संस्था              |
| ३       | लामजुरा गरिबी निवारण कृषि सहकारी                           | लिखु पिके-५          | कृषि सहकारी संस्था              |
| ४       | लिखु खोला साना किसान कृषि सहकारी संस्था                    | लिखु पिके-४          | कृषि सहकारी संस्था              |
| ५       | मङ्गलदिप महिला बचत तथा सहकारी ऋण सहकारी संस्था             | लिखु पिके-३          | बचत तथा सहकारी ऋण सहकारी संस्था |
| ६       | नव महिला बचत तथा ऋण सहकारी संस्था लिमिटेड                  | लिखु पिके-५          | बचत तथा सहकारी ऋण सहकारी संस्था |
| ७       | लिखु खोला साना किसान कृषि सहकारी संस्था                    | लिखु पिके : ४        | कृषि सहकारी संस्था              |

स्रोत: गाउँ कार्यपालिकाको कार्यालय २०८१

## ४.५.५ स्रोत नक्शा

## परिच्छेद - ५: सामाजिक अवस्था

### ५.१ शैक्षिक तथा मानव संसाधन विकास

कुनै पनि देशको सामाजिक तथा आर्थिक विकासमा शिक्षाले ठूलो भूमिका खेलेको हुन्छ। यसलाई मानव विकासको सूचकको रूपमा लिइन्छ। यसै सिलसिलामा यहाँ लिखु पिके गाउँपालिकाको शैक्षिक स्थिति देखाउन खोजिएको छ। विकासको प्रमुख आधारशिला शिक्षा नै हो, शिक्षाको माध्यमबाट व्यक्तिमा अन्तर्निहित प्रतिभाहरूको विकास हुन गई समग्र समाज र राष्ट्रमा नै सकारात्मक परिवर्तन ल्याउन सकिन्छ, भन्ने सर्वमान्य सिद्धान्त रहि आएको छ। सचेत, अनुशासित तथा उत्पादनशील जनशक्ति निर्माण गर्नका लागि शिक्षा क्षेत्रको नै सर्वोपरि भूमिका अनिवार्य रहन्छ। योजना निर्माणमा गरिबी निवारण तथा चौतर्फी विकासका लागि शिक्षा क्षेत्रलाई मानव संसाधन विकासको एक शसक्त माध्यमको रूपमा नीतिगत रूपमा अबलम्बन गरिएको छ। राज्यको निति समेत शिक्षालाई विकासको प्रमुख पूर्वाधारको रूपमा विकसित, सर्वसुलभ र प्रभावकारी बनाउँदै लैजाने रहेको छ।

**नेपालको संविधान २०७२ को भाग ३, धारा ३१** शिक्षा सम्बन्धि मौलिक हकमा देहाय बमोजिमको व्यवस्था गरिएको छ :

१. प्रत्येक नागरिकलाई आधारभूत शिक्षामा पहुँचको हक हुनेछ।
२. प्रत्येक नागरिकलाई राज्यबाट आधारभूत तहसम्मको शिक्षा अनिवार्य र निःशुल्क तथा माध्यमिक तहसम्मको शिक्षा निःशुल्क पाउने हक हुनेछ।
३. अपांगता भएका र आर्थिक रूपले विपन्न नागरिकलाई कानून बमोजिम निःशुल्क उच्च शिक्षा पाउनेहक हुनेछ।
४. दृष्टिविहीन नागरिकलाई ब्रेललिपि तथा बहिरा र स्वर वा बोलाइ सम्बन्धी अपांगता भएका नागरिकलाई सांकेतिक भाषाको माध्यमबाट कानून बमोजिम निःशुल्क शिक्षा पाउने हक हुनेछ।
५. नेपालमा बसोबास गर्ने प्रत्येक नेपाली समुदायलाई कानून बमोजिम आफ्नो मातृभाषामा शिक्षा पाउने र त्यसका लागि विद्यालय तथा शैक्षिक संस्था खोल्ने र सञ्चालन गर्ने हक हुनेछ।

संविधान तथा योजनाको ठूला ठूला बहस भएता पनि विश्व सामु तुलनात्मक अध्ययन गर्दा हाम्रो शिक्षा क्षेत्रमा उल्लेखनीय विकास भने भएको देखिँदैन। शिक्षाले ज्ञान र सिपको प्रयोगात्मक परिवर्तन ल्याउने, पिछडिएको, विपन्न र अभावग्रस्त वर्गको पक्षपोषण गर्ने, अवोध बालबालिका एवं आवाज विहिनका पक्षमा रही देशलाई समृद्ध बनाउने परिकल्पनालाई साकार पार्नुपर्दछ। देशका लागि आवश्यक नेतृत्वदायी क्षमताको विकास, अथकरूपमा सिक्ने र सिकाउने प्रवृत्ति, सामाजिक र मानवीय मूल्यमान्यता र आत्मविश्वास जस्ता आधारभूत समग्र पक्षको विकास गर्न सघाउनु नै गुणस्तरीय शिक्षाको विशेषता हो। यस्तो शिक्षामा विश्लेषणात्मक र मौलिक सोचको पर्याप्तता हुनुपर्छ। निर्दिष्ट सिकाइमात्र स्तरीयता होइन। आज व्यावहारिक परिवर्तन, श्रमसँगको आस्था, जीवनोपयोगी खोज अनुसन्धान, सान्दर्भिकता देश र संस्कृतिप्रति प्रेम, नैतिक जिम्मेवारी, मौलिकरूपमा विज्ञानको उपयोग गर्न स्तरीय शिक्षाको आवश्यकता छ। शिक्षाको स्तरीय विकासले रोजगारीको अवसर, कलकारखानाको विकास, सुविधाको पहुँच, प्रविधिको विस्तार, उत्पादनमुखी कृषि, आयमुखी व्यवसाय, स्थानीय साधनश्रोतको प्रचुर सदुपयोगले जनताको जीवनस्तर उकास्न सकिन्छ, जसले गाउँपालिकाको अर्थतन्त्र बलियो हुनुको साथै सामाजिक विकासमा महत्वपूर्ण टेवा पुऱ्याउँछ।

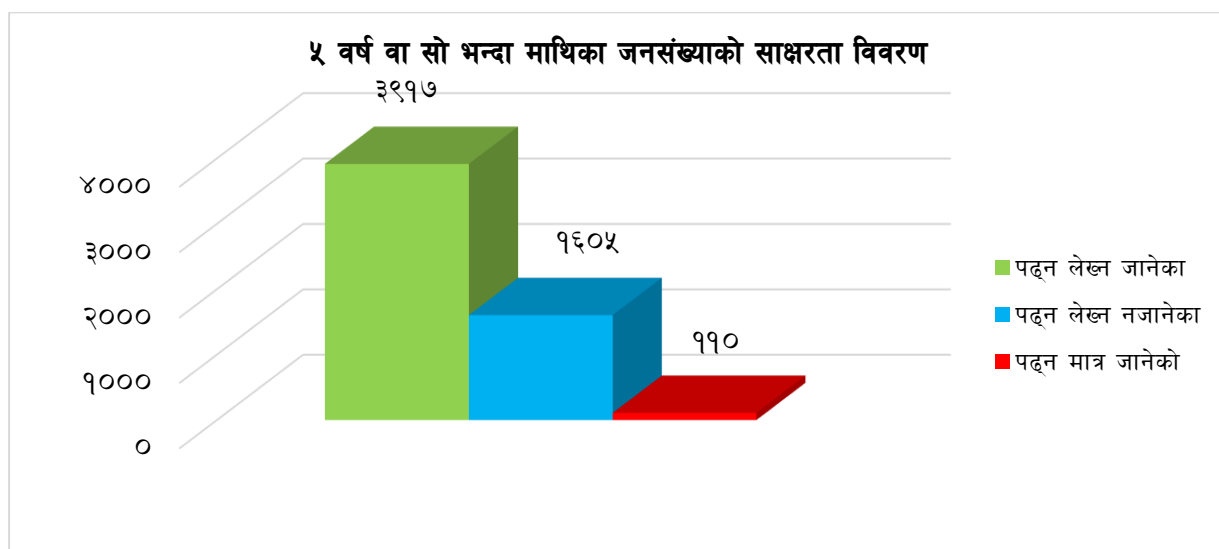
## ५.१.१ पाँच वर्ष माथिको जनसंख्याको साक्षरता विवरण

तालिका नं. ४७ : ५ वर्ष वा सो भन्दा माथिका जनसंख्याको साक्षरता विवरण

| वडा     | पढ्न लेख्न जानेका | पढ्न लेख्न नजानेका | पढ्न मात्र जानेका | ५ वर्ष वा सो भन्दा बढीको जम्मा जनसंख्या |
|---------|-------------------|--------------------|-------------------|---|
| १       | २५७               | २२६                | ६८                | ५५१                                     |
| २       | १२२५              | ३२७                | २०                | १५७२                                    |
| ३       | ८४४               | २८१                | ४                 | ११२९                                    |
| ४       | ८०८               | ४८०                | १                 | १२८९                                    |
| ५       | ७८३               | २९१                | १७                | १०९१                                    |
| जम्मा   | ३९१७              | १६०५               | ११०               | ५६३२                                    |
| प्रतिशत | ६९.५५             | २८.५               | १.९५              | १००                                     |

स्रोत: घरघुरी तथ्याङ्क संकलन, २०८१

साक्षरताले पढ्न र लेख्न सक्ने सीपभन्दा माथि समग्र मानव विकास सूचकलाई समेत इंगित गर्दछ । गाउँपालिकामा ५ वर्ष वा सो भन्दा माथिको उमेर समूहका कुल ५,६३२ जनसंख्या मध्ये ३,९१७ अर्थात् ६९.५५ प्रतिशत पढ्न र लेख्न जान्ने (दुवै सिप भएका) अर्थात् साक्षर रहेका छन् । गाउँपालिकामा पढ्न मात्र सक्ने साक्षर जनसंख्या ११० जना अर्थात् १.९५ प्रतिशत छन् भने पढ्न र लेख्न नजान्ने (दुवै सिप नभएका अर्थात् निरक्षर) जनसंख्या १,६०५ अर्थात् २८.५ प्रतिशत रहेको छ । वडागत विस्तृत विवरण तालिकामा उल्लेख गरिएको छ ।



## ५.१.२ तहगत रूपमा शैक्षिक संस्था/विद्यालय र विद्यार्थी विवरण

### (क) गाउँपालिकामा रहेका शैक्षिक संस्थाहरू

यस गाउँपालिकाको शैक्षिक अवस्थालाई हेर्दा यहाँ २२ वटा सामुदायिक विद्यालयहरू सञ्चालनमा रहेका छन् । यस बाहेक यहाँ कुनैपनि किसिमका निजी विद्यालय, धार्मिक विद्यालय, प्राविधिक विद्यालय, सामुदायिक सिकाई केन्द्रहरू सञ्चालनमा रहेका छैनन् । उच्च शिक्षा प्राप्तिका लागि यहाँबाट अन्य स्थानहरूमा जानुपर्ने बाध्यता रहेको छ ।

ख) सामुदायिक विद्यालय र विद्यार्थी विवरण

तालिका नं. ४८ : शैक्षिक सत्र २०८० अनुसार विद्यार्थी विवरण

| क्र.सं. | विद्यालयको नाम                  | बाल विकास केन्द्र |       |       | कक्षा १-५ |       |       | कक्षा ६-८ |       |       | कक्षा ९-१० |       |       | कक्षा ११-१२ |       |       | जम्मा  |       |       |
|---------|---------------------------------|-------------------|-------|-------|-----------|-------|-------|-----------|-------|-------|------------|-------|-------|-------------|-------|-------|--------|-------|-------|
|         |                                 | छात्रा            | छात्र | जम्मा | छात्रा    | छात्र | जम्मा | छात्रा    | छात्र | जम्मा | छात्रा     | छात्र | जम्मा | छात्रा      | छात्र | जम्मा | छात्रा | छात्र | जम्मा |
| १       | सगरमाथा आधारभूत विद्यालय        | ७                 | ५     | १२    | १६        | १३    | २९    | ०         | ०     | ०     | ०          | ०     | ०     | ०           | ०     | ०     | २३     | १८    | ४१    |
| २       | छिम्बु आधारभूत विद्यालय         | ७                 | १     | ८     | ८         | ११    | १९    | ०         | ०     | ०     | ०          | ०     | ०     | ०           | ०     | ०     | १५     | १२    | २७    |
| ३       | महादेव आधारभूत विद्यालय         | २                 | २     | ४     | १२        | १४    | २६    | ०         | ०     | ०     | ०          | ०     | ०     | ०           | ०     | ०     | १४     | १६    | ३०    |
| ४       | बुडाकिञ्जा आधारभूत विद्यालय     | १०                | ८     | १८    | २१        | २१    | ४२    | २१        | १६    | ३७    | ०          | ०     | ०     | ०           | ०     | ०     | ५२     | ४५    | ९७    |
| ५       | चन्द्रज्योती मा.वि.             | ५                 | ९     | १४    | १५        | १२    | २७    | ४२        | ३३    | ७५    | ३५         | ३८    | ७३    | ०           | ०     | ०     | ९७     | ९२    | १८९   |
| ६       | गौरी शंकर आधारभूत विद्यालय      | २                 | १     | ३     | ३         | १     | ४     | ०         | ०     | ०     | ०          | ०     | ०     | ०           | ०     | ०     | ५      | २     | ७     |
| ७       | जनसेवा आधारभूत विद्यालय         | ८                 | २     | १०    | २५        | ३१    | ५६    | १९        | १६    | ३५    | ०          | ०     | ०     | ०           | ०     | ०     | ५२     | ४९    | १०१   |
| ८       | हिमगंगा सेकेण्डरी स्कूल         | ८                 | १५    | २३    | १८        | २५    | ४३    | २२        | १८    | ४०    | ३०         | ३३    | ६३    | ५६          | ४३    | ९९    | १३४    | १३४   | २६८   |
| ९       | विद्याधर्ती प्राथमिक विद्यालय   | २                 | ३     | ५     | १०        | ४     | १४    | ०         | ०     | ०     | ०          | ०     | ०     | ०           | ०     | ०     | १२     | ७     | १९    |
| १०      | सरस्वती आधारभूत विद्यालय        | ६                 | २     | ८     | ९         | ५     | १४    | ०         | ०     | ०     | ०          | ०     | ०     | ०           | ०     | ०     | १५     | ७     | २२    |
| ११      | सिरुआ आधारभूत विद्यालय          | ७                 | ६     | १३    | ५         | ९     | १४    | ०         | ०     | ०     | ०          | ०     | ०     | ०           | ०     | ०     | १२     | १५    | २७    |
| १२      | मञ्जुश्री आधारभूत विद्यालय      | ९                 | ३     | १२    | ५         | ९     | १४    | ०         | ०     | ०     | ०          | ०     | ०     | ०           | ०     | ०     | १४     | १२    | २६    |
| १३      | सिंह सेती देवी आधारभूत विद्यालय | २                 | ०     | २     | १२        | ८     | २०    | ०         | ०     | ०     | ०          | ०     | ०     | ०           | ०     | ०     | १४     | ८     | २२    |
| १४      | चण्डेश्वरी प्रथमिक              | ९                 | ४     | १३    | १४        | ८     | २२    | ०         | ०     | ०     | ०          | ०     | ०     | ०           | ०     | ०     | २३     | १२    | ३५    |
| १५      | नमूना आधारभूत विद्यालय          | ४                 | २     | ६     | १२        | १०    | २२    | ०         | ०     | ०     | ०          | ०     | ०     | ०           | ०     | ०     | १६     | १२    | २८    |
| १६      | कमलामाई आधारभूत विद्यालय        | ११                | ९     | २०    | २९        | ३७    | ६६    | १८        | १८    | ३६    | ०          | ०     | ०     | ०           | ०     | ०     | ५८     | ६४    | १२२   |
| १७      | श्री बुद्ध सेकेण्डरी स्कूल      | ६                 | ५     | ११    | ३२        | २५    | ५७    | ५१        | ३१    | ८२    | ४७         | ३३    | ८०    | ०           | ०     | ०     | १३६    | ९४    | २३०   |

| क्र.सं. | विद्यालयको नाम             | बाल विकास केन्द्र |       |       | कक्षा १-५ |       |       | कक्षा ६-८ |       |       | कक्षा ९-१० |       |       | कक्षा ११-१२ |       |       | जम्मा  |       |       |
|---------|----------------------------|-------------------|-------|-------|-----------|-------|-------|-----------|-------|-------|------------|-------|-------|-------------|-------|-------|--------|-------|-------|
|         |                            | छात्रा            | छात्र | जम्मा | छात्रा    | छात्र | जम्मा | छात्रा    | छात्र | जम्मा | छात्रा     | छात्र | जम्मा | छात्रा      | छात्र | जम्मा | छात्रा | छात्र | जम्मा |
| १८      | गोली आधारभूत विद्यालय      | ३                 | ३     | ६     | ७         | ११    | १८    | ७         | ६     | १३    | ०          | ०     | ०     | ०           | ०     | ०     | १७     | २०    | ३७    |
| १९      | सेती भूते आधारभूत विद्यालय | ४                 | १     | ५     | ६         | ५     | ११    | ०         | ०     | ०     | ०          | ०     | ०     | ०           | ०     | ०     | १०     | ६     | १६    |
| २०      | जनचेतना आधारभूत विद्यालय   | ०                 | ५     | ५     | ४         | १२    | १६    | ०         | ०     | ०     | ०          | ०     | ०     | ०           | ०     | ०     | ४      | १७    | २१    |
| २१      | रिगोल्मु आधारभूत विद्यालय  | ०                 | २     | २     | २         | ४     | ६     | ०         | ०     | ०     | ०          | ०     | ०     | ०           | ०     | ०     | २      | ६     | ८     |
| २२      | लुमुकर्मा आधारभूत विद्यालय | १                 | ५     | ६     | ९         | ११    | २०    | ०         | ०     | ०     | ०          | ०     | ०     | ०           | ०     | ०     | १०     | १६    | २६    |
|         | जम्मा                      | ११३               | ९३    | २०६   | २७४       | २८६   | ५६०   | १८०       | १३८   | ३१८   | ११२        | १०४   | २१६   | ५६          | ४३    | ९९    | ७३५    | ६६४   | १३९९  |

### ५.१.३ विद्यालयमा अध्ययन गरिरहेका तहगत छात्रछात्राको विवरण

तालिका नं. ४९ : ५ वा सो भन्दा माथिका साक्षर जनसंख्याले उत्तीर्ण गरेको तह अनुसार विवरण

| वडा नं  | बालविकास केन्द्र/मण्टेश्वरी | नर्सरी/के.जी. | कक्षा १ | कक्षा २ | कक्षा ३ | कक्षा ४ | कक्षा ५ | कक्षा ६ | कक्षा ७ | कक्षा ८ | कक्षा ९ | कक्षा १० | एसईई/एसएलसी/सो सरह | कक्षा १२ वा PCL वा सो सरह | स्नातक वा सो सरह | स्नातकोत्तर वा सो सरह | साक्षर | थाहा नभएको | अनौपचारिक शिक्षा | पीएचडी वा सो सरह | अन्य | जम्मा |
|---------|-----------------------------|---------------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|----------|--------------------|---------------------------|------------------|-----------------------|--------|------------|------------------|------------------|------|-------|
| १       | २                           | १             | ११      | १४      | १३      | २०      | १९      | १४      | १९      | ३४      | ११      | ३९       | ३८                 | १०                        | ८                |                       |        | २          |                  |                  | २    | २५७   |
| २       | १६                          | १७            | ३१      | ४३      | ६०      | ६४      | ८०      | ५२      | ४५      | ८०      | ४३      | ६८       | १७८                | २४८                       | ६५               | १८                    | १००    | २          | २                | १०               | ३    | १२२५  |
| ३       |                             | ४६            | ३४      | ३८      | ३९      | ३७      | ५४      | ४३      | ४१      | ७०      | ३५      | १४५      | १०९                | १०७                       | ९                | ९                     | ५      |            | ८                | १४               | १    | ८४४   |
| ४       |                             | २९            | ५०      | २७      | ५८      | ४२      | ५४      | ३३      | ३३      | ५५      | ३६      | १०७      | १२                 | २०३                       | ३१               | १८                    | ८      | २          | २                | ७                |      | ८०७   |
| ५       |                             | ३०            | १९      | २३      | ४३      | ४५      | ३८      | ५६      | ३९      | ५०      | ४०      | ९६       | १०८                | १०३                       | २७               | १                     | ४७     | ९          |                  | १०               |      | ७८४   |
| जम्मा   | १८                          | १२३           | १४५     | १४५     | २१३     | २०८     | २४५     | १९८     | १७७     | २८९     | १६५     | ४५५      | ४४५                | ६७१                       | १४०              | ४६                    | १६०    | १५         | १२               | ४१               | ६    | ३९१७  |
| प्रतिशत | ०.४६                        | ३.१४          | ३.७     | ३.७     | ५.४४    | ५.३१    | ६.२५    | ५.०५    | ४.५२    | ७.३८    | ४.२१    | ११.६२    | ११.३६              | १७.१३                     | ३.५७             | १.१७                  | ४.०८   | ०.३८       | ०.३१             | १.०५             | ०.१५ | १००   |

स्रोत : घरघुरी तथ्याङ्क संकलन, २०८१

## ५.१.४ हाल विद्यालय गइरहेका र विद्यालय बाहिर रहेका तथा विद्यालय छाडेका बालबालिकाको विवरण

तालिका नं. ५० : विद्यालय तथा कलेज गइरहेका विद्यार्थीहरूको विवरण

| वडा     | विद्यालय तथा कलेज गइरहेका विद्यार्थीहरूको संख्या | विद्यालय तथा कलेज नगइरहेका विद्यार्थीहरूको संख्या | ५ देखि २५ वर्षसम्मको जम्मा जनसंख्या |
|---------|--|---|-------------------------------------|
| १       | १०८  | १००   | २०८                                 |
| २       | ४६४  | १७४   | ६३८                                 |
| ३       | २९३  | १७८   | ४७१                                 |
| ४       | ३८६  | १४६   | ५३२                                 |
| ५       | २९८  | १३२   | ४३०                                 |
| जम्मा   | १५४९   | ७३०   | २२७९                                |
| प्रतिशत | ६७.९७  | ३२.०३   | १००                                 |

स्रोत : घरधुरी तथ्याङ्क संकलन, २०८१

गाउँपालिकामा भएका जम्मा २,२७९ विद्यार्थीहरूमध्ये १,५४९ अर्थात् ६७.९७ प्रतिशत विद्यार्थी हाल विद्यालय तथा कलेज गइरहेका छन् भने ७३० अर्थात् ३२.०३ प्रतिशत विद्यार्थी विद्यालय तथा कलेज बाहिर रहेको पाइन्छ। जसको विस्तृत विवरण तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ।

तालिका नं. ५१ : विद्यालय तथा कलेज नजानुको कारणका आधारमा बालबालिकाहरूको विवरण

| वडा     | चाहेजति पढि सकेकोले | विवाह भएकोले | अन्य  | घरमा काम सघाउनु परेकोले | काम शुरु गरेको/जागिर पाएर | धेरै टाढा भएकोले | धेरै महँगो भएकोले | अरु पढ्ने ठाउँ नभएकोले | बाबु/आमाले नचाहेकोले | ५ देखि २५ वर्षका विद्यालय नगइरहेकाको जम्मा संख्या |
|---------|---------------------|--------------|-------|-------------------------|---------------------------|------------------|-------------------|------------------------|----------------------|---|
| १       | १                   | ११           | ५४    | २                       | ५                         | १८               | ९                 |                        |                      | १००   |
| २       | ४                   | ३७           | ३८    | ५२                      | २८                        | ४                | ८                 |                        | ४                    | १७५   |
| ३       | ४८                  | ६४           | ३     | २०                      | १८                        |                  |                   | २५                     |                      | १७८   |
| ४       | ५८                  | २५           | २६    | ७                       | ९                         | ८                | १०                |                        | ३                    | १४६   |
| ५       | ७५                  | ३२           | ३     | १६                      | १                         | १                |                   |                        | ४                    | १३२   |
| जम्मा   | १८६                 | १६९          | १२४   | ९७                      | ६१                        | ३१               | २७                | २५                     | ११                   | ७३१   |
| प्रतिशत | २५.४४               | २३.१२        | १६.९६ | १३.२७                   | ८.३४                      | ४.२४             | ३.६९              | ३.४२                   | १.५                  | १००   |

स्रोत : घरधुरी तथ्याङ्क संकलन, २०८१

घरधुरी तथ्याङ्क संकलन २०८१ को तथ्याङ्कको आधारमा यस गाउँपालिकामा रहेका जम्मा विद्यार्थीमध्ये विद्यालय बाहिर रहेका ७३१ विद्यार्थीहरूमध्ये १८६ अर्थात् २५.६६ प्रतिशतले चाहेजति पढि सकेकोले, १६९ अर्थात् २३.१२ प्रतिशतले विवाह गरेकाले विद्यालय छाडेका छन्। यसैगरी १२४ अर्थात् १६.९६ प्रतिशतले अन्य कारणले, ९७ अर्थात् १३.२७ प्रतिशतले घरमा काम सघाउनु परेकाले विद्यालय तथा कलेज जाने गरेका छैनन्, ६१ अर्थात् ८.३४ प्रतिशतले काम शुरु गरेकोले, ३१ अर्थात् ४.२४ प्रतिशतले विद्यालय तथा कलेज धेरै टाढा भएकाले, २७ अर्थात् ३.६९ प्रतिशतले धेरै महँगो भएकाले, २५ अर्थात् ३.४२ प्रतिशतले अरु पढ्ने ठाउँ नभएकाले र ११ अर्थात् १.५ प्रतिशतले बाबु आमाले नचाहेकोले विद्यालय तथा कलेज गएका छैनन्। जसको विस्तृत विवरण माथिको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ।

## ५.१.५ शिक्षक तथा शैक्षिक जनशक्ति सम्बन्धी विवरण

तालिका नं. ५२ : शिक्षक तथा शैक्षिक जनशक्ति सम्बन्धी विवरण

| विद्यालयको नाम                  | शिक्षक दरबन्दी संख्या |           |        |          |             |           |        | संघीय अनुदान | प्राविधिक धार | बाल विकास | कर्मचारी | नगर अनुदान |        | जम्मा शि.सं |
|---------------------------------|-----------------------|-----------|--------|----------|-------------|-----------|--------|--------------|---------------|-----------|----------|------------|--------|-------------|
|                                 | दरबन्दी               |           |        |          | राहत अनुदान |           |        |              |               |           |          | प्रा.वि.   | मा.वि. |             |
|                                 | प्रा.वि.              | नि.मा.वि. | मा.वि. | उ.मा.वि. | प्रा.वि.    | नि.मा.वि. | मा.वि. |              |               |           |          |            |        |             |
| सगरमाथा आधारभूत विद्यालय        | २                     |           |        |          | १           |           |        |              |               | १         |          | १          |        | ५           |
| छिम्बु आधारभूत विद्यालय         | १                     |           |        |          | १           |           |        |              |               | १         |          |            |        | ३           |
| महादेव आधारभूत विद्यालय         | २                     |           |        |          |             |           |        |              |               | १         |          |            |        | ३           |
| बुडाकिञ्जा आधारभूत विद्यालय     | ४                     |           |        |          | १           |           |        | १            |               | १         |          | २          |        | ९           |
| चन्द्रज्योती मा.वि.             | ६                     | ३         |        |          |             |           | १      | २            |               | १         | १        | १          |        | १५          |
| गौरी शंकर आधारभूत विद्यालय      |                       |           |        |          |             |           |        |              |               | १         |          |            |        | १           |
| जनसेवा आधारभूत विद्यालय         | ५                     |           |        |          |             | १         |        | १            |               | १         |          | २          |        | १०          |
| हिमगंगा सेण्डरी स्कूल           | ६                     | ३         | ५      | २        |             |           |        |              | ४             | २         | १        |            | १      | २४          |
| विद्यादात्री प्रथमिक विद्यालय   | २                     |           |        |          |             |           |        |              |               | १         |          |            |        | ३           |
| सरस्वती आधारभूत विद्यालय        |                       |           |        |          |             |           |        |              |               | १         |          | १          |        | २           |
| सिरुवा आधारभूत विद्यालय         |                       |           |        |          |             |           |        |              |               | १         |          | १          |        | २           |
| मञ्जुश्री आधारभूत विद्यालय      | १                     |           |        |          | १           |           |        |              |               | १         |          |            |        | ३           |
| सिंह सेती देवी आधारभूत विद्यालय | १                     |           |        |          |             |           |        |              |               | १         |          | १          |        | ३           |
| चण्डेश्वरी प्रथमिक विद्यालय     | २                     |           |        |          |             |           |        |              |               | १         |          | १          |        | ४           |
| नमुना आधारभूत विद्यालय          | २                     |           |        |          | १           |           |        |              |               | १         |          | १          |        | ५           |
| कमलामाई आधारभूत विद्यालय        | ५                     |           |        |          |             |           |        | १            |               | १         |          | १          |        | ८           |



| विद्यालयको नाम             | शिक्षक दरबन्दी संख्या |           |        |          |             |           |        | संघीय अनुदान | प्राविधिक धार | बाल विकास | कर्मचारी | नगर अनुदान |        | जम्मा शि.सं |
|----------------------------|-----------------------|-----------|--------|----------|-------------|-----------|--------|--------------|---------------|-----------|----------|------------|--------|-------------|
|                            | दरबन्दी               |           |        |          | राहत अनुदान |           |        |              |               |           |          | प्रा.वि.   | मा.वि. |             |
|                            | प्रा.वि.              | नि.मा.वि. | मा.वि. | उ.मा.वि. | प्रा.वि.    | नि.मा.वि. | मा.वि. |              |               |           |          |            |        |             |
| श्री बुद्ध सेकेण्डरी स्कुल | ६                     | २         |        |          |             | २         | ५      |              |               | २         | १        |            |        | १८          |
| गोली आधारभूत विद्यालय      | ३                     |           |        |          | १           |           |        |              |               | १         |          | १          |        | ६           |
| सेतीभूमे आधारभूत विद्यालय  |                       |           |        |          | १           |           |        |              |               | १         |          | १          |        | ३           |
| जनचेतना आधारभूत विद्यालय   | १                     |           |        |          |             |           |        |              |               | १         |          |            |        | २           |
| रिगेल्मु आधारभूत विद्यालय  | १                     |           |        |          |             |           |        |              |               | १         |          |            |        | २           |
| लुमुकर्मा आधारभूत विद्यालय | २                     |           |        |          |             |           |        |              |               | १         |          |            |        | ३           |
| जम्मा                      | ५२                    | ८         | ५      | २        | ७           | ३         | ६      | ५            | ४             | २४        | ३        | १४         | १      | १३४         |

स्रोत: गाउँपालिकाको कार्यालय, २०८१

आर्थिक वर्ष २०८०/०८१ को अन्त्य सम्ममा गाउँपालिकामा रहेका शिक्षक तथा शैक्षिक जनशक्तिको अध्ययन गर्दा पूर्व प्राथमिक तहमा पठनपाठन गराउने २४ जना, प्राथमिक तहमा पठनपाठन गराउने ७३ जना रहेका छन्। यसैगरी नि.मा.वि. तहमा पठनपाठन गराउने शिक्षक/शिक्षिका ११ जना रहेका छन् भने मा. वि. तहमा १२ जना रहेका छन् भने उ.मा.वि.मा पठनपाठन गराउने २ जना रहेका छन्। जसको विस्तृत विवरण माथिको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ।

## ५.१.६ शैक्षिक संस्थामा उपलब्ध भौतिक पूर्वाधार तथा सुविधा

तालिका नं. ५३ : शैक्षिक संस्थामा उपलब्ध भौतिक पूर्वाधार तथा सुविधा सम्बन्धी विवरण

| विद्यालयको नाम                  | कम्पाउण्ड |       |               | विद्युत |   | कम्प्युटर |   |               |   |             |   | पुस्तकालय |     |
|---------------------------------|-----------|-------|---------------|---------|---|-----------|---|---------------|---|-------------|---|-----------|-----|
|                                 | छैन       | कच्ची | पक्की तारेबार | छैन     | छ | कम्प्युटर |   | शिक्षकको लागि |   | पढ्नको लागि |   | छ         | छैन |
|                                 |           |       |               |         |   | छैन       | छ | छैन           | छ | छैन         | छ |           |     |
| सगरमाथा आधारभूत विद्यालय        | छैन       |       |               |         | छ |           | छ | छैन           |   | छैन         |   |           | छैन |
| छिम्बु आधारभूत विद्यालय         |           | कच्ची |               |         | छ |           | छ | छैन           |   | छैन         |   |           | छैन |
| महादेव आधारभूत विद्यालय         | छैन       |       |               |         | छ |           | छ | छैन           |   | छैन         |   |           | छैन |
| बुडाकिञ्जा आधारभूत विद्यालय     |           | कच्ची |               |         | छ |           | छ | छैन           |   | छैन         |   | छ         |     |
| चन्द्रज्योती मा.वि.             |           | कच्ची |               |         | छ |           | छ | छ             |   | छ           |   | छ         |     |
| गौरी शंकर आधारभूत विद्यालय      | छैन       |       |               |         | छ | छैन       |   | छैन           |   | छैन         |   |           | छैन |
| जनसेवा आधारभूत विद्यालय         |           | कच्ची |               |         | छ |           | छ | छैन           |   | छैन         |   | छ         |     |
| हिमगंगा सेकेण्डरी स्कूल         |           | कच्ची |               |         | छ |           | छ | छ             |   | छ           |   | छ         |     |
| विद्यादात्री प्रथमिक विद्यालय   | छैन       |       |               |         | छ | छैन       |   | छैन           |   | छैन         |   |           | छैन |
| सरस्वती आधारभूत विद्यालय        | छैन       |       |               |         | छ | छैन       |   | छैन           |   | छैन         |   |           | छैन |
| सिरुवा आधारभूत विद्यालय         | छैन       |       |               |         | छ | छैन       |   | छैन           |   | छैन         |   |           | छैन |
| मञ्जुश्री आधारभूत विद्यालय      |           | कच्ची |               |         | छ |           | छ | छैन           |   | छैन         |   |           | छैन |
| सिंह सेती देवी आधारभूत विद्यालय | छैन       |       |               |         | छ | छैन       |   | छैन           |   | छैन         |   |           | छैन |
| चण्डेश्वरी प्रार्थमिक विद्यालय  |           | कच्ची |               |         | छ |           | छ | छैन           |   | छैन         |   |           | छैन |
| नमुना आधारभूत विद्यालय          | छैन       |       |               |         | छ |           | छ | छैन           |   | छैन         |   |           | छैन |
| कमलामाई आधारभूत विद्यालय        | छैन       |       |               |         | छ |           | छ | छैन           |   | छैन         |   | छ         |     |
| श्री बुद्ध सेकेण्डरी स्कूल      |           | कच्ची |               |         | छ |           | छ | छ             |   | छ           |   | छ         |     |
| गोली आधारभूत विद्यालय           | छैन       |       |               |         | छ |           | छ | छैन           |   | छैन         |   | छ         |     |
| सेती भूमे आधारभूत विद्यालय      | छैन       |       |               |         | छ | छैन       |   | छैन           |   | छैन         |   |           | छैन |
| जनचेतना आधारभूत विद्यालय        |           | कच्ची |               |         | छ | छैन       |   | छैन           |   | छैन         |   |           | छैन |
| रिगेल्मु आधारभूत विद्यालय       | छैन       |       |               |         | छ | छैन       |   | छैन           |   | छैन         |   |           | छैन |
| लुमुकर्मा आधारभूत विद्यालय      | छैन       |       |               |         | छ | छैन       |   | छैन           |   | छैन         |   |           | छैन |

स्रोत: गाउँपालिकाको कार्यालय, २०८१

## ५.१.७ नमूना तथा इन्टरनेट सुविधा उपलब्ध विद्यालय विवरण

| इन्टरनेट सुविधा उपलब्ध विद्यालय | इन्टरनेट सुविधा नभएका उपलब्ध विद्यालय |
|---------------------------------|---------------------------------------|
| १४                              | ८                                     |

स्रोत: गाउँपालिका शिक्षा महाशाखा २०८१

## ५.१.८ अपाङ्गता तथा विशेष सिपयुक्त मानव संसाधन

तालिका नं. ५४ : अपाङ्गता तथा विशेष सिपयुक्त मानव संसाधन सम्बन्धी विवरण

| क्र.सं. | नाम          | विद्यालयको नाम  | पद            |
|---------|--------------|-----------------|---------------|
| १.      | कल्पना दाहाल | हिमगंगा मा.वि.  | बाल शिक्षक    |
| २.      | गंगा बस्नेत  | मञ्जुश्री आ.वि. | राहत प्रा.वि. |

## ५.१.९ शैक्षिक गुणस्तर सम्बन्धी विवरण

- विद्यालय सहयोग संयन्त्र
- परीक्षा व्यवस्थापन
- शिक्षकहरुको क्षमता विकास तालिम
- नियमित रुपमा अनुगमन सुपरीवेक्षण
- ऐन नियमावली कार्यविधि निर्माण

## ५.१.१० बालमैत्री शिक्षा सम्बन्धी विवरण

हाल खजुरा गाउँपालिकाले बालमैत्री शिक्षा सम्बन्धी गरेका प्रयासहरु निम्न बमोजिम रहेका छन् ।

- बालसंरक्षण नीति
- दण्डरहित शिक्षा
- कक्षा १-३ मा कार्पेटिङको व्यवस्था
- बालविकासमा खेल सामाग्रीको व्यवस्था
- कक्षा १-३ ग्रेड शिक्षणको व्यवस्था
- क्षमता विकास तालिमको व्यवस्था
- बालमैत्री खानेपानी तथा शौचालयको व्यवस्था
- बालक्लबहरुको गठन
- बालशिक्षा सम्बन्धी कार्यक्रम सञ्चालन

## ५.१.११ स्रोत नक्सा

## ५.२ स्वास्थ्य तथा पोषण

नेपालको संविधानको धारा ३५ मा स्वास्थ्य सम्बन्धी हकलाई मौलिक हकको रूपमा स्थापित गरिएको छ । उपधारा १ मा प्रत्येक “नागरिकलाई राज्यबाट आधारभूत स्वास्थ्य सेवा निःशुल्क प्राप्त गर्ने हक हुनेछ र कसैलाई पनि आकस्मिक स्वास्थ्य सेवाबाट वञ्चित गरिने छैन भनि उल्लेख गरिएको छ । यसै हकको कार्यान्वयन गराउने दायित्व स्थानीय सरकारको भएकोले गाउँपालिकामा आधारभूत स्वास्थ्य पूर्वाधार र सेवाहरूको प्रबन्ध हुन अपरिहार्य छ ।

गाउँपालिकाबासीहरू स्वास्थ्य सम्बन्धि विशेषज्ञ सेवा लिन जिल्ला सदरमुकाम जाने गरेका छन् । यहाँ सामान्य स्वास्थ्य सुविधाको लागि स्वास्थ्य चौकीमा जाने अभ्यास रहेकोछ । यस गाउँपालिकामा जनसमुदायहरूले चेतनाको क्रमिक विकास संगै स्वास्थ्य, सरसफाइ तथा समुदायको स्वस्थकर बानी व्यवहार अवलम्बन गर्दै गैरहेको देखिन्छ । गाउँपालिकामा विभिन्न वडाहरूमा स्वास्थ्य चौकी रहेका छन् तर आवश्यक भौतिक पूर्वाधार को अभाव तथा तथा दक्ष जनशक्तीको अभावको कारण गुणस्तरीय सेवा प्रवाह हुन सकिरहेको छैन । हाल गाउँपालिकामा रहेका स्वास्थ्य संस्थाहरू लगायत स्वास्थ्य सम्बन्धी थप विवरण तलको तालिकामा समावेश गरिएको छ ।

### ५.२.१ स्वास्थ्य संस्थाको विवरण

तालिका नं. ५५ : गाउँपालिकामा रहेका स्वास्थ्य संस्थाको विवरण

| क्र.सं. | स्वास्थ्य संस्थाको नाम                | वडा नं. |
|---------|---------------------------------------|---------|
| १.      | आधारभूत स्वास्थ्य सेवा केन्द्र        | १       |
| २.      | स्वास्थ्य चौकी, गोली                  | २       |
| ३.      | सामुदायिक स्वास्थ्य इकाई, मैली        | २       |
| ४.      | चौलाखर्क स्वास्थ्य चौकी               | ३       |
| ५.      | आधारभूत स्वास्थ्य सेवा केन्द्र, डुँडा | ४       |
| ६.      | सामुदायिक स्वास्थ्य इकाई, किञ्जा      | ५       |
| ७.      | सामुदायिक स्वास्थ्य इकाई, सगरडाँडा    | ५       |
| ८.      | सामुदायिक स्वास्थ्य इकाई, छिरीङ्खर्क  | ५       |
| ९.      | स्वास्थ्य चौकी, भकाञ्जे               | ५       |

स्रोत : गाउँकार्यपालिकाको कार्यालय २०८१

### ५.२.२ स्वास्थ्य संस्थासम्म पुग्न लाग्ने समयको विवरण

तालिका नं. ५६ : नजिकको स्वास्थ्य संस्थासम्म पुग्न लाग्ने समयको आधारमा परिवारको विवरण

| वडा | १५ मिनेटभित्र पुग्न सक्ने परिवार संख्या | ३० मिनेटभित्र पुग्न सक्ने परिवार संख्या | १ घण्टाभित्र पुग्न सक्ने परिवार संख्या | १ घण्टा वा सो समयभन्दा बढी समय पुग्न लाग्ने परिवार संख्या | जम्मा परिवार संख्या |
|-----|---|---|--|---|---------------------|
| १   | १८                                      | ६०                                      | ४८                                     | २६  | १५२                 |
| २   | १२७                                     | १९५                                     | ५७                                     | ९   | ३८८                 |
| ३   | ११२                                     | ७६                                      | ३३                                     | १२  | २३३                 |

| वडा            | १५ मिनेटभित्र पुग्न सक्ने परिवार संख्या | ३० मिनेटभित्र पुग्न सक्ने परिवार संख्या | १ घण्टाभित्र पुग्न सक्ने परिवार संख्या | १ घण्टा वा सो समयभन्दा बढी समय पुग्न लाग्ने परिवार संख्या | जम्मा परिवार संख्या |
|----------------|---|---|--|---|---------------------|
| ४              | ३३                                      | ७६                                      | ५८                                     | ७९  | २४६                 |
| ५              | २३                                      | १७                                      | १५७                                    | ५२  | २४९                 |
| <b>जम्मा</b>   | <b>३१३</b>                              | <b>४२४</b>                              | <b>३५३</b>                             | <b>१७८</b>  | <b>१२६८</b>         |
| <b>प्रतिशत</b> | <b>२४.६८</b>                            | <b>३३.४४</b>                            | <b>२७.८४</b>                           | <b>१४.०४</b>  | <b>१००</b>          |

स्रोत : घरधुरी तथ्याङ्क संकलन, २०८१

गाउँपालिकामा रहेका जम्मा १,२६८ घरधुरी मध्ये ३१३ घरधुरी अर्थात २४.६८ प्रतिशत १५ मिनेट भित्रमा आफु बसोवास गर्ने स्थानबाट स्वास्थ्य संस्था पुग्ने गरेका छन् । ३० मिनेट भित्रमा स्वास्थ्य संस्था पुग्ने परिवारको संख्या ४२४ अर्थात ३३.४४ प्रतिशत रहेको छ भने १ घण्टा भित्र स्वास्थ्य संस्था पुग्ने परिवारको संख्या ३५३ अर्थात २७.८४ प्रतिशत र १ घण्टा वा सो समयभन्दा बढी समय स्वास्थ्य संस्था पुग्न लाग्ने परिवारको संख्या १७८ अर्थात १४.०४ रहेको छ । जसको वडागत विस्तृत विवरण माथिको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ ।

### ५.२.३ उपलब्ध स्वास्थ्य सेवा तथा सुविधाहरू

#### क) स्वास्थ्य बीमा गर्ने घरपरिवारको विवरण

| वडा            | स्वास्थ्य बीमा गर्ने घरपरिवारको संख्या | स्वास्थ्य बीमा नगर्ने घरपरिवारको संख्या | जम्मा घरपरिवार संख्या |
|----------------|--|---|-----------------------|
| १              | ६                                      | १४६                                     | १५२                   |
| २              | १४                                     | ३७४                                     | ३८८                   |
| ३              | २१                                     | २१२                                     | २३३                   |
| ४              | ९                                      | २३७                                     | २४६                   |
| ५              | २७                                     | २२२                                     | २४९                   |
| <b>जम्मा</b>   | <b>७७</b>                              | <b>११९१</b>                             | <b>१२६८</b>           |
| <b>प्रतिशत</b> | <b>६.०७</b>                            | <b>९३.९३</b>                            | <b>१००</b>            |

स्रोत : घरधुरी तथ्याङ्क संकलन, २०८१

गाउँपालिकामा स्वास्थ्य बीमा गर्ने परिवार संख्या भन्दा नगर्ने घरपरिवारको संख्या अत्यन्त धेरै रहेको छ । यहाँका ७७ परिवार अर्थात ६.०७ प्रतिशतले स्वास्थ्य बीमा गरेका छन् भने बाँकी ११९१ अर्थात ९३.९३ प्रतिशत परिवारले स्वास्थ्य बीमा नगरेको अवस्था छ । वडागत हिसाबमा गाउँपालिकाको वडा नं. ५ मा सबैभन्दा धेरै २७ जनाले स्वास्थ्य बीमा गरेका छन् भने सबैभन्दा कम वडा नं. १ मा ६ जनाले स्वास्थ्य बीमा गरेका छन् । वडागत रूपमा विस्तृत विवरण माथिको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ ।

### ५.२.४ खोप सेवा तथा सुरक्षित मातृत्व सम्बन्धी विवरण

#### क) खोपको विवरण

बालबालिका भविष्यका निर्माता हुन् । यसको लागि यिनीहरू स्वस्थ र निरोगी हुनु आवश्यक छ । बाल्य अवस्थामा उनीहरूलाई बी.सी.जी. एक पटक, डी.पी.टी. तीन पटक, दादुरा एक पटक, पोलियो र भिटामिन

तोकिएको मात्रामा दिनै पर्दछ । बालबालिकाहरूको लागि पाँच वटै खोपहरू नियमित र पुरा मात्रामा दिनु पर्दछ । नेपाल सरकारले राष्ट्रिय खोप कार्यक्रमलाई उच्च प्राथमिकतामा राखेको छ । खोप कार्यक्रम कम खर्चिलो तथा मितव्ययी रूपमा गरिने स्वास्थ्य क्षेत्रको एउटा प्रभावकारी प्रयत्न हो । खोप कार्यक्रमले उल्लेख्य रूपमा बालमृत्युदर घटाउन र विभिन्न रोगलाई रोकथाम गर्न सहयोग पुऱ्याइएको छ । जसले गर्दा दिगो विकास लक्ष्यको बालमृत्युदर घटाउने लक्ष्य (एस.डी.जी. -३.२) प्राप्त गर्न सहयोग पुगेको थियो । गाउँपालिकाको पछिल्लो १ आर्थिक वर्षको खोप सम्बन्धी विवरण तलको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ ।

**तालिका नं. ५७ : खोप सम्बन्धी विवरण**

| क्र.सं. | सुचकहरू   | साउन २०८० देखि असार २०८१ |
|---------|---|--------------------------|
| १       | % of children under one year immunized with DPT-HepB-Hib1                   | ७४.२३                    |
| २       | % of children under one year immunized with OPV 1                           | ८६.६                     |
| ३       | % of children under one year immunized with PCV 1                           | ७२.१६                    |
| ४       | % of under 1 year children immunized with Rota vaccine 1                    | ७१.१३                    |
| ५       | % of children under one year immunized with DPT-HepB-Hib3                   | ७३.२                     |
| ६       | % of children under one year immunized with OPV 3                           | ७३.२                     |
| ७       | % of 1 year children immunized with rota 2                                  | ६८.०४                    |
| ८       | % of planned immunization sessions conducted                                | १००                      |
| ९       | % of planned immunization clinics conducted                                 | १००                      |
| १०      | % of hygiene promotion session among conducted routine immunization session | १००                      |
| ११      | % of children under one year immunized with PCV 3                           | ८४.५४                    |
| १२      | % of children months immunized against measles/rubella 1                    | ८८.६६                    |
| १३      | % of children aged 12-23 months immunized with measles/rubella 2            | ६८.६३                    |
| १४      | % of children fully immunized as per NIP schedule                           | ४१.१८                    |
| १५      | Percentage of children under one year immunized with BCG                    | ५०.५२                    |
| १६      | % of children immunized with TCv  | ६२.७५                    |
| १७      | % of children aged 12-23 months immunized with JE                           | ६६.६७                    |
| १८      | % of children under one year immunized with FIPV 1                          | ६७.०१                    |
| १९      | % of pregnant women who received completed dose of TD (TD2 and TD2+)        | ४१.८२                    |
| २०      | Vaccine wastage rate (BCG)  | ९०.९३                    |
| २१      | % of pregnant women who received TD2+                                       | १०.९१                    |
| २२      | % of children under one year immunized with FIPV 2                          | ४६.३९                    |
| २३      | % of pregnant women who received TD2  | ३०.९१                    |

| क्र.सं. | सुचकहरू   | साउन २०८०<br>देखि असार २०८१ |
|---------|---|-----------------------------|
| २४      | Vaccine wastage rate (JE)                       | ६२.१४                       |
| २५      | Vaccine wastage rate (MR)                       | ६२.१४                       |
| २६      | Vaccine wastage rate (FIPV)                     | ४३.८८                       |
| २७      | Vaccine wastage rate (TCV)                      | ६१.६८                       |
| २८      | Vaccine wastage rate (TD)                       | ६६.६७                       |
| २९      | Vaccine wastage rate (OPV)                      | ४६.२३                       |
| ३०      | Vaccine wastage rate (DPT/HepB/Hib)             | ४७.८८                       |
| ३१      | DPT-HepB-Hib1 vs MR2 dropout rate               | -१५०                        |
| ३२      | PCV dropout rate (PCV1 vs PCV3)                 | -१३३.३३                     |
| ३३      | Vaccine wastage rate (PCV)                      | २२.२६                       |
| ३४      | DPT-HepB-Hib dropout rate (DPT-HepB-Hib 1 vs 3) | १.३९                        |
| ३५      | Vaccine wastage rate (Rota)                     | ६.९                         |
| ३६      | Measles/Rubella dropout rate                    | १८.६                        |

स्रोत: गाउँकार्यपालिकाको कार्यालय, २०८१

बाल्यकाल तथा उमेर पुगेपछि लाग्न सक्ने प्राणघातक रोगहरू जस्तै क्षयरोग, भ्यागुते रोग, लहरे खोकी, धनुष्टंकार, हेपाटाइटिस बी, इनफुल्यन्जा टाइप बी, पोलियो, न्यूमोनिया, दादुरा, रुबेला र जापानीज इन्सफ्लाइटिस विरुद्ध चरणबद्ध रूपमा समयमै खोपहरू अनिवार्य रूपमा लगाउनुपर्दछ। ती खोपहरू क्रमशः BCG, DPT, OPV, PCV, IPV, MR, JE/ID हुन्। यसरी खोपहरू समयमै लगाउँदा सीमित लगानीमा ठूला रोगहरूको जोखिमबाट मुक्त भई बाल मृत्युदर नियन्त्रण गर्ने प्रभावकारी उपाय हुन्छ।

### ख) सुरक्षित मातृत्वको अवस्थाको विवरण

बालबालिकालाई गर्भमा रहँदादेखि र जन्मेपछि स्याहार तथा रेखदेख गर्न सकिएन भने उनीहरू विभिन्न रोगबाट संक्रमित हुने जोखिम हुन्छ। गर्भमा रहँदा मूलतः आमाको उमेर, पोषण, आराम, मादक तथा सुर्तिजन्य पदार्थको सेवन लगायतका अवस्थामा बालबालिकाको स्वास्थ्य निर्भर गर्दछ। बालबालिका स्वस्थ जन्मनका लागि गर्भवती महिलाले कम्तीमा पनि चारपटक नियमित स्वास्थ्य जाँच गराउनुपर्दछ र आवश्यक खोप (टि.टि.) तथा आइरन, भिटामिन चक्कीहरू नियमित सेवन गर्नुपर्दछ। कम उमेरमै गर्भवती हुँदा आमा र शिशु दुवैको स्वास्थ्यमा हानी नोक्सानी पुग्ने भएकाले सरकारले कानूनी रूपमा विवाह गर्ने न्यूनतम उमेर २० वर्ष तोकेको छ। तर १७ प्रतिशत किशोरीहरू १५ देखि १९ वर्ष उमेरमा गर्भवती भएका वा आमा भइसकेका हुन्छन् (नेपाल जनसांख्यिक तथा स्वास्थ्य सर्वेक्षण, २०११)। सरकारले स्वास्थ्य सेवा विभागमार्फत सुरक्षित मातृत्व तथा नव शिशु स्वास्थ्यका लागि समुदायमा आधारित कार्यक्रम सञ्चालन गरिरहेको छ। लिखु पिके गाउँपालिकाको पछिल्लो १ आर्थिक वर्ष अर्थात साउन २०७९ देखि २०८० असार सम्मको सुरक्षित मातृत्व सम्बन्धी विस्तृत विवरण तलको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ।

तालिका नं. ५८ : सुरक्षित मातृत्वको अवस्थाको विवरण

| विवरण  | २०७८/७९ | २०७९/८० | २०८०/८१ |
|--|---------|---------|---------|
| पहिलो पटक गर्भवती जाँच सेवा लिनेको प्रतिशत                                       | ५९.०२   | ५३.६८   | ९०      |
| प्रोटोकल अनुसार ४ पटक गर्भवती जाँच सेवा लिनेको प्रतिशत                           | ८०.३९   | ५३.६८   | ५५.५६   |
| स्वास्थ्य संस्था प्रसूतिदर   | ५८      | ४९.४७   | ४०      |
| दक्ष प्रसूतिकर्मीबाट (डाक्टर, नर्स, तालिम प्राप्त अ.न.मी) प्रसूति गराएको प्रतिशत | ५८      | ४३.९६   | ४०      |
| प्रोटोकल अनुसार ३ पटक सुत्केरी जाँच गरेको प्रतिशत                                | ७४.२९   | ४४.२९   | ४५.५६   |
| जम्मा मातृमृत्यु संख्या  | -       | -       | -       |

स्रोत: गाउँ कार्यपालिकाको कार्यालय, २०८१

### ५.२.५ बालस्वास्थ्य तथा पोषणको अवस्था

कुनै पनि ठाउँको पोषणको अवस्था त्यस ठाउँका बालबालिकालाई हेरेर सजिलै अनुमान लगाउन सकिन्छ। सुपोषित बालबालिकालाई कुनै पनि ठाउँको सामाजिक र आर्थिक विकासको सूचकको रूपमा हेर्न सकिन्छ। सरकारले पनि पोषणलाई प्राथमिकता दिई ५ वर्षमुनिका बालबालिकाहरूलाई नियमित रूपमा बालवृद्धि अनुमान गर्दै आएको छ। बालअधिकार सम्बन्धी महासन्धी, १९८९ ले समेत बालबालिकालाई अवहेलना, बेवास्ता, हेलचक्राई, दुर्व्यवहार, हिंसा लगायतबाट जोगाई खाना र पोषणको अधिकार सुनिश्चित गर्नुपर्ने उल्लेख गरेको छ। नेपालको संविधान (२०७२) ले पनि खाद्य सम्प्रभुतालाई मौलिक हकको रूपमा राखेको छ।

स्वास्थ्य र पोषण मानव जीवनको पहिलो महत्वपूर्ण आवश्यकता भएको र स्वस्थ नागरिक बिना राष्ट्रका अन्य विकास क्रियाकलापहरू प्रभावकारी हुन नसक्ने भएको हुँदा जनस्वास्थ्यको अध्ययन योजना तर्जुमा प्रक्रियाको एक महत्वपूर्ण हिस्सा हुन आउँछ। यस गाउँपालिकामा राष्ट्रिय नीति तथा कार्यक्रममा आधारित भई बालस्वास्थ्य कार्यक्रम, परिवार स्वास्थ्य कार्यक्रम, व्यवस्थापन कार्यक्रम, प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा पुर्नजागरण कार्यक्रम, रोग नियन्त्रण कार्यक्रम, स्वास्थ्य, शिक्षा, सूचना तथा सञ्चार कार्यक्रम, महामारी तथा रोग नियन्त्रण कार्यक्रम तथा क्षमता विकास सम्बन्धी कार्यक्रमहरू सञ्चालन हुँदै आएका छन्। स्वास्थ्य तथा पोषण सम्बन्धी कार्य गर्नका लागि राष्ट्रिय तथा अन्तर्राष्ट्रिय संघसंस्थाहरू समेत कार्यरत रहेका छन्।

| विवरण  | २०७८/७९ | २०७९/८० | २०८०/८१ |
|--|---------|---------|---------|
| कम जन्म तौल भएका नवजात शिशुको प्रतिशत  | १.७     | २.९     | २.९     |
| नयाँ तौल लिएका १ वर्ष मुनिका शिशुहरूको प्रतिशत                                   |         |         |         |
| नयाँ तौल लिएका २ वर्ष मुनिका शिशुहरूमध्ये अति जोखिम अवस्थाका बालबालिकाको प्रतिशत | -       | -       | -       |
| १८० आइरन चक्की पाएका गर्भवती महिलाहरूको प्रतिशत                                  | ७५.३    | ५९.५८   | ९९९     |
| भिटामिन ए पाएका सुत्केरी महिलाहरूको प्रतिशत                                      | ७९.६    | ८३.३३   | ८७.८    |

स्रोत : गाउँ कार्यपालिकाको कार्यालय, २०८१



## ५.२.६ सुरक्षित मातृत्व

### क) परिवार नियोजन

परिवार नियोजनबाट हुने फाइदाका बारेमा विभिन्न संघसंस्थाबाट गरिएका अध्ययन अनुसन्धानबाट आमा, बच्चा र नवजात शिशुको स्वास्थ्य सुधार गर्न उल्लेखनीय भूमिका खेल्ने कुरा प्रमाणित भएको छ। साथै यसले लैङ्गिक समानता, महिलाको शिक्षा र वृद्धि विकास गर्नका लागि सहयोग पुऱ्याउँछ। त्यसकारण गुणस्तरीय परिवार नियोजन सेवा प्रदान गर्ने उद्देश्यले सन् १९९१ देखि प्रजनन स्वास्थ्य कार्यक्रम र परिवार नियोजन कार्यक्रमलाई विस्तार गरी अस्पताल, स्वास्थ्य चौकी, आधारभूत स्वास्थ्य केन्द्रहरू र गाउँघर क्लिनिकहरूमा विस्तार गरी महिला स्वास्थ्य स्वयंसेवीकाद्वारा सेवा पुऱ्याउँदै आएको छ।

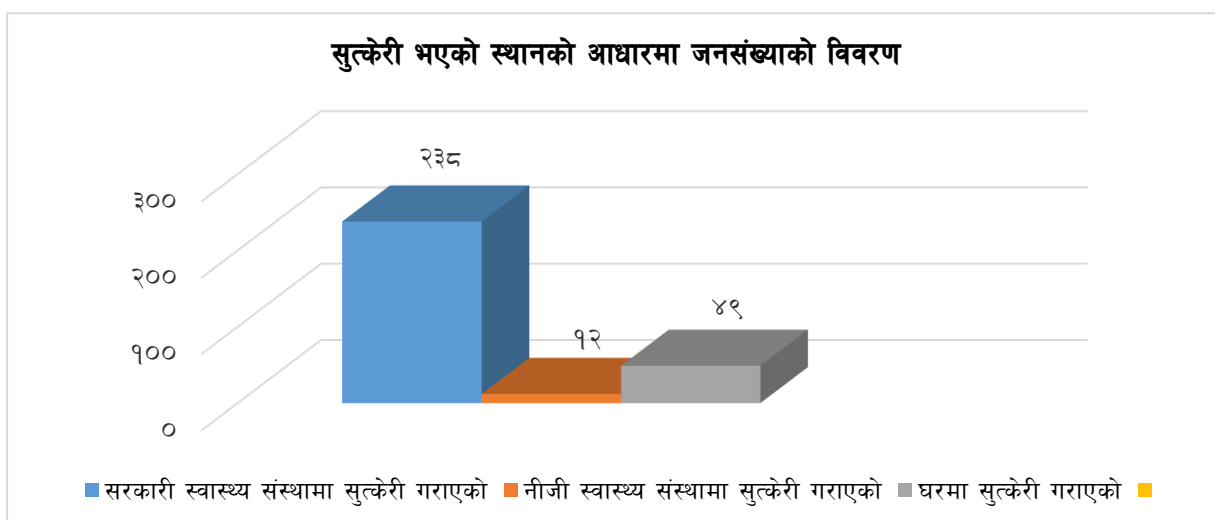
### ख) सुत्केरी भएको स्थान सम्बन्धी विवरण (१२ महिनाभित्र)

गाउँपालिकामा विगत १२ महिनामा सुत्केरी भएका २९९ जना मध्ये २३८ जना अर्थात् ७९.६ प्रतिशत महिलाले सरकारी स्वास्थ्य संस्थामा, १२ जना अर्थात् ४.०१ प्रतिशत महिलाले निजी स्वास्थ्य संस्थामा, ४९ अर्थात् १६.३९ प्रतिशत महिलाले घरमा सुत्केरी गराएको तथ्याङ्क छ। सुत्केरी भएका महिलाहरूको सुत्केरी गराएको स्थान सम्बन्धी वडागत विवरण तलको तालिकामा समावेश गरिएको छ।

तालिका नं. ५९ : सुत्केरी भएको स्थान सम्बन्धी वडागत विवरण

| वडा     | सरकारी स्वास्थ्य संस्थामा सुत्केरी भएका | निजी स्वास्थ्य संस्थामा सुत्केरी भएका | घरमा सुत्केरी भएका | विगत १२ महिनामा सुत्केरी भएका महिलाहरूको जनसंख्या |
|---------|---|---------------------------------------|--------------------|---|
| १       | १                                       |                                       |                    | १   |
| २       | १५                                      | ५                                     | ७                  | २७  |
| ३       | १४६                                     | ६                                     | ४०                 | १९२   |
| ४       | २                                       | १                                     |                    | ३   |
| ५       | ७४                                      |                                       | २                  | ७६  |
| जम्मा   | २३८                                     | १२                                    | ४९                 | २९९   |
| प्रतिशत | ७९.६                                    | ४.०१                                  | १६.३९              | १००   |

स्रोत : घरघुरी तथ्याङ्क संकलन, २०८१



## ग) १५ देखि ४९ वर्षका महिलाले शिशुलाई जन्म दिएको विवरण

तालिका नं. ६० : १५ देखि ४९ वर्ष उमेर समूहका महिलाले शिशुलाई जन्म दिएको विवरण

| वडा     | शिशुलाई जन्म दिएको | शिशुलाई जन्म नदिएको | १५ देखि ४९ वर्षका महिलाको जनसंख्या |
|---------|--------------------|---------------------|------------------------------------|
| १       | ३२                 | ४४                  | ७६                                 |
| २       | २५१                | २३                  | २७४                                |
| ३       | २०४                | २३                  | २२७                                |
| ४       | १९८                | ३२                  | २३०                                |
| ५       | १२७                | ३०                  | १५७                                |
| जम्मा   | ८१२                | १५२                 | ९६४                                |
| प्रतिशत | ८४.२३              | १५.७७               | १००                                |

स्रोत : घरघुरी तथ्याङ्क संकलन, २०८१

गाउँपालिकामा रहेका १५ देखि ४९ वर्ष उमेरसमूहका जम्मा ९६४ महिलाहरूमध्ये सबैभन्दा धेरै वडा नं. २ मा २५१ जना महिलाले बच्चालाई जन्म दिएका छन्, यसैगरी वडा नं. ३ मा २०४ जनाले, वडा नं. ४ मा १९८ जनाले, बच्चालाई जन्म दिएका छन्। तुलनात्मक रूपमा अध्ययन गर्दा सबैभन्दा कम वडा नं. १ मा ३२ बच्चालाई महिलाले जन्म दिएका छन्। थप वडागत विवरण तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ।

## घ) शिशु तथा ५ वर्ष मुनिका बाल मृत्युदर

राष्ट्रिय जनसांख्यिक तथा स्वास्थ्य सर्वेक्षण, २०२२ (National Demographic and Health Survey, 2022) का अनुसार नवजात शिशु मृत्युदर प्रतिहजार २१, शिशु मृत्युदर प्रतिहजार २८ र पाँच वर्षमुनिको बाल मृत्युदर प्रतिहजार ३३ रहेको तथ्याङ्क सार्वजनिक भएको छ।

## ङ) पहिलो बच्चा जन्म दिदा महिलाको उमेरको विवरण

कानूनी र प्रजनन स्वास्थ्यको दृष्टिकोणबाट २० वा सो वर्षभन्दा कम उमेरमा आमा बन्नु गैरकानूनी र मातृ तथा शिशु दुवैको स्वास्थ्यका दृष्टिकोणले जोखिमपूर्ण मानिन्छ। शारीरिक, मानसिक, आर्थिक रूपमा अपरिपक्व अवस्थामा गर्भाधान र सन्तान जन्माउँदा एकातर्फ अपरिपक्व, कम तौलको, शारीरिक र बौद्धिक रूपमा विकलाङ्ग शिशु जन्मन सक्ने जोखिम उच्च रहन्छ भने अर्कोतर्फ गर्भावस्थाको हेरविचार, मातृ तथा शिशुको स्याहार, खानपान, सरसफाईजस्ता विषयमा पर्याप्त जानकारी नहुँदा आमा र शिशु विभिन्न प्रकारका संक्रमणको शिकार हुन सक्ने सम्भावना रहन्छ।

नेपालले सहश्राद्धी विकास लक्ष्य २०००-२०१५ का विचमा मातृ तथा शिशु स्वास्थ्यको क्षेत्रमा उल्लेखनीय प्रगति हासिल गरेको छ। सन् १९९० लाई आधार वर्ष मान्दा नेपालमा कूल १०० जीवित जन्म भएका शिशुमध्ये १०८ जनाको मृत्यु हुने गरेकोमा यो संख्यामा सारभूत रूपमा गिरावट आई सन् २०१५ सम्म ३३ मा झरेको छ भने ५ वर्षभन्दा कम उमेरका बालबालिकाको मृत्युदर (प्रति हजार) ३८ मा झरेको छ। त्यसैगरी सन् १९९० लाई आधार वर्ष मान्दा मातृमृत्यु (प्रति एकलाख) मा ८५० रहेकोमा सन् २०१५ सम्म २५८ मा झरेको देखिन्छ भने तालिम प्राप्त स्वास्थ्यकर्मीबाट प्रसूति गराउने महिलाको अनुपात ५५.६ प्रतिशत

पुगेको तथ्याङ्क देखिन्छ (Nepal and the Millennium Development Goals Final Status Report, २०००-२०१५)। यसरी हेर्दा समग्र मातृ तथा शिशु स्वास्थ्यको क्षेत्रमा सकारात्मक परिवर्तनका संकेतहरू देखा परिरहेका छन्।

गाउँपालिकामा रहेका कुल विवाहित महिला मध्ये १ अर्थात् ०.१२ प्रतिशत महिलाले ०-१४ वर्षको उमेरमा पहिलो बच्चालाई जन्म दिएका छन्। त्यसैगरी १७२ अर्थात् २१.१६ प्रतिशत महिलाले १५-१९ वर्षको उमेरमा बच्चा जन्माएका छन्। ५०४ अर्थात् ६१.९९ प्रतिशतले २०-२४ वर्षमा, ११२ अर्थात् १३.७८ प्रतिशतले २५-२९ वर्षमा जन्म दिएको देखिन्छ, भने २४ अर्थात् २.९५ प्रतिशतले ३० वर्ष माथिका महिलाले बच्चालाई जन्म दिएको देखिन्छ। जसको विस्तृत विवरण तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ।

**तालिका नं. ६१ :** १५-४९ वर्षका विवाहित महिलाहरूले पहिलो बच्चा जन्म दिँदाको उमेर सम्बन्धी विवरण

| वडा            | ०-१४ वर्ष | १५-१९ वर्ष | २०-२४ वर्ष | २५-२९ वर्ष | ३० वर्ष माथि | जम्मा |
|----------------|-----------|------------|------------|------------|--------------|-------|
| १              | ०         | ७          | १७         | ६          | १            | ३१    |
| २              | ०         | ७३         | १३५        | ३२         | ११           | २५१   |
| ३              | ०         | ५९         | १०४        | ३५         | ८            | २०६   |
| ४              | १         | २९         | १२९        | ३७         | २            | १९८   |
| ५              | ०         | ४          | ११९        | २          | २            | १२७   |
| <b>जम्मा</b>   | १         | १७२        | ५०४        | ११२        | २४           | ८१३   |
| <b>प्रतिशत</b> | ०.१२      | २१.१६      | ६१.९९      | १३.७८      | २.९५         | १००   |

स्रोत : घरघुरी तथ्याङ्क संकलन, २०८१

**तालिका नं. ६२ :** गाउँपालिकामा भएका प्रमुख १० रोगहरूको विवरण

| क्र.सं. | प्रमुख १० रोगहरू          |
|---------|---------------------------|
| १.      | Gastritis                 |
| २.      | Headache                  |
| ३.      | Cough                     |
| ४.      | Fever                     |
| ५.      | AcuteTonsilitis           |
| ६.      | Hypertension              |
| ७.      | Conjunctivitis            |
| ८.      | Pyrexia of Unknown Origin |
| ९.      | Arthritis                 |
| १०.     | Backache                  |

## ५.२.७ स्रोत नक्सा

### ५.३ खानेपानी तथा सरसफाई

स्वच्छ पानी तथा सरसफाई मानवीय स्वास्थ्यलाई प्रभाव पार्ने प्रमुख तत्वहरू भएको र दिगो विकास लक्ष्यको लक्ष्य नं ६ ले खानेपानी तथा सरसफाईलाई सुनिश्चितता गर्नुका साथै नेपालको संविधानले पनि खानेपानी तथा सरसफाई सुविधालाई नागरिकको मौलिक हकको रूपमा व्याख्या गरेको हुनाले स्वस्थ नागरिक उत्पादनमा योगदान पुऱ्याउन गुणस्तरीय खानेपानी र सरसफाईको क्षेत्रलाई उच्च प्राथमिकतामा राखी थप खानेपानी आयोजनाहरू निर्माण गर्नुपर्ने साथै वैज्ञानिक विधिहरूको प्रयोग गरी फोहोरमैला व्यवस्थापन गर्नुपर्ने आवश्यकता रहेको छ ।

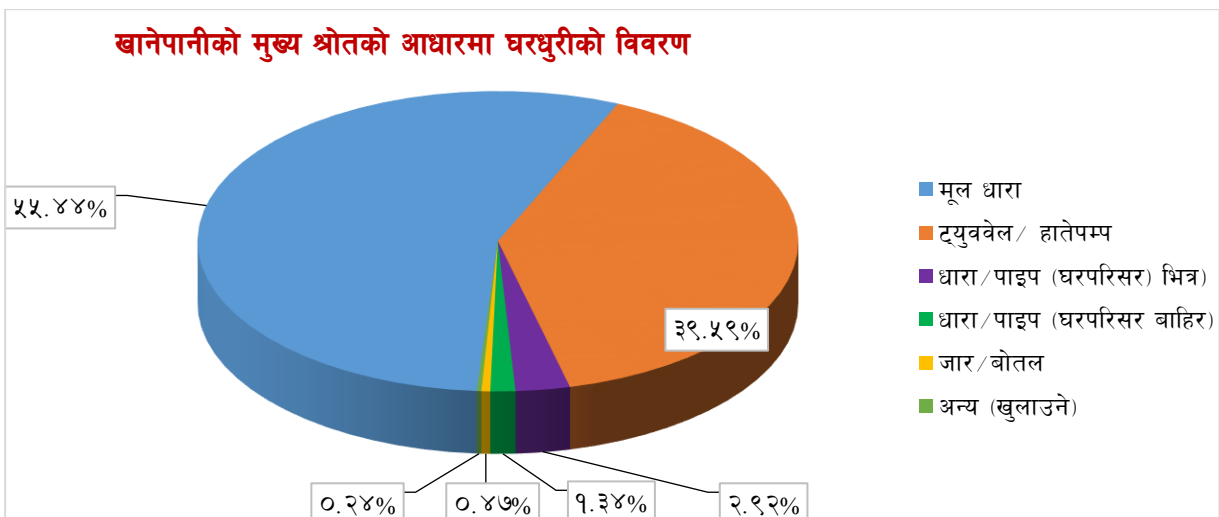
#### ५.३.१ खानेपानीको श्रोतको विवरण

तालिका नं. ६३ : खानेपानीको मुख्य श्रोतको आधारमा घरपरिवारको विवरण

| वडा            | धारा/पाइप ( घरपरिसर बाहिर) | धारा/पाइप ( घरपरिसर भित्र) | मूल धारा    | नदी/खोला    | खुला इनार/कुवा | ट्युबवेल/ हातेपम्प | जम्मा परिवार संख्या |
|----------------|----------------------------|----------------------------|-------------|-------------|----------------|--------------------|---------------------|
| १              | १४३                        | ६                          | २           | १           |                |                    | १५२                 |
| २              | २२६                        | १२५                        | २९          | १           | ६              | १                  | ३८८                 |
| ३              | ३                          | २३०                        |             |             |                |                    | २३३                 |
| ४              | ११७                        | १२६                        | २           |             |                | १                  | २४६                 |
| ५              | २१४                        | १५                         | ४           | १५          |                | १                  | २४९                 |
| <b>जम्मा</b>   | <b>७०३</b>                 | <b>५०२</b>                 | <b>३७</b>   | <b>१७</b>   | <b>६</b>       | <b>३</b>           | <b>१२६८</b>         |
| <b>प्रतिशत</b> | <b>५५.४४</b>               | <b>३९.५९</b>               | <b>२.९२</b> | <b>१.३४</b> | <b>०.४७</b>    | <b>०.२४</b>        | <b>१००</b>          |

स्रोत : घरधुरी तथ्याङ्क संकलन, २०८१

यस गाउँपालिकामा रहेका १,२६८ घरपरिवारहरू मध्ये सबैभन्दा धेरै धारा/पाइप घरपरिसर बाहिरको पानी पिउनेको संख्या ७०३ अर्थात् ५५.४४ प्रतिशत रहेका छन् । यसैगरी दोस्रोमा पाइप/धारा घरपरिसर भित्रको पानी पिउने परिवारको संख्या ५०२ अर्थात् ३९.५९ प्रतिशत रहेको छ । मुल धाराबाट पिउनेको संख्या ३७ अर्थात् २.९२ प्रतिशत रहेका छन् भने नदी/खोलाको पानी प्रयोग गर्नेको संख्या १७ अर्थात् १.३४ प्रतिशत रहेका छन्, खुला इनार कुवाबाट पिउने पानी प्रयोग गर्नेको संख्या ६ अर्थात् ०.४७ प्रतिशत र ३ अर्थात् ०.२४ प्रतिशतले ट्युबवेल/हातेपम्पबाट पिउने पानी प्रयोग गरेको पाइन्छ । वडागत रूपमा विस्तृत विवरण तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ ।



Sustainable Development Goals Status & Roadmap: २०१६-२०३० का अनुसार (SDG – 6) आधार वर्ष २०१५ मा सुरक्षित पिउने पानी उपभोग गर्ने जनसंख्या १५% मात्र देखिन्छ। दिगो विकास लक्ष्य अनुगमन ढाँचा समेत उल्लेख भएको उक्त दस्तावेज अनुसार यो जनसंख्या क्रमशः वृद्धि गर्ने अपेक्षा गरिएको छ। जसअनुसार २०१९ मा ३५%, २०२२ मा ५०%, २०२५ मा ६५% हुँदै सन् २०३० सम्म सुरक्षित पिउने पानी प्रयोग कर्ता कूल जनसंख्याको ९०% हुने महत्वाकांक्षी लक्ष्य राखिएको छ। उक्त राष्ट्रिय लक्ष्य प्राप्तमा टेवा पुऱ्याउन तथा आम जनसाधारणको जनस्वास्थ्यमा सुधार गर्न पानी प्रयोग गर्दा पानीको उपयुक्तताको परीक्षण र सुरक्षाको उपायहरूबारे व्यापक जनचेतना फैलाउनुपर्ने देखिन्छ।

### क) खानेपानी शुद्ध बनाउने तरिकाको आधारमा वर्गीकरण

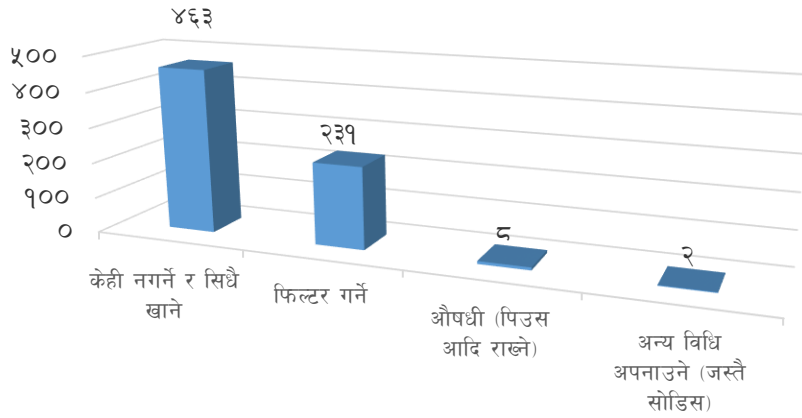
**तालिका नं. ६४ :** खानेपानी शुद्ध बनाउने तरिकाको आधारमा वर्गीकरण (बहुउत्तरमा आधारित)

| वडा नं. | उमाल्ने | केही नगर्ने र सिधै खाने | फिल्टर गर्ने | औषधी (पिउस आदि राख्ने) | अन्य विधि अपनाउने (जस्तै सोडिस) | जम्मा |
|---------|---------|-------------------------|--------------|------------------------|---------------------------------|-------|
| १       | ९९      | ५९                      | ९५           | १                      | १                               | २५५   |
| २       | २३९     | २८८                     | ६            | २                      |                                 | ५३५   |
| ३       | २३०     |                         | १०२          |                        |                                 | ३३२   |
| ४       | २१९     | ११५                     | २८           | ५                      | १                               | ३६८   |
| ५       | २४८     | १                       |              |                        |                                 | २४९   |
| जम्मा   | १०३५    | ४६३                     | २३१          | ८                      | २                               | १७३९  |
| प्रतिशत | ५९.५२   | २६.६२                   | १३.२८        | ०.४६                   | ०.१२                            | १००   |

स्रोत : घरधुरी तथ्याङ्क संकलन, २०८१

गाउँपालिकाका कूल घरपरिवार मध्ये १०३५ अर्थात ५९.५२ प्रतिशत घरपरिवारहरूले पानी शुद्धीकरणका लागि उमाल्ने गरेको पाइन्छ। त्यसैगरी ४६३ अर्थात २६.६२ प्रतिशतले केही नगरी सिधै पानी पिउने गरेका छन् भने २३१ अर्थात १३.२८ प्रतिशत घरधुरीले फिल्टर गरेर पानी पिउने गरेका छन्। ८ अर्थात ०.४६ प्रतिशतले औषधी पिउस आदि प्रयोग गर्ने गरेका छन् र ०.१२ प्रतिशतले अन्य औषधीको प्रयोग गर्ने गरेका छन्। प्राकृतिक श्रोतबाट प्राप्त पानीलाई शुद्धीकरण नगरी पिउनु जनस्वास्थ्यका दृष्टिकोणले अत्यन्त जोखिमपूर्ण मानिन्छ। यसबाट संक्रमण रोगहरू जस्तै: आउँ, भुङ्गा, जुका, टाइफाइड लाग्नुका साथै दीर्घ रोगहरू जस्तै: पत्थरी जस्ता प्राणघातक रोगहरूको सम्भावना प्रबल रहन्छ। तसर्थ स्थानीय सरकार र गाउँपालिका बासीहरूको सहकार्यमा पानी शुद्धीकरणका उपायहरू अबलम्बन गरी प्रयोग गर्ने र जनस्तरमा स्वास्थ्य सम्बन्धी चेतनामुलक कार्यक्रम गर्न आवश्यक देखिन्छ। जसको विस्तृत विवरण तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ।

### पिउनेपानी शुद्धीकरण गर्ने विधिका आधारमा परिवारको विवरण



### ५.३.२ शौचालयको प्रयोगको अवस्था

कतिपय दुर्गम क्षेत्रमा अहिले पनि मानिसहरूले खुला ठाउँमा दिसा पिसाव गर्ने गर्दछन्। सभ्य समाजको निमित्त उक्त अभ्यास असभ्यताको प्रतिक हो। खुला क्षेत्रमा गरिने मलमुत्र विर्सजनले मानिसको शरीरमा खाना, पानी र श्वासप्रश्वास मार्फत विभिन्न किसिमका किटाणुको प्रवेश हुन्छ। त्यसकारण प्रत्येक घरमा शौचालयको निर्माण अनिवार्य आवश्यकता हो। सरकारी तथा विभिन्न गैरसरकारी संस्थाहरूले हाल आएर शौचालय निर्माणलाई प्राथमिकता दिएको पाइन्छ। निजी घर तथा सार्वजनिक स्थलहरूमा हातधुने पानी सहित शौचालय हुनु अति नै आवश्यक छ। विपन्न समुदायका परिवारहरूले आफै शौचालय निर्माण गर्न नसकेको अवस्थामा सरकार तथा विशेष गरी स्थानीय सरकारले शौचालय निर्माणमा अनुदान दिनु जरुरी देखिन्छ।

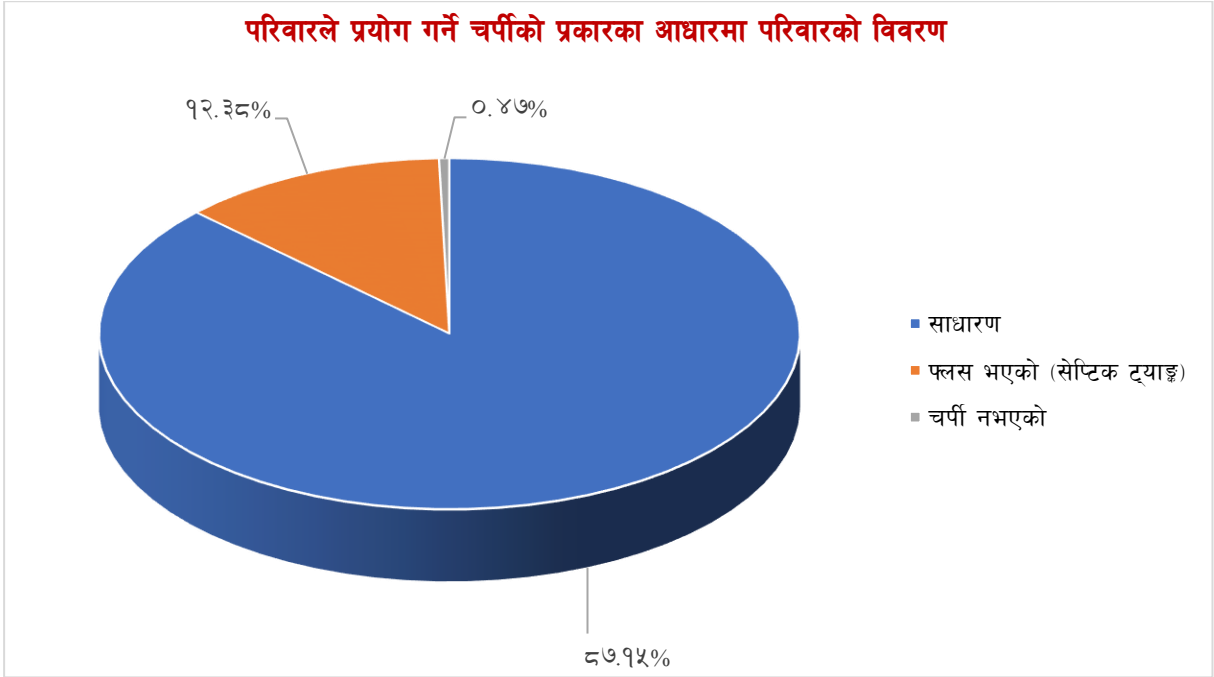
तालिका नं. ६५ : परिवारले प्रयोग गर्ने चर्पीको प्रकारका आधारमा परिवारको विवरण

| वडा     | साधारण | फ्लस भएको (सेप्टिक ट्याङ्क) | चर्पी नभएको | जम्मा परिवार संख्या |
|---------|--------|-----------------------------|-------------|---------------------|
| १       | ६६     | ८५                          | १           | १५२                 |
| २       | ३५९    | २५                          | ४           | ३८८                 |
| ३       | १८५    | ४७                          | १           | २३३                 |
| ४       | २४६    |                             |             | २४६                 |
| ५       | २४९    |                             |             | २४९                 |
| जम्मा   | ११०५   | १५७                         | ६           | १२६८                |
| प्रतिशत | ८७.१५  | १२.३८                       | ०.४७        | १००                 |

स्रोत : घरधुरी तथ्याङ्क संकलन, २०८१

गाउँपालिकामा कुल घरपरिवारहरूमध्ये १,१०५ अर्थात ८७.१५ प्रतिशतले साधारण चर्पी, १५७ अर्थात १२.३८ प्रतिशतले फ्लस भएको (सेप्टिक ट्याङ्क), र ६ अर्थात ०.४७ प्रतिशतको चर्पी नभएको देखिन्छ। जसको विस्तृत विवरण तालिकामा उल्लेख गरिएको छ।

### परिवारले प्रयोग गर्ने चर्पीको प्रकारका आधारमा परिवारको विवरण



### ५.३.३ सार्वजनिक शौचालयको विवरण

निजी घर तथा सार्वजनिक स्थलहरूमा हात धुने पानी सहित शौचालय हुनु अति नै जरुरी छ । विपन्न समुदायका परिवारहरूले आफैँ शौचालय निर्माण गर्न नसकेको अवस्थामा स्थानीय सरकारले शौचालय निर्माणमा अनुदान दिनुपर्ने हुन्छ । यस गाउँपालिकाको घर आँगन, सडक, बजार तथा सार्वजनिक क्षेत्रहरूलाई सरसफाईयुक्त बनाउनका लागि विभिन्न स्थानहरूमा सार्वजनिक शौचालयहरू निर्माण गर्नुपर्ने देखिन्छ । यसका साथै घर आँगन, बजार, सडकहरू सफा रहन्छन् भने गाउँपालिकाको राजश्वमा समेत केही टेवा पुऱ्याउन सकिन्छ ।

### ५.३.४ फोहोर व्यवस्थापन सम्बन्धी घरपरिवारको विवरण

विशेष गरी शहरी क्षेत्रहरूमा जनघनत्व बढी हुने भएका कारण मानव सिर्जित उद्योगधन्दा र कलकारखानाबाट निस्कने फोहोरले बस्तीको सौन्दर्यलाई कुरूप पार्नुका साथै मानव स्वास्थ्यमा प्रतिकूल प्रभाव पार्दछ । यस्तो अवस्थामा सरकार तथा समुदाय दुवैका तर्फबाट फोहोर व्यवस्थापन प्रणालीलाई दीर्घकालीन रूपमा सम्बोधन गर्नु आवश्यक देखिन्छ । फोहोरले स्वास्थ्य र सौन्दर्य दुबैलाई हानी गर्छ भन्ने कुरालाई मध्यनजर गर्दै फोहोरको समुचित व्यवस्थापन गर्नु आजको आवश्यकता हो ।

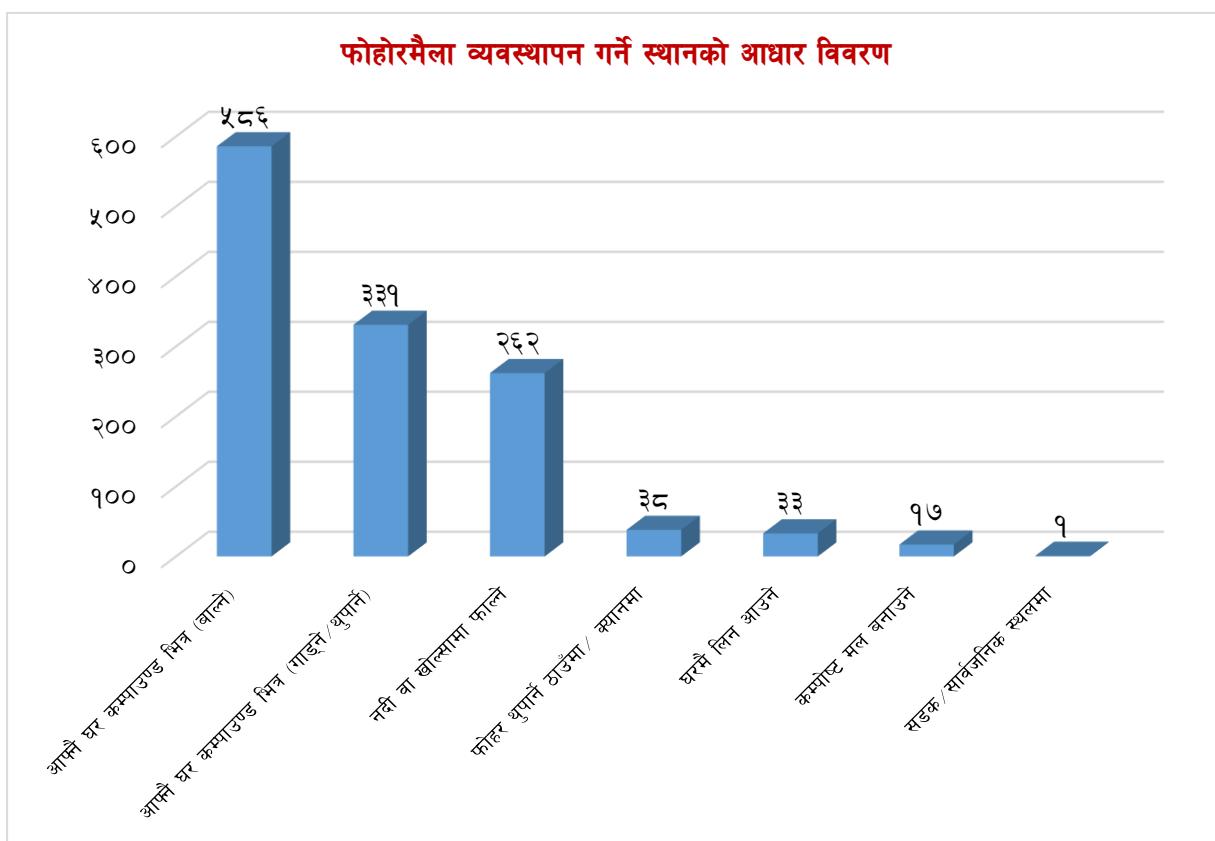
तालिका नं. ६६ : फोहोरमैला व्यवस्थापन गर्ने स्थानको आधारमा विवरण

| वडा नं. | आफ्नै घर कम्पाउण्ड भित्र (बाल्ने) | आफ्नै घर कम्पाउण्ड भित्र (गाड्ने/थुपार्ने) | नदी वा खोल्सामा फाल्ने | फोहोर थुपार्ने ठाउँमा/क्यानमा | घरमै लिन आउने | कम्पोस्ट मल बनाउने | सडक/सार्वजनिक स्थलमा | जम्मा परिवार संख्या |
|---------|-----------------------------------|--|------------------------|-------------------------------|---------------|--------------------|----------------------|---------------------|
| १       | ११७                               | २  | २०                     | ९                             | ३             |                    | १                    | १५२                 |
| २       | १२८                               | २०२  | ५७                     |                               |               | १                  |                      | ३८८                 |
| ३       | ११६                               | ९५   | ३                      | १                             | १८            |                    |                      | २३३                 |

| वडा नं. | आफ्नै घर कम्पाउण्ड भित्र (बाले) | आफ्नै घर कम्पाउण्ड भित्र (गाड्ने/थुपार्ने) | नदी वा खोल्सामा फाले | फोहर थुपार्ने ठाउँमा/क्यानमा | घरमै लिन आउने | कम्पोष्ट मल बनाउने | सडक/सार्वजनिक स्थलमा | जम्मा परिवार संख्या |
|---------|---------------------------------|--|----------------------|------------------------------|---------------|--------------------|----------------------|---------------------|
| ४       | १७२                             | ३१   | ३                    | २७                           | १२            | १                  |                      | २४६                 |
| ५       | ५३                              | १  | १७९                  | १                            |               | १५                 |                      | २४९                 |
| जम्मा   | ५८६                             | ३३१  | २६२                  | ३८                           | ३३            | १७                 | १                    | १२६८                |
| प्रतिशत | ४६.२१                           | २६.१                                       | २०.६६                | ३                            | २.६           | १.३४               | ०.०८                 | १००                 |

स्रोत : घरघुरी तथ्याङ्क संकलन, २०८१

गाउँपालिकामा रहेका कुल घरपरिवार संख्या मध्ये ५८५ अर्थात ४६.२१ प्रतिशतले आफ्नै घरको कम्पाउण्ड भित्र (बाले), ३३१ अर्थात २६.१ प्रतिशतले आफ्नै घर कम्पाउण्ड भित्र (गाड्ने/थुपार्ने), २६२ अर्थात २०.६६ प्रतिशतले नदी वा खोल्सामा फाले, ३८ अर्थात ३ प्रतिशतले फोहर थुपार्ने ठाउँ/क्यानमा राख्ने, ३३ अर्थात २.६ प्रतिशत घरमै लिन आउने, १७ अर्थात १.३४ प्रतिशतले कम्पोष्ट मल बनाउने गरेको पाईएको छ । गाउँपालिका ग्रामीण इलाकामा पर्ने भएकाले कृषि मुख्य पेशाको रुपमा रहेका घरपरिवारले फोहरलाई कम्पोष्ट मलको रुपमा प्रयोग गर्नु सर्वोत्तम हुने र फोहर व्यवस्थापनको उत्तम उपाय रहेतापनि फोहरको प्रकृतिअनुसार प्लाष्टिक जन्य तथा अन्य नसड्ने फोहरहरू खेतीयोग्य जमिनमा पर्न जाँदा क्रमशः भू-प्रदुषण वृद्धि भई उत्पादकत्वमा ह्रास आउन सक्छ । अर्कोतर्फ आफ्नै घरमा जलाउने/गाड्ने/थुपार्ने र खोल्सामा फाले साथै सार्वजनिक स्थलमा फोहर फाले कार्यले प्रदुषण वृद्धि गर्ने भएकाले स्वास्थ्यमा प्रत्यक्ष असर पर्न जान्छ । तसर्थ गाउँपालिकालाई फोहरको उचित व्यवस्थापनमा सजग बनाई अव्यवस्थित फोहर व्यवस्थापनलाई समयमै सम्बोधन गर्न जरुरी देखिएको छ ।





## फोहोर व्यवस्थापनमा देखिएका समस्याहरू :

हाल यस गाउँपालिकामा फोहोर व्यवस्थापनमा देखिएका समस्याहरू देहाय बमोजिम रहेका छन् :

- फोहोर व्यवस्थापनका नाममा फोहोरहरू खोला-खोल्साका होचा भागमा, खालि चौरमा अनियन्त्रित तरिकाले फाल्ने प्रवृत्ति यत्रतत्र देखिन्छ। यसरी फालिएको फोहोर वर्षातका समयमा पानीले बगाएर खोला खोल्सा तथा नदीका तल्लो भाग सम्म पुऱ्याएर प्रदुषणलाई विस्तारित गर्ने गरेको।
- जमिनका होचा भाग पानीका स्रोत पनि हुने भएकाले तिनै पानी सतहमा देखिने एवं जमिनको भित्र पानी छिरेर जाने हुँदा होचा भागमा फालिएको फोहोरले सतहको पानी तथा जमिन भित्रको पानी समेतलाई प्रदुषित गर्ने गरेको।

## फोहोरमैला व्यवस्थापनमा ध्यान दिनुपर्ने कुराहरू :

- भान्छाकोठाबाट निस्केको फोहोरलाई कुहिने र नकुहिने गरी छुट्याउने।
- कुहिनेलाई मलमा प्रयोग गर्न हरेक घरधनीलाई उत्प्रेरित गर्ने र गाउँपालिकाले तालिम तथा कार्यक्रमको आयोजना गर्ने।
- नकुहिने फोहोरलाई पुनः विभिन्न तहमा छुट्याउने जस्तै काठ, प्लाष्टिक, धातु, सिसा। यी फोहोरलाई आवश्यकतानुसार पहिचान गरिसकेपछि पुनः प्रयोगमा आउनेलाई सम्बन्धित सेवा व्यवस्थापनतर्फ जोड दिने। यस गाउँपालिका क्षेत्रका खुला स्थान जहाँ पानीको स्रोत छैन त्यहाँ वैज्ञानिक तवरबाट छनौट गर्न व्यवस्था गर्ने।

## ५.३.५ ढल निकासको तथा ल्याण्डफिल साइटको अवस्था

बजार केन्द्र र एकीकृत बस्ती भएका ठाउँमा ढल निकासको राम्रो प्रबन्ध हुनु अति नै आवश्यक छ। ढल निकास पनि भौतिक विकासको एक महत्वपूर्ण पूर्वाधार हो। सडक निर्माणसँगै ढल निकासको व्यवस्थापन भएको खण्डमा सरकार पूर्वाधार विकासमा गरिने दोहोरो खर्चबाट बच्दछ। यसका अलावा मानव बस्तीबाट उत्सर्जित फोहोरलाई मानव बस्ती भन्दा निश्चित टाढाको दुरीमा ल्याण्डफिल साइट बनाएर व्यवस्थापन गर्नुपर्दछ। फोहोररहित स्वच्छ र सफा वातावरण मानव सभ्यताको परिचय हो।

गाउँपालिकामा स्वच्छ खानेपानीमा पहुँच उपलब्ध रहेका घरपरिवार ९८.७२ प्रतिशत रहेको छ भने ९५.६० प्रतिशत घरधुरीमा सेप्टी ट्याङ्की सहितको शौचालय रहेको तथ्याङ्क छ। तसर्थ गाउँपालिका भित्र चर्पीबाट सिर्जित फोहोरमैला व्यवस्थापन समस्याको रुपमा रहेको छ। सेप्टी ट्याङ्की भरिएको खण्डमा त्यसलाई सुरक्षित तवरले विसर्जन गर्न ट्याङ्करको प्रयोग गर्ने अभ्यास छ। यहाँको लागि सबैभन्दा ठुलो समस्या भनेको घरपरिवार, होटेल, रेस्टुरेण्ट तथा बजार क्षेत्रबाट उत्पादन हुने फोहोरमैलाको व्यवस्थापन हो। स्रोतमै वर्गीकरण, प्रशोधन र पुनः प्रयोगलाई प्रोत्साहन गरी वैज्ञानिक फोहोरमैला व्यवस्थापनलाई बढावा दिएर उचित ल्याण्डफिल साइटको व्यवस्थापन गर्नु अपरिहार्य रहेको छ।

## ५.३.६ स्रोत नक्शा

## ५.४ महिला, बालबालिका तथा सामाजिक समावेशीकरण

नेपालको संविधानमा नै वर्गीय, जातीय, क्षेत्रीय, भाषिक, धार्मिक, लैङ्गिक विभेद र सबै प्रकारका जातीय छुवाछुतको अन्त्य गर्ने तथा आर्थिक समानता, समृद्धि र सामाजिक न्याय सुनिश्चित गर्न समानुपातिक समावेशी र सहभागितामूलक सिद्धान्तका आधारमा समतामूलक समाजको निर्माण गर्ने संकल्प गरिएको छ। समाजमा सिमान्तकृत जनसंख्यालाई मूलधारमा ल्याई उनीहरूको सम्मानपूर्वक जीवनयापन गर्न पाउने नैसर्गिक अधिकार सुनिश्चित नगर्दासम्म सभ्य र सौर्हादपूर्ण समाजको परिकल्पना गर्न सकिदैन। त्यसैले लैङ्गिक समानता, जेष्ठ नागरिक, अपाङ्गता तथा सामाजिक समावेशीकरणका क्षेत्रमा प्राथमिकता दिन सके असमानताको जालो तोड्न सहज हुन जान्छ।

### ५.४.१ लिङ्ग अनुसार बाल विवाह

**तालिका नं. ६७ :** १० वर्षभन्दा माथिका जनसंख्याको पहिलो विवाह गर्दाको उमेर सम्बन्धी विवरण

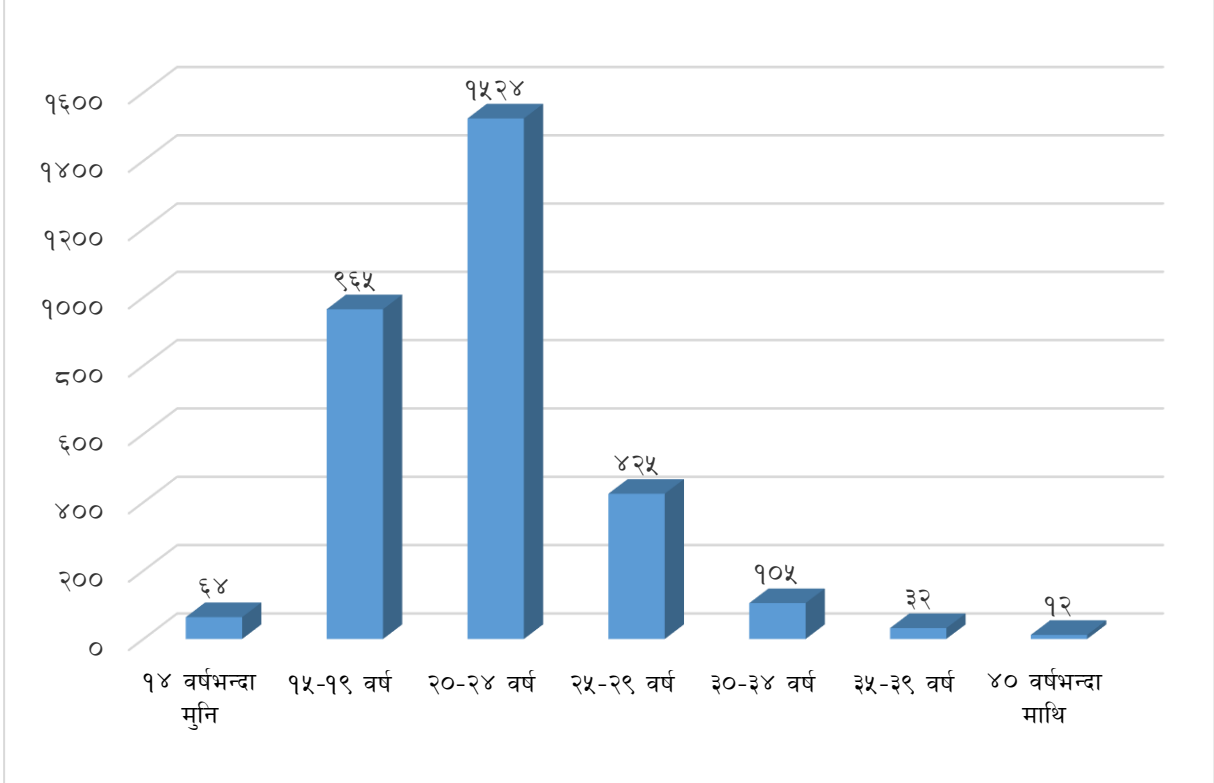
| वडा नं. | १४ वर्षभन्दा मुनि | १५-१९ वर्ष | २०-२४ वर्ष | २५-२९ वर्ष | ३०-३४ वर्ष | ३५-३९ वर्ष | ४० वर्षभन्दा माथि | जम्मा |
|---------|-------------------|------------|------------|------------|------------|------------|-------------------|-------|
| १       | ३                 | १३९        | ११४        | ३६         | ९          | ३          | १                 | ३०५   |
| २       | २७                | ३०१        | ३५६        | १४५        | ४९         | १७         | ४                 | ८९९   |
| ३       | २१                | २४०        | २७३        | ९८         | २४         | ९          | ५                 | ६७०   |
| ४       | १०                | १७८        | ३७९        | ११५        | १९         | ३          | २                 | ७०६   |
| ५       | ३                 | १०७        | ४०२        | ३१         | ४          | ०          | ०                 | ५४७   |
| जम्मा   | ६४                | ९६५        | १५२४       | ४२५        | १०५        | ३२         | १२                | ३१२७  |
| प्रतिशत | २.०५              | ३०.८६      | ४८.७४      | १३.५९      | ३.३६       | १.०२       | ०.३८              | १००   |

स्रोत: घरघुरी तथ्याङ्क सङ्कलन, २०८१

लैङ्गिक आधारमा विवाहित जनसंख्याको पहिलो विवाह गर्दाको उमेरको विवरण हेर्दा पहिलो विवाह गर्दाको उमेर १५ वर्षभन्दा कम भएका जम्मा ६४ अर्थात् २.०५ जना रहेको पाइयो। यसैगरी पहिलो विवाह गर्दाको उमेर १५ देखि १९ हुनेको संख्या ९६५ अर्थात् ३०.८६ प्रतिशत रहेको छ भने २० देखि २४ वर्ष उमेर हुनेको संख्या १,५२४ अर्थात् ४८.७४ प्रतिशत रहेको छ। उमेर समूह अनुसारको विस्तृत विवरण तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ।

कानूनी रूपमा हेर्दा समेत मुलूकी देवानी (संहिता) ऐन, २०७४ को प्रावधान अनुसार २० वर्षभन्दा कम उमेरमा विवाह गर्न बन्देज रहेतापनि त्यसको कार्यान्वयनको अवस्था नाजुक देखिन्छ। छिटो विवाह गर्नाले अध्ययन तथा रोजगारीमा नकारात्मक प्रभाव पर्नुका साथै शारीरिक तथा मानसिक विकास समेत पूर्ण रूपमा नभैसकेको अवस्थामा विवाह गर्दा त्यसले शारीरिक, पारिवारिक र सामाजिक रूपमा जटिलता थप्ने गर्दछ। तसर्थ उपयुक्त समयमा विवाह गर्न अनिवार्य गर्नुपर्ने र छिटो विवाह गर्ने कार्यलाई पूर्ण रूपले निरुत्साहित गर्नुपर्ने देखिन्छ। समग्र विकासलाई मध्यनजर गर्दा २५ देखि २९ वर्षको उमेर विवाहका लागि उपयुक्त मान्न सकिन्छ। उमेर समूह अनुसारको वैवाहिक स्थितिको विस्तृत विवरण तालिकामा उल्लेख गरिएको छ।

### लैङ्गिक आधारमा विवाहित जनसंख्याको पहिलो विवाह गर्दाको उमेरको विवरण



#### ५.४.२ बालक्लव तथा संजालको विवरण

बालबालिकाहरू संगठित भई आफूसँग सरोकार राख्ने विषयमा छलफल गर्न, प्रतिनिधित्व गर्न र आफ्नै क्षमता विकास, सचेतना लगायत बाल अधिकारको संरक्षण प्रवर्द्धनमा विविध क्रियाकलाप गर्न नेपालमा बाल-समूह, बालक्लव, बालअधिकार मञ्च आदिका रूपमा क्रियाशिल रहेका छन्। बालक्लव, बाल-सहभागिताको एक सशक्त माध्यम बनेको छ। जसलाई बालबालिकासँग सम्बन्धित थुप्रै नीतिगत दस्तावेजहरूमा पनि उल्लेख गरिएको छ। बालबालिकालाई समूहमा आबद्ध गराउन र उनीहरूसँग सरोकार राख्ने विषयमा मत व्यक्त गर्नका लागि विभिन्न स्तरका नीति तथा योजना निर्माणदेखि कार्यान्वयन र अनुगमनसम्म बाल क्लवको प्रतिनिधित्वलाई मान्यता दिइएको छ।

#### ५.४.३ घरपरिवार विहिन बालबालिकाको अवस्था

नेपालको संविधानको धारा ३९ को उपधारा ९ बमोजिम मौलिक हकमा, असहाय, अनाथ, अपाङ्गता भएका, द्वन्द्व पिडित, विस्थापित एवं जोखिममा रहेका बालबालिकालाई राज्यबाट विशेष संरक्षण र सुविधा पाउने हक हुनेछ भनी उल्लेख गरिएको छ भने धारा ४३ मा आर्थिक रूपले विपन्न, अशक्त र असहाय अवस्थामा रहेका, असहाय एकल महिला, अपाङ्गता भएका, बालबालिका, आफ्नो हेरचाह आफै गर्न नसक्ने तथा लोपउन्मुख जातिका नागरिकलाई कानून बमोजिम सामाजिक सुरक्षाको हक हुनेछ भनी उल्लेख गरिएको छ। यसर्थ स्थानीय सरकारको रूपमा रहेको गाउँपालिकाले बेसहारा अवस्थामा रहेका बालबालिका र अन्य नागरिकलाई अनिवार्य संरक्षण गर्नुपर्ने दायित्व रहेको छ।

#### ५.४.४ अपाङ्गताका आधारमा जनसंख्या

तालिका नं. ६८ : अपाङ्गताका आधारमा जनसंख्याको वडागत विवरण

| वडा     | अपाङ्गता नभएको जनसंख्या | अपाङ्गता भएको जनसंख्या | जम्मा जनसंख्या |
|---------|-------------------------|------------------------|----------------|
| १       | ५३६                     | २२                     | ५५८            |
| २       | १५७४                    | ७१                     | १६४५           |
| ३       | ११७८                    | १९                     | ११९७           |
| ४       | १३१४                    | २०                     | १३३४           |
| ५       | ११०३                    | १४                     | १११७           |
| जम्मा   | ५७०५                    | १४६                    | ५८५१           |
| प्रतिशत | ९७.५                    | २.५                    | १००            |

स्रोत: घरघुरी तथ्याङ्क सङ्कलन, २०८१

यस गाउँपालिकामा रहेका कुल जनसंख्या मध्ये १४६ अर्थात २.५ प्रतिशत व्यक्तिहरु कुनै न कुनै किसिमको अपाङ्गता भएका छन् भने ५,७०५ अर्थात ९७.५ प्रतिशत अपाङ्गता नभएका जनसंख्या रहेको छ। यहाँ वडागत रुपमा तुलनात्मक अध्ययन गर्दा सबैभन्दा बढी वडा नं. २ मा ७१ जनामा कुनै न कुनै किसिमको अपाङ्गता भएको देखिन्छ भने सबैभन्दा कम वडा नं. ५ मा १४ जनामा अपाङ्गता भएका व्यक्तिहरु रहेका छन्। जसको विस्तृत विवरण तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ।

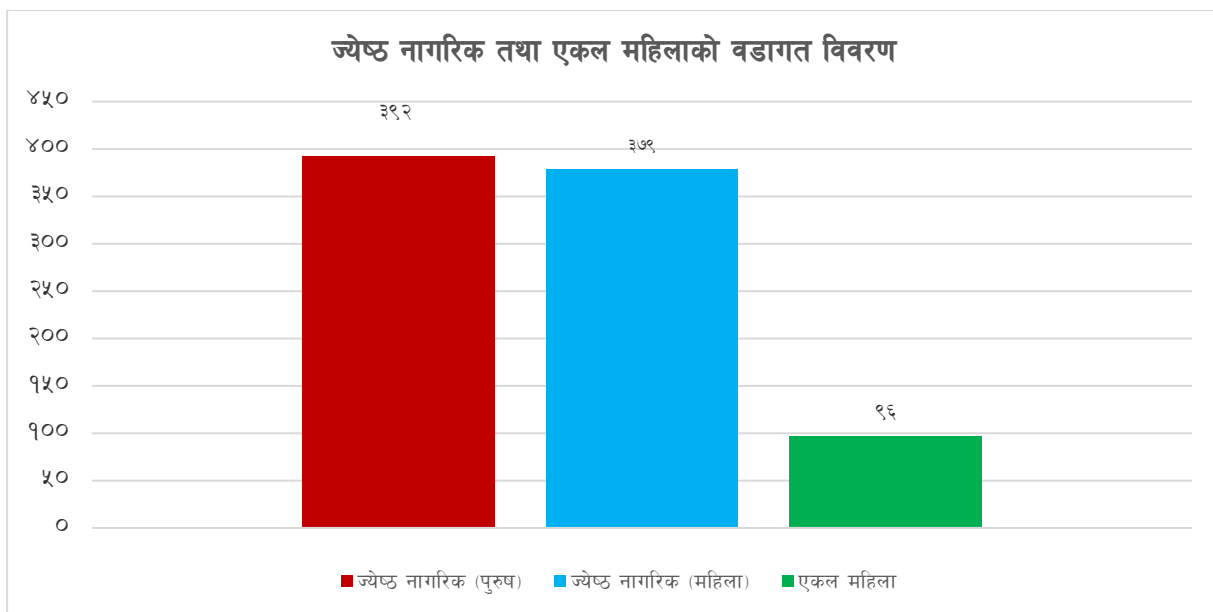
#### ५.४.५ ज्येष्ठ नागरिक तथा एकल महिला

तालिका नं. ६९ : ज्येष्ठ नागरिक तथा एकल महिलाको वडागत विवरण

| वडा नं. | ज्येष्ठ नागरिक (पुरुषको संख्या) | ज्येष्ठ नागरिक (महिलाको संख्या) | एकल महिलाको संख्या | जम्मा ज्येष्ठ नागरिक/एकल महिलाको जनसंख्या |
|---------|---------------------------------|---------------------------------|--------------------|---|
| १       | ४५                              | ५४                              | १६                 | ११५                                       |
| २       | ११८                             | ११३                             | ५४                 | २८५                                       |
| ३       | ७३                              | ६९                              | ४                  | १४६                                       |
| ४       | ८७                              | ८२                              | २२                 | १९१                                       |
| ५       | ६९                              | ६१                              | ०                  | १३०                                       |
| जम्मा   | ३९२                             | ३७९                             | ९६                 | ८६७                                       |
| प्रतिशत | ४५.२१                           | ४३.७१                           | ११.०७              | १००                                       |

स्रोत: घरघुरी तथ्याङ्क सङ्कलन, २०८१

यस गाउँपालिकाको जम्मा जनसंख्या मध्ये ३९२ जना अर्थात ४५.२१ प्रतिशत पुरुष ज्येष्ठ नागरिकको संख्या रहेका छन्। यसैगरी ३७९ अर्थात ४३.७१ प्रतिशत महिला ज्येष्ठ नागरिकको संख्या र ९६ अर्थात ११.०७ एकल महिलाको संख्या रहेका छन्। जसको वडागत विस्तृत विवरण तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ।



## ५.५ युवा, खेलकुद तथा मनोरञ्जन

### ५.५.१ खेलमैदान, पार्क, पिकनिक स्थल तथा मनोरञ्जनस्थल सम्बन्धी विवरण

खेलकुद क्षेत्रमा दक्ष खेलाडी उत्पादन गरी गाउँपालिकाको खेल अनुशासन र खेलकुद विकासलाई बल पुर्याउन सकिन्छ भन्ने मान्यताअनुसार यस गाउँपालिकामा खेलकुदको विकास भएको पाइन्छ । यसका साथै खेलकुद क्षेत्रमा स्वस्थ, प्रतिस्पर्धी जनशक्ति उत्पादन गरी गाउँपालिकाको खेल तथा अनुशासन विकासलाई बल पुर्याउन सकिन्छ भन्ने मान्यता अनुसार यस गाउँपालिकामा खेलकुदको विकासका लागि प्रयासरत रहेको पाइन्छ । गाउँपालिकाले आफ्नो कार्यक्षेत्र भित्र गतिशिल रहने गरी गाउँपालिकामा गाउँ खेलकुद विकास समितिहरु गठन गरेका छन् । विभिन्न तहमा विभिन्न प्रतिस्पर्धाहरुको आयोजना गरी खेलकुदको विकासमा योगदान पुर्याइरहेका छन् । यसका अतिरिक्त नेपाल सरकारद्वारा गठन हुने जिल्ला खेलकुद विकास समितिबाट पनि कतिपय राष्ट्रिय दिवसहरुमा खेलहरुको आयोजना गर्ने गरिएको छ । समग्रमा भन्नुपर्दा बालबालिका एवं युवा जनशक्तिको स्वास्थ्य तथा शारीरिक विकासका लागि नभई नहुने खेलकुदको क्षेत्रमा अत्यन्त न्यून लगानी हुने गरेको छ । विगतमा निर्मित खेलकुद सम्बन्धी पूर्वाधारहरुको मर्मत गर्न निकै ठुलो लगानी गर्नुपर्ने आवश्यकता देखिएको छ ।

गाउँपालिकामा रहेका पार्क तथा उद्यानहरु सार्वजनिक सम्पतिहरु हुन् । गाउँपालिकाको पर्यावरणीय प्रणालीलाई सुरक्षित गरी हरित क्षेत्रलाई प्रवर्द्धन गर्न यी क्षेत्रहरुको संरक्षण गर्नु आवश्यक देखिन्छ । दैनिक नियमित कामकाजबाट पर रही मानसिक स्फूर्ति र स्वच्छताका लागि मनोरञ्जनको आवश्यकता पर्न जान्छ । मनोरञ्जनका विभिन्न उपायहरुमध्ये स्वच्छ तथा प्राकृतिक वातावरणमा रमाउने तथा वनभोज गर्ने प्रचलन रहि आएको छ । सार्वजनिक सम्पदाको रुपमा रहेका उद्यान, पार्क तथा खेलमैदानहरुको दिगो रुपमा संरक्षण, विकास र विस्तार गर्न सके मात्र हरित क्षेत्रको रुपमा विश्रामस्थल तथा गाउँपालिकाको प्राकृतिक सुन्दरतामा टेवा पुग्ने देखिन्छ ।

## ५.५.२ युवा क्लब सम्बन्धी विवरण

तालिका नं. ७० : गाउँपालिकामा रहेका युवा क्लबको विवरण

| क्र.सं. | युवा क्लबको नाम          | ठेगाना    |
|---------|--------------------------|-----------|
| १       | नमुना युवा क्लब          | वडा नं. २ |
| २       | चण्डेश्वरी युवा क्लब     | वडा नं. २ |
| ३       | मातृभूमि युवा क्लब       | वडा नं. ३ |
| ४       | हिमज्योति युवा क्लब      | वडा नं. ४ |
| ५       | नेपाल जनजागृति युवा क्लब | वडा नं. ४ |
| ६       | नवबुद्ध शेर्पा युवा क्लब | वडा नं. ४ |
| ७       | भकाञ्जे युवा क्लब        | वडा नं. ५ |

## ५.६ भाषा, कला तथा संस्कृति

### ५.६.१ सार्वजनिक स्थल, पाटी, पौवा र चौतारा

पाटी, पौवा, धर्मशाला चौतारा तथा विश्राम स्थलहरू हाम्रा साँस्कृतिक चिनारी हुन्। यी परम्परागत संरचनाले हाम्रो पुख्र्यौली संस्कृतिलाई प्रतिनिधित्व गर्दछन्। त्यसैले यी संरचनाहरूको संरक्षण, सम्बर्द्धन र स्तरोन्नति गरि भावी पुस्तालाई समेत हाम्रो परम्परा र संस्कृतिसँग परिचित गराउनु जरुरी छ। यसो गरेको खण्डमा हाम्रो परम्परागत मौलिक पहिचानको संरक्षण हुन्छ। विकासका आधुनिक संरचना बनाउने क्रममा हामीले मौलिक साँस्कृतिक सम्पदाको संरक्षणमा विशेष ध्यान दिनु आवश्यक छ।

कसैको हक वा स्वामित्वमा नभएको परापूर्वकालदेखि सार्वजनिक रूपमा प्रयोग हुँदै आएका बाटो, वस्तु भाउ निकाल्ने निकास, वस्तुभाउ चराउने चौर, कुलो, नहर, पोखरी, ताल, पाटी, पौवा, अन्त्येष्टि स्थल, धार्मिक स्थल वा अन्य कुनै सार्वजनिक प्रयोगको स्थल वा सम्पत्ति नै सार्वजनिक सम्पत्तिहरू हुन्। विगतमा सडक यातायातको विकास र विस्तार नहुँदा यी पाटी, पौवा तथा चौताराहरू बटुवाहरूका विश्रामस्थल (Refresh Center) वा थकान मेटाउने महत्वपूर्ण स्थलको रूपमा विकसित भएको र हाल यी स्थलहरू सार्वजनिक बहस र सामुदायिक अन्तरक्रिया हुने अनौपचारिक स्थलको रूपमा रहेका छन् भने सडक सञ्जालको समुचित विकास नभएको स्थानहरूमा यी विश्राम स्थलकै रूपमा प्रयोग हुँदै आइरहेका छन्। यस्ता क्षेत्रहरूको विकास र संरक्षण गर्नु हामी सबैको दायित्व हो।

### ५.६.२ स्थानीय चाडपर्व तथा जात्रा र मेलाहरूको विवरण

यस गाउँपालिकामा विभिन्न जाति, धर्म, सम्प्रदाय र भेषभुषाका मानिसहरू बसोबास गर्दछन्। यहाँ अधिकांश हिन्दु र बौद्ध धर्म मान्ने मानिसहरूको बसोबास रहेको छ भने किराँत र क्रिश्चियन मान्ने केही मानिसहरूको पनि बसोबास रहेको छ। सबै जातजाति र सम्प्रदायका आ-आफ्नै खाले धर्म संस्कृति र चालचलनहरू छन्। जसमा दशैं, तिहार, तिज, ल्होसार, माघे संक्रान्ति, फागु पूर्णिमा, चण्डी पूर्णिमा, जनैपूर्णिमा, उधौली, बुद्ध जयन्ती, क्रिसमस आदि चाडपर्वहरू रहेका छन्। यस गाउँपालिकामा मनाईने स्थानीय चाडपर्व, जात्रा तथा मेला सम्बन्धी विवरण तालिकामा उल्लेख गरिएको छ।

**तालिका नं. ७१ : स्थानीय चाडपर्व तथा जात्रा र मेलाहरूको विवरण**

| क्र.सं. | चाडपर्व/जात्रा/मेला | कहिले मनाइन्छ                       | मनाउने जातजाति/समुदाय |
|---------|---------------------|-------------------------------------|-----------------------|
| १.      | चण्डी नाच           | वैशाख शुक्ल पूर्णिमा/चण्डी पूर्णिमा | सुनुवार समुदाय        |
| ३.      | पोखरी जात्रा        | उभौली/उधौली                         | क्षेत्री समुदाय       |
| ४.      | ल्होसार             | ग्याल्पो/सोनाम ल्होसार              | शेर्पा समुदाय         |
| ५.      | जात्रा तथा मेला     | जनै पूर्णिमा                        | क्षेत्री समुदाय       |

स्रोत : गाउँकार्यपालिकाको कार्यालय, २०८१

## ५.७ शान्ति तथा सुरक्षाको विवरण

संविधानमा उल्लेख भए अनुरूप राज्यले नागरिकलाई सुरक्षाको अनुभूति दिलाउन सक्नुपर्दछ । हरेक राष्ट्रका नागरिकहरूलाई नागरिक सुरक्षा प्रदान गर्नु राज्यको प्रमुख दायित्व हो । नागरिकले आफ्नो राज्यमा सुरक्षित महशुस गर्न पाउनुपर्छ । यसलाई चुस्त र दुरुस्त बनाउन नागरिक समाजको पनि त्यतिकै महत्वपूर्ण भूमिका रहन्छ ।

गाउँपालिकामा भएका अपराधिक तथा सामाजिक नियम बाहिरका कार्य चोरी-डकैती लगायतका अन्य कार्यहरू सुरक्षा निकायमार्फत समाधान हुने गरेको पाइन्छ । यस गाउँपालिकामा वर्षभरिमा कुनै अप्रिय घटना घटेको दर्ता खासै गरिएको देखिदैन । गाउँपालिकामा सानातिना भैँ-भगडा, कुटपिट, साँध, सिमानामा विवाद, चोरी डकैती, ठगी, घरेलु हिंसाका घटनाहरू यदाकदा हुने गरेको स्थानीयबासीको भनाई छ । गाउँपालिकामा प्रहरी चौकी कार्यालय गाउँपालिकाको साथै जिल्लामा शान्ति सुरक्षासँग सम्बन्धित निकायहरूमा नेपाल प्रहरीका विभिन्न चौकीहरू रहेका छन् ।

### ५.७.१ सुरक्षा निकाय सम्बन्धी विवरण

**तालिका नं. ७२ : गाउँपालिकामा रहेका प्रमुख सुरक्षा निकायहरूको विवरण**

| क्र.सं. | सुरक्षा निकायहरूको नाम | रहेको स्थान           |
|---------|------------------------|-----------------------|
| १.      | प्रहरी चौकी चौलाखर्क   | लिखु पिके-३, चौलाखर्क |
| २.      | प्रहरी चौकी गोली       | लिखु पिके-२, गोली     |
| ३.      | प्रहरी चौकी किञ्जा     | लिखु पिके-५, किञ्जा   |

स्रोत: गाउँकार्यपालिकाको कार्यालय, २०८१

## परिच्छेद - ६: वन तथा वातावरणीय स्थिति

### ६.१ वन क्षेत्रको अवस्था

लिखु पिके गाउँपालिकाको कूल भू-भाग मध्ये उल्लेख्य क्षेत्र अर्थात ६१.५२ प्रतिशत भू-भाग वन जंगलले ओगटेको छ । दिगो विकास लक्ष्यको लक्ष्य नं. १५ मा वनको दिगो व्यवस्थापन गर्ने, मरुभूमिकरण विरुद्ध लड्ने, भू-क्षयीकरण रोकेर त्यस्तो प्रक्रियालाई उल्ट्याउने तथा जैविक विविधताको क्षतिलाई रोक्ने कुरा उल्लेख गरिएको छ । तसर्थ पर्यावरणीय प्रणाली सन्तुलन, वायुमण्डलको स्वच्छता तथा जीवजन्तुको बासस्थान कायम राख्न वन जंगलको संरक्षण प्राथमिकतामा राख्नु जरुरी छ । अर्कोतर्फ यस गाउँपालिकामा वनजंगल क्षेत्रबाहेक रहेको बाँझो जमिन, खोला, सडकको किनारका क्षेत्रहरूमा व्यापक जनपरिचालन गरी वृक्षारोपण गरेमा गाउँपालिकालाई एक प्रकारको हरित बगैँचाको रूपमा विकास गरी सिमित मात्रामै भएपनि वनलाई आयआर्जनसँग जोड्न सकिन्छ । त्यसैगरी भू-संरक्षणका हिसाबले अति संवेदनशील क्षेत्रहरूमा वृक्षारोपण, बाँध निर्माण, तारजाली तथा परम्परागत बाढी तथा डुबान नियन्त्रण र भू-संरक्षणका कार्यक्रमहरू सञ्चालन गर्नुपर्ने देखिन्छ । साथै भू-संरक्षणको प्रभावकारी उपाय वृक्षारोपण भएकाले सो कार्यलाई प्राथमिकतामा राख्नु अति आवश्यक छ ।

### ६.१.१ वन व्यवस्थापन सम्बन्धी विवरण (सरकारद्वारा व्यवस्थित, सामुदायिक, कबुलियती, धार्मिक र निजी वन)

लिखु पिके गाउँपालिकाले वन, हरियाली र जैविक विविधताको संरक्षण र दिगो व्यवस्थापनलाई उच्च प्राथमिकतामा राखेको छ । वातावरणीय स्वच्छता, प्राकृतिक स्रोत र साधनको समुचित उपयोग र वन क्षेत्र संरक्षणको विषयलाई बढ्दो बस्ती विकास तथा सहरीकरणसँग सन्तुलन कायम गर्नु चुनौतीको रूपमा रहेको छ । सामुदायिक वनहरूको संरक्षण र व्यवसायिक उपयोगका लागि नीतिगत, कानुनी तथा प्रक्रियागत सुधारको प्रयास जारी छ । स्थानीय उपभोक्तालाई वनको जैविक विविधता तथा पर्यावरणीय प्रणालीको सेवाबारे जिम्मेवार र सक्षम बनाउन सचेतना र क्षमता वृद्धिका कार्यक्रम मार्फत सहरीकरण र जैविक विविधताको संरक्षणमा तालमेल मिलाउने उद्देश्य रहेको छ । गाउँपालिकामा रहेका वन सम्बन्धी विस्तृत विवरण तलको शिर्षकहरूमा प्रस्तुत गरिएको छ ।

### क. सामुदायिक वन

सामुदायिक वन भन्नाले सामुहिक हितको लागि वनको विकास, संरक्षण र उपयोग गर्न उपभोक्ता समूहलाई सुम्पिएको राष्ट्रिय वनलाई जनाउँदछ । स्थानीय बासिन्दालाई वन संरक्षण र उपयोगमा सहभागी बनाउने नेपाल सरकारको नीति अनुसार यस गाउँपालिकामा जिल्ला वन कार्यालय मार्फत सामुदायिक वन उपभोक्ता समूह गठन गरी वन हस्तान्तरण गर्ने काम पनि भइरहेको छ । वन ऐन, २०४९ तथा वन नियमावली, २०५१ ले व्यवस्था गरे बमोजिम सामुदायिक वनको संरक्षण, सम्बर्द्धन तथा व्यवस्थापनको सम्पूर्ण जवाफदेहीता सम्बन्धित वन उपभोक्ता समूहहरू नै हुन्छन् । यो कार्यक्रम शुरुमा लागू हुँदा यसको उद्देश्य नाङ्गा डाँडा पाखाहरूमा हरियाली बढाउने र सर्वसाधारण जनतालाई, काठ, दाउरा र डालेघाँस लगायत वनपैदावारको आधारभूत आवश्यकता परिपूर्ति गर्ने रहेको थियो । तर अहिले यस कार्यक्रमको मुख्य उद्देश्यमा विपन्न परिवारहरूको गरिबी निवारण, जीविकोपार्जन, जैविक विविधताको संरक्षण, दिगो वन व्यवस्थापन, सुशासन, समावेशीकरण, लैङ्गिक समानता, विशेष गरी महिला, दलित तथा जनजातिको सहभागिता जस्ता नयाँ नयाँ



सवालहरू समेत समावेश भएकाले यस कार्यक्रमले गरिबी न्यूनीकरणमा समेत सहयोग पुऱ्याउन सक्ने विश्वास गरिएको छ । जिल्ला वन कार्यालयको प्राविधिक सहयोगमा समूहको स्वीकृत विधान तथा वन कार्ययोजना बमोजिम उपभोक्ता समूहको क्रियाकलापहरू संचालन तथा सामुदायिक वनको संरक्षण, सम्बर्द्धन, व्यवस्थापन तथा वन पैदावारको सदुपयोग हुने गरेको छ । विगतको समयमा थोरै जनसंख्याको तुलनामा प्रशस्त वन क्षेत्र भएकाले पनि वन संरक्षण भन्दा उपयोगमा मात्र जोड दिएको पाइन्छ तर गएको केही वर्षदेखि वनक्षेत्र वरिपरिका जनतामा नयाँ जागरण देखिएको छ । सामुदायिक वनहरूमा विद्यमान संरक्षण र आफ्नो सामुदायिक वन प्रतिको लगावको परिणाम स्वरुप उजाड र मरुभूमीकरणतर्फ उन्मुख हुँदै खोला र खहरेहरूले ग्रसित भएका वनक्षेत्रहरू आज प्राकृतिक रूपमा संरक्षित भएका छन् । सामुदायिक वनका उपभोक्ताहरूसँग प्राविधिक ज्ञान र वनको उत्पादकत्व बढाउन आवश्यक पर्ने प्रविधिको अभाव खड्किएको छ । तसर्थ वन व्यवस्थापन कार्यलाई प्रभावकारी बनाउन सामुदायिक वनहरूलाई स्रोत, साधन र प्रविधियुक्त जनशक्तिको उपलब्धता हुनु जरुरी छ । उपभोक्ताहरूमा रहेका परम्परागत वन संरक्षण विधिहरूका अतिरिक्त नयाँ विधि र कार्यशैलीहरूको विकास गराउन जरुरी देखिन्छ । दक्षता अभिवृद्धिका निमित्त सामुदायिक वन उपभोक्ताहरूलाई तालिम, गोष्ठी, सेमिनार र अवलोकन भ्रमणका अवसरहरू प्रदान गर्नुपर्ने देखिन्छ ।

गाउँपालिका र सामुदायिक वन उपभोक्ता समूहहरूको सहभागितामा सामुदायिक वनभित्र गैरकाष्ठ वनपैदावारको उत्पादनलाई प्रोत्साहित गर्न र विभिन्न तालिम, गोष्ठी र अध्ययन भ्रमणहरू गरिदै आएका छन् । यसले स्थानीयस्तरबाट वन व्यवस्थापनका सम्पूर्ण पक्षहरूलाई अधि बढाउन र वनक्षेत्रको उत्पादन बढाउन थप मद्दत मिल्ने देखिन्छ । सामुदायिक वनहरूको सुदृढीकरणका निमित्त जिल्ला वन कार्यालयको जनशक्ति मात्रले सम्भव नदेखिएकाले उक्त कार्यका निमित्त वनसँग आवद्ध विभिन्न गैरसरकारी संस्थाहरूलाई गाउँपालिकामा परिचालन गर्नुपर्ने देखिन्छ ।

**तालिका नं. ७३ :** गाउँपालिकामा रहेका सामुदायिक वनको विवरण

| क्र.सं. | सामुदायिक वनको नाम                            | ठेगाना      |
|---------|---|-------------|
| १.      | पिके लाप्साड कर्म सामुदायिक वन उपभोक्ता समिति | लिखु पिके १ |
| २.      | काप्ती सामुदायिक वन                           | लिखु पिके १ |
| ३.      | ताक्लुङ सामुदायिक वन                          | लिखु पिके २ |
| ४.      | तामेडाँडा सामुदायिक वन                        | लिखु पिके ४ |
| ५.      | लोले छिरिङखर्क सामुदायिक वन                   | लिखु पिके ५ |
| ६.      | भकाञ्जे सामुदायिक वन                          | लिखु पिके ५ |

स्रोत: गाउँकार्यपालिकाको कार्यालय, २०८१

## ख. निजी वन

निजी वन भन्नाले प्रचलित कानून बमोजिम कुनै व्यक्तिको हक पुग्ने निजी जग्गामा हुर्काइएको वा संरक्षण गरिएको वनलाई जनाउँदछ ।

## ग. धार्मिक वन

धार्मिक वन भन्नाले वनको विकास, संरक्षण र उपयोग गर्न कुनै धार्मिक निकाय, समूह वा समुदायलाई सुम्पिएको राष्ट्रिय वनलाई सम्झनु पर्दछ ।

## घ. राष्ट्रिय वन

राष्ट्रिय वन भन्नाले वातावरण सन्तुलन कायम राखी वनको विकास, संरक्षण तथा वन पैदावारको उपयोग र बिक्रि वितरण गर्न तयार गरिएको वन सम्बन्धी कार्ययोजना भन्ने बुझिन्छ । राष्ट्रिय वन भन्नाले निजी वन बाहेक नेपाल भित्रको वन सिमाना लगाइएको वा नलगाइएको सबै वन सम्भन्धि र सो शब्दले वनले घेरिएको वा वनको छेउछाउमा रहेको प्रति वा ऐलानी जग्गा तथा वनभित्र रहेको बाटो, पोखरी, ताल वा खोलानाला र बगर समेतलाई जनाउँछ ।

## ङ. चकला वन

चकला वन भन्नाले कम्तिमा पाँच सय हेक्टर क्षेत्रफल भएको सरकारद्वारा व्यवस्थित वनको कुनै भागलाई बुझिन्छ ।

## च. साभेदारी वन

साभेदारी वन भन्नाले डिभिजन वन कार्यालय, स्थानीय तह र उपभोक्ताको साभेदारीमा व्यवस्थापन गरिने राष्ट्रिय वनको कुनै भागलाई बुझिन्छ ।

## छ. कबुलियती वन

कबुलियती वन भन्नाले (केही नेपाल संशोधन गर्ने ऐन, २०७५ द्वारा थप गरिएको समेत), विभिन्न उद्देश्य प्राप्तिका लागि प्रचलित कानून बमोजिम स्थापित कुनै संस्था वन पैदावारमा आधारित कुनै उद्योग वा समुदायलाई कबुलियत गरी प्रदान गरिएको राष्ट्रिय वनलाई जनाउँदछ । राष्ट्रिय वन ऐन, २(४) को परिच्छेद-६ मा उल्लेख भए अनुसारको राष्ट्रिय वनको भागलाई नै कबुलियती वन भनिन्छ । कबुलियती वन देहाय बमोजिमको उद्देश्य प्राप्तिको लागि छुट्ट्याइएको हुन्छ :

- (क) वन पैदावारमा आधारित उद्योगहरूलाई आवश्यक पर्ने कच्चा पदार्थ उत्पादन गर्न,
- (ख) बृक्षारोपण गरी वन पैदावारको उत्पादनमा अभिवृद्धि गरी बिक्रि वितरण गर्न वा उपयोग गर्न,
- (ग) वनको संरक्षण र विकास हुने गरी पर्यटन व्यवसाय सञ्चालन गर्न,
- (घ) वनको संरक्षण र विकास हुने गरी कृषि वन बाली कार्य सञ्चालन गर्न,
- (ङ) वनको संरक्षण र विकास हुने गरी कीट, पतङ्ग तथा वन्यजन्तुको फर्म सञ्चालन गर्न ।

## ६.१.२ बृक्षारोपणका लागि खाली स्थान सम्बन्धी विवरण

यस गाउँपालिकामा नदी किनार, विभिन्न स-साना खोला नालाका किनार, तालका किनारहरु खेलमैदानका किनारहरु, सडक किनारमा, सामुदायिक वन क्षेत्रहरु आदि बृक्षारोपणका लागि खाली स्थानका रूपमा रहेका छन् ।

## ६.१.३ जडिबुटी उत्पादन, संकलन तथा निकासी सम्बन्धी विवरण

### जडिबुटी सम्बन्धी विवरण

गाउँपालिकाको ठण्डा समशीतोष्ण तथा लेकाली जलवायु भएका कारण यहाँको वन क्षेत्रमा पाइने जडिबुटीहरूमा चिराइतो, पाँचऔँले, जटामसी, पाखनभेद, कुडिक, पदमचाल, सुनापाती, धुपी, वन लसुन, सतुवा, बोभो, गुर्जो, मफिटो, धसिङ्ग्रे, कालो मुस्ली, सेतो मुस्ली, यासा गुम्बा आदि पाईन्छन् । यी जडिबुटीहरु संकलन तथा बिक्री हुने प्रशस्त सम्भावना रहेको देखिन्छ ।

### ६.१.४ गाउँपालिका क्षेत्रबाट निकासी हुने वन पैदावारको विवरण

सामान्यतया वन पैदावारको रूपमा प्रयोग हुने वस्तुहरू भनेका काठ, दाउरा, जडिबुटी, खोटो, खर आदि हुन् । वनको वैज्ञानिक व्यवस्थापन गरी वा हरित क्षेत्रको विकास गरी यस प्रकारका वन पैदावारहरूको व्यवसायिक उत्पादन तथा निकासी गरी आर्थिक उपार्जन गर्न सकिन्छ । विशेष गरी वनले ओगटेको क्षेत्रफल बढी भएको क्षेत्रहरूमा वनलाई नै स्थानीय विकासको मेरुदण्डको रूपमा लिन सकिन्छ ।

गाउँपालिकाबाट उत्पादन भएका वनपैदावारको बिक्री वितरण उपभोगको स्थितिलाई हेर्दा यहाँको उत्पादन यस गाउँपालिकाको आपूर्तिलाई पुऱ्याई जिल्ला भित्रकै अन्य गाउँपालिका तथा ग्रामिण क्षेत्र तथा अन्य जिल्लामा पनि जाने गरेको छ । यस गाउँपालिकामा काठ/दाउरा खपत मुख्य वनपैदावारमा आधारित उद्योगहरूमा हुने गर्दछ । यसका अलावा यहाँको जनसंख्या र बसाइँसराई तथा शहरीकरणले आवश्यक पर्ने काठ/दाउरा तथा विकास निर्माणमा काठको माग बढ्दै गएको छ । वनजंगलको नजिकका परिवारले बढी काठ/दाउरा खपत गर्दछन् भने वनबाट टाढा रहने परिवारले धेरै कम परिमाणमा काठ/दाउरा खपत गर्ने गरेको पाईन्छ ।

### ६.२ जलश्रोत तथा जलाधार क्षेत्र

यस गाउँपालिकामा रहेका हिमाल तथा मुल फुटेर बग्दै गरेका खोलाहरू र तालहरू जस्तै: लिखु खोला, घट्टे खोला, ढाडे खोला, किञ्जा खोला, कोरेसी खोला, ओइमु खोला लगायतका खोलाहरू महत्वपूर्ण जलाधार क्षेत्रहरू हुन् । गाउँपालिकामा भूमिगत जल, खोला नाला, पोखरी आदि जल स्रोतका रूपमा रहेका छन् ।

#### ६.२.१ प्रमुख नदी तथा खोलाहरू

गाउँपालिकाका विभिन्न भौगोलिक क्षेत्र तथा वडाहरूमा फैलिएर रहेका नाला, ताल तथा खोलाहरूले प्रशस्त जलभण्डार गर्नुका साथै विभिन्न किसिमका जलचरहरू र पन्छीहरूलाई सुरक्षित बासस्थानको रूपमा आश्रय दिइरहेको पाइन्छ । साथै यस्ता खोला तथा तालहरूबाट पशुहरूले पानी पिउने र किसानहरूले समेत बेलाबखत आंशिक रूपमा सिँचाईको लागि पानीको प्रयोग गरेको देखिन्छ । मानव बस्तीको विकास र बसाइँसराईको चापका साथै पशुहरूको अत्याधिक चरीचराउ र उपयोगले प्राकृतिक खोला तथा तालहरू भू-क्षय भई पुरिने क्रम जारी छ ।

**तालिका नं. ७४ :** गाउँपालिकामा भएका खोला र नालाहरूको विवरण

| क्र.सं. | खोला र नालाहरूको नाम | समेटिएको ठाउँ वा क्षेत्र |
|---------|----------------------|--------------------------|
| १       | लिखु खोला            | गाउँपालिका भित्र         |
| २       | किञ्जा खोला          | लिखु पिके ५              |
| ३       | बुकु काप्ती खोला     | लिखु पिके १ र २          |
| ४       | मार्वु खोला          | लिखु पिके                |
| ५       | थेमजेड खोला          | लिखु पिके                |
| ६       | ढाडे खोला            | लिखु पिके                |
| ७       | घट्टे खोला           | लिखु पिके                |
| ८       | कोरेसी खोला          | लिखु पिके                |
| ९       | कढ्डाबु खोला         | लिखु पिके                |
| १०      | ओईमु खोला            | लिखु पिके                |

स्रोत: गाउँकार्यपालिकाको कार्यालय, २०८१

## ६.२.२ ताल, तलैया, पोखरी र सिमसार सम्बन्धी विवरण

तालिका नं. ७५ : ताल, तलैया, पोखरी, सिमसार क्षेत्र सम्बन्धी विवरण

| क्र.सं. | सिमसार क्षेत्र, तालतलैया र पोखरीको नाम | ठेगाना      |
|---------|--|-------------|
| १.      | दाक्चु पोखरी                           | लिखु पिके ५ |
| २.      | नाम्खेली पोखरी                         | लिखु पिके २ |
| ३.      | गोली पोखरी                             | लिखु पिके २ |

स्रोत : गाउँकार्यपालिकाको कार्यालय २०८१

## ६.३ जैविक विविधता र वातावरणीय सेवा

### ६.३.१ बासस्थानका आधारमा महत्वपूर्ण जनावर र चराचुरुङ्गीको विवरण

#### प्रमुख वन्यजन्तुहरूको विवरण

यस गाउँपालिकामा पाइने प्रमुख वन्यजन्तुहरूमा रेडपाण्डा, मृग, घोरल, बाघ, भालु, बाँदर, चितुवा, दुम्सी, भारल, कस्तुरी जस्ता लोपोन्मुख वन्यजन्तु र डाँफे, मुनाल, चिलिमे, लुईचे/कालिज, काँडेभ्याकुर, ढुकुर, च्याखुरा आदि रहेका छन् ।

#### प्रमुख चराचुरुङ्गीहरूको विवरण

यस गाउँपालिकामा पाइने पक्षीहरूको प्रजातिमा डाँफे, मुनाल, चिलिमे, लुईचे/कालिज, ढुकुर, हुचिल, लाटोकोसेरो, काग, जुरेली, गौथली, परेवा, चमेरा, लुईचे, कालो गिद्ध, लामो ठुँडे गिद्ध, सिलसिले, कटुस टाउके मौरी चरी, जङ्गली लाटोकोसेरो, चिल, कोईली, हुट्टी ट्याउँ, कालो ढाडे लाहाँचे, भद्रे, सानो जलेवा, सानो बकुला, लालसर, कालो भूँडीफोर, चिभे, तोप चरा, कोकले, जुरेली/बुलबुल, गाजले चरी, धोबी चरा, श्यामा, रानी चरी, छिरबिरे माटो कोरे, थोप्ले लाटोकोसेरो आदि छन् ।

#### घिसने जीवजन्तुहरू

यस गाउँपालिकामा विशेष गरी घिसने जीवजन्तु अन्तर्गत विभिन्न प्रजातीका सर्प, छेपारो, गोहोरो, भ्यागुता, हरेउ, भित्ती, गड्यौला, जुका, अन्य किटपतङ्ग पाइन्छन् ।

#### कीरा फट्याङ्ग्राहरू

मौरी, खागो, पुत्को, कठेउरी, गोब्रेकीरा, जुका, बिच्छी, खजुरो, भुसिल किरा, अरिगाल, शङ्खेकीरा, बिच्छुँ, माकुरा, डाँस, पतेरो, साङ्लो, गाईने किरा, लाही, जुनकीरी, सुलसुले, कनसुले, पुतली लगायतका सयौं प्रकारका किरा फट्याङ्ग्राहरू आदि पाइन्छन् ।

### ६.३.२ महत्वपूर्ण वनस्पती विवरण

गाउँपालिकामा सिमल, सेतो गुराँस, पदमचाल, सुनाखरी, तितेपाती, बनमारा, लौठसल्ला, च्याउ (रातो, सेतो, पहुँलो), ठिङ्गे सल्ला, गोब्रे सल्ला, खोटे सल्ला, खसु, पहेले, लालिगुरास, पिपल, उत्तिस, चाप, खोल्मे, जिडान, आरुपाते, ओखर, चुत्रा, अंगेरी, बुलु, धुपी, बाँस, निगाला, जुनार, अम्बा, किवी, गोगन, जुनार, कुरिलो, चिया लगायतका वनस्पतीका प्रजातिहरू पाइन्छन् ।

## जडिबुटी सम्बन्धी विवरण

गाउँपालिकाको वन क्षेत्रमा पाइने जडिबुटीहरूमा यासाँगुम्बा, चिराइतो, पाँचऔँले, जटामसी, पाखनभेद, कुडिक, पदमचाल, सुनापाती, धुपी, वन लसुन, सतुवा, बोभो, गुर्जो, मभिटो, धसिङ्ग्रे, कालो मुस्ली, सेतो मुस्ली, टिमुर, हलुवा वेद, कागति आदि रहेका छन् । यी जडिबुटीहरू संकलन तथा बिक्री हुने प्रशस्त सम्भावना रहेको देखिन्छ ।

## ६.४ विपद् जोखिम व्यवस्थापन

गाउँपालिकामा भिरालो जमिन, कमजोर भोगर्भिक अवस्था, मौषमी विषमता तथा जलवायु परिवर्तनका कारण भूकम्प, बाढी, पहिरो तथा भू-स्खलन, चट्याङ, खडेरी, हिमपात, असिना, हिमपहिरो, हिमताल विष्फोट, अतिवृष्टि, हुरी बतास, वन डढेलो लगायतका प्राकृतिक प्रकोपहरूबाट प्रभावित र संवेदनशील क्षेत्रमा पर्दछ । प्राकृतिक वातावरणमा असर पर्ने मानवीय गतिविधिका कारण गाउँपालिका क्षेत्रमा प्राकृतिक सन्तुलन बिग्रन गई बस्ती एवं खेतीतर्फ अनियन्त्रित बाढीको प्रकोप केन्द्रीत भएको छ । मूलतः अगला अगला पहाडको विचमा रहेको मानव बस्तीको मानवीय गतिविधिले भूकम्पीय प्रकोपका कारण समेत यो संवेदनशील क्षेत्रमा भू-क्षयको दृष्टिकोणले प्रतिकूल प्रभाव पारेको छ । यस क्रमलाई रोक्नका लागि तटबन्धनको व्यवस्था र ढल निकासको व्यवस्था मिलाउनुपर्ने देखिन्छ । त्यस्तै, मानव र वन्यजन्तु विचको द्वन्द्वले विभिन्न किसिमका मानविय घटनाहरू घट्ने गरेका छन् । अल्पकालीन, मध्यकालीन र दीर्घकालीन उपायहरू अवलम्बन गर्नुपर्ने आवश्यकतालाई ध्यानमा राख्दै अल्पकालीन उपायको रूपमा स्पर एवं तटबन्ध निर्माण गर्ने मध्यकालिन उपायको रूपमा प्रभावित क्षेत्रको वरिपरि वृक्षारोपण गर्ने र दीर्घकालीन उपायको रूपमा सम्पूर्ण खोला प्रभावित क्षेत्रलाई संरक्षण गर्ने, मानव र वन्यजन्तु विचको द्वन्द्वलाई न्यूनीकरण गर्नेतर्फ काम अगाडि बढाउनुपर्ने देखिन्छ । उल्लेखित क्षेत्रलाई मानवीय गतिविधिबाट अप्रभावित पार्ने र सघन जलाधार क्षेत्र संरक्षण कार्यक्रमहरू सञ्चालन गर्नुपर्ने देखिएको छ ।

### ६.४.१ जोखिमयुक्त (संवेदनशील स्थानमा बसोबास गरेका परिवार) विवरण

तालिका नं. ७६ : प्राकृतिक प्रकोपको जोखिममा रहेको परिवारको विवरण (बहुउत्तरमा आधारित)

| वडा नं.        | पहिरो        | कुनै पनि जोखिममा नभएको | बाढी         | हुरिबतास    | वन्यजन्तुको जोखिम | असिना       | चट्याङ      | डढेलो       | डुबान       | शितलहर      | कटान        | जम्मा       |
|----------------|--------------|------------------------|--------------|-------------|-------------------|-------------|-------------|-------------|-------------|-------------|-------------|-------------|
| १              | ७२           |                        | ६०           | ६८          | ६१                | ७३          | ४६          | १७          |             | १           | १           | ३९९         |
| २              | १९५          | १७५                    | ९०           | १५          | १८                | ४           | ३           | ३           | २           |             |             | ५०५         |
| ३              | २९           | १६६                    | ३८           | १३          |                   |             | २           |             |             |             |             | २४८         |
| ४              | १४७          | २                      | १७४          | २९          | ६                 | २           | १           |             | ४           | १           |             | ३६६         |
| ५              | ७६           | १६५                    | १०           |             |                   | १           |             |             |             |             |             | २५२         |
| <b>जम्मा</b>   | <b>५१९</b>   | <b>५०८</b>             | <b>३७२</b>   | <b>१२५</b>  | <b>८५</b>         | <b>८०</b>   | <b>५२</b>   | <b>२०</b>   | <b>६</b>    | <b>२</b>    | <b>१</b>    | <b>१७७०</b> |
| <b>प्रतिशत</b> | <b>२९.३२</b> | <b>२८.७</b>            | <b>२१.०२</b> | <b>७.०६</b> | <b>४.८</b>        | <b>४.५२</b> | <b>२.९४</b> | <b>१.१३</b> | <b>०.३४</b> | <b>०.११</b> | <b>०.०६</b> | <b>१००</b>  |

स्रोत : घरधुरी तथ्याङ्क संकलन, २०८१

## ६.४.२ विपद्को किसिम अनुसार जोखिमको समय

तालिका नं. ७७ : गाउँपालिकामा हुन सक्ने सम्भावित प्रकोपको विवरण

| क्र<br>स | सम्भावित<br>प्रकोप | विद्यमान अवस्था  | समय                         |
|----------|--------------------|--|-----------------------------|
| १        | भूकम्प             | भूकम्पिय जोखिमका दृष्टिले नेपाल विश्वको ११औँ स्थानमा रहेको र गाउँपालिकामा भूकम्प प्रतिरोधात्मक भवन कमै मात्रामा भएको, भवन आचारसंहिता पूर्ण रूपमा लागू नभएको ।  | जुनसुकै<br>समयमा            |
| ३        | बाढी               | गाउँपालिका भएर बग्ने विभिन्न नदी तथा खोलाहरुमा जेष्ठ असार साउन भदौ महिनामा अकस्मात आउने बाढी, तथा जम्मा भएको पानीले असर पुऱ्याउने गरेको ।  | जेष्ठ-<br>असोज              |
| ४        | डढेलो              | गाउँपालिकाको धेरै भाग जंगल रहेकाले यहाँ रुखको पातहरु खस्ने समयमा आगलागि हुने विभिन्न महत्वपूर्ण जडिबुटी जलेर नष्ट हुने, बस्तीसम्म आगो पुग्ने र जंगली जनावरहरुको बासस्थानमा प्रत्यक्ष असर पर्ने गरेको छ । | चैत्र-जेष्ठ                 |
| ५        | महामारी            | प्रकोपका रूपमा भाडापखाला लगायतका पानीजन्य रोग बढ्ने गरेको, स्रोतसाधन अभाव र जनचेतनाको कमी, अनुकूल क्षमताको अभाव ।  | विपद् पछि,<br>अन्य<br>समयमा |
| ६        | हिमपात             | पालिकाको उत्तरी क्षेत्रहरुमा हिउँदयाममा हिमपात हुने हुँदा जनजिवन कष्टकर हुने   | मंसिर-<br>माघ               |
| ७        | हावाहुरी           | हावाहुरीका कारण बालीनाली, बोटबिरुवाहरुमा क्षती पुऱ्याउने साथै धनजनको क्षती   | चैत-<br>वैशाख               |
| ८        | हिमपहिरो           | हिमाली जिल्ला भएकाले बाह्रै महिना हिउँ पर्ने डाँडाहरुमा सूर्यको ताप वृद्धि सँगै हिउँ पग्लिएर पहिरोमा परिणत भई मानव बस्ती सम्म आई क्षती पुऱ्याउँछ ।   | कात्तिक-<br>पौष             |
| ९        | भू-क्षय/बाढी       | भिरालो जमिनका कारण वर्षायाममा पालिकाका विभिन्न स्थानमा भू-क्षय/बाढीले धन जनको क्षती पुऱ्याउँछ ।  | जेष्ठ-<br>असार              |
| १०       | चट्याड/अर्<br>सना  | बढी जसो वर्षायाम र पानी परेको समयमा  | जुनसुकै<br>समयमा            |

स्रोत: जिल्ला समन्वय समिति, २०८०

## परिच्छेद - ७ : भौतिक विकासको अवस्था

### ७.१ यातायात पूर्वाधार

#### ७.१.१ सडक संजालको विद्यमान अवस्था

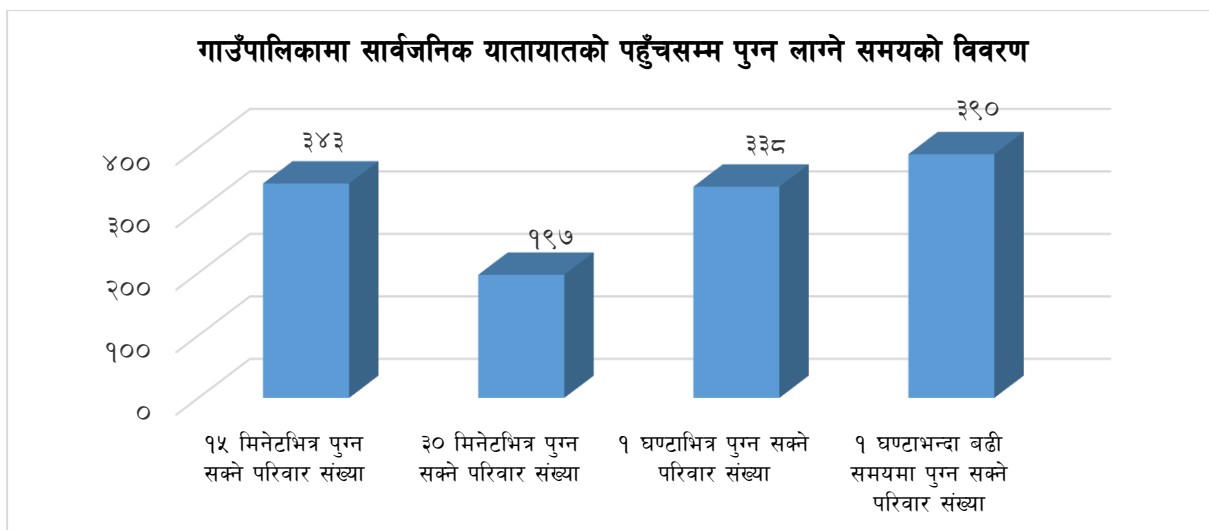
कुनै पनि स्थानको भौतिक विकासको निम्ति सडक सञ्जाल प्रारम्भिक शर्त हो । सम्पूर्ण सुविधा सम्पन्न सडक यातायातको विकाससँगै समग्र विकासको ढोका खुल्दछ । स्थानीय तहको हकमा वडा केन्द्रहरूलाई पालिका केन्द्रसँग जोड्नु तथा पालिका केन्द्रलाई जिल्ला सडक हुँदै राष्ट्रिय राजमार्ग प्रणालीमा जोड्नु अति नै आवश्यक हुन्छ । गाउँबस्तीहरूमा कृषि सडकहरूको विकास र स्तरोन्नति मार्फत् कृषि उत्पादनहरूको बजारीकरण गरी जनताको आर्थिक अवस्थालाई मजबुत बनाउन सकिन्छ । सुविधा सम्पन्न सडक सञ्जाल मार्फत उद्योग तथा पर्यटन क्षेत्रको विकास गरी आर्थिक क्रान्ति सम्भव छ । यसको अलावा धार्मिक क्षेत्रहरूमा सडक सञ्जाल मार्फत पहुँच पुऱ्याएर आन्तरिक तथा बाह्य पर्यटकहरू आकर्षित गर्न सकिन्छ ।

२०५० को नक्सांकन कार्य गर्ने समयसम्म नेपालका पहाडी क्षेत्रमा सडकको अवस्था निकै कमजोर थियो । तर २०४६ को आम परिवर्तनपछि स्थानीय निकायलाई राष्ट्रिय कोषबाट रकम विनियोजन गर्ने परिपाटी भए अनुसार ग्रामीण क्षेत्रमा पनि सडक विस्तारको कार्यले गति लिन थाल्यो । तत्पश्चात सडक सञ्जालको विस्तारमा ग्रामीण क्षेत्रले पनि फड्को मारेको छ । तर दुर्गम पहाडी भू-भागका कारण कतिपय त्यस्ता स्थलगत संरचनाको नक्सांकन कार्य हुन नसकेको र तथ्यगत सूचनाको अभावमा ती क्षेत्रहरूमा के कति सडक सञ्जालको विस्तार भएको छ भन्न एकिन तथ्याङ्क भने उपलब्ध छैन । यही प्रसंगमा गाउँपालिका यातायात गुर्योजना: (Rural Municipality Transport Master Plan- RMTMP) को परिकल्पना हरेक नगर/गाउँ क्षेत्रको यातायात सञ्जालका तथ्यांकमा आधारित नक्सा र तथ्यको आधारमा गर्नुपर्ने बाध्यात्मक व्यवस्था गरिएको थियो । तर ग्रामीण बस्तीहरूमा त्यो पुगेको थिएन । यस गाउँपालिकामा सार्वजनिक यातायातसम्मको पहुँचको अवस्था देहाय बमोजिम रहेको छ ।

**तालिका नं. ७८ :** गाउँपालिकामा सार्वजनिक यातायातको पहुँचसम्म पुग्न लाग्ने समयको विवरण

| वडा            | १५ मिनेटभित्र पुग्न सक्ने परिवार संख्या | ३० मिनेटभित्र पुग्न सक्ने परिवार संख्या | १ घण्टाभित्र पुग्न सक्ने परिवार संख्या | १ घण्टाभन्दा बढी समयमा पुग्न सक्ने परिवार संख्या | जम्मा परिवार संख्या |
|----------------|---|---|--|--|---------------------|
| १              | ४३                                      | ५०                                      | ३४                                     | २५   | १५२                 |
| २              | १                                       | ३१                                      | ८४                                     | २७२  | ३८८                 |
| ३              | १७४                                     | ४३                                      | १२                                     | ४  | २३३                 |
| ४              | ९४                                      | ६७                                      | ६१                                     | २४   | २४६                 |
| ५              | ३१                                      | ६                                       | १४७                                    | ६५   | २४९                 |
| <b>जम्मा</b>   | <b>३४३</b>                              | <b>१९७</b>                              | <b>३३८</b>                             | <b>३९०</b>                                       | <b>१२६८</b>         |
| <b>प्रतिशत</b> | <b>२७.०५</b>                            | <b>१५.५४</b>                            | <b>२६.६६</b>                           | <b>३०.७६</b>                                     | <b>१००</b>          |

स्रोत: घरघुरी सर्भेक्षण २०८१



यस गाउँपालिकामा रहेका कुल १,२६८ घरधुरीमध्ये ३४३ अर्थात् २७.०५ प्रतिशत घरधुरी १५ मिनेट भित्र वा सो भन्दा कम समयको अन्तरालमा सार्वजनिक यातायातको पहुँचसम्म पुग्ने गरेका छन् । यसैगरी १९७ अर्थात् १५.५४ प्रतिशत घरधुरी ३० मिनेटभित्र, ३३५ अर्थात् २६.६६ प्रतिशत १ घण्टाभित्र र ३९० अर्थात् ३०.७६ प्रतिशत परिवार १ घण्टाभन्दा बढी समय सार्वजनिक यातायातको पहुँचमा पुग्ने गर्छन् । जसको विस्तृत वडागत विवरण तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ ।

### ७.१.२ गाउँपालिका क्षेत्रभित्र चल्ने सवारी साधन

हाल आएर नेपालका शहरी क्षेत्र र बजार केन्द्रहरूमा सडक यातायात अन्तर्गत लामो दुरीमा बस, मिनिबस, हायस तथा माईक्रो बस सञ्चालनमा आएका पाइन्छन् भने छोटो दुरीमा माईक्रोबस, हायस, मोटरसाईकलहरू सञ्चालनमा रहेका छन् । यी सवारी साधनहरू मध्ये कतिपय निजी र कतिपय सार्वजनिक हुन्छन् ।

कुनै पनि क्षेत्रको आर्थिक तथा सामाजिक विकासलाई गतिशील बनाउन, सार्वजनिक वस्तु तथा सेवा प्रवाहलाई सरल र सहज बनाउन, कृषि तथा गैरकृषि क्षेत्रको विकास गर्न यातायात एउटा महत्वपूर्ण पूर्वाधारको रूपमा रहेको हुन्छ । यस गाउँपालिकामा मुख्यतया ट्रक, ट्रेक्टर, कार, बस, मोटरसाईकल उपयोग गरिएको देखिन्छ । गाउँपालिकाका सबै वडाहरूमा बाह्रै महिना सुचारु हुने गरी सडक मार्गहरूको स्तरोन्नति गर्नुपर्ने देखिन्छ । साथै सडक यातायातका लागि आवश्यक विभिन्न पूर्वाधारहरू जस्तै : सवारी साधन पार्किङ स्थल, बस स्टप, यात्रु प्रतिक्षालय, सडक बत्ती, सडक सड्केत चिन्न, बसको अन्तिम बिसौनी सम्बन्धी सेवा सुविधाहरू व्यवस्थित रूपमा विकास गर्नुपर्ने देखिन्छ ।

### ७.१.३ आफु बसोबास गरेको स्थानबाट नजिकका बजारकेन्द्र पुग्न लाग्ने अनुमानित समय

गाउँपालिकाका विभिन्न बस्तीदेखि त्यहाँ निकटका बजार केन्द्रसम्मको दुरीले बजारसँगको जनताको पहुँचलाई निर्धारण गर्दछ । त्यसैले, बजार केन्द्रविचको दुरी सबै वडा तथा टाढाको बस्तीहरू सापेक्ष हुनु जरुरी हुन्छ । नेपालले अभ्यास गरेको संघीय प्रणाली अन्तर्गत स्थानीय तह निर्माणको उद्देश्य भनेकै दुरदराजका गाउँबस्तीमा बस्ने जनतालाई विकासको अनुभूति दिलाउनु हो । त्यसकारण स्थानीय सरकारले सडक यातायातको विकास र विस्तार गर्दा टाढाको बस्तीबाट गाउँपालिका केन्द्रसम्म जतिसक्दो छिटो पुग्न सकिने व्यवस्थालाई मध्यनजर गर्नुपर्दछ । गाउँपालिकाको टाढाको बस्तीदेखि बजार केन्द्रसम्मको दुरीको विवरण निम्न तालिकामा उल्लेख गरिएको छ ।



**तालिका नं. ७९ :** आफू बसोबास गरेको स्थानबाट नजिकका बजार केन्द्रसम्म लाग्ने अनुमानित समय

| वडा            | १५ मिनेटभित्र पुग्न सक्ने परिवार संख्या | ३० मिनेटभित्र पुग्न सक्ने परिवार संख्या | १ घण्टाभित्र पुग्न सक्ने परिवार संख्या | १ घण्टाभन्दा बढी समयमा पुग्न सक्ने परिवार संख्या | जम्मा परिवार संख्या |
|----------------|---|---|--|--|---------------------|
| १              | ५                                       | २९                                      | ३४                                     | ८४   | १५२                 |
| २              | १५८                                     | १२९                                     | २४                                     | ७७   | ३८८                 |
| ३              | १३३                                     | ५२                                      | ३२                                     | १६   | २३३                 |
| ४              | ५९                                      | ९४                                      | ६३                                     | ३०   | २४६                 |
| ५              | २६                                      | २                                       | १६२                                    | ५९   | २४९                 |
| <b>जम्मा</b>   | <b>३८१</b>                              | <b>३०६</b>                              | <b>३१५</b>                             | <b>२६६</b>                                       | <b>१२६८</b>         |
| <b>प्रतिशत</b> | <b>३०.०५</b>                            | <b>२४.१३</b>                            | <b>२४.८४</b>                           | <b>२०.९८</b>                                     | <b>१००</b>          |

स्रोत : घरघुरी सर्भेक्षण २०८१

### ७.१.४ बसपार्क तथा बस बिसौनी सम्बन्धी विवरण

गाउँपालिकामा बिजुली बत्ती, पानी, यात्रु प्रतिक्षालय, शौचालय, सार्वजनिक मोबाइल चार्जिङ स्टेशन लगायतका सुविधाहरू भएका बसपार्कको निर्माण गरी जनताको अवागमनलाई सहज बनाउन सकिन्छ । विकसित मुलुकहरूको अभ्यास हेर्दा बसपार्कहरूमा हेल्प डेस्क लगायत शान्ति सुरक्षाको उचित प्रबन्ध मिलाएको पाईन्छ । सुविधा सम्पन्न र सुरक्षित बसपार्कहरू निर्माण भएको खण्डमा यातायात सेवाको गुणस्तर वृद्धि हुन्छ ।

### ७.१.५ स्रोत नक्सा

### ७.२ विद्युत् तथा वैकल्पिक उर्जा

केही सिमित दुर्गम क्षेत्रका विपन्न घरहरूमा विद्युतीकरण नभए तापनि त्यसको संख्या नगन्य रहेकाले विद्युतीकरणमा ठूलो लगानी गर्नुपर्ने अवस्था छैन । तथापि प्रशारण लाइनको सुदृढीकरणका लागि भने प्रशस्त काम गर्नुपर्ने देखिन्छ । विद्युत् प्रशारण लाईन सुधारमा सर्वप्रथम काठका पोलहरू पक्की वा फलामका पोलहरूले विस्थापन गर्नुपर्ने देखिन्छ, भने Low Voltage हुने स्थानहरूमा ट्रान्सफर्मर जडान गर्नुपर्ने देखिन्छ । विद्युत सेवा बाहेक वैकल्पिक र नवीकरणीय ऊर्जा प्रवर्द्धनका लागि ठोस कार्यक्रमहरू सञ्चालन गर्नुपर्ने देखिन्छ । पशुपालन हुने क्षेत्रमा गोबर ग्याँस निर्माणमा प्रोत्साहन र अनुदान दिने र अन्य दुर्गम तथा सुगम दुवै क्षेत्रमा सौर्य ऊर्जा जडान गर्न सके त्यसबाट ऊर्जाको नियमित आपूर्ति हुनुको साथै थप विकासका क्रियाकलापहरूलाई ऊर्जाको सदुपयोगमार्फत गति दिन सकिन्छ । सौर्य ऊर्जाबाट लिफ्ट सिँचाई खानेपानी आयोजना सञ्चालन गर्न ग्राहस्थ उपभोगका निमित्त प्रयोग गरी बढी भएको ऊर्जालाई राष्ट्रिय प्रशारण लाइनमा विक्री समेत गर्न सकिन्छ ।

सामान्तया: एउटा सामान्य परिवारले दैनिक २ किलोवाट विद्युत खपत गर्दछ । त्यसमा पनि यो उपभोगको मात्रा ग्रामीण भेगहरूमा त्यो भन्दा न्यून हुन्छ । १७.६ वर्ग फिटको सोलार प्यानलले २५० वाट विद्युत उत्पादन गर्दछ । दिनभर करिब ६.८ घण्टा सूर्यको किरणबाट २५० वाट ६.८ घण्टा गर्दा १.७ किलोवाट विद्युत निस्कन्छ । १.७ किलोवाट ३० दिन उत्पादन गर्दा महिनामा ५१ किलोवाट विद्युत उत्पादन हुन सक्दछ ।

$$५१ \text{ कि.वा.} \times \frac{६००}{१७.६} = १७३८ \text{ कि.वा.}$$

यसको अर्थ ६०० वर्गफिट ओगट्ने घरमा सौर्य ऊर्जा जडान गर्दा सो घरलाई पुग्ने ऊर्जा उत्पादन गर्न सकिन्छ। यद्यपि, ग्रामीण घरहरू सौर्य ऊर्जा उत्पादनमैत्री बनाउनुपर्ने हुन्छ। अर्कोतर्फ पानीका सदाबहार स्रोतहरू भएको र जलाशयमा आधारित विद्युतको समेत सम्भावना अध्ययन गरी लघुविद्युत योजनाहरू सञ्चालन गर्न सकिन्छ। यसरी उत्पादित विद्युत बढी भएको खण्डमा राष्ट्रिय प्रशारण लाइनमा बेच्न सकिन्छ। हालसम्म समेत काठमाडौंलाई खाना पकाउने मुख्य इन्धनको रूपमा प्रयोग गर्ने घरपरिवार धेरै भएकाले काठमाडौं विस्थापन गर्न विद्युत तथा सौर्य ऊर्जाले सहयोग पुऱ्याउन सक्दछ। यसबाट वातावरण संरक्षणमा समेत टेवा पुग्दछ। तसर्थ गाउँपालिकाका विभिन्न वडामा विद्युत प्रशारण लाईन मर्मत सम्भार तथा सुधार, ट्रान्सफर्मर जडान, वैकल्पिक तथा नवीकरणीय ऊर्जा प्रवर्द्धनका कार्यक्रमहरू सञ्चालन गर्नुपर्ने देखिन्छ।

### ७.२.१ इन्धन उपयोग विवरण (खाना पकाउने इन्धनको आधारमा घरपरिवार)

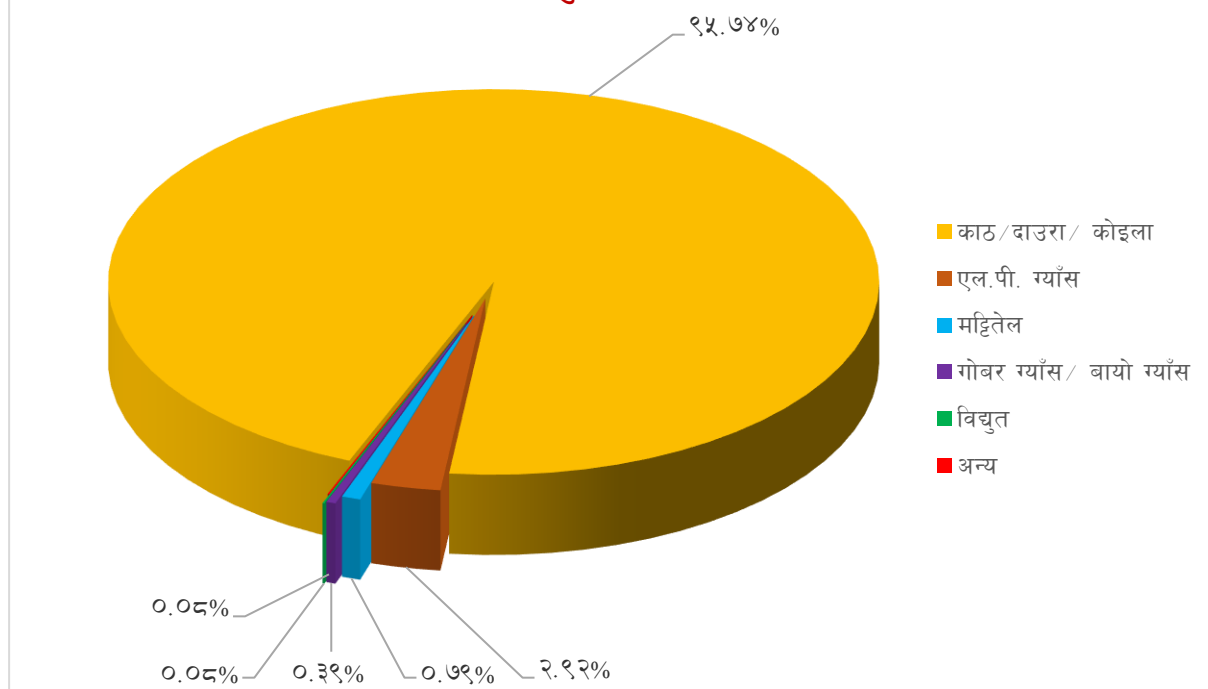
**तालिका नं. ८० :** खाना पकाउने मुख्य इन्धनको आधारमा घरपरिवारको विवरण

| वडा नं.        | काठ/दाउरा/कोइला | एल.पी. ग्याँस | मट्टितेल    | गोबर ग्याँस/बायो ग्याँस | विद्युत (इन्डक्सन चुलो) | अन्य        | जम्मा परिवार संख्या |
|----------------|-----------------|---------------|-------------|-------------------------|-------------------------|-------------|---------------------|
| १              | १२८             | २३            | १           |                         |                         |             | १५२                 |
| २              | ३८७             | १             |             |                         |                         |             | ३८८                 |
| ३              | २२४             | ४             |             | ५                       |                         |             | २३३                 |
| ४              | २२८             | ८             | ९           |                         | १                       |             | २४६                 |
| ५              | २४७             | १             |             |                         |                         | १           | २४९                 |
| <b>जम्मा</b>   | <b>१२१४</b>     | <b>३७</b>     | <b>१०</b>   | <b>५</b>                | <b>१</b>                | <b>१</b>    | <b>१२६८</b>         |
| <b>प्रतिशत</b> | <b>९५.७४</b>    | <b>२.९२</b>   | <b>०.७९</b> | <b>०.३९</b>             | <b>०.०८</b>             | <b>०.०८</b> | <b>१००</b>          |

स्रोत : घरधुरी तथ्याङ्क संकलन, २०८१

अपार जलस्रोतको सम्पदा भएर पनि त्यसको सदुपयोग हुन नसकिरहेका कारण शहर र ग्रामीण ईलाकामा ऊर्जा संकट व्याप्त छ। नेपालका पहाडी तथा हिमाली क्षेत्रमा अहिले पनि ठुलो संख्यामा जनताहरूले खाना पकाउने इन्धनको रूपमा काठ/दाउरा/कोइलाको प्रयोग गर्दछन् भने तराई क्षेत्रमा गुइँठाको प्रयोग अत्याधिक रूपमा भइरहेको छ। यस गाउँपालिकाको कुल घरपरिवारहरू मध्ये खाना पकाउनका लागि १,२१४ अर्थात् ९५.७४ प्रतिशतले काठ/दाउरा/कोइला, ३७ अर्थात् २.९२ प्रतिशतले एलपी ग्याँस प्रयोग गर्दछन्। यसैगरी १० अर्थात् ०.७९ प्रतिशतले मट्टितेल, ५ अर्थात् ०.३९ प्रतिशतले गोबर ग्याँस/बायो ग्याँस, १ अर्थात् ०.०८ प्रतिशतले विद्युत र १ अर्थात् ०.०८ प्रतिशतले अन्य सहायक इन्धनको प्रयोग गरेको पाइयो। स्थानीयहरूले अधिकांश काठदाउराको प्रयोग गर्ने भएकाले एकातर्फ वनजंगल र पर्यावरणमा क्षति पुग्ने र अर्कोतर्फ धुवाँ र दाउरा संकलन गर्दा लाग्ने समयले क्रमशः स्वास्थ्यमा असर पुऱ्याउनुका साथै समय समेत बढी खर्च हुने देखिन्छ। तसर्थ ग्रामीण भेगहरूमा वैकल्पिक ऊर्जाको उत्तम उपायको रूपमा गोबर ग्याँसको प्रयोगलाई प्रोत्साहन गर्ने र आयआर्जनका कार्यक्रमहरूमा केन्द्रीत गरी गाउँपालिकाबासीलाई काठ दाउराको विकल्पतर्फ लैजानुपर्ने देखिन्छ। जसको विस्तृत विवरण तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ।

### खाना पकाउन प्रयोग गरिने मुख्य ईन्धनको आधारमा परिवारको विवरण



दिगो विकासको अवधारणाअनुसार पर्यावरणीय सन्तुलन बनाई राख्न मानिसको उपभोग शैलीमा परिवर्तन गर्नु अपरिहार्य छ। उदाहरणका लागि नेपालले आधारवर्ष २०१५ मा ७४.७ प्रतिशत रहेको ईन्धनको प्राथमिक श्रोतको रूपमा काठ, दाउरा, गुईँठा आदि प्रयोग गर्ने जनसमुदाय सन् २०३० सम्म ३० प्रतिशत मा झार्ने (SDG-7) तथा पकाउने प्रयोजनार्थ एल.पी. ग्याँस प्रयोगलाई १८ प्रतिशत (२०१५) बाट ३३ प्रतिशतमा पुऱ्याउने लक्ष्य राखेको छ। यसै राष्ट्रिय लक्ष्यलाई आत्मसाथ गर्दै यस गाउँपालिकाका नीति तथा कार्यक्रमहरूलाई त्यसतर्फ उन्मुख बनाउनु आवश्यक छ।

### ७.२.२ बत्ती बाल्ने ईन्धनको प्रयोगको आधारमा घरपरिवार

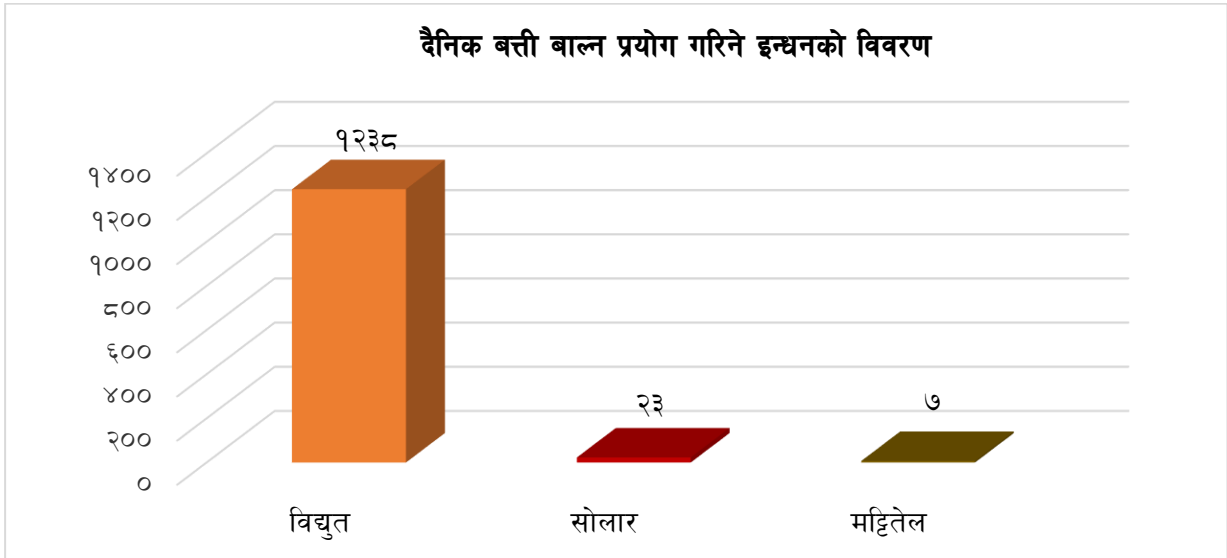
यस गाउँपालिकाका सबै वडाहरूमा विद्युत मर्मत सम्भार, महसूल असुली तथा विद्युतीकरण योजनाको कार्यान्वयन नेपाल विद्युत प्राधिकरणले गर्दै आएको छ। घरधुरी सर्वेक्षण, २०८१ को नतिजा अनुसार दैनिक बत्ती बाल्न प्रयोग गरिने ईन्धनमा विद्युत प्रमुख स्रोतको रूपमा रहेको देखिन्छ।

तालिका नं. ८१ : दैनिक बत्ती बाल्न प्रयोग गरिने ईन्धनको विवरण

| वडा            | विद्युत      | सोला        | मट्टितेल    | जम्मा परिवार संख्या |
|----------------|--------------|-------------|-------------|---------------------|
| १              | १४२          | ९           | १           | १५२                 |
| २              | ३८६          |             | २           | ३८८                 |
| ३              | २३३          |             |             | २३३                 |
| ४              | २२८          | १४          | ४           | २४६                 |
| ५              | २४९          |             |             | २४९                 |
| <b>जम्मा</b>   | <b>१२३८</b>  | <b>२३</b>   | <b>७</b>    | <b>१२६८</b>         |
| <b>प्रतिशत</b> | <b>९७.६३</b> | <b>१.८१</b> | <b>०.५५</b> | <b>१००</b>          |

स्रोत : घरधुरी तथ्याङ्क संकलन, २०८१

गाउँपालिकामा घरपरिवारहरूले दैनिक बत्ती बाल्न प्रयोग गर्ने इन्धनको स्रोत विश्लेषण गर्दा गाउँपालिकाका कुल १२६८ घरपरिवारहरूमध्ये १२३८ अर्थात् ९७.६३ प्रतिशतले विद्युत, २३ अर्थात् १.८१ प्रतिशतले सोलार, ७ अर्थात् ०.५५ प्रतिशतले मट्टितेलको प्रयोग गरेको पाइएको छ। यस तथ्याङ्कलाई हेर्दा ग्रामीण विद्युतीकरणमा गाउँपालिकामा विद्युतसेवाको पहुँच नपुगेका परिवारहरू नगन्य रहेको देखिन्छ, भने सेवा नपुगेका क्षेत्रहरूमा त्यसको विस्तार हुनु जरूरी देखिएको छ। वडागत विवरण निम्न तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ।



### ७.२.३ जलविद्युत, सौर्य ऊर्जा, वायु उर्जाबाट विद्युत उत्पादन विवरण

नेपालमा निजी, सरकारी तथा अन्तर्राष्ट्रिय लगानीमा विद्युतीकरणका प्रयासहरू भइरहेका भएतापनि कतिपय नीतिगत अस्पष्टता, प्राविधिक कठिनाई, राजनैतिक अस्थिरता र कडा अनुगमन प्रणालीको अभावका कारण तीव्र गतिमा विद्युतीकरण हुन सकिरहेको छैन। ग्रामीण विद्युतीकरण, लघु जलविद्युत आयोजना तथा बृहत जलविद्युत परियोजना सञ्चालन गरेर देशमा निर्वाहमुखी मात्र नभई निर्यातमुखी उत्पादन गरी ऊर्जा संकट समाधान गर्नुका साथै विदेशी मुद्रा आर्जन गर्न सकिने प्रचुर सम्भावना नेपालसँग छ। यसका लागि लगानीमैत्री वातावरणको आवश्यकता रहेको छ।

### ७.२.४ वैकल्पिक ऊर्जा (लघु जलविद्युत, सोलार, बायोग्याँस, सुधारिएको चुल्हो) प्रयोग गर्ने परिवार

पेट्रोलियम पदार्थमाथिको निर्भरतालाई घटाउँदै नवीकरणीय वैकल्पिक ऊर्जाको प्रयोगमा व्यापकता ल्याउन सकेको खण्डमा पर्यावरणीय सन्तुलनलाई कायम राख्न मद्दत पुग्दछ। डिजेल, पेट्रोल, मट्टितेल जस्ता पदार्थको उत्पादन नेपालमा नहुने भएका कारण वर्षेनी अरबौं रूपैयाँ हामीले पेट्रोलियम पदार्थको आयातमा खर्चनु परेको छ। विश्वको तेस्रो भू-परिवेष्टित विकासोन्मुख देश नेपालका लागि यो वैदेशिक व्यापार घाटाको एक प्रमुख कारण समेत हो। हामीले आयात प्रतिस्थापन र निर्यात प्रबन्धको नीतिलाई व्यवहारमा प्रभावकारी तरिकाले उर्तान नसकिरहेको परिप्रेक्ष्यमा वायु ऊर्जा, सौर्य ऊर्जा, विद्युत ऊर्जा तथा बायो ग्याँसको विकासमार्फत हामी ऊर्जाको स्रोतमा आत्मनिर्भर बन्न सक्छौं। त्यसैले नेपालको हकमा स्थानीय सरकार, प्रदेश सरकार र संघीय सरकारले नवीकरणीय वैकल्पिक ऊर्जाको विकासमा आवश्यक नीति निर्माण गरी काम गर्नुपर्ने देखिन्छ।

## ७.२.५ स्रोत नक्शा

### ७.३ सञ्चार तथा प्रविधि

एककाईसौ शताब्दीको भु-मण्डलीकृत समाज सूचना र सञ्चारको युगमा छ। सूचना र सञ्चारको क्षेत्रमा आएको क्रान्तिलाई नेपालको शहरी क्षेत्रले लगभग आत्मसाथ गरिसकेको भएतापनि ग्रामीण क्षेत्रमा टेलिभिजन, पत्रपत्रिका, इन्टरनेट, टेलिफोन, मोबाइल र कुरियर सेवा विस्तार हुन बाँकी छ। सञ्चार र प्रविधिका यी माध्यमहरूको पूर्णरूपले विकास गरी ग्रामीण जनतालाई सूचना र सञ्चारको युग प्रवेश गराउनु चुनौतीपूर्ण रहेको छ। नेपालको संविधानले जनताको सूचनाको हकलाई मौलिक हकको रूपमा परिभाषित गरेको छ।

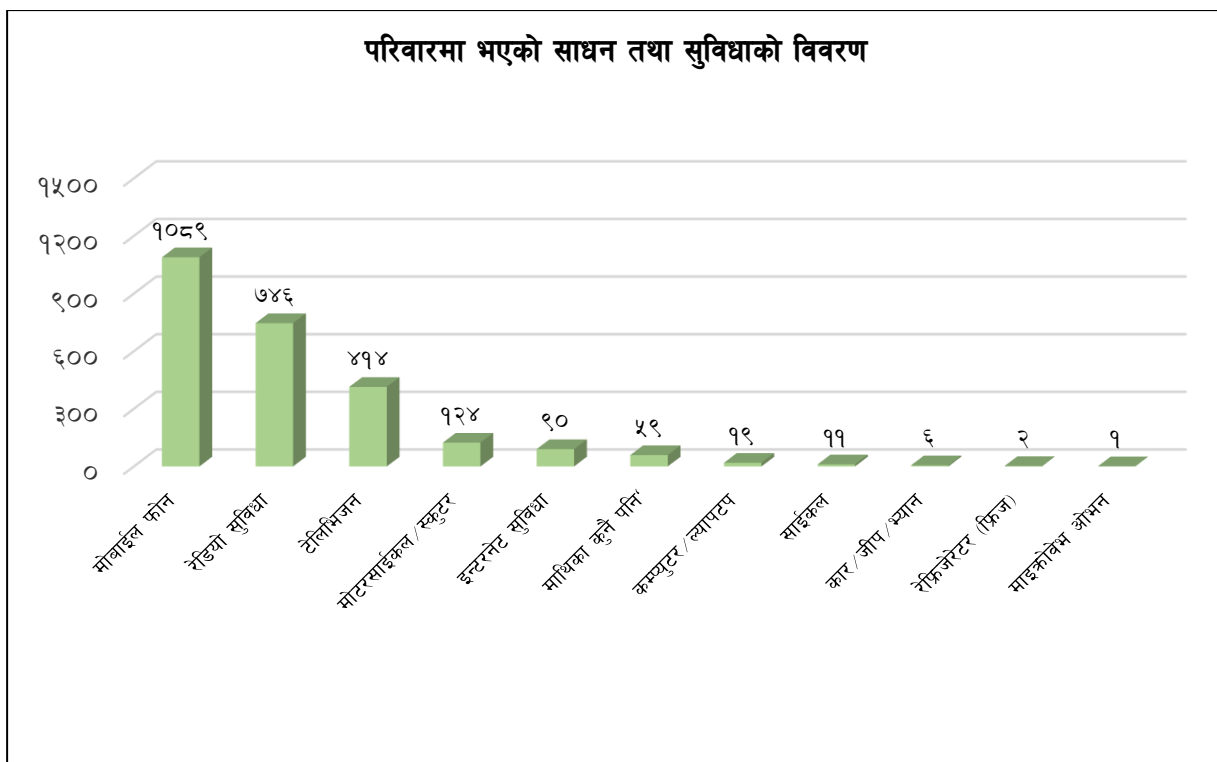
#### ७.३.१ आधुनिक सुविधामा पहुँच सम्बन्धी विवरण

तालिका नं. ८२ : परिवारमा भएको साधन तथा सुविधाको विवरण (बहुउत्तरमा आधारित)

| विवरण                 | वडा        |            |            |            |            | जम्मा       | प्रतिशत    |
|-----------------------|------------|------------|------------|------------|------------|-------------|------------|
|                       | १          | २          | ३          | ४          | ५          |             |            |
| मोबाइल फोन            | १४४        | ३४५        | २०८        | १४५        | २४७        | १०८९        | ४२.५२      |
| रेडियो सुविधा         | १३८        | ४३         | ८३         | २३८        | २४४        | ७४६         | २९.१३      |
| टेलिभिजन              | १८         | ११२        | १०४        | १७९        | १          | ४१४         | १६.१७      |
| मोटरसाइकल/स्कुटर      | १२         | ४२         | १६         | ५४         |            | १२४         | ४.८४       |
| इन्टरनेट सुविधा       | ६९         | ५          | १३         | २          | १          | ९०          | ३.५१       |
| माथिका कुनै पनि नभएको | १          | ४०         | १८         |            |            | ५९          | २.३        |
| कम्प्युटर/ल्यापटप     |            | ९          | ५          | ५          |            | १९          | ०.७४       |
| साइकल                 |            |            | २          | ९          |            | ११          | ०.४३       |
| कार/जीप/भ्यान         |            | १          | २          | ३          |            | ६           | ०.२३       |
| रेफ्रिजेरेटर (फ्रिज)  | १          |            |            | १          |            | २           | ०.०८       |
| माइक्रोवेभ ओभन        |            |            | १          |            |            | १           | ०.०४       |
| <b>जम्मा</b>          | <b>३८३</b> | <b>५९७</b> | <b>४५२</b> | <b>६३६</b> | <b>४९३</b> | <b>२५६१</b> | <b>१००</b> |

स्रोत: घरधुरी तथ्याङ्क संकलन, २०८१

साधन तथा सेवा सुविधाको आधारमा गाउँपालिकामा मोबाइल सुविधा उपलब्धता भएको घरपरिवारको संख्या उच्च रहेको देखिन्छ। गाउँपालिकाका कुल घरपरिवारहरूमध्ये १,०८९ अर्थात् ४२.५२ प्रतिशत घरपरिवारमा मोबाइलको सुविधा भएको देखिन्छ। दोस्रोमा रेडियो हुने घरपरिवारको संख्या ७४६ अर्थात् २९.१३ प्रतिशत रहेको छ। यसैगरी टेलिभिजनको प्रयोग गर्ने घरपरिवारको संख्या ४१४ अर्थात् १६.१७ प्रतिशत, मोटरसाइकल/स्कुटर (पेट्रोल) प्रयोग गर्ने घरपरिवारको संख्या १२४ अर्थात् ४.८४ प्रतिशत, इन्टरनेट सुविधा घरपरिवारको संख्या ९० अर्थात् ३.५१ प्रतिशत, कम्प्युटर/ल्यापटप प्रयोग गर्नेको संख्या १९ अर्थात् ०.७४ प्रतिशत रहेको छ। समग्रमा हेर्दा मोबाइलको सेवामा वृद्धि हुँदै गएको देखिन्छ। मोबाइल प्रयोगकर्ताले सबै खाले संचारका सुविधा जस्तै श्रव्य, दृष्य, सूचना, गीत, खबर आदान प्रदान लगायतका धेरै काम गर्न सहज हुने भएकोले मोबाइलको तुलनामा टेलिभिजन, रेडियो प्रयोगकर्ताको संख्या घटिरहेको देखिन्छ। अर्कोतर्फ कार/जीप/भ्यान, माइक्रोवेभ ओभन, राष्ट्रिय दैनिक पत्रिकाको पहुँच जस्ता उच्च सुविधाका सामग्रीहरूको संख्या घटिरहेको छ। यद्यपी, ग्रामीण इलाकाहरूमा समेत क्रमशः आधुनिक सुख सुविधाका सामग्रीहरूको प्रयोगकर्ताहरू बढ्नाले उपभोक्तावादी संस्कृतिको विकास भइरहेको देखिन्छ। वडागत रूपमा विस्तृत विवरण तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ।



## ७.४ आवास तथा भवन

### ७.४.१ घरको किसिमको आधारमा घरधुरी विवरण

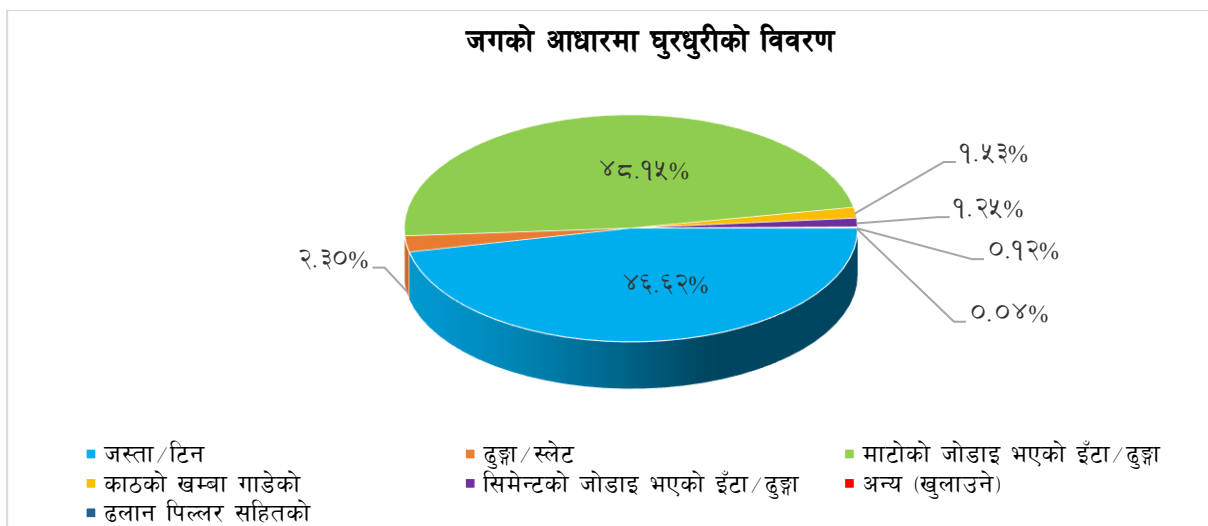
#### क) जगको किसिमको आधारमा घरधुरी

तालिका नं. ८३ : जगको आधारमा घरधुरीको विवरण

| वडा     | माटोको जोडाइ भएको ईँटा/दुङ्गा | काठको खम्बा गाडेको | सिमेन्टको जोडाइ भएको ईँटा/दुङ्गा | अन्य (खुलाउने) | ढलान पिल्लर सहितको | जम्मा |
|---------|-------------------------------|--------------------|----------------------------------|----------------|--------------------|-------|
| १       | १२७                           | ११                 | १४                               |                |                    | १५२   |
| २       | ३७३                           | १०                 | १                                | ३              | १                  | ३८८   |
| ३       | २२७                           | ५                  | १                                |                |                    | २३३   |
| ४       | २३६                           |                    | १०                               |                |                    | २४६   |
| ५       | २३२                           | १२                 | ५                                |                |                    | २४९   |
| जम्मा   | ११९५                          | ३८                 | ३१                               | ३              | १                  | १२६८  |
| प्रतिशत | ९४.२४                         | ३                  | २.४४                             | ०.२४           | ०.०८               | १००   |

स्रोत : घरधुरी तथ्याङ्क संकलन, २०८१

गाउँपालिकाका रहेका जम्मा घरधुरी १२६८ मध्ये माटोको जोडाई भएको ईँटा/दुङ्गाका जग भएको घरमा बसोबास गर्नेको संख्या ११९६ अर्थात ९४.२४ प्रतिशत, काठको खम्बा गाडेको जग भएको परिवार संख्या ३८ अर्थात ३ प्रतिशत, सिमेन्टको जोडाइ भएको ईँटा/दुङ्गाका जग भएको परिवार संख्या ३१ अर्थात २.४४ प्रतिशत रहेका छन् भने ढलान पिल्लर सहितको जगको प्रयोग गरी बसोबास गर्ने घरपरिवारको संख्या १ अर्थात ०.०८ प्रतिशत रहेको पाइन्छ। यसको विस्तृत विवरण तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ।



## ख) बाहिरी गारोको आधारमा घरधुरी

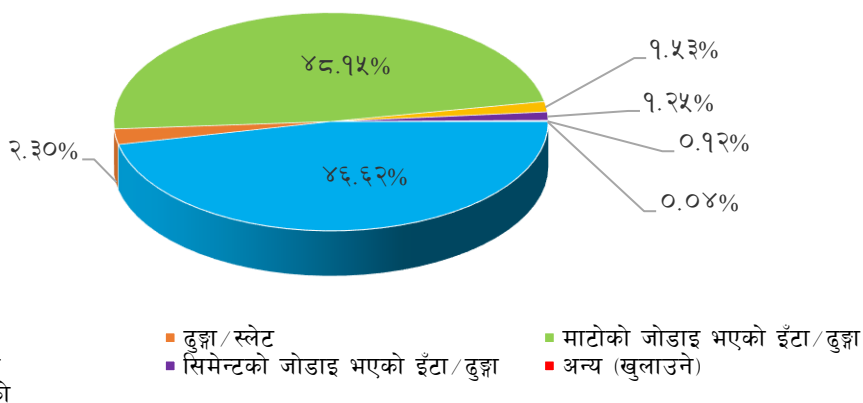
तालिका नं. ८४ : बाहिरी गारोको आधारमा घरधुरीको विवरण

| वडा     | माटोको जोडाइ भएको ईटा/दुङ्गा | सिमेन्टको जोडाइ भएको ईटा/दुङ्गा | जस्ता/टिन/च्यादर | काठ/फल्याक | बाँसजन्य सामग्री | जम्मा |
|---------|------------------------------|---------------------------------|------------------|------------|------------------|-------|
| १       | १२०                          | २०                              | ७                | ४          | १                | १५२   |
| २       | ३६८                          | ४                               | ६                | ४          | ६                | ३८८   |
| ३       | २२५                          | २                               | ४                | २          |                  | २३३   |
| ४       | २३७                          | ९                               |                  |            |                  | २४६   |
| ५       | २३२                          | ४                               | ४                | ८          | १                | २४९   |
| जम्मा   | ११८२                         | ३९                              | २१               | १८         | ८                | १२६८  |
| प्रतिशत | ९३.२२                        | ३.०८                            | १.६६             | १.४२       | ०.६३             | १००   |

स्रोत : घरधुरी तथ्याङ्क संकलन, २०८१

गाउँपालिकाका रहेका जम्मा घरधुरी १२६८ मध्ये माटोको जोडाई भएको ईटा/दुङ्गाको बाहिरी गारो भएको घरमा बसोबास गर्नेको संख्या ११८२ अर्थात ९३.२२ प्रतिशत, सिमेन्टको जोडाइ भएको ईटा/दुङ्गाको गारो भएको परिवार संख्या ३९ अर्थात ३.०८ प्रतिशत रहेका छन् जस्ता/टिन/च्यादर गारो भएको परिवार संख्या २१ अर्थात १.६६ प्रतिशत रहेको छ, काठ/फल्याकको प्रयोग गरी बसोबास गर्ने घरपरिवारको संख्या १८ अर्थात १.४२ प्रतिशत रहेको पाइन्छ। यसको विस्तृत विवरण तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ।

### बाहिरी गारोको आधारमा घरधुरीको विवरण



### ग) छानोको प्रकारका आधारमा घरधुरी

तालिका नं. ८५ : छानोको आधारमा घरधुरीको विवरण

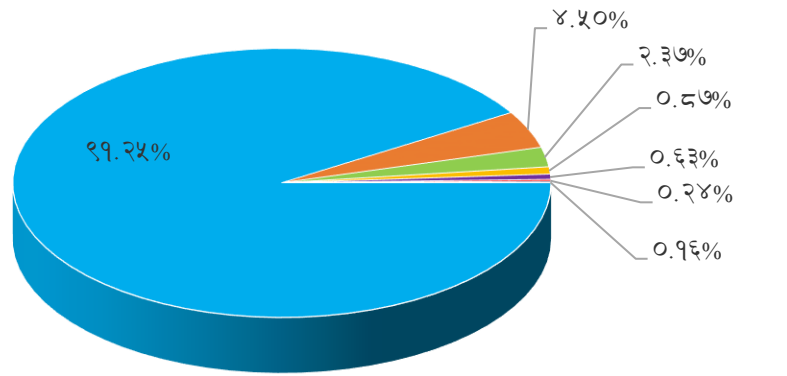
| वडा     | जस्ता/टिन | दुङ्गा/स्लेट | काठ/फल्याक | खर/पराल/छ्वाली | अन्य (खुलाउने) | सिमेन्ट ढलान | टायल/खपडा/भिँगटी | जम्मा |
|---------|-----------|--------------|------------|----------------|----------------|--------------|------------------|-------|
| १       | १४०       | २            | ९          | १              |                |              |                  | १५२   |
| २       | ३०३       | ५४           | १९         | १              | ८              | १            | २                | ३८८   |
| ३       | २२९       | १            | १          |                |                | २            |                  | २३३   |
| ४       | २३८       |              |            | ८              |                |              |                  | २४६   |
| ५       | २४७       |              | १          | १              |                |              |                  | २४९   |
| जम्मा   | ११५७      | ५७           | ३०         | ११             | ८              | ३            | २                | १२६८  |
| प्रतिशत | ९१.२५     | ४.५          | २.३७       | ०.८७           | ०.६३           | ०.२४         | ०.१६             | १००   |

स्रोत : घरधुरी तथ्याङ्क संकलन, २०८१

गाउँपालिकाका रहेका जम्मा घरधुरी १२६८ मध्ये जस्ता/टिनको छानो भएको घरमा बसोबास गर्नेको संख्या ११५७ अर्थात ९१.२५ प्रतिशत, दुङ्गा/स्लेटको छानो भएको परिवार संख्या ५७ अर्थात ४.५ प्रतिशत, काठ/फल्याकको छानो भएको परिवार संख्या ३० अर्थात २.३७ प्रतिशत रहेका छन् भने खर/पराल/छ्वाली छानोको प्रयोग गरी बसोबास गर्ने घरपरिवारको संख्या ११ अर्थात ०.८७ प्रतिशत रहेको पाइन्छ। यसको विस्तृत विवरण तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ।



### छानोको आधारमा घरधुरीको विवरण



- जस्ता/टिन
- दुङ्गा/स्लेट
- काठ/फल्याक
- खर/पराल/छ्वाली
- अन्य (खुलाउने)
- सिमेन्ट ढलान
- टायल/खपडा/भिँगाटी

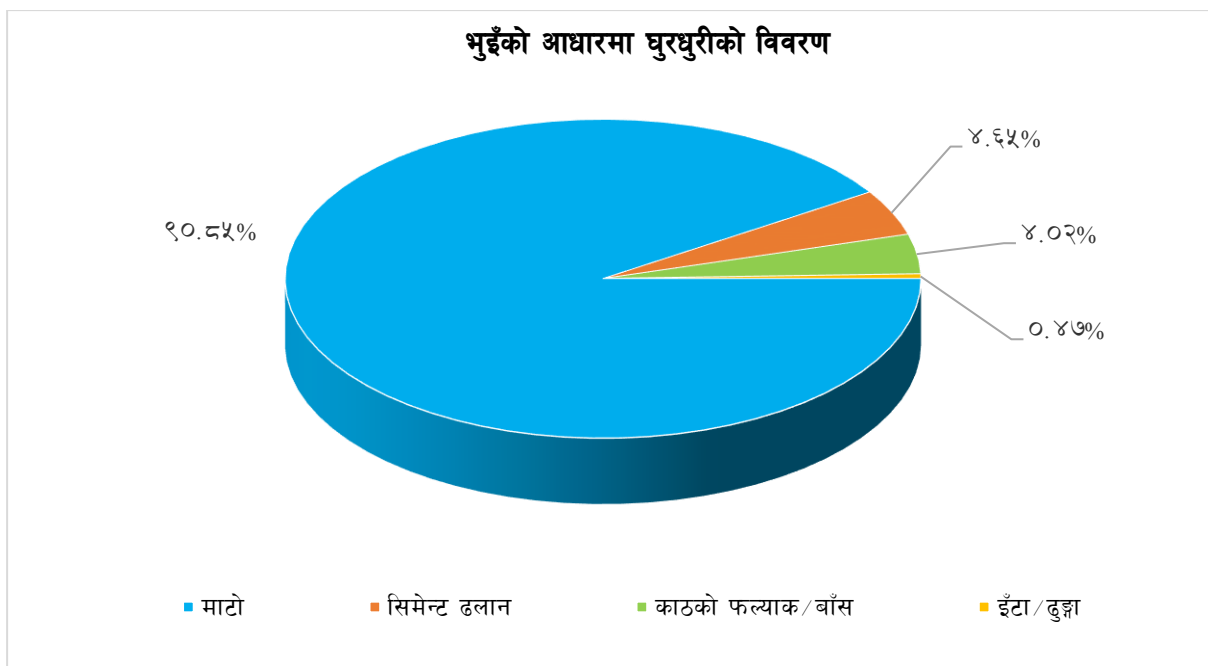
### ग) भुइँको किसिमको आधारमा घरधुरी

तालिका नं. ८६ : भुइँको किसिमको आधारमा घरधुरीको विवरण

| वडा     | माटो  | सिमेन्ट ढलान | काठको फल्याक/बाँस | इँटा/दुङ्गा | जम्मा |
|---------|-------|--------------|-------------------|-------------|-------|
| १       | ९६    | २१           | ३१                | ४           | १५२   |
| २       | ३४२   | ३०           | १५                | १           | ३८८   |
| ३       | २२४   | ७            | २                 |             | २३३   |
| ४       | २४२   |              | ३                 | १           | २४६   |
| ५       | २४८   | १            |                   |             | २४९   |
| जम्मा   | ११५२  | ५९           | ५१                | ६           | १२६८  |
| प्रतिशत | ९०.८५ | ४.६५         | ४.०२              | ०.४७        | १००   |

स्रोत : घरधुरी तथ्याङ्क संकलन, २०८१

गाउँपालिकाका रहेका जम्मा घरधुरी १२६८ मध्ये माटोको भुइँ भएको घरमा बसोबास गर्नेको संख्या ११५२ अर्थात ९०.८५ प्रतिशत, सिमेन्टको ढलान भुइँ भएको परिवार संख्या ५९ अर्थात ४.६५ प्रतिशत, काठको फल्याक/बाँसको भुइँ भएको परिवार संख्या ५१ अर्थात ४.०२ प्रतिशत रहेका छन् भने इँटा/दुङ्गाको प्रयोग गरी बसोबास गर्ने घरपरिवारको संख्या ६ अर्थात ०.४७ प्रतिशत रहेको पाइन्छ। यसको विस्तृत विवरण तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ।



### ७.४.२ गाउँपालिका अन्तर्गतका सरकारी भवन सम्बन्धी विवरण

स्थानीय तहले पालिका कार्यालय भवन, वडा कार्यालय भवनहरू तथा अत्यावश्यक अन्य सरकारी भवनहरू आफ्नै जग्गामा अथवा नेपाल सरकारबाट प्राप्त जग्गामा निर्माण गरी कार्यसम्पादनलाई चुस्तदुरुस्त र प्रभावकारी बनाई जनतालाई सरकारको उपस्थितिको आभास दिलाउनु आवश्यक हुन्छ। यस्ता प्रकारका स्थायी संरचनाहरूको निर्माण भएपछि संघीयताले संस्थागत रूप धारण गर्दै जान्छ।

संघीय शासन प्रणाली अन्तर्गत निर्माण भएका स्थानीय तहमा आवश्यक भौतिक संरचनाहरू निर्माण गरी स्थानीय सरकारको कार्यक्रमहरू सञ्चालन हुनुपर्ने मान्यता अनुरूप गाउँपालिको आफ्नै सामुदायिक भवन तथा सभाहल हुनु आवश्यक छ। गाउँपालिकाले आफ्नो बहुउद्देश्यीय सामुदायिक भवन निर्माण गरी त्यस भवनमै सभाहल लगायतका अन्य हलहरू निर्माण गर्नु उपयुक्त देखिन्छ। हाल गाउँपालिका भित्र रहेका सामुदायिक भवनहरू तथा सभाहल सम्बन्धी विवरण तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ।

**तालिका नं. ८७ :** गाउँपालिकामा रहेका सामुदायिक भवनहरू तथा सभाहलको विवरण

| क्र.सं. | सरकारी तथा सामुदायिक भवनको नाम | वडा नं. | हालको अवस्था |
|---------|--------------------------------|---------|--------------|
| १.      | पिके पोर्टर हाउस               | १       |              |
| २.      | पिके यार्ज्याड ल्याहरी घर      | १       |              |
| ३.      | शेर्पा संस्कृतिक संग्राहलय भवन | १       |              |
| ४.      | गेप्चुका सामुदायिक भवन         | १       |              |
| ५.      | काप्ती सामुदायिक भवन           | १       |              |
| ६.      | यर्माखु सामुदायिक भवन          | १       |              |
| ७.      | गोली सामुदायिक भवन             | २       |              |
| ८.      | महिला सचेतना सभाहल             | २       |              |

| क्र.सं. | सरकारी तथा सामुदायिक भवनको नाम | वडा नं. | हालको अवस्था |
|---------|--------------------------------|---------|--------------|
| ९.      | गाउँपालिका समिक्षा भवन         | ३       |              |
| १०.     | डुडा सामुदायिक भवन             | ४       |              |
| ११.     | भकाञ्जे समिक्षा हल             | ५       |              |

### ७.४.३ गाउँपालिका कार्यालयदेखि प्रत्येक वडा केन्द्रसम्मको दुरी

सडक यातायात सुविधाको विस्तार तथा सडकहरूको स्तरोन्नति गरी वडा केन्द्रहरूलाई गाउँपालिका केन्द्रसम्म जोड्नु आवश्यक छ। सडक सञ्जालको विकास भएमात्र उद्योग, बन्द व्यापारको विकासका साथै कृषिको आधुनिकीकरण र कृषि उत्पादनको बजारीकरण सम्भव छ। ग्रामीण इलाकाका सडकहरू वर्षायामको बेलामा हिलाम्य हुने भएका कारण ती सडकलाई “फेयर वेदर सडक” का रूपबाट “अल वेदर” सडकको रूपमा स्तरोन्नति गरी वडा केन्द्रहरूलाई गाउँपालिका केन्द्रसँग जोडेर जिल्ला सडक हुँदै राष्ट्रिय राजमार्ग प्रणालीमा जोड्नुपर्ने हुन्छ।

### ७.४.४ पशु बधशालाको विवरण

स्थानीय सरकारले जनस्वास्थ्यलाई उच्च प्राथमिकतामा राखेर काम गरेको खण्डमा स्वस्थ, निरोगी र सकारात्मक सोच भएका नागरिकहरूको उत्पादन भई उनीहरूले विकास, निर्माण र सेवाका क्षेत्रमा योगदान पुऱ्याउन सक्छन्। त्यसकारण आधुनिक प्रविधियुक्त सफा पशु बधशालाको निर्माण गरी जनताको खाद्य सुरक्षाको अधिकारलाई सुनिश्चित गर्दै स्थानीय सरकारले मासुजन्य पशुपंक्षीको बध गर्नुभन्दा पहिले निश्चित मापदण्ड पुरा गर्नुपर्ने नीति निर्माण गरी कार्यान्वयन गर्नु बाञ्छनीय देखिन्छ।

### ७.४.५ शवदाहस्थल सम्बन्धी विवरण

नेपालमा आफ्नो धार्मिक परम्परा अनुसार मृत्यु संस्कार गर्ने चलन परापूर्व कालदेखि नै चलिआएको छ। हरेक गाउँपालिकामा तथा हरेक समुदायको आ-आफ्नो धर्म र संस्कृति अनुसार शवदाहस्थल र चिहान व्यवस्थापन एक महत्वपूर्ण र संवेदनशील विषय र आवश्यकता हो। भावनात्मक अर्थ समेत बोकेको यो विषयलाई कुनै पनि योजनाले समयमै सम्बोधन गर्नुपर्दछ। अन्यथा अव्यवस्थित दाहसंस्कार गरिनुले गाउँपालिकाको पर्यावरणीय, सामाजिक तथा साँस्कृतिक व्यवस्थामा चुनौती थपिन्छ। यस गाउँपालिकाको वडा नं. १ मा शेर्पा समुदायको शवदाहस्थल रहेको छ भने अर्को एर्मा मा पनि शेर्पा समुदायको शवदाहस्थल रहेको छ परम्परागत रूपमा सञ्चालनमा रहेका शवदाहस्थल र चिहानलाई भविष्यमा सहज र व्यवस्थित बनाउनुपर्दछ। आवश्यक स्थानमा शवदाहस्थल तथा चिहानको व्यवस्थापनका लागि आश्रयस्थल बनाउने, खानेपानी तथा काठ दाउराको व्यवस्थापन, मृत्यु संस्कारका लागि आवश्यक सामग्रीहरू उपलब्ध हुनेगरी पूजा पसल व्यवस्थापन आदि कार्यहरू गाउँपालिकाले गर्नुपर्ने हुन्छ।

## परिच्छेद - ८: संस्थागत तथा सुशासनको स्थिति

### ८.१ संगठनात्मक तथा मानव संसाधनको अवस्था

#### ८.१.१ गाउँपालिकाको संगठनात्मक ढाँचा: संगठनात्मक सर्वेक्षणमा रहेको प्रस्तावित संगठन तालिका

## ८.२ सेवा सुविधा सञ्चालन र व्यवस्थापन

### ८.२.१ उपलब्ध सेवा सुविधाको प्रकार

- अपाङ्ग परिचयपत्र वितरण तथा अद्यावधिक,
- निःशुल्क उपचार सिफारिस,
- कृषि समूह दर्ता, नवीकरण तथा खारेजी,
- कृषि यन्त्र, औषधी तथा पशु औषधी उपचार र उपकरण वितरण,
- बाली तथा पशुपन्छी बीमा,
- प्राइवेट फर्म दर्ता, नवीकरण तथा खारेजी,
- व्यवसाय दर्ता, नवीकरण तथा खारेजी,
- सहकारी दर्ता तथा खारेजी,
- संघ संस्था दर्ता तथा खारेजी,
- रोजगार परामर्श,
- श्रम स्वीकृति,
- वैदेशिक रोजगारी सहायता,
- व्यक्तिगत घटना दर्ता,
- सामाजिक सुरक्षा भत्ताको नयाँ लाभग्राही दर्ता तथा नवीकरण,
- घ वर्गको निर्माण व्यवसायी इजाजत पत्र वितरण तथा नवीकरण,
- घर निर्माण अनुमति,
- घरनक्शा पास तथा अभिलेखीकरण,
- विवाद निरोपण तथा मेलमिलाप,
- छात्रवृत्ती सिफारिस,
- विद्यालय सञ्चालन तथा कक्ष थप अनुमति,
- तालिमहरू सञ्चालन,
- गाउँपालिका र वडा कार्यालयहरूबाट विभिन्न सिफारिस र प्रमाणितका कार्यहरू आदि ।

### ८.२.२ सेवा प्रवाह प्रक्रिया र पृष्ठपोषण

**अपाङ्ग तथा जेष्ठ नागरिक परिचय पत्र वितरण** : सम्बन्धित व्यक्तिको निवेदन, वडाको सिफारिस र आवश्यक परेको खण्डमा विशेषज्ञ चिकित्सकको सिफारिसका आधारमा अपाङ्ग परिचयपत्र वितरण समितिले जाँचबुझ गरी परिचयपत्र वितरण गर्ने ।

जेष्ठ नागरिक परिचयपत्रका लागि नागरिकता प्रमाणपत्रको प्रतिलिपि सहित निवेदन पेश गरेमा जाँचबुझ गरी परिचयपत्र वितरण हुने ।

**क्लब दर्ता** : बाल क्लब, किशोरी क्लब, युवा क्लब, सञ्जालहरू विद्यान, बैठकका निर्णयहरू, आवश्यक अन्य कागजातहरू संलग्न गरी निवेदन पेश गरेमा आवश्यक जाँचबुझ गरी उपयुक्त भएमा दर्ता हुने र नियमानुसार नवीकरण तथा खारेजीको कार्य गरिने ।

**निःशुल्क उपचार सिफारिस:** सम्बन्धित व्यक्तिको निवेदन, अस्पतालको प्रेषण पूर्जा र वडाको सिफारिसका आधारमा निःशुल्क उपचार सिफारिस समितिका आधारमा निःशुल्क उपचारका लागि सिफारिस हुने ।

**कृषि समूह दर्ता :** प्रस्तावित समूहको निर्णय प्रतिलिपि, नागरिकता प्रमाणपत्रहरु सहित निवेदन पेश भएपछि कृषि तथा पशु सेवा उपशाखाले आवश्यक जाँचबुझ गरी कृषि समूह दर्ता गर्ने र नियमानुसार नवीकरण तथा खारेजीको कार्य गरिने ।

**कृषि यन्त्र, औषधी तथा पशु औषधी उपचार र उपकरण वितरण:** वार्षिक कार्यक्रम, लक्षित वर्गको माग र निवेदनका आधारमा कृषि यन्त्र र पशु उपचार उपकरण वितरण हुने । सेवा केन्द्रहरुबाट उपचार सेवा निःशुल्क रुपमा उपलब्ध हुने ।

**बाली तथा पशुपन्छी बीमा :** गाउँपालिकाले अनुदानमा इच्छुक व्यक्तिहरुको बाली तथा पशुपन्छी बीमा गरिदिने ।

**प्राइवेट फर्म दर्ता:** वडाको सिफारिस, जग्गाधनी प्रमाण-पत्रको प्रतिलिपि, नेपाली नागरिकता प्रमाणपत्रको प्रतिलिपि र निवेदन इच्छुकले पेश गरेमा रु. ५ लाखसम्मको प्राइवेट फर्म दर्ता र सोको नियमानुसार नवीकरण तथा खारेजीको कार्य गरिने ।

**व्यवसाय दर्ता :** वडाको सिफारिस, जग्गा धनी प्रमाण-पत्रको प्रतिलिपि, नेपाली नागरिकता प्रमाणपत्रको प्रतिलिपि र निवेदन इच्छुकले पेश गरेमा व्यवसाय दर्ता र सोको नियमानुसार नवीकरण तथा खारेजीको कार्य गरिने ।

**सहकारी दर्ता :** विनियम सहित भेलाका निर्णयहरुका प्रतिलिपि, नागरिकता प्रमाणपत्रका प्रतिलिपिहरु र आवश्यक अन्य कागजातहरु संलग्न गरी पेश गरेमा आवश्यक जाँचबुझ गरी उपयुक्त देखिएमा सहकारी संस्था दर्ता हुने, एकीकरण, विभाजन र नियमानुसार दर्ता खारेजीको कार्य गरिने ।

**स्थानीय संघ संस्था दर्ता :** विद्यान, बैठकका निर्णयहरुका प्रतिलिपि, नागरिकता प्रमाणपत्रका प्रतिलिपिहरु, आवश्यक अन्य कागजातहरु संलग्न गरी निवेदन पेश गरेमा आवश्यक जाँचबुझ गरी उपयुक्त भएमा संघ संस्था दर्ता हुने र नियमानुसार नवीकरण तथा खारेजीको कार्य गरिने ।

**रोजगार परामर्श :** वैदेशिक रोजगारीमा जान चाहने व्यक्तिहरुका लागि रोजगार सेवा केन्द्रबाट परामर्शको कार्य गरिने ।

**श्रम स्वीकृति :** व्यक्तिगत श्रम स्वीकृतिका लागि रोजगार प्रदायक कम्पनीले दिएको भिजा, सम्झौताको कागजात लगायतका कागजातहरु संलग्न गरी पेश गरेमा अनलाइन माध्यमबाट सोको स्वीकृतिको कार्य अगाडि बढाइने र स्वीकृति भई आए पश्चात् प्रिन्ट गरी स्वीकृति पत्र प्रदान गरिने ।

**वैदेशिक रोजगारीबाट बिदामा फर्किएका व्यक्तिहरु पुन :** वैदेशिक रोजगारीमा जान थाल्दा पुनः श्रम स्वीकृतिका लागि रोजगार प्रदायक कम्पनीले दिएको भिजा, सम्झौताको कागजात लगायतका कागजातहरु संलग्न गरी पेश गरेमा अनलाइन माध्यमबाट सोको पुनः स्वीकृतिको कार्य अगाडि बढाइने र स्वीकृति भई आए पश्चात् प्रिन्ट गरी स्वीकृति पत्र प्रदान गरिने ।

**वैदेशिक रोजगारी सहायता :** वैदेशिक रोजगार बोर्ड मार्फत् प्रदान गरिने मृत्यु तथा अंगभंग क्षतिपूर्ति, परिवार स्वास्थ्य उपचार खर्च, मृत्यु भएमा शव घरसम्म भिकाउने कार्य, विदेशमा अलपत्र परेकाको उद्धार तथा खोजतलास लगायतका कार्यका लागि वडाको सिफारिस सहित अन्य आवश्यक कागजातहरु संलग्न गरी निवेदन पेश गरेमा आवश्यक प्रक्रिया अगाडि बढाइ सेवा प्रदान गरिने ।

**व्यक्तिगत घटना दर्ता** : सूचकले दिएको सूचना फाराम र आवश्यक अन्य कागजातहरूको आधारमा स्थानीय पञ्जीकाधिकारीले जाँचबुझ गरी अनलाइन व्यक्तिगत घटना दर्ता गरी दर्ता प्रमाणपत्र प्रदान गर्ने ।

**सामाजिक सुरक्षा भत्ताको नयाँ लाभग्राही दर्ता तथा नवीकरण** : जेष्ठ नागरिक, जेष्ठ नागरिक एकल महिला, अपाङ्ग, विधुवा, दलित बालबालिका पोषण भत्ता, लोपोन्मुख नागरिकका लागि सामाजिक सुरक्षा भत्तामा नयाँ लाभग्राहीको रूपमा दर्ता हुन वडा कार्यालयमा आफ्नो आवश्यक कागजातहरू सहित फाराम भरी निवेदन पेश गरेमा जाँचबुझ गर्दा योग्य देखिएमा नयाँ लाभग्राहीका रूपमा दर्ता भई अर्को महिनाबाट भत्ता पाउने व्यवस्था रहेको छ ।

सामाजिक सुरक्षा भत्तामा दर्ता रहिरहेका व्यक्तिहरूका लागि प्रत्येक वर्ष भदौको महिनाभित्र आफ्नो कागजातहरू सहित फाराम भरी निवेदन पेश गरेमा नवीकरणको कार्य तथा तथ्याङ्क अद्यावधिक गरिने व्यवस्था रहेको छ ।

**घ वर्गको निर्माण व्यवसायी इजाजत पत्र वितरण** : आवश्यक जनशक्ति र यन्त्र उपकरणको विवरण र प्रमाणहरूको प्रतिलिपि, नागरिकता प्रमाणपत्रको प्रतिलिपि संलग्न गरी निवेदन पेश गरेमा आवश्यक जाँचबुझ गरी कार्यपालिकाको निर्णय बमोजिम इजाजत पत्र प्रदान गर्ने र नियमानुसार नवीकरण तथा खारेजीको कार्य गरिने ।

**घर निर्माण अनुमति, घरनक्शा पास तथा अभिलेखीकरण** : निर्माण गर्ने घरको ड्रइङ डिजाइन सहित घरनक्शा पासका लागि नागरिकता प्रमाणपत्रको प्रतिलिपि सहित निवेदन पेश गरेमा आवश्यक जाँचबुझ र प्रक्रिया पूरा गरी घरनक्शा पास गरिने र सोका आधारमा घर निर्माण अनुमति प्रदान हुने ।

पुराना घरहरूका हकमा निर्मित घरको नक्शा, नागरिकता प्रमाणपत्रको प्रतिलिपि सहित निवेदन पेश गरेमा आवश्यक जाँचबुझ र प्रक्रिया पूरा गरी अभिलेखीकरण प्रमाणपत्र प्रदान गरिने ।

**विवाद निरोपण तथा मेलमिलाप** : स्थानीय न्यायिक समितिले आफ्ना क्षेत्राधिकारभित्रका विभिन्न विषयमा न्याय निरोपण तथा मेलमिलापका कार्य गर्ने ।

**छात्रवृत्ती सिफारिस** : निःशुल्क अध्ययनका लागि वडाको सिफारिस सहित निवेदन पेश गरेमा आवश्यक जाँचबुझ गरी छात्रवृत्तिका लागि सिफारिस गर्ने ।

**विद्यालय सञ्चालन तथा कक्षा थप अनुमति**: विद्यालय सञ्चालन वा कक्षा थपका लागि आवश्यक पूर्वाधार पूरा गरी आवश्यक अन्य कागजातहरू संलग्न गरी निवेदन पेश गरेमा आवश्यक जाँचबुझ गर्दा उपयुक्त देखिएमा विद्यालय सञ्चालनका लागि अनुमति प्रदान गर्ने ।

**तालिम सञ्चालन**: गाउँपालिकाको आफ्नै वार्षिक योजना/कार्यक्रमबाट विभिन्न आय तथा सीपमूलक तालिमहरू सञ्चालन हुने गर्दछन् भने विभिन्न गैरसरकारी संघसंस्थाहरूको समन्वय तथा सहकार्यमा समेत त्यस्ता तालिमहरू सञ्चालन हुने गरिरहेका छन् ।

**गाउँपालिका र वडा कार्यालयहरूबाट विभिन्न सिफारिस र प्रमाणितका कार्यहरू** : स्थानीय तहको क्षेत्राधिकारभित्र रहेका स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन, २०७४ ले तोके बमोजिमका कार्यहरूका लागि आवश्यक कागजातहरू संलग्न गरी गाउँपालिका वा वडामा निवेदन पेश गरेमा नियमानुसार सिफारिस तथा प्रमाणितका कार्यहरू गर्ने ।

## ८.३ संस्थागत सम्बन्ध र नागरिक संगठन

### ८.३.१ गाउँपालिकाभित्रका नागरिक सचेतना केन्द्र, नागरिक मंच र टोल विकास संस्था सम्बन्धी विवरण

साविकका स्थानीय निकायहरूमा जननिर्वाचित जनप्रतिनिधि नहुँदा स्थानीय निकायहरूलाई गतिशील बनाउन र राज्यका गतिविधिहरू जनताको घरदैलोसम्म पुगाउन विभिन्न सचेतना केन्द्र र नागरिक केन्द्रहरू रहेका भए तापनि हाल त्यस प्रकारका संरचनाहरू नरहेको अवस्था छ ।

## ८.४ ऐन, नीति नियम र कार्यप्रणाली

### ८.४.१ गाउँपालिकाका स्वीकृत ऐन, नीति, नियम, निर्देशिका तथा मापदण्डहरू

| क्र.स. | गाउँपालिकाबाट स्वीकृत ऐन, नीति नियम, निर्देशिका तथा मापदण्डहरू                   |
|--------|--|
| १      | योजना अनुगमन कार्यविधि, २०८०   |
| २      | महिला लक्षित उपाध्यक्ष रोजगार कार्यक्रम (सञ्चालन व्यवस्थापन) कार्यविधि, २०८१     |
| ३      | आर्थिक विधेयक, २०८१  |
| ४      | लिखु पिके गाउँपालिकाको विपद् व्यवस्थापन योजना, २०८०                              |
| ५      | लिखु पिके गाउँपालिका आन्तरिक नियन्त्रण प्रणाली, २०८०                             |
| ६      | संक्षिप्त वातावरणीय अध्ययन तथा प्रारम्भिक वातावरणीय परीक्षण कार्यविधि, २०७८      |
| ७      | लिखु पिके गाउँपालिका पूर्वाधार व्यवस्थापन ऐन, (पहिलो संशोधन, २०८०)               |
| ८      | संक्षिप्त वातावरणीय अध्ययन तथा प्रारम्भिक वातावरणीय परीक्षण कार्यविधि, २०७८      |
| ९      | लिखु पिके गाउँपालिकाको वातावरण तथा प्राकृतिक स्रोत संरक्षण ऐन, २०७६              |
| १०     | लिखु पिके गाउँपालिका, मेलमिलाप केन्द्र सञ्चालन सम्बन्धी कार्यविधि, २०८०          |
| ११     | गाउँसभा सञ्चालन कार्यविधि ऐन, २०७५   |
| १२     | योजना अनुगमन कार्यविधि, २०८०   |
| १३     | लिखु पिके गाउँपालिका रोजगार संवाद मञ्च (सञ्चालन तथा व्यवस्थापन), कार्यविधि, २०८० |
| १४     | आर्थिक ऐन, २०८०  |



# अनुसूचीहरू

## अनुसूची - १: लिखु पिके गाउँपालिकाका जनप्रतिनिधीहरू

### लिखु पिके गाउँपालिकाका जनप्रतिनिधीहरूको विवरण

| क्र.सं. | नाम थर                | पद                  | फोन नं.    |
|---------|-----------------------|---------------------|------------|
| १.      | मिना कार्की (बस्नेत)  | अध्यक्ष             | ९८५२८२००३० |
| २.      | ड्वाड लाम्पा शेर्पा   | उपाध्यक्ष           | ९८५१३२७२३६ |
| ३.      | मिड्मार गेल्जे शेर्पा | १ नम्बर वडा अध्यक्ष | ९८४४३७२५८३ |
| ४.      | मणिराज बस्नेत         | २ नम्बर वडा अध्यक्ष | ९८४१२०७०४२ |
| ५.      | ध्रुवबहादुर बस्नेत    | ३ नम्बर वडा अध्यक्ष | ९८४९४४४५७८ |
| ६.      | हिक्मतबहादुर बस्नेत   | ४ नम्बर वडा अध्यक्ष | ९८६३०८७००० |
| ७.      | डिमाछरी लामा          | ५ नम्बर वडा अध्यक्ष | ९८६१६०४२३६ |
| ८.      | सोममाया श्रेष्ठ       | कार्यपालिका सदस्य   | ९८६९६४६७२६ |
| ९.      | शोभादेवी लामिछाने     | कार्यपालिका सदस्य   | ९८६४२५७७४७ |
| १०.     | सविता बि.क.           | कार्यपालिका सदस्य   | ९८६०८२५७६६ |
| ११.     | चित्रमाया बराइली      | कार्यपालिका सदस्य   | ९८६२९५२३५१ |
| १२.     | निरकुमार बि.क.        | कार्यपालिका सदस्य   | ९८४७६९४८६७ |
| १३.     | मानबहादुर भुजेल       | कार्यपालिका सदस्य   | ९७६१२४९००६ |
| १४.     | बालकुमारी बि.क.       | १ नम्बर वडा सदस्य   | ९८४०९८१३४७ |
| १५.     | पेम्बा शेर्पा         | १ नम्बर वडा सदस्य   | ९७४२५६९७९९ |
| १६.     | डिमा शेर्पा           | १ नम्बर वडा सदस्य   | ९७४३०३००३० |
| १७.     | इन्द्रबहादुर बस्नेत   | २ नम्बर वडा सदस्य   |            |
| १८.     | बुद्धिमान तामाङ       | २ नम्बर वडा सदस्य   | ९८६६५५९९८० |
| १९.     | रङ्गबहादुर खत्री      | ३ नम्बर वडा सदस्य   | ९८६१९०५१७४ |
| २०.     | दिपक बस्नेत           | ३ नम्बर वडा सदस्य   | ९८४००५६१२८ |
| २१.     | बिष्णुकुमारी भुजेल    | ३ नम्बर वडा सदस्य   | ९८४३४०००५४ |
| २२.     | राजनबहादुर भुजेल      | ४ नम्बर वडा सदस्य   | ९७६१२६६१२२ |
| २३.     | प्रेमबहादुर बस्नेत    | ४ नम्बर वडा सदस्य   | ९८६९५७५२१५ |
| २४.     | डोमा शेर्पा           | ४ नम्बर वडा सदस्य   | ९८४४३०६२५४ |
| २५.     | मैया बि.क.            | ४ नम्बर वडा सदस्य   | ९८६२२७८५४४ |
| २६.     | कुमार बस्नेत          | ५ नम्बर वडा सदस्य   | ९८६२९८४३३८ |
| २७.     | सुकजीत थामी           | ५ नम्बर वडा सदस्य   | ९८६२९३००८८ |
| २८.     | सुकमाया तामाङ         | ५ नम्बर वडा सदस्य   | ९७४५०४१५८७ |
| २९.     | पुष्पमाया बि.क.       | ५ नम्बर वडा सदस्य   | ९७६१७६८१२४ |

अनुसूची - २: कार्यपालिकाको कार्यालयमा कार्यरत कर्मचारीको विवरण  
स्थायीतर्फका कर्मचारी

| क्र.सं.                      | नाम थर             | पद                        | तह               | फोन नं.    | शाखा प्रमुख          |
|------------------------------|--------------------|---------------------------|------------------|------------|----------------------|
| १                            | काजीमान राई        | प्रमुख प्रशासकीय अधिकृत   | शाखा अधिकृत      | ९८५११७९३१२ | कार्यालय प्रमुख      |
| २                            | रमेश कुमार कार्की  | पशु सेवा शाखा प्रमुख      | अधिकृतस्तर छैटौँ | ९८६१३८४६२७ | पशु सेवा शाखा        |
| ३                            | अर्जुन राई         | पशु प्राविधिक             | अधिकृतस्तर छैटौँ | ९८४२२१९२०९ | पशु सेवा शाखा        |
| ४                            | रेखवहादुर राई      | सहलेखापाल                 | अधिकृतस्तर छैटौँ | ९८४४६००८२४ | आर्थिक प्रशासन शाखा  |
| ५                            | अनुपराज बस्नेत     | असिस्टेन्ट सर्भेयिङ्गनिजर | सहायकस्तर चौथो   | ९८५११७२४१९ | पूर्वाधार विकास शाखा |
| ६                            | कमला देवी कडेल     | वडा सचिव                  | सहायकस्तर चौथो   | ९८४२२१६४५० | वडा कार्यालय         |
| ७                            | राममिलन महतो       | वडा सचिव                  | सहायकस्तर चौथो   | ९८५१३४८५२१ | वडा कार्यालय         |
| ८                            | अर्जुनकुमार बस्नेत | खा.पा.स.टे.               | सहायकस्तर चौथो   | ९८४४६१९४७८ | पूर्वाधार विकास शाखा |
| ९                            | दिलिपकुरमा खड्का   | वडा सचिव                  | सहायकस्तर चौथो   |            | वडा कार्यालय         |
| <b>स्वास्थ्य शाखा तर्फका</b> |                    |                           |                  |            |                      |
| १                            | ज्ञानु कार्की      | सि.अ.हे.व.                | अधिकृतस्तर छैटौँ | ९८५१२१५२८९ | स्वास्थ्य शाखा       |
| २                            | शारदा खड्का        | सि.अ.न.मी.                | अधिकृतस्तर छैटौँ |            | स्वास्थ्य शाखा       |

**करारतर्फका कर्मचारी  
प्रधानमन्त्री रोजगार तर्फ**

| क्र. सं.                                      | नाम थर                 | पद                     | तह               | फोन नं.    | शाखा प्रमुख                  |
|---|------------------------|------------------------|------------------|------------|------------------------------|
| १   | प्रदिपराज बस्नेत       | रोजगार संयोजक          | अधिकृतस्तर छैटौं | ९८५१३१६०५९ | रोजगार शाखा                  |
| २   | धिरज कार्की            | प्राविधिक सहायक        | सहायकस्तर पाँचौं | ९८४४३०४२०६ | रोजगार शाखा                  |
| ३   | दिनेशकुमार बस्नेत      | रोजगार सहायक           | सहायकस्तर पाँचौं | ९८४९३५१९६६ | रोजगार शाखा                  |
| <b>पञ्जीकरणतर्फ</b>                           |                        |                        |                  |            |                              |
| १   | अमृत बस्नेत            | फिल्ड सहायक            | सहायकस्तर चौथो   | ९८४३६६९३९८ | पञ्जीकरण शाखा                |
| <b>गाउँपालिका करारतर्फका करार कर्मचारीहरु</b> |                        |                        |                  |            |                              |
| १   | बन्दना भट्टराई         | कृषि अधिकृत            | अधिकृतस्तर छैटौं | ९८४७८८७०७८ | कृषि शाखा                    |
| २   | सुजन शर्मा             | इञ्जिनियर              | सहायकस्तर चौथो   | ९८५१३५९००१ | पूर्वाधार विकास शाखा         |
| ३   | प्रमोदराज खत्री        | असिष्टेन्ट सबईन्जिनियर | सहायकस्तर चौथो   | ९८४४३०४६४२ | जिन्सी शाखा                  |
| ४   | रविबहादुर कुलुड        | कम्प्युटर अपरेटर       | सहायकस्तर चौथो   | ९८६२९८४३३६ | सूचना प्रविधि शाखा           |
| ५   | शान्ता बस्नेत          | प्रा.स.                | सहायकस्तर चौथो   | ९८६१५७५०६४ | कृषी विकास शाखा              |
| ६   | रस्मिला देवकोटा        | ना.प.से.प्रा.          | सहायकस्तर चौथो   | ९८६३९३७५०८ | महिला बालबालिका शाखा         |
| ७   | नवराज बस्नेत           | इ.डि.एफ.               | सहायकस्तर चौथो   | ९८४१९४२२७८ | उद्दम विकास शाखा             |
| ८   | लोकेन्द्रबहादुर बस्नेत | हेल्प डेस्क            | सहायकस्तर चौथो   | ९८५११०६७०१ | गाउँपालिकाको कार्यालय        |
| ९   | गोमा खड्का             | स.क.अ.                 | सहायकस्तर चौथो   | ९८४९९३४९८४ | शिक्षा, युवा तथा खेलकुद शाखा |
| १०  | गोविन्द बस्नेत         | स.क.अ.                 | सहायकस्तर चौथो   | ९८६१०१९६०८ | गाउँपालिकाको कार्यालय        |
| ११  | कृष्णबहादुर बस्नेत     | सि.वि.अर.एफ.           | सहायकस्तर चौथो   | ९८४५२४०३३० | गाउँपालिकाको कार्यालय        |
| १२  | जनकजङ्ग बस्नेत         | कार्यालय सहयोगी        | श्रेणीबिहीन      | ९८४३१७२०६८ | गाउँपालिकाको कार्यालय        |
| १३  | सञ्जीव बस्नेत          | कार्यालय सहयोगी        | श्रेणीबिहीन      | ९८६१८२८८११ | गाउँपालिकाको कार्यालय        |
| १४  | कल्याण भुजेल           | कार्यालय सहयोगी        | श्रेणीबिहीन      | ९८६१०६२८३२ | गाउँपालिकाको कार्यालय        |
| १५  | सनकबहादुर बस्नेत       | कार्यालय सहयोगी        | श्रेणीबिहीन      | ९८६०५६८३९४ | गाउँपालिकाको कार्यालय        |
| १६  | रुपा खड्का             | कार्यालय सहयोगी        | श्रेणीबिहीन      | ९७६५७५१६५४ | गाउँपालिकाको कार्यालय        |
| १७  | जीवन बस्नेत            | सवारी चालक             | श्रेणीबिहीन      | ९८४४३७२७१५ | गाउँपालिकाको कार्यालय        |

**अनुसूची - ३ : गाउँपालिकामा संचालित कार्यक्रमका तस्वीरहरु**

## अनुसूची - ४ : माइत्यूदसहर